

МОСКОВСКИЙ ГОСУДАРСТВЕННЫЙ ИНСТИТУТ
МЕЖДУНАРОДНЫХ ОТНОШЕНИЙ (УНИВЕРСИТЕТ) МИД РОССИИ
КАФЕДРА ИНДОИРАНСКИХ И АФРИКАНСКИХ ЯЗЫКОВ

К. У. ДРЮКОВА

ЯЗЫК ХИНДИ

Общественно-политический
и экономический перевод

Учебное пособие

Издательство
«МГИМО-Университет»
2011

ББК 81.2Хин
Д78

Рецензенты:

д-р филол. наук *В.П. Липеровский*,
канд. экон. наук, профессор *А.И. Медовой*,
д-р филол. наук, профессор *О.Г. Ульциферов*

Дрюкова К.У.

Д78 Язык хинди : общественно-политический и экономический перевод : учеб. пособие / К.У. Дрюкова ; Моск. гос. ин-т междунар. отношений (ун-т) МИД России, каф. индоиранских и африканских языков. — М. : МГИМО-Университет, 2011. — 232 с.

ISBN 978-5-9228- 0761-6

Целью пособия является развитие у студентов навыков устного и письменного перевода специальных, преимущественно аналитических, текстов средней и повышенной сложности, обучение аннотированию и реферированию текстов, последовательному переводу, а также развитие навыков устной речи. Источниками текстов на языке хинди послужили официальные материалы индийских ведомств, индийские СМИ, учебники по экономике, изданные в Индии. В текстах содержится обширная политическая и экономическая лексика (в том числе не зафиксированная в имеющихся хинди-русских и русско-хинди словарях), которая отражена в поурочных словарях. Источниками русскоязычных текстов стали материалы общественно-политического и экономического содержания, взятые из официальных документов, СМИ, Интернета.

Предназначено для студентов IV курса бакалавриата и I-II курсов магистратуры, обучающихся по направлениям «Международные отношения», «Регионоведение», «Международные экономические отношения».

ББК 81.2Хин

ISBN 978-5-9228-0761-6

© Московский государственный институт международных отношений (университет) МИД России, 2011

ПРЕДИСЛОВИЕ

Данное учебное пособие по общественно-политическому и экономическому переводу предназначено для студентов IV курса факультетов МО и МЭО, а также I-II курсов магистратуры, изучающих язык хинди в качестве основного языка и специализирующихся в области международных отношений, регионоведения и международных экономических отношений.

Пособие рассчитано на студентов, освоивших базовый курс общего языка и необходимый минимум общественно-политической лексики. Написание этого пособия вызвано необходимостью научить студентов разбираться в экономических проблемах, стоящих перед Индией, пополнить словарный багаж студентов дополнительной общественно-политической и новой экономической лексикой.

Пособие основано на аутентичном текстовом материале по самым широким проблемам политики и экономики Индии.

Целью пособия является формирование у студентов навыков устного и письменного перевода с хинди на русский и с русского на хинди текстов общественно-политического и экономического содержания, усвоение студентами дополнительной лексики, позволяющее переводить и реферировать общественно-политические и экономические тексты, а также вести беседу на хинди по специальности, выработку профессионально ориентированных умений и навыков, включая двусторонний перевод специальных текстов. Учитывая, что в настоящее время во всем мире уделяется огромное внимание экономическим проблемам, автор счел необходимым представить материал по ключевым темам современного состояния индийской экономики. Пособие включает три большие темы: 1) экономическое положение Индии на современном этапе (на материале экономического обозрения 2007-2008 гг., представленного Министерством финансов Индии парламенту) (2 урока); 2) общая программа-минимум правительства Объединенного прогрессивного альянса (ОПА) (2 урока); 3) исполнение правительством ОПА целей, заявленных в программе-минимум (2 урока).

Уроки построены по традиционной схеме. В каждом из шести уроков имеется основной текст, который сопровождается хинди-русским словарем (слова даются в алфавитном порядке), подробным лексико-тематическим комментарием и рядом упражнений. Упражнения включают перевод с хинди на русский и с русского на хинди словосочетаний, перевод с хинди на русский и с русского на хинди отдельных предложений, перевод, в том числе и с помощью словаря, дополнительных текстов на хинди и русском языках, упражнения на реферирование и составление краткого резюме по текстам на хинди и русском языках, завершает урок упражнение на двусторонний перевод. В конце каждого урока даются тесты.

При написании пособия были использованы новейшие материалы по экономической тематике, включая учебники по экономике, изданные в Индии в последнее время и предназначенные для студентов квалификационного уровня «Бакалавр экономики» и «Бакалавр коммерции». Для заданий на перевод с русского и с хинди использованы оригинальные материалы из различных газет, журналов и Интернета¹.

Перемены, происходящие в индийской экономике в последние десятилетия, либерализация экономической и внешне-торговой политики Индии, выход на международную экономическую арену, влияние на экономику Индии ее членства в ВТО и глобализации обусловило широкое использование экономической лексики, в том числе и новой терминологической лексики, часть ее не имеет эквивалента на хинди и дается на английском языке. Студентам необходимо знать эту лексику в достаточном объеме, чтобы уметь квалифицированно переводить экономические тексты и использовать ее при общении с коллегами по профессии.

Пособие рассчитано на 2 семестра 4 курса и 3 семестра магистратуры.

¹ В соответствии со ст. 1274 Гражданского кодекса Российской Федерации автор учебного пособия использовал в своей работе с обязательным указанием имени автора, произведение которого используется, и источника заимствования правомерно обнародованные произведения и отрывки из них в качестве иллюстраций в объеме, оправданном поставленной целью.

Тема 1
पहला विषय

Экономическое положение Индии
भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिति

(वार्षिक सर्वेक्षण 2007-2008 के कुछ अंश, जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा 29 फरवरी 2008 को घोषित किया गया है)

Урок 1
पाठ 1
Тексты
टेक्स्ट

*1. Состояние экономики
अर्थव्यवस्था की स्थिति*

अर्थव्यवस्था निश्चित रूप से उच्चतर वृद्धि चरण की ओर अग्रसर है। कुछ वर्ष पहले तक, इस बारे में सुविज्ञ पर्यवेक्षकों में आपस में बहस होती थी कि क्या 1980 के दशक से दिखायी दी अर्थव्यवस्था वस्तुतः 5 से 6 प्रतिशत के औसत से अधिक हो गयी है। अब कोई संदेह नहीं है कि अर्थव्यवस्था उच्च विकास गति से बढ़ रही है और यह 2003-2004 से प्रत्येक वर्ष बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद में 8 प्रतिशत से अधिक हो गयी है। वर्ष 2007-2008 में 8.7 प्रतिशत की अनुमानित आर्थिक वृद्धि पूर्णतया इस रुझान के अनुरूप है। वृद्धि बनाए रखने के लिए घरेलू निवेश और बचत दरों में तेजी रही और इसने ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के 9 प्रतिशत (औसत) के वृद्धि लक्ष्य को पूरा करने के लिए संसाधन उपलब्ध कराए। वृहत् आर्थिक मूल सिद्धांत विश्वास बढ़ाते रहे और निवेश माहौल उत्साहजनक बना हुआ है। सरकारी राजस्व की सुदृढ़

वृद्धि से राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध अधिनियम के अंतर्गत यथा अधिदेशित राजकोषीय समेकन बनाए रखना संभव हुआ। वृद्धि में निर्णायक परिवर्तन का यह अर्थ भी है कि संभवतया अर्थव्यवस्था उन चुनौतियों की विभिन्न प्रवृत्तियों के लिए पूर्णतया तैयार नहीं थी जो तीव्र वृद्धि के साथ चलती है। मुद्रास्फीति 2006-07 के उत्तरार्ध में बढ़ गयी थी और वस्तुओं की कीमतों में वैश्विक वृद्धि और पूंजीगत अंतर्वाहों में उछाल के बावजूद चालू वर्ष के दौरान इसे सफलतापूर्वक काबू में रखा गया। रुपये के मूल्य में वृद्धि, उद्योग के उपभोक्ता वस्तु घटक में मंदी और अवसंरचना (भौतिक और सामाजिक क्षेत्रों) की रुकावटें चिंता का विषय बनी रहीं। इसलिए वृद्धि को दो अंकों तक ले जाने के लिए और सुधारों की जरूरत होगी।

2. Доход и потребление на душу населения **प्रति व्यक्ति आय तथा खपत**

वृद्धि उद्देश्य स्वतःहितार्थ नहीं है, बल्कि उसके निमित्त लोक कल्याण में होने वाला सुधार है। आर्थिक वृद्धि, तथा विशेष रूप से प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि, लोक कल्याण में सुधार लाने के लिए हुई प्रगति का एक व्यापक प्रमात्रात्मक संकेतक है। प्रति व्यक्ति खपत एक अन्य प्रमात्रात्मक संकेतक है जो कल्याण सुधार के आकलन के लिए उपयोगी है। अतः वास्तविक (अर्थात् स्थिर मूल्यों पर) प्रति व्यक्ति आय तथा खपत में अंतरों को देखकर अंदाजा लगाना उपयुक्त है।

विगत पांच वर्षों (2007-08 सहित) के दौरान, आर्थिक सुधार की गति में पर्याप्त वृद्धि हुई है। बाजार मूल्यों (सतत् 1999-2000 मूल्य) पर प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद द्वारा यथा मापित प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर 1980-81 से 1991-92 तक की 12 वर्षीय अवधि के दौरान 3.1 प्रतिशत की वार्षिक औसत दर से बढ़ी। 1992-93 से 2002-03 तक अगले 11 वर्षों के दौरान यह मामूली रूप से बढ़कर 3.7 प्रतिशत

प्रति वर्ष पर पहुंच गयी। तबसे, प्रति व्यक्ति आय में तीव्र वृद्धि हुई है और यह आय लगभग दो गुनी होकर 7.2 प्रतिशत प्रतिवर्ष (2003-04 से 2007-08 तक) पर पहुंच गयी है। इसका अर्थ है कि औसत आय अब एक पीढ़ी (दो दशकों) के पश्चात दोगुनी होने के बजाए एक ही पीढ़ी के अंतर्गत एक दशक में दोगुनी हो जाएगी। वर्ष 2007-08 में प्रति व्यक्ति आय की वृद्धि दर 7.2 प्रतिशत होने का अनुमान है जो वर्तमान वर्ष में पांच वर्षों के औसत के समान है।

प्रति व्यक्ति निजी अंतिम खपत व्यय (पी सी पी एफ सी ई) में प्रति व्यक्ति आय के समानरूप वृद्धि हुई है। प्रति व्यक्ति खपत की वृद्धि 1980-81 से 1991-92 तक 12 वर्ष के दौरान 2.2 प्रतिशत प्रति वर्ष औसत से बढ़कर 1990 के दशक के सुधारों के पश्चात अगले 11 वर्षों के दौरान 2.6 प्रतिशत प्रतिवर्ष हो गयी। 2003-04 से 2007-08 तक अनुवर्ती पांच वर्षों के दौरान वृद्धि दर लगभग दोगुनी होकर 5.1 प्रतिशत हो गयी है जिसमें वर्तमान वर्ष में वृद्धि 5.3 प्रतिशत होने की आशा है जो पांच वर्षीय औसत से मामूली सी उच्चतर है। खपत की औसत वृद्धि आय की औसत वृद्धि से अपेक्षाकृत धीमी है जिसका कारण मुख्यतया बढ़ती बचत दरें हैं यद्यपि बढ़ती कर संग्रहण दरें भी कुछ अवधियों के दौरान इस अंतराल को व्यापक बना सकती हैं। खपत के वर्षानुवर्ष परिवर्तन भी यह सुझाव देते हैं कि खपत में वृद्धि एक अधिक क्रमिक तथा सुस्थिर प्रक्रिया है क्योंकि आय में किन्हीं तीव्र परिवर्तनों में बचत दर में समंजित होने की प्रवृत्ति होती है।

3. *Сбережения и инвестирование* ***बचत तथा निवेश***

सकल घरेलू उत्पाद की हालिया वृद्धि की एक उल्लेखनीय विशिष्टता सकल घरेलू निवेश तथा बचत की तीव्र वृद्धिकारी प्रवृत्ति है। वर्ष 2006-07 तक पांच वर्षों में सकल घरेलू

निवेश में सकल घरेलू उत्पाद के 13.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई तथा बचत में सकल घरेलू उत्पाद के 11.3 प्रतिशत की वृद्धि हुई। दसवीं पंचवर्षीय योजना के लिए औसत निवेश अनुपात नौवीं पंचवर्षीय योजना के औसत निवेश अनुपात से 31.4 प्रतिशत उच्चतर था जबकि औसत बचत दर भी नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 23.6 प्रतिशत के औसत अनुपात से उच्चतर अर्थात् सकल घरेलू उत्पाद का 31.4 प्रतिशत थी।

1990 के दशक के सुधारों ने निवेश माहौल को रूपांतरित कर दिया है, व्यवसाय विश्वास में सुधार आया है तथा उद्यमकारिता आशावाद की लहर उत्पन्न हो गयी है। इससे सम्पूर्ण कारपोरेट क्षेत्र की प्रतिस्पर्धात्मकता में क्रमिक सुधार आया है, विनिर्माण क्षेत्र का पुनरुत्थान हुआ है तथा निवेश दर में संवृद्धि हुई है। एफआरबीएमए अधिदेशित राजकोषीय सुधार मार्ग भी राजकोषीय घाटों के संबंध में सरकार की साख को बढ़ाने में सहायक सिद्ध हुआ जिसमें वैश्विक क्रमनिर्धारण में भारत का स्थान सबसे नीचे था। इससे अर्थव्यवस्था के दीर्घावधिक वृहद् आर्थिक स्थायित्व के बारे में अवबोधनों में सुधार आया है। उत्प्लावक बिक्री संवृद्धि के साथ मिल कर संतुलित कर दरों ने कारपोरेट क्षेत्र के आंतरिक उपार्जनों को बढ़ाया है। बेहतर निवेश माहौल तथा सुदृढ वृहद् मूलभूत तत्वों के परिणामस्वरूप भी विदेशी प्रत्यक्ष निवेश में उत्थान आया। इन कारकों का संयुक्त प्रभाव निवेश दर की वृद्धि में प्रतिबिम्बित हुआ जो दसवीं पंचवर्षीय योजना के प्रथम वर्ष में घरेलू उत्पाद के 25.2 प्रतिशत से बढ़कर अंतिम वर्ष में सकल घरेलू उत्पाद का 35.9 प्रतिशत हो गयी। उच्चतर निवेश घरेलू बचतों को समावेशित करने में सक्षम रहे तथा इससे विदेशों में पूंजी अंतर्वाहों के समावेशन की आकांक्षा भी सृजित हुई।

सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में सकल घरेलू बचतों में सुधार जारी रहा जो 2002-03 में 26.4 प्रतिशत से

बढ़ कर वर्ष 2006-07 में 34.8 प्रतिशत होते हुए दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान औसतन 31.4 प्रतिशत रही। बचत-निवेश अंतराल, जो 2001-04 के दौरान धनात्मक रहा था, तत्पश्चात ऋणात्मक हो गया। आधुनिक अर्थव्यवस्था में, घरेलू निवेश की तुलना में घरेलू बचत का आधिक्य एक अपस्फीतिकारी स्थिति का संकेतक है जिसमें मांग में वर्धित क्षमता के समनुरूप वृद्धि नहीं हुई है। इस प्रकार, बचत-निवेश संतुलन के प्रतिवर्तन को घरेलू आपूर्ति-मांग संतुलन में सुधार के रूप में देखा जाना चाहिए जो वर्ष 2005-06 तथा 2006-07 के दौरान मांग में उक्त सामान्य (तथा सुखद) वृद्धि के माध्यम में घटित हुआ है।

4. *Сельскохозяйственное производство* **कृषि उत्पादन**

आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय ने कृषि उत्पादन संबंधी अपने दूसरे अग्रिम आकलन में (7 फरवरी, 2007) कुल 219.3 मिलियन टन के खाद्यान्न उत्पादन की संभावना जताई है जो 2006-07 (अंतिम अनुमान) के 217.3 मिलियन टन से थोड़ा ही ज्यादा है। यद्यपि खरीफ खाद्यान्नों का उत्पादन 2006-07 के मुकाबले 5.2 मिलियन टन अधिक (4.8 प्रतिशत) होने की आशा है, रबी उत्पादन पिछले वर्ष के मुकाबले 3.3 मिलियन टन कम होने की संभावना है। अनाज का उत्पादन 2006-07 में (अंतिम अनुमान) 203.1 मिलियन टन के मुकाबले 205 मिलियन टन होने की उम्मीद है। लेकिन दालों का उत्पादन पिछले वर्ष के स्तर पर ही रहने की संभावना है। तिलहन का उत्पादन भी 2006-07 के 24.3 मिलियन टन से बढ़ कर 2007-08 में 27.2 मिलियन टन होने की उम्मीद है। इसी प्रकार, नकदी फसलों, विशेषकर कपास के उत्पादन में वृद्धि की संभावना है।

हाल के वर्षों में कृषि और संबद्ध क्षेत्रों की गतिशीलता में कमी आयी है। प्राकृतिक संसाधनों के अति उपयोग और

रासायनिक उर्वरकों के अनुचित इस्तेमाल से मिट्टी की गुणवत्ता पर प्रभाव पडा है और परिणामस्वरूप उपज के स्तर में गत्यावरोध आ गया है । कृषि में सरकारी निवेश कम हुआ है और कम / अनाकर्षक प्रतिफल के चलते यह क्षेत्र निजी निवेश को आकर्षित करने में सक्षम नहीं हो पाया है । सिंचाई क्षमता को बढ़ाने के लिए की गयी पहलों को दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान सीमित सफलता मिली और केवल 8 मिलियन से कुछ अधिक हेक्टेयर भूमि सिंचित क्षेत्र के अंतर्गत लाई जा सकी और उसका केवल तीन-चौथाई भाग उपयोग किया जा सका । कृषि विस्तार प्रणाली से आम तौर पर फसल-उपज अंतर कम करने में सफलता प्राप्त नहीं हुई है जो खेती के तरीकों में सुधार से पायी जा सकती थी । भारत सरकार ने कृषि के पुनरुत्थान और कृषि आय में सुधार हेतु राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन और राष्ट्रीय कृषि विकास योजना शुरू की है । चूंकि ये कार्यक्रम इसी वर्ष शुरू किए गए हैं, इस लिए अभी इनके प्रभाव का आकलन संभव नहीं है । कृषि क्षेत्र पर निर्भर लोगों की आय में सुधार के लिये विशेषकर वर्षासिंचित क्षेत्र में दूसरी हरित क्रांति लाने की आवश्यकता है ।

5. Промышленность и инфраструктура उद्योग और अवसरचना

औद्योगिक क्षेत्र में वर्तमान वित्तीय वर्ष के पहले नौ महीनों में मंदी दिखायी दी । अप्रैल-दिसम्बर 2007 के दौरान हासिल 9 प्रतिशत की वृद्धि को पूर्ववर्ती चार वर्षों में हुई जोरदार वृद्धि की पृष्ठभूमि में देखने पर पता चलता है कि औद्योगिक क्षेत्र की तेजी में कुछ सीमा तक धीमापन आया है । विशेष रूप से उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं के क्षेत्र में एक सुस्पष्ट मंदी दिखायी दी है । यह ब्याज दरों के बढ़ने और इस प्रकार घरेलू ऋण क्षेत्रक में प्रचलित स्थितियों से करीबी से जुडा है । इसके

विपरीत पूंजीगत वस्तु उद्योग ने 2007-08 (अप्रैल-दिसम्बर) के दौरान जोरदार वृद्धि बनाये रखी है ।

उत्पाद समूह स्तर पर, वृद्धि में मंदी चयानात्मक रही है । रसायनों, खाद्य उत्पाद, चमड़ा, जूट वस्त्र, काष्ठ उत्पाद और विविध विनिर्माण उत्पादों में वृद्धि में तेजी दिखायी दी जबकि मूल धातु, मशीनरी और उपस्कर, रबर, प्लास्टिक और पेट्रोलियम उत्पाद और पेय पदार्थों तथा तंबाकू में अप्रैल-दिसम्बर 2007 के दौरान कमतर, परंतु सुदृढ वृद्धि दर्ज हुई । वस्त्रोद्योग (जूट वस्त्र को छोड़ कर), आटोमोटिव, कागज, अधात्विक खनिज उत्पाद और धातु उत्पादों सहित अन्य उद्योगों में इस अवधि के दौरान स्पष्ट गिरावट आयी । संयोगवश वस्त्रोद्योग जैसे कम आयात-प्रधान क्षेत्रों के मामले में गिरावट डालर के मुकाबले रुपये के मूल्य में तीव्र वृद्धि के कारण हुई निर्यातों की वृद्धि में गिरावट के साथ-साथ हुई है । आटोमोबाइल क्षेत्र में जहां सवारी कारों, स्कूटरों और मोपेडों में तीव्र वृद्धि दिखायी दी, वहीं मोटर साइकिलों और तिपहिया वाहनों के उत्पादन में गिरावट दिखायी दी । संक्षेप में, औद्योगिक क्षेत्र में वर्तमान राजकोषीय वर्ष में मिले जुले परिणाम सामने आये हैं ।

विशेष रूप से कारपोरेट क्षेत्र में निवेश जैसी प्रगामी परिवर्तियों के संबंध में तसवीर उत्साहवर्धक रही है । 2007-08 के प्रथमार्ध के दौरान वस्त्र, खाद्य उत्पाद और पेय पदार्थों जैसे कतिपय समूहों को छोड़कर, कुल विनिर्माण क्षेत्र में कारपोरेट लाभदायकता में वृद्धि हुई । सुदृढ तुलनपत्रों द्वारा समर्थित उच्चतर लाभ सुनियोजित कारपोरेट निवेश में वृद्धि में भी परिलक्षित हुए । औद्योगिक क्षेत्र को बकाया सकल बैंक ऋण, जो अप्रैल-अगस्त 2007 के दौरान बहुत धीमे (मार्च के अंत से) बढ़ा था, में बाद के महीनों में तेजी आयी जिससे अप्रैल-नवम्बर 2007 के दौरान यह 8.3 प्रतिशत पर पहुंच गया । ये घटनाक्रम पूंजीगत वस्तुक्षेत्र की सुदृढ वृद्धि में भी परिलक्षित होते हैं । अतः औद्योगिक और कारपोरेट निवेश में लगातार तेजी

औद्योगिक क्षेत्र के विकास की संभावनाओं में विश्वास को परिलक्षित करती है ।

औद्योगिक वृद्धि में हाल की मंदी के साथ-साथ, अप्रैल-दिसम्बर 2007-08 के दौरान आधारभूत ढांचा क्षेत्र के कुछ खंडों जैसे विद्युत उत्पादन, रेलवे मालदुलाई तथा सार्वभौमिक मध्यवर्तियों जैसे इस्पात, सीमेंट और पेट्रोलियम के उत्पादन में भी मंद निष्पादन दिखायी दिया है । विद्युत क्षेत्र में, यद्यपि सुनियोजित क्षमतावर्धन के प्राप्त होने की संभावना नहीं है, वर्तमान वर्ष में देखी गयी क्षमता में वृद्धि स्पष्ट रूप से पूर्ववर्ती वर्षों से अधिक है । प्रमुख पत्तनों और एयर कारगो में की गयी माल दुलाई (निर्यात और आयात) में पिछले वर्ष की इसी अवधि की तुलना में सुधार दिखायी दिया । ग्रामीण इलाकों में मोबाइल फोन के बढ़ते चलन के साथ ही दूरसंचार क्षेत्र में सुदृढ़ वृद्धि बनी रही । औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि में हाल की मंदी ने इस क्षेत्र से उच्च वृद्धि की निरन्तरता के बारे में कुछ तबकों में चिंताएं उठी हैं । वस्त्र, हस्तशिल्प, चमड़ा आदि सहित अपेक्षाकृत कम आयात की मात्रा वाले कुछ निर्यातोन्मुख क्षेत्रों की मंदी से उभरने वाली स्थिति से निपटने के लिये सरकार ने अल्पावधि में इस स्थिति से उबरने हेतु कुछ उपाय किये । परंतु इस बात पर जोर देने की आवश्यकता है कि मध्यावधि में, भले ही प्रतिस्पर्धी देशों की मुद्राओं की विनिमय दर से संबंधित मुद्दे हैं, उत्पादकता में सुधार लाने के अलावा अन्य कोई विकल्प नहीं है।

6. *Общественный сектор* *सामाजिक क्षेत्र*

संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम की विश्व मानव विकास रिपोर्ट 2007 के अनुसार, भारत के लिये मानव विकास सूचकांक के शुद्ध मूल्य के 2000 में 0.577 से सुधरकर 2004 में 0.611 होने और 2005 में और अधिक सुधार होकर 0.619 होने के

बावजूद, भारत की सापेक्षित रैंकिंग में अधिक सुधार नहीं हुआ है ।

राष्ट्रीय साभा न्यूनतम कार्यक्रम के अंतर्गत तीव्रतर सामाजिक क्षेत्र के विकास के प्रति वचनबद्धता के अनुपालन में केन्द्र सरकार ने 2007-08 के दौरान सामाजिक क्षेत्र के विकास के लिये नयी पहलों की शुरुआत की है । पूर्ववर्ती वर्षों में शुरू किये गये प्रमुख उपायों में भी काफी अधिक प्रगति हुई है। नयी पहलों में आम आदमी बीमा योजना और राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना शामिल है । कुल व्यय में ग्रामीण विकास सहित सामाजिक सेवाओं पर केन्द्र सरकार के व्यय का हिस्सा 2001-02 में 10.97 प्रतिशत से बढ़कर 2007-08 में 16.42 प्रतिशत हो गया । राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन ने सभी स्तरों पर सामुदायिक स्वास्थ्य के लिये सफलतापूर्वक एक मंच प्रदान किया है । सभी राज्यों में स्वास्थ्य और परिवार कल्याण के विभागों के विलय के अतिरिक्त, एनआरएचएम ने प्रभावी एकीकरण और समरूपता के लिये एकल राज्य और जिला स्तरीय स्वास्थ्य सोसाइटी की दिशा में सफलतापूर्वक कदम बढ़ाये हैं । एनआरएचएम के अंतर्गत जिला स्वास्थ्य कार्रवाई बिन्दुओं को तैयार करके विकेन्द्रीकृत आयोजना के लिये ठोस प्रयासों ने कारगरता और सक्षमता हेतु अंतःस्वास्थ्य क्षेत्र और अन्तरक्षेत्रीय समामेलन लाने में सहायता की है । सभी राज्यों में, लोगों की विशिष्ट स्वास्थ्य आवश्यकताओं को स्थानीय कार्रवाई के लिये सूचीबद्ध किया गया है ।

चूँकि प्राथमिक शिक्षा का सार्वभौमीकरण एक महत्वपूर्ण लक्ष्य बन चुका है, अतः माध्यमिक शिक्षा के सार्वभौमीकरण की दिशा में बढ़ने के लिये इस दृष्टिकोण को आगे बढ़ाना आवश्यक है । अतः एक केंद्रीय रूप से प्रायोजित योजना अर्थात् सभी को माध्यमिक शिक्षा सुलभ कराने और ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान माध्यमिक स्तर पर शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार की योजना आरंभ करने का निर्णय लिया गया है । इस

कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य 15-16 वर्ष के आयु समूह में (कक्षा 9 और 10) सभी छात्रों को अच्छी गुणवत्ता की माध्यमिक शिक्षा उपलब्ध कराना, पहुंच योग्य और वहनीय बनाना है ।

‘जनसांख्यिक दृष्टि से प्रगति’ अपने आप में स्पष्ट होगी क्योंकि 15 से 64 वर्ष की आयु के बीच की कामकाजी आबादी 2006 में 62.9 प्रतिशत से 2026 में 68.4 प्रतिशत हो जाएगी । इस प्रगति का लाभ उठाने के लिये, ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना में स्वास्थ्य देखभाल, कौशल विकास और श्रम प्रधान उद्योगों की बेहतर व्यवस्था सुनिश्चित करने पर ध्यान केन्द्रित किया गया है।

Словарь शब्द-संग्रह

अंतराल	म.	1) расхождение; разрыв 2) промежуток, интервал
अंतरक्षेत्रीय (intersectoral)		1) межрайонный 2) внутрирайонный 3) межзональный 4) межотраслевой
अंतर्वाह	म.	1) приток; наплыв; прилив 2) вливание (напр., капитала)
अंदाजा	म.	1) предположение 2) оценка, ~ लगाना а) предполагать б) оценивать
अग्रिम		1) первый 2) передний, находящийся спереди
अधात्विक		неметаллический
अधिदेशित (mandated)		1) установленный, определенный 2) указанный
अधिनियम (act)	म.	1) закон 2) постановление
अनुपात	म.	(со)отношение; коэффициент; доля; процент
अनुवर्ती		последующий, идущий вслед
अपस्फीतिकारी		дефляционный

अवबोधन	म.	1) понимание, осознание 2) представление (о чем-л.)
अवसंरचना	ज.	инфраструктура
आकलन	म.	1) исследование 2) оценка, суждение 3) подсчет, исчисление
आकांक्षा	ज.	желание, стремление; намерение
आटोमोटिव	म.	автомобиль
आधिक्य	म.	излишек, избыток; превышение
आय	ज.	доход(ы); прибыль
आयोजना	ज.	1) план, проект 2) планирование
आशावाद	ज.	оптимизм
उत्पाद	म.	продукт; продукция; изделие; иногда товар
उत्प्लावक (buoyant)		оживленный; повышательный (напр. тенденция)
उद्यमकारिता	ज.	предпринимательство
उपभोक्ता		1. потребляющий 2. м. потребитель
उपस्कर	म.	аппаратура; оборудование
उपार्जन (accrual)	म.	накопление, приумножение; приращение
उबरना	नप.	спасаться, избавляться (से от чего-л.)
उभरना	नप.	1) появляться, показываться; выходить 2) подниматься; выбираться
उर्वरक	म.	удобрение
ऋणात्मक		отрицательный
एकल		единый, общий
एकीकरण	म.	интеграция, объединение

औसत		1. средний, промежуточный 2. м. среднее число, средняя величина
कतिपय		определенный; некоторый
कर	म.	налог; сбор; пошлина
कामकाजी		трудящийся, работающий
कारगरता	ज.	эффективность
कारगो	म.	(перевозимый) груз
काष्ठ	म.	дерево, древесина
क्रमनिर्धारण	म.	ранжирование; классификация
क्रमिक		1) постепенный 2) последовательный
क्षमतावर्धन	म.	прирост мощности; увеличение потенциала
क्षेत्रक	म.	сектор
खपत	ज.	1) спрос, потребность 2) потребление
खरीफ	ज.	хариф (<i>осенний урожай, созревающая с июня по ноябрь</i>)
गत्यावरोध	म.	1) задержка движения 2) препятствие, помеха 3) затруднение
गतिशीलता	ज.	динамизм
गुणवत्ता	ज.	качество, свойство ; сорт
घटक	म.	1) часть, доля 2) часть, сегмент (<i>рыночный</i>) 3) часть отрасли промышленности, подотрасль
घरेलू		1) домашний 2) внутренний
घाटा	म.	1) убыток, ущерб 2) дефицит
चयनात्मक		1) избирающий, выбирающий 2) отборный, выборочный

टिकाऊ		1) прочный, крепкий 2) длительный, долговечный; длительного пользования
तिपहिया		трехколесный
तिलहन	म.	масличное растение
तुलनपत्र	म.	фин. баланс, балансовый отчет
दर	ज.	1) тариф 2) ставка, размер
दूरसंचार (telecom)	म.	дальняя связь, телекоммуникации
धनात्मक		физ. позитивный, положительный
धीमापन	म.	спад; замедление
नकदी		1. наличный (о деньгах); товарный (напр., с/х культура) 2. м. денежная наличность
निदेशालय	म.	дирекция; управление; директорат
(के) निमित्त	पोसल	1) по причине 2) с целью 3) для, ради
निरंतरता	ज.	устойчивость; непрерывность
निर्यातोन्मुख		экспортно-ориентированный
निष्पादन	म.	1) исполнение, осуществление 2) завершение, окончание 3) достижение 4) степень эффективности
पत्तन	म.	1) небольшой город 2) порт; гавань
परिलक्षित		отмеченный
परिवर्ती		1. изменяющийся, изменчивый 2 м. переменная величина
पर्यवेक्षक	म.	1) наблюдатель 2) обозреватель
पुनरुत्थान	म.	восстановление, возрождение
पूजीगत		капитальный, основной, главный

पृष्ठभूमि	ज.	фон, задний план
प्रगामी		идущий; прогрессивный; прогрессирующий
प्रतिफल	म.	1) результат 2) доход, выручка, прибыль
प्रतिबिंबित		отраженный
प्रतिवर्तन	म.	обратное движение; поворот; перелом
प्रथमार्ध	म.	первая половина
प्रमात्रात्मक		количественный
बकाया		1) остальной, оставшийся 2) неуплаченный, просроченный 3) невыполненный
बीमा	म.	страхование
ब्याज	म.	процент(ы), процентный доход
मंदी	ज.	спад; замедление; снижение
मध्यवर्ती		1. 1) средний, срединный 2) промежуточный 2. म. промежуточный продукт; полуфабрикат
मशीनरी	ज.	машины; машинное или станочное оборудование; механизмы
मालढुलाई	ज.	перевозка грузов
माहौल	म.	обстановка; климат (конъюнктура)
मुद्रास्फिति	ज.	инфляция
यथामापित		измеренный, замеренный
रबर	म.	резина; каучук
रबी	ज.	раби (весенний урожай, созревающий в марте-апреле)
राजकोषीय		финансовый; бюджетный

राजस्व	म.	1) доход(ы) 2) государственные доходы 3) источник дохода 4) доходные статьи
रुझान	म.	1) склонность, наклонность 2) интерес 3) тенденция, движение, общее направление (движения)
रूपांतरित		трансформированный, преобразованный
रैंकिंग	ज.	упорядочение; ранжирование; классификация
वचनबद्धता (commitment)	ज.	обязательство; приверженность
वर्धित		возросший, увеличившийся
वर्षानुवर्ष		ежегодно
वहनीय		1) переносной 2) перевозимый 3) возможный, допустимый 4) по средствам (affordable)
विकल्प	म.	выбор; альтернатива
विकेन्द्रीकृत		децентрализованный
विलय	म.	1) растворение 2) слияние, объединение
वृद्धिकारी		возрастающий, увеличивающийся
वृहत्		очень большой, огромный
संकेतक		1. указывающий 2. м. показатель, индикатор
संतुलन	म.	уравновешивание, равновесие, баланс
संरचना	ज.	1) строительство 2) структура, строение
संसाधन	म.	1) средства (денежные) 2) ресурсы; природные богатства 3) средства к существованию
सकल		1) целый, весь 2) валовой; брутто 3) большой, крупный

सक्षम		1) способный 2) эффективный
सक्षमता	जु.	эффективность (экономическая); производительность; результативность; продуктивность; прибыльность
सतत्		1) постоянный, неизменный 2) непрерывный
समंजित		скорректированный, урегулированный
(के) समानुरूप	पोसु	в соответствии, согласно
समरूपता (convergence)	जु.	1) сходность, тождественность 2) конвергенция, сближение
समामेलन	म.	конвергенция, сближение
समावेशित		включенный; поглощенный
समेकन	म.	консолидация, объединение, слияние
सर्वेक्षण	म.	обозрение, обзор; исследование, обследование
सांख्यिकी	जु.	1) статистика (наука) 2) статистические данные
साख (credibility)	म.	1) престиж, авторитет 2) хорошая репутация 3) кредит
सापेक्षित		1) соотносенный; относительный 2) сравнительный
सार्वभौमीकरण	म.	1) универсализация 2) глобализация
सुखद		приносящий счастье; доставляющий радость, отрадный
सुनियोजित		плановый; сбалансированный; намеченный планом
सुलभ		1) доступный 2) легко осуществимый
सुविज्ञ		1) много знающий 2) хорошо осведомленный

(सु)स्थिर		устойчивый, стабильный, неизменный
सूचीबद्ध		1) сформулированный 2) зарегистрированный, включенный в список
सृजित (generated)		порожденный; генерированный
स्वतः		1) сам (по себе) 2) само собой 3) автоматический
हस्तशिल्प	म.	ремесло
हालिया		недавний, последний; новый, свежий; современный
हितार्थ		ради блага; के ~ посл. для, ради

Комментарий टिप्पणियां

१. सकल घरेलू उत्पाद (Gross Domestic Product, GDP) – валовой внутренний продукт, ВВП.

२. घरेलू निवेश – внутренние капиталовложения, внутреннее инвестирование.

३. बचत दर (saving rate) – норма сбережений; коэффициент накопления.

Запомните: слово दर имеет разные значения: размер; норма; ставка; цена, стоимость; курс, паритет; тариф; такса; индекс. **Например:** बैंक दर – ставка учетного процента; लाभ दर – норма прибыли; विकास दर – темпы роста; विनिमय दर – обменный курс; औसत दर – средняя ставка; जन्म दर – рождаемость (индекс рождаемости); मृत्यु दर – смертность (индекс смертности).

४. वृहत् आर्थिक मूल सिद्धांत (Macroeconomic Fundamentals) — основные макроэкономические принципы.

५. निवेश माहौल – инвестиционный климат.

६. राजकोषीय उत्तरदायित्व और बजट प्रबंध अधिनियम (Fiscal Responsibility and Budget Management Act, FRBMA) – Закон о финансовой ответственности и контроле за исполнением бюджета. Этот закон был принят 5 июля 2004 г. и ставил целью сокращение финансового дефицита и ликвидацию его к 31 марта 2009 г.

७. पूंजीगत अंतर्वाह – приток капитала *или* капитальные вложения.

८. प्रति व्यक्ति आय तथा खपत – доход и потребление на душу населения.

९. प्रति व्यक्ति निजी अंतिम खपत व्यय (Personal Final Consumption Expenditure, PCPFCE) – затраты на личное конечное потребление на душу населения.

१०. कर संग्रहण दर – ставка налогового обложения.

११. सकल घरेलू निवेश – валовые внутренние капиталовложения.

१२. निवेश अनुपात – доля капиталовложений.

१३. विनिर्माण क्षेत्र – производственный сектор; обрабатывающая промышленность (*как сектор*).

१४. राजकोषीय घाटा – финансовый дефицит.

१५. वैश्विक क्रमनिर्धारण – мировая классификация.

१६. वृहद् आर्थिक स्थायित्व – макроэкономическая стабильность.

१७. आंतरिक उपार्जन – внутренние накопления.

१८. वृहद् मूलभूत तत्व – макроэкономические принципы.

१९. आपूर्ति-मांग संतुलन – баланс спроса и предложения.

२०. उक्त सामान्य (above normal) – сверхобычный.

२१. आर्थिक और सांख्यिकी निदेशालय (The Directorate of Economies and Statistics) – Экономико-статистическое управление.

२२. नकदी फसल (cash crops) – технические (товарные) сельскохозяйственные культуры.

२३. कम/ अनाकर्षक प्रतिफल – маленькие (непривлекательные) доходы; незначительная прибыль.

२४. फसल उपज (crop yields) – урожайность.

२५. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (National Food Security Mission) – Национальная программа продовольственной безопасности. राष्ट्रीय कृषि विकास योजना (National Agriculture Development Plan) – Национальный план развития сельского хозяйства.

Обе эти программы были инициированы центральным правительством в сентябре 2007г. и начали осуществляться в 2008г. Целью является увеличение урожайности и производства таких с/х культур, как пшеница, рис и бобовые, на длительную перспективу. Это должно обеспечить продовольственную безопасность страны. Акцент делается на районы, имеющие высокий потенциал, но на данный момент имеющие сравнительно низкий уровень с/х производства. Центральную роль в мониторинге осуществления программ должны сыграть институты панчаяти радж.

२६. उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं (the consumer durable goods)– потребительские товары длительного пользования.

२७. ब्याज दर – размер процента; процентная ставка; ставка учетного процента.

२८. घरेलू ऋण क्षेत्रक – сектор внутреннего кредитования.

२९. पूंजीगत वस्तु उद्योग – промышленность товаров производственного назначения.

३०. उत्पाद समूह – товарная группа.

३१. धातु उत्पाद – продукция металлообработки.

३२. आयात-प्रधान क्षेत्र – импорто-ориентированные отрасли.

३३. प्रगामी परिवर्तियां (forward-looking variables) – прогрессивные изменения.

३४. सुदृढ तुलनपत्र – устойчивый баланс.

३५. सकल बैंक ऋण – совокупный банковский кредит.

३६. दूरसंचार क्षेत्र – телекоммуникационный сектор.
३७. संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम (UNDP) – Программа развития ООН.
३८. मानव विकास सूचकांक (HDI) – индекс человеческого развития.
३९. सापेक्षित रैंकिंग – сравнительная классификация.
४०. राष्ट्रीय साक्षा न्यूनतम कार्यक्रम – Общая программа-минимум правительства Объединенного прогрессивного альянса (ОПА) Индии была принята в мае 2004г., сразу после победы ИНК и ее союзников на парламентских выборах 2004 г.
४१. आम आदमी बीमा योजना – Программа страхования простых людей.
४२. राष्ट्रीय स्वास्थ्य बीमा योजना – Национальная программа страхования здоровья.
४३. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन (The National Rural Health Mission NRHM) – Национальная программа сельского здравоохранения.
४४. जिला स्वास्थ्य कार्रवाई बिंदु (District Health Action Plans) – районные пункты проведения медицинских мероприятий.
४५. अंतःस्वास्थ्य क्षेत्र (Intra health Sector) – собственно медицина
४६. पहुंच योग्य और वहनीय – доступный в географическом и материальном плане.

Упражнения पाठ के अभ्यास

Упражнение 1. Ответьте на вопросы к текстам.

अभ्यास १. पाठ विषयक प्रश्न ।

- १) पिछले सालों के दौरान आर्थिक विकास किस गति से बढ़ रहा है ?
- २) लोक कल्याण सुधरने के क्या संकेतक महत्वपूर्ण हैं ?

३) किस के परिणामस्वरूप बचत तथा निवेश में वृद्धि हुई है ?

४) कृषि की गतिशीलता में कमी आयी है, क्यों ?

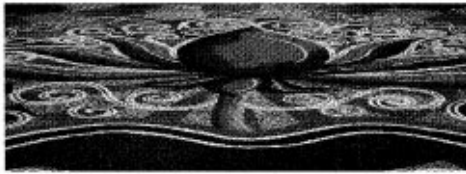
५) औद्योगिक वृद्धि में मंदी पर प्रकाश डालिये ।

६) सामाजिक क्षेत्र में विकास के लिए पिछले सालों में क्या कदम उठाये गये हैं ?

Упражнение 2. Переведите следующие слова и словосочетания.

अभ्यास २. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमुदायों का अनुवाद कीजिये ।

घरेलू, खपत, उच्चतर वृद्धि चरण, औसत से अधिक, सकल घरेलू उत्पाद, बचत दरों में तेजी आना, विश्वास बढ़ाना, अनुकूल निवेश माहौल सुनिश्चित करना, मुद्रास्फीति बढ़ाना, चुनौतियों की विभिन्न प्रवृत्तियों का सामना करना, प्रति व्यक्ति आय व खपत, एक पीढी के अंतर्गत, क्रमिक और सुस्थिर वृद्धि, समंजित होना, वृद्धिकारी प्रवृत्ति, उद्यमकारिता आशावाद, बजट घाटा, वैश्विक क्रमनिर्धारण, नकदी फसलें, औद्योगिक प्रगति में गत्यावरोध, खेती के तरीकों में सुधार लाना, उपभोक्ता टिकाऊ चीजें, ब्याज दर, उत्पाद समूह, अधात्विक खनिज उत्पाद, तिपहिया वाहन, प्रगामी परिवर्तियां, सापेक्षित रैंकिंग, मानव विकास सूचकांक, स्वास्थ्य बीमा व्यवस्था, सामाजिक सेवाएं, विभिन्न विभागों का विलय, एकीकरण व समरूपता, विकेन्द्रीकृत आयोजना, प्रयासों की कारगरता और सक्षमता, पहुंच योग्य और वहनीय माध्यमिक शिक्षा ।



Упражнение 3. Дайте хинди эквиваленты следующих слов и выражений.

अभ्यास ३. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमूहों के हिंदी पर्याय दीजिये ।

хорошо осведомленный журналист, высокие темпы развития, рыночные цены, валовой сбор зерновых, внешние инвестиции, выполнять намеченные цели, обеспечивать необходимыми ресурсами, финансовая ответственность, инфраструктура, быть предметом беспокойства, народное благосостояние, количественный показатель, удвоение прибыли, сбор налогов, ежегодно, трансформировать, конкурентоспособность, хорошая репутация, находить отражение, дефляция, баланс спроса и предложения, динамизм развития, непривлекательное лицо, возрождение традиций, продовольственная безопасность, текущий финансовый год, на фоне спада промышленного производства, машины и оборудование, экспортно-ориентированные отрасли, тщательно спланированное мероприятие, железнодорожные перевозки, авиаперевозки, телекоммуникации, ремесла, нет выбора, кроме... , общая программа-минимум, приверженность идее равенства, регистрировать поданные заявки.

Упражнение 4. Дайте антонимы следующих слов.

अभ्यास ४. विपरीतार्थक शब्द लिखिये ।

उच्चतर, निश्चित, आर्थिक, परिवर्तशील, घरेलू, निजी, स्थिर, के पश्चात, हानि, मामूली, आशावाद, धनात्मक, संतुलन, सुरक्षा, सुदृढ, मंदी, आयात, केन्द्रीकरण, अनुकूल, विकसित, धीमे, अल्पावधि, उचित ।

Упражнение 5. Переведите устно следующие предложения.

अभ्यास ५. निम्नलिखित वाक्यों का मौखिक अनुवाद कीजिये ।

१. निजी तथा सरकारी, दोनों प्रकार की बचतों ने उच्चतर सकल बचतों में योगदान दिया है ।

२. मांग वृद्धि में सर्वाधिक महत्वपूर्ण योगदान निवेश से प्राप्त हुआ है ।

३. विदेश व्यापार का योगदान ऋणात्मक ही रहा ।
४. 2007 तक गरीबी अनुपात में 5 प्रतिशत तथा 2012 तक 15 प्रतिशत बिन्दु तक की कमी का लक्ष्य निर्धारित किया गया ।
५. अल्पविकसित अर्थव्यवस्था में लोगों का जीवन स्तर अत्यन्त नीचा होता है, यह स्तर ऊंचा करने के लिए आर्थिक संवृद्धि आवश्यक है ।
६. सही रूप से देखा जाये, तो आर्थिक क्रियाओं का अधिकाधिक वाणिज्यीकरण (कॉमर्शियललाइजेशन) ही आर्थिक संवृद्धि का संकेतक है ।
७. दसवीं योजना की अवधि में कम से कम उन लोगों को जो श्रम-शक्ति में शामिल होंगे लाभकारी तथा उच्च गुणात्मक रोजगार उपलब्ध होगा ।

Упражнение 6. Переведите устно следующие предложения. अभ्यास ६. निम्नलिखित वाक्यों का मौखिक अनुवाद कीजिये ।

1. Рост ВВП, который в 2002–2003 гг. составлял в рыночных ценах 3,8 %, в 2006–2007 гг. достиг 9,7 %.
2. Средний ежегодный рост в 10-м пятилетнем плане составил 7,9 %.
3. В годы последних двух пятилеток в три раза выросла доля в ВВП совокупного (समग्र) спроса (в рыночных ценах).
4. Эта доля увеличилась с 19% в 9-й пятилетке до 65% в 10-й пятилетке.
5. В 10-м пятилетнем плане была поставлена задача к 2007 году на 50% сократить разрыв (अंतर) в уровне оплаты труда и образования между мужчинами и женщинами.
6. Если посмотреть с исторической точки зрения, то можно считать, что экономический рост сопровождается процессом индустриализации.

Упражнение 7. Переведите следующие экономические термины.

अभ्यास ७. आर्थिक शब्दावली ।

Национальный доход — вновь созданная стоимость во всех отраслях сферы материального производства страны за определенный период, обычно за год.

Валовой национальный продукт (ВНП) — один из экономических показателей, оценивающий сумму товаров и услуг в денежном выражении и в рыночных ценах, поступающую в распоряжение данной страны за определенный промежуток времени. От ВВП его величина отличается на сумму, равную сальдо прибылей (आय-शेष) данной страны, полученных от зарубежных капиталовложений.

Валовой внутренний продукт (ВВП) — сумма всех конечных товаров и услуг в денежном выражении, произведенных в данной стране за определенный промежуток времени (год, квартал, месяц).

Упражнение 8. Переведите.

अभ्यास ८. अनुवाद कीजिये ।

क्या है बजट ?

बजट को समझने और समझाने में पेचीदगियां (трудности) तो हैं पर उन्हें समझा और समझाया जा सकता है । बजट लैटिन के बोजते शब्द से बना है जिसका मतलब है चमड़े का थैला (мешок; торба) । माना जाता है कि मध्यकाल में पश्चिमी देशों के व्यापारी पैसे रखने के लिये चमड़े के थैले का प्रयोग करते थे । यह परम्परा राजकार्य और प्रशासनिक गलियारे (коридोर) तक पहुंची जहां चमड़े के बैग में ही आय व्यय का हिसाब-किताब रखा जाने लगा । आधुनिक काल में यह शब्द सरकारी आमदनी (доход, прибыль; выручка) और खर्चों के हिसाब-किताब का प्रतीक बन गया ।

Упражнение 9. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ९. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

१. यदि जनसंख्या में वृद्धि सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि की तुलना में अधिक होती है तो प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद में गिरावट होगी ।

२. तीन अलग अलग विचारधाराओं (समाजवादी, उदारतावादी और गांधीवादी), जिनमें कई मुद्दों पर विरोध है, के मिश्रण के कारण देश को कुछ महत्वपूर्ण समझौते करने पड़े ।

३. सबसे महत्वपूर्ण समझौता था मिश्रित अर्थव्यवस्था को अपनाना ।

४. आर्थिक सुधारों की लंबी अवधि के बाद 1991 में भारत विदेशी पूंजी निवेश का आकर्षण बना और अमरीका भारत का सब से बड़ा व्यापारिक सहयोगी बना ।

५. 1991 के बाद से भारतीय अर्थव्यवस्था में मजबूती का दौर शुरू हुआ

६. इस के बाद से भारत ने हमेशा प्रतिवर्ष लगभग 5 प्रतिशत से ज्यादा की वृद्धि दर्ज की है ।

७. अप्रत्याशित रूप से 2003 में भारत ने 8.4 प्रतिशत का विकास दर हासिल किया जो दुनिया की अर्थव्यवस्था में सब से तेजी से उभरती अर्थव्यवस्था का एक संकेत समझा गया ।

८. सुधारों से पूर्व मुख्य रूप से भारतीय उद्योगों और व्यापार पर सरकारी नियंत्रण का बोलबाला (господство, преобладание) था और सुधार लागू करने से पूर्व इसका जोरदार विरोध भी हुआ परंतु आर्थिक सुधारों के अच्छे परिणाम सामने आने से विरोध काफी हद तक कम हुआ है ।

९. हालांकि मूलभूत ढांचे में तेज प्रगति न होने से एक बड़ा तबका अब भी नाखुश है और एक बड़ा हिस्सा इन सुधारों से अभी भी लाभान्वित नहीं हुआ है ।

१०. सन् 2003 में प्रति व्यक्ति आय के लिहाज से (с точки зрения) विश्व बैंक के अनुसार भारत का 143 वां स्थान था ।

Упражнение 10. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास १०. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

1. Огромный и постоянно растущий рынок, развивающаяся инфраструктура, сложный финансовый сектор, гибкая (लचीला) регулирующая среда, устойчивое государство и хорошая экономическая перспектива делают Индию привлекательной для инвестиций.

2. В результате модернизации (आधुनिकीकरण) и либерализации (उदारीकरण) экономики Индия имеет многоотраслевой промышленный комплекс, продуктивное (उत्पादक) сельское хозяйство и современный научно-технический потенциал.

3. Индия переживает экономический бум – в 2006 году ее валовой внутренний продукт вырос более чем на 9 процентов.

4. Международные эксперты прочат (पूर्वानुमान लगाना) Индии выход к 2050 году на третье место по состоянию экономики в мире.

5. Экономический рост Индии в решающей степени опирается на внутренние факторы и ориентирован преимущественно на собственные потребности и внутренний рынок, а основные секторы хозяйства имеют сравнительно широкую эндогенную (внутреннюю) базу развития.

6. Индия не только привлекает капиталы извне, но в последние годы все более активно инвестирует средства в экономику других стран.

7. Основная часть индийских инвестиций направляется в США, Великобританию, Францию, Германию, Бельгию, Россию и Бразилию.

8. Инвестиции преимущественно направляются в нефтегазовый сектор, добычу (उत्खनन) полезных ископаемых, метал-

лургию, фармацевтику, телекоммуникации и производство химических товаров.

9. Индийское правительство в течение последних лет в целом обеспечивает финансовую стабильность страны.

10. Однако на протяжении ряда лет бюджет остается дефицитным. В 2006–2007 финансовом году дефицит государственного бюджета составил 34,4 млрд долларов США или 3,7 процента ВВП.

Упражнение 11. Запомните некоторые сочетания языка хинди, используемые для конкретизации, уточнения высказываемой мысли.

अभ्यास ११. याद कीजिये : विचार ठोस और स्पष्ट करने के लिये निम्नलिखित भाषा साधन उपयुक्त होते हैं ।

что же касается...

между прочим

между тем как

а между тем

причем

несмотря на это, все же

возможно

несмотря ни на что

вряд ли

кратко, в немногих словах

тем не менее, однако

впрочем

поскольку

следовательно

к слову сказать

जहां तक...का संबंध है...

यों ही, वैसे ही

जब कि

असल में, लेकिन

साथ ही, परंतु

के बावजूद, फिर भी

शायद, संभवतः, हो सकता है कि

किसी भी हालत में

शायद ही

संक्षेप में, कुछ शब्दों में

फिर भी, तो भी, तिस पर भी

फिर भी, तिस पर भी; शायद,

संभवतः

क्योंकि, चूंकि, इस लिये कि

इसलिये, अतः, अतएव; इस तरह,

फलतः, फलस्वरूप

प्रसंगवश, इस सिलसिले में

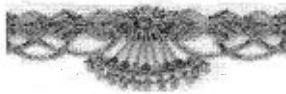
так или иначе
соответственно
то есть
в противоположность
в конечном счете (итоге)
никоим образом
в зависимости от
в отличие от
в итоге
иначе говоря
итога
бесспорно
однако
в частности
наоборот
зато
оказывается, что

к тому же, а также, при этом,
включая

действительно, на самом деле
в принципе

параллельно

किसी भी प्रकार से, किसी न
किसी तरह से, ऐसे
उचित (अनुसारी) ढंग से
यानी, अर्थात्
के विपरीत (उल्टे)
अंत में, अंततः, आखिर में
किसी तरह (प्रकार) (भी) नहीं
के संबंध (सिलसिले) में
के विपरीत (प्रतिकूल)
के परिणामस्वरूप
दूसरे शब्दों में
कुल मिलाकर
निस्संदेह
पर, लेकिन; फिर भी, तथापि
विशेषकर, विशेषतः, खासकर
इसके विपरीत (प्रतिकूल); उल्टे
लेकिन, परंतु, मगर
यह सिद्ध हुआ कि, साबित (मालूम)
हुआ
साथ ही
(के) सहित (समेत), के साथ,
मिलाकर
सचमुच, वास्तव में
आम तौर पर, सामान्य रूप से,
मुख्यतः
समांतर रूप से; एक ही समय में



Упражнение 12. Изложите на хинди содержание статьи.
अभ्यास १२. इस लेख को हिन्दी में सुनाइये ।

Азия в мире

Нью-Йорк. Прежде чем стать Генеральным секретарем ООН, я был азиатским дипломатом. Когда я был министром иностранных дел Республики Корея, мое правительство и я выступали за ослабление напряженности в отношениях с Севером. Когда некоторые страны мира стали призывать к санкциям (प्रतिबंध) и карательным (दंडात्मक) действиям, Южная Корея настаивала на продолжении диалога.

Для этого необходимо слушать, так же как и говорить. Это означает придерживаться принципов, но также и стараться понять другую сторону, какими бы нелогичными (तर्कहीन) и бескомпромиссными (समझौताहीन) ни оказались ее позиции.

Я придерживаюсь этого стиля и в ООН. Я верю в силу дипломатии и сотрудничества. Я отдаю приоритет диалогу перед дебатами или заявлениями. Но прежде всего я стремлюсь к достижению результатов.

Именно этим мы сейчас и занимаемся в Мьянме. Мой специальный советник Ибрахим Гамбари вернулся в Янгон. Его задача заключается в выполнении роли честного посредника (मध्यस्थ) в диалоге между правительством и лидерами оппозиции, особенно Аунг Сан Су Чжи. Целью является убедить правительство Мьянмы освободить всех задержанных студентов и демонстрантов, вести диалог с оппозицией, сделать шаги в сторону более демократичного общества и вернуться в международное сообщество.

Такая дипломатия не бывает быстрой или легкой. Она редко вызывает аплодисменты и часто не подает видимых признаков прогресса. Это не бросающаяся в глаза, кропотливая закулисная (गुप्त) работа. Работа, состоящая из телефонных звонков с целью убедить мировых лидеров предпринять определенные действия. Это симфония (सुसंगति) – иногда не очень гармо-

ничная (सुनियोजित) – маленьких шагов, которые, как мы надеемся, могут привести к чему-то большему.

Нельзя ничего ожидать. Можно только продолжать стараться, продолжать настаивать. Может сработать, а может и нет. Затем надо попытаться еще раз, другим путем, стараясь все это время достичь небольшого прогресса, который может позволить сделать следующий шаг.

Мы подошли к этому этапу в Дарфуре. Я потратил сотни часов, работая за закрытыми дверьми с различными сторонами в конфликте – суданским правительством, лидерами повстанцев, соседними странами и партнерами в Африканском Союзе. Параллельно мы работаем над одной из самых сложных миротворческих (शांतिकारी) операций в нашей истории, направленной на защиту и обеспечение питанием сотен тысяч внутренне перемещенных (स्थानांतरित) людей, и спонсируем сложные мирные переговоры в Ливии.

Но, несмотря на то что я придерживаюсь своей «азиатской» модели дипломатии, иногда бывает очень одиноко быть азиатом за дипломатическим круглым столом международного сообщества.

Мы, азиаты, населяем самый большой и самый густонаселенный в мире континент, где находятся самые быстрорастущие в мире экономики. Мы имеем богатую историю и древнюю культуру. Однако наша роль в международных отношениях гораздо меньше, чем она могла бы и должна быть.

Вклад Азии в ООН хоть и значителен, мог бы быть больше. Ее гуманитарная помощь, вежливо говоря (विनम्रता से बोलते हुए), могла бы быть щедрее (उदार). Мы являемся единственным континентом, не охваченным идеями региональной интеграции и единого рынка.

Страны Латинской и Северной Америки мечтают о создании зоны свободной торговли. Европейцы говорят о строительстве Объединенных государств Европы. Африканский Союз стремится стать Объединенными государствами Африки. Так почему же не Объединенные государства Азии?

Существует множество причин того, почему Азия отличается от других континентов: история, культурное многообразие, неразрешенные территориальные и политические споры, отсутствие опыта многосторонних действий и доминирование одного или двух центров власти. Но главная причина заключается в том, что мы просто не пытались.

Азия не отдает себе должного (**दाद देना**). Как азиатский Генеральный секретарь, я надеюсь, что это изменится. Я надеюсь видеть более интегрированную Азию, принимающую большее участие в международных делах.

Особенно я ожидаю великих дел от своих соотечественников-корейцев – удивительных людей, которые наконец-то нашли себя. Я надеюсь, что Корея возьмет на себя больше ответственности в международных вопросах в соответствии с ее растущим экономическим влиянием – особенно в области развития, являющегося одним из трех столпов Устава ООН. Корейцы должны выйти из тени, громче заявить о себе и делать больше, и это должно начаться с более щедрой официальной помощи развитию.

Корейцы уже продемонстрировали свою склонность к многосторонней дипломатии и решению проблем своим участием в шестисторонних переговорах. Сегодня они и азиаты в целом должны направить свои умения и свой успех на решение самых насущных глобальных проблем.

Это не только моя надежда, это долг Азии.

(Пан Ги Мун – Генеральный секретарь ООН)

(Project-Syndicate / The Asia Society, 2007.

URL: [http:// www. project-syndicate.org](http://www.project-syndicate.org)).



Упражнение 13. Переведите статью на русский язык с листа. Перескажите на хинди.

अभ्यास १३. मौखिक रूप से अनुवाद करके अपने शब्दों से इस लेखांश को सुनाइये ।

अर्थव्यवस्था की दिशा

अमेरिकी विद्वान लेस्टर सी थूरो ने अपनी पुस्तक «दि फ्यूचर आफ कैपिटलिज्म» में लिखा है कि विश्व व्यापार व्यवस्था के नियम-कायदे हमेशा वर्चस्वशील अर्थव्यवस्थाओं ने तय किए हैं और लागू कराये हैं । 19 वीं सदी में ग्रेट ब्रिटेन ने यह भूमिका निभाई और 20 वीं सदी में अमेरिका ने, परंतु 21 वीं सदी में आर्थिक प्रबंधन के नियम-कायदों की रूपरेखा बनाने, संगठित करने और उन्हें लागू कराने वाली कोई भी वर्चस्वपूर्ण शक्ति नहीं रहेगी । अमेरिका के प्रभाव में संचालित एकध्रुवीय व्यवस्था के दिन लद चुके हैं और एक बहुध्रुवीय संसार उभर कर विश्व रंगमंच पर आ चुका है । विश्व बैंक और अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अर्थविदों ने विश्व अर्थव्यवस्था में विच्छेदीकरण की एक नयी अवधारणा में कहा है कि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मंदी में चले जाने के बाद भारत और चीन विश्व अर्थव्यवस्था को आगे बढ़ाने का कार्य करेंगे । चूंकि यह अवधारणा वैश्विक अर्थव्यवस्था के विशेषज्ञों के प्रबुद्ध मस्तिष्क से निकली है, इस लिये विश्व आर्थिक मंच की बैठक में यह विषय बड़ी गंभीरता से उठाया गया कि क्या अमेरिका को सरदी लगने पर दुनिया को छ्ठीक आनी बंद हो गयी है ? क्या अमेरिकी अर्थव्यवस्था में अस्थिरता आने के पश्चात भारत एवं चीन की अर्थव्यवस्था वैश्विक अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने में सक्षम होगी ?

थामस फ्रीडमैन अपनी पुस्तक 'वर्ल्ड इन फ्लैट' के माध्यम से विच्छेदीकरण जैसी अवधारणा को खारिज कर रहे हैं । उनके अनुसार पूंजी की गतिशीलता और आउटसोर्सिंग जैसी व्यवस्था ने

पूरी दुनिया की तकदीर को एक-दूसरे से इस कदर जोड़ दिया है कि उसे एक साथ ही डूबना और उतराना है। फिर सच क्या है? अगर विच्छेदीकरण की बात सही है और चीन तथा भारत जैसे देश विश्व अर्थव्यवस्था को आगे ले जाने की ताकत बटोर चुके हैं तो फिर नैसडेक और डाउजॉस में होने वाले परिवर्तनों से ब्राजील, चीन और भारत के शेयर बाजारों को झटके क्यों लगने लगते हैं? विश्व बैंक के उपाध्यक्ष जोसेफ स्टीगलिट्ज की यह बात ध्यान देने योग्य है कि एशियाई देशों को अपनी अर्थव्यवस्था के विकास पर अधिक इतराने की जरूरत नहीं है। उनका कहना है कि जुलाई 1997 में थाईलैंड से शुरू हुए और बाद में इंडोनेशिया, कोरिया, रूस, लैटिन अमेरिका, ब्राजील आदि देशों में फैले वित्तीय संकट से उबरने के बावजूद इन देशों पर मंदी का खतरा अभी भी मंडरा रहा है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के अध्ययन के मुताबिक 2007 की संशोधित वैश्विक आर्थिक संवृद्धि गत वर्ष 4.9 से बढ़कर 5.2 प्रतिशत पर पहुंच गयी है। विशेष बात यह है कि आईएमएफ के अनुमान के मुताबिक अमेरिकी अर्थव्यवस्था अगले वर्ष 2.8 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी, जबकि चीन की 11.2 प्रतिशत और भारत की 9.0 प्रतिशत की दर से। अब अगर भारत और चीन की अर्थव्यवस्था की वृद्धि अमेरिकी अर्थव्यवस्था के मुकाबले कई गुनी है तो उनका इतराना भी लाजिमी है, लेकिन क्या आर्थिक संवृद्धि को आर्थिक समृद्धि का पूरक मान लेना उचित है?

पिछले दिनों फ्रांस के राष्ट्रपति सरकोजी ने कहा कि अर्थव्यवस्था की समृद्धि का असली वास्ता लोगों की दीगर जिंदगी से होता है। इसलिये यदि अर्थव्यवस्था लगातार शीर्ष की ओर बढ़ रही है तो लोगों की जिंदगी भी खुशहाल होनी चाहिये, लेकिन असल में ऐसा नहीं हो रहा है। चीन के नेशनल ब्यूरो आफ स्टैटिस्टिक्स के निदेशक जी फुजान भी यही मानते हैं कि आर्थिक वृद्धि अर्थव्यवस्था की सुदृढ़ता के मापदंड का एकमात्र

पहलू नहीं है । इसे मापने के व्यापक आधार होने चाहिये, जिसमें रोजगार, आर्थिक गुणवत्ता, आर्थिक संरचना और लोगों के रहन-सहन के स्तर में आये सुधार को समाहित करना चाहिये । यह सच है कि चीन की अर्थव्यवस्था पिछले पांच वर्षों से तेजी से वृद्धि कर रही है, लेकिन आज उपभोक्ता मूल्यों में वृद्धि चीन के लिये सबसे बड़ी चुनौती बनी हुई है । अपर्याप्त सुधारों के कारण चीन में आर्थिक असंतुलन की स्थिति है । चीन में यह समस्या 2003 से बढ़ रही है । कुछ ऐसी ही स्थिति भारत की है । देश की 55 प्रतिशत आबादी प्रति व्यक्ति प्रति दिन 12 से 20 रुपये में ही जीवनयापन करती है । लघू उद्योगों की छह लाख इकाइयां बंद हो गयी हैं । एक रिपोर्ट के मुताबिक पिछले दस वर्षों से भारत में गरीबी तेजी से बढ़ रही है । कृषि और किसानों की स्थिति से भारतवासी परिचित ही हैं । फिर यह बात समझ से परे है कि 90 प्रतिशत से अधिक आबादी को निरंतर पीछे धकेल कर दुनिया में आगे निकलने का फार्मूला कौन सा है? ये स्थितियां वैश्विक अर्थव्यवस्था पर अमेरिका के वर्चस्व के विरुद्ध कोई उपाय तैयार करती दिखाई नहीं देती ।

*(रहीस सिंह, लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं । जागरण,
March 24)*

(लदना – проходить, миновать (о времени); विच्छेदीकरण–
разделение, отделение; разрушение; разрыв, छींक – чихание,
तकदीर – судьба, доля, इतराना – надменно, высокомерно
держаться, दीगर – другой, मंदी – депрессия, кризис)

Упражнение 14. Запомните следующие термины.

अभ्यास १४. निम्नलिखित शब्द व शब्द-समूहों को याद कीजिये

ग्लोबलाइजेशन – globalization – भूमंडलीकरण

मिरोहोझायस्तвенные связи – global economic relations –
विश्वव्यापी आर्थिक संबंध

экономика рыночного типа – market economy – बाजार पर आधारित अर्थव्यवस्था

внешнеэкономическая специализация – world economy related specialization – विदेश व्यापार में विशिष्टीकरण

международное разделение труда – international division of labour – अंतरराष्ट्रीय श्रम विभाजन

сводить к минимуму риск – to reduce risk to a minimum – जोखिम न्यूनतम करना

интеграция – integration – विलयन

полноправное участие – equal participation – पूर्ण अधिकारसम्पन्न भागीदारी

рационализация импорта – rationalization of import – आयात आवश्यकता के अनुसार करना

предпринимательство – enterprise, business – व्यवसाय

противодействовать дискриминации – to act against discrimination – भेदभाव का विरोध करना

производитель – producer – उद्योगकर्ता

экспортер – exporter – निर्यातक

субъект внешнеэкономической деятельности – subject of external economic activity – विदेशी आर्थिक कार्य का अभिकर्ता

инвестиция – investment – विनिवेश

обслуживание внешнего долга – settlement of foreign debts – विदेशी ऋण चुकाना

экономические рычаги и ресурсы – economic levers and resources – आर्थिक शक्ति एवं साधन



Упражнение 15. Переведите на хинди.
अभ्यास १५. हिन्दी में अनुवाद कीजिये ।

**Индия планирует на ближайшую пятилетку
рост ВВП на 9 процентов в год**

Темпы роста валового внутреннего продукта на уровне 9% в год заложены на период новой индийской пятилетки, принятой сегодня Национальным советом развития. В предыдущем пятилетнем плане этот показатель устанавливался на отметке 7,6%, передает ИТАР-ТАСС. Динамичный социально-экономический подъем будет обеспечиваться за счет наращивания капиталовложений в основные отрасли. Общие ассигнования на период 2007–2012гг. предусмотрены в объеме 36 трлн рупий – почти 947 млрд долл.

Комментируя представленный документ, премьер-министр Манмохан Сингх, возглавляющий также Плановую комиссию Индии, подчеркнул, что он ориентирован на то, чтобы «не разделять, а объединять» многонациональную страну. По его мнению, необходимо обратить особое внимание на такие проблемы, как сглаживание различий между городскими и сельскими районами, обеспечение равенства в возможностях получения образования сельскими жителями, подъем инфраструктуры и системы здравоохранения на селе и снижение высокой миграции населения, ликвидацию бедности и дефицита питания среди детей.

Плановые показатели нацелены на обеспечение роста сельскохозяйственного производства на уровне 4%, увеличение вложений в систему образования более чем в два раза – с 8 % в прошлой пятилетке до 19 % – в текущей. Намечено также добиться снижения уровня бедности на 10 % и уменьшить безработицу за счет создания дополнительно порядка 70 млн рабочих мест.

Для контроля за процессом выполнения социальных программ в плане обозначены 27 конкретных задач на национальном уровне и 13 – на уровне штатов. Осуществлять надзор будут профильные органы центрального и региональных правительств.

(Источник: ПРАЙМ-ТАСС)

Упражнение 16. Переведите на русский язык.
अभ्यास १६. रूसी में अनुवाद कीजिये ।

बजट की खास बातें एक नजर में
भारत के वित्त मंत्री पी. चिदंबरम ने लोकसभा में शुक्रवार को वर्ष 2008-09 का आम बजट पेश किया ।

वित्त मंत्री पी चिदंबरम ने बजट पेश करते हुए सीमांत और छोटे किसानों के सारे कर्ज माफ करने की घोषणा की है। बजट में सामाजिक क्षेत्र पर जोर रहा ।

उन्होंने बताया कि 60 हजार करोड रुपये के कृषि ऋण माफ किये जायेंगे ।

उन्होंने उम्मीद जताई कि आने वाले समय में कृषि क्षेत्र में चार फीसदी विकास दर का लक्ष्य हासिल कर लिया जायेगा ।

बजट में आर्थिक सुधार कार्यक्रमों को जारी रखने की सरकार की प्रतिबद्धता को दोहराया गया है और विभिन्न योजनाओं की मद में और राशि का इंतजाम किया गया है ।

बजट की खास बातें

- सीमांत और छोटे किसानों के दिसंबर 2007 तक लिये गये सारे कर्ज माफ.
- कुल 60 हजार करोड रुपये के कर्ज माफ किये जायेंगे.
- अनुसूचित जाति-जनजाति बहुल 20 जिलों में जवाहर नवोदय विद्यालय बनाये जायेंगे.
- अल्पसंख्यकों की अधिक आबादी वाले 90 जिलों के विकास के लिये पांच हजार करोड रुपये का प्रावधान.
- बजट में सिंचाई के लिये 20 हजार करोड रुपये की व्यवस्था.
- महंगाई पर लगाम लगाना सरकार की प्राथमिकता.

- 11वीं पंचवर्षीय योजना में 9 फीसदी विकास दर संभव.
- शिक्षा बजट 34 हजार 400 करोड रुपये किया गया.
- 16 और केंद्रीय विश्वविद्यालय, 20 और जिलों में नवोदय विद्यालय.
- आंध्र प्रदेश, बिहार और राजस्थान में आईआईटी.
- सर्व शिक्षा अभियान के लिये 13,100 करोड रुपये का प्रावधान.
- मिड-डे मील योजना देश के सभी ब्लॉक में.
- कर योग्य आय की सीमा एक लाख 10 हजार से बढ़ाकर एक लाख 50 हजार रुपये की.
- महिलाओं के लिये आय कर की सीमा एक लाख 45 हजार से बढ़ाकर एक लाख 80 हजार रुपये की.
- वरिष्ठ नागरिकों के मामले में एक लाख 95 हजार से बढ़ाकर 2 लाख 25 हजार रुपये की.
- भारत निर्माण के लिये 31 हजार करोड रुपये.
- कृषि में 2.6 फीसदी की विकास दर संभव.
- उत्तर प्रदेश, बिहार में पोलियो उन्मूलन के लिये 1042 करोड रुपये.

Упражнение 17. Составьте резюме на хинди нижеследующей статьи.

अभ्यास १७. इस लेखांश का हिन्दी में सार लिखिये और कक्षा में सुनाइये ।

Выбор Индии

Визит французского президента Жака Ширака в Индию в этом месяце для того, чтобы завершить продажу Индии 6 торпедных подводных лодок (ТРपीДो пнडुबबी), еще раз подтвердит восход Индии как экономической и дипломатической дер-

жавы. «Стратегическое партнерство» (सामरिक साभेदारी), которого время от времени добивались и Америка, и Европейский Союз с Китаем, выглядит как более вероятным, так и более желательным (वांछनीय) с демократической Индией.

С мусульманским президентом (с июля 2007г. президентом Индии является женщина – Пратибха Патиль, сменившая на этом посту «мусульманского» президента А.П.Дж. Абдул Калама), сикхским премьер-министром, индусским министром иностранных дел и христианским президентом правящей партии ИНК иностранного происхождения Индия демонстрирует столь же замечательную историю успеха, как и двадцатилетний бум (बूम), который обеспечила Коммунистическая партия Китая. Действительно, начиная с 1991 г., когда разразился кризис платежного баланса (भुगतान संतुलन संकट), Индия потеряла свое социалистическое наследие (विरासत) и объявила о среднем ежегодном росте ВВП в 7,5% – чуть медленнее, чем в Китае. Индия открыла свою экономику для мировой торговли и начала приватизацию (निजीकरण) многих принадлежащих государству отраслей промышленности (хотя часто слишком медленно).

Бизнес высоких технологий очень помог в этом, показав, что Индия больше выигрывает, чем теряет, от конкуренции на глобальном рынке. Возможно, впервые с изобретения (आविष्कार) нуля у Индии появился товар повышенного спроса для продажи – и на этот раз она может оставить прибыль себе. Более того, разразилась глобальная война предложений для индийского интеллекта (बुद्धि).

ЕС во что бы то ни стало хочет участвовать в подъеме Индии. Первый спутник ЕС «Галилео», задуманный как альтернатива американской системе GPS (Глобальная система навигации (मार्गनिर्देशन) и определения местоположения), был запущен в конце декабря при участии Индии в качестве полноправного партнера.

По ясным историческим причинам Великобритания шла во главе построения связей между ЕС и Индией. Индийский

бизнес, конечно, предпочитал Великобританию другим странам в Европе по причинам языка и культурных связей, но даже это меняется по мере того, как индийские инвестиции распространяются по всему континенту.

В некотором смысле демократия Индии препятствует быстрому экономическому росту. В отличие от Китая, правительство Индии не может просто действовать деспотически (बलपूर्वक) в отношении местных интересов, скажем, сравнивая с землей деревню, чтобы построить шоссе или дамбу. Но это та жертва, которую, судя по всему, Индия готова принести, чтобы защитить свои свободы (बलिदान करना – приносить жертву).

Необходимые реформы, которые относятся к тому времени, когда премьер-министр Манмохан Сингх был министром финансов в 1991 г., и включают либерализацию внешней торговли и разрушение «власти лицензии», все еще продолжаются. Это явно в интересах Индии объединить свои силы с ЕС во время переговоров внутри Всемирной торговой организации для того, чтобы снизить протекционистские барьеры (संरक्षणात्मक बाधाएं), особенно в области услуг.

(Окончание в следующем уроке)

*(Адаптировано по: Чарльз Таннок – представитель комитета иностранных дел Консервативной партии Великобритании в Европейском парламенте. Project Syndicate, 2006).
URL: <http://www.project-syndicate.org>*

Упражнение 18. Выполните двусторонний перевод интервью.

अभ्यास १८. इंटरव्यू का द्विपक्षीय अनुवाद कीजिये ।

बीबीसी हिन्दी सेवा के विशेष कार्यक्रम “एक मुलाकात” में सफल उद्योगपति और भारती टेलीकोम के मालिक सुनील भारती मिश्र ने इंटरव्यू दिया ।

संजीव श्रीवास्तव, भारत संपादक
बीबीसी हिन्दी, 17 जून 2007

— **Вы в своей жизни достигли новых высот успеха. Как бы Вы определили для себя понятие «успех»?**

— हर आदमी के लिये सफलता के पैमाने बदलते रहते हैं। आज जो सफलता है वह कल आपके लिये एक सामान्य घटना होती है। पहले मेरे लिये सफलता के पैमाने कुछ और थे आज कुछ और हैं। बीस हजार रुपये से मैंने बिजनेस शुरू किया था, आज मैं 20 बिलियन का लक्ष्य बना सकता हूँ। लेकिन इस सब के बीच मुझे लगता है कि सफलता वह है कि जब आप शाम को अपना काम पूरा कर लें तो आपको लगे कि कुछ किया। एक गुदगुदी (радость) सी हो। मेरा मानना है कि सफलता आदमी के अंदर रहती है और आपको बताती है कि आप ठीक दिशा में जा रहे हैं।

— **Вы легко добились успеха? Если нет, то в чем секрет (раза) прихода успеха к Вам?**

— देखिये सफलता आसानी से नहीं मिलती। क्योंकि आसान सफलता जैसी कोई चीज नहीं होती। लेकिन मेरा एक मूल मंत्र है सफलता के लिये, जो मैं स्कूल कालेज के युवाओं से बताता हूँ। मैं उनसे कहता हूँ कि अगर मौका मिले तो जो आप जिंदगी में करना चाहते हैं वही करिये। अगर ऐसा नहीं हो पाता तो कोई औसत जिंदगी तो जी सकता है लेकिन बड़ी सफलता नहीं पा सकता। बड़ी सफलता तो तभी मिलेगी जब डाक्टर की चाह रखने वाला डाक्टर बने, इंजीनियर बनने की चाह रखने वाला इंजीनियर बने और बिजनेसमैन बनने की चाहत रखने वाला आदमी बिजनेसमैन बने। मेरे लिये हर सोमवार की सुबह बहुत खूबसूरत होती है। मैं अपनी कुरसी पर बैठकर अपना काम शुरू करता हूँ। भारती टेलीकोम में काम करने वाले हर आदमी के लिये यह बात सही है। हर आदमी अपने काम में खुशी महसूस करता है। मैं अपने बच्चों से भी यही कहता हूँ।

— Вы себя вдохновляете, однако каким образом Вы вдохновляете сотни своих работников? Наверняка есть и такие работники, которые не испытывают энтузиазма (उत्साह)?

— यह बहुत ही अच्छा सवाल है । जब अपने हजारों कर्मचारियों से मिलता हूं तो उनसे कहता हूं कि अगर सोमवार को आफिस आते समय आप में उमंग (энтузиазम) नहीं है तो अपने आप से पूछिये कि कहां गलती हो रही है । कहीं आप गलत जगह तो नहीं हैं। अगर थोडा बहुत बदलाव लाना चाह रहे हैं, यही काम करना चाह रहे हैं तो शाम को जाकर कालर खींच दीजिये (тянуть за воротник) दो-चार बार । लेकिन उस धंधे में बिल्कुल मत रहिये जिसमें आपका मन नहीं लग रहा है ।

— Что означает «тянуть за воротник»?

— अपने बास के कालर खींचिये । मतलब अपने बास से सवाल पूछिये । देखिये सफलता वही मिली है जहां लोगों ने काम में अपनी जान लगा दी । अगर काम में मुश्किलें भी आएंगी तो आप उन्हें पार कर जाएंगे क्योंकि आप पूरे दिल से उस काम को कर रहे हैं ।

Упражнение 19. Напишите на хинди сочинение на тему: “Основные характеристики экономики Индии” (объем – 2 страницы).

अभ्यास १९. “भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषताएं” विषय पर छोटा सा निबंध लिखिये ।



Тесты टेस्ट

Тест 1. Выберите правильный вариант ответа.

टेस्ट १. सही जवाब चुनिये ।

१. भारतीय अर्थव्यवस्था अल्पविकसित है या विकासशील अथवा विकसित अर्थव्यवस्था है?

(१. भारतीय अर्थव्यवस्था पिछड़ी हुई है, क्योंकि अभी तक गरीबी पर काबू नहीं पाया गया है । २. भारतीय अर्थव्यवस्था विकासशील है क्योंकि १९५०-५१ से लेकर अभी तक निवल (चिस्तый) राष्ट्रीय उत्पाद में नियमित रूप से वृद्धि हुआ करती है । ३. भारतीय अर्थव्यवस्था विकसित है क्योंकि यह दुनिया के दूसरे विकसित देशों की तुलना में बहुत आगे बढ़ गयी है) ।

२. भारत की अर्थव्यवस्था एक मिश्रित अर्थव्यवस्था है, यह ठीक है ?

(१. जी नहीं, यह मिश्रित नहीं है क्योंकि भारतीय अर्थव्यवस्था में राजकीय क्षेत्र का दबदबा है । २. जी नहीं, यहां उत्पादन के साधनों पर निजी स्वामित्व रहा है । ३. जी हां, यहां निजी उद्यमशीलता के साथ-साथ सार्वजनिक क्षेत्र का स्थान काफी महत्वपूर्ण है) ।

३. क्या आज की परिस्थिति में आप भारत को अल्पविकसित अर्थव्यवस्थाओं की श्रेणी में रखेंगे ?

(१. जी हां, क्योंकि आधे से अधिक जनसंख्या गरीबी-रेखा के नीचे रहती है । २. जी नहीं, क्योंकि 1991 से लेकर सकल घरेलू उत्पाद बराबर बढ़ती जा रही है । ३. विश्वास के साथ कहा जा सकता है कि भारत अल्पविकसित देशों की श्रेणी को छोड़कर विकासशील राज्यों की श्रेणी में जरूर प्रवेश हुआ) ।

Тест 2. Выберите правильный термин из трех вариантов.

टेस्ट २. ठीक शब्द चुनिये ।

१. अर्थव्यवस्था के उच्च विकास के सूचकों में से सबसे महत्वपूर्ण ... का सूचक है।

1. सकल घरेलू उत्पाद
2. पूंजीगत अंतर्वाहों की मात्रा
3. मुद्रास्फीति

२. सरकार ने ... को कम करने के लिये साख को बढ़ाने का निश्चय किया ।

1. राजकोषीय घाटा
2. निजी उपभोग
3. वृहत आर्थिक सिद्धांत

३. ... के संतुलन के लिये पहले आपूर्ति-मांग संतुलन में सुधार करना चाहिये ।

1. बचत-निवेश
2. ब्याज-दर
3. उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं

Тест 3. Заполните пропуски словами из списка, данного в скобках.

टेस्ट ३. रिक्त स्थान उचित शब्द से भरिये ।

१. आजादी के समय भारत का ... सामान्य रूप से अल्पविकसित तो था, जिससे उसका पिछड़ापन साफ दिखाई देता था । (उच्च प्रौद्योगिकी, औद्योगिक ढांचा, सूचना प्रौद्योगिकी, घनी आबादी, पूंजीगत वस्तुएं) ।

२. निवल राष्ट्रीय उत्पाद में वृद्धि की तुलना में ...
आर्थिक संवृद्धि का ज्यादा अच्छा सूचक है । (प्रति व्यक्ति आय,
प्रति व्यक्ति व्यय, स्थिर गति, आयोजन, उद्यमियों का अभाव) ।

३. राष्ट्रीय न्यूनतम साभा कार्यक्रम के अंतर्गत तीव्रतर ...
के विकास के प्रति सरकार की वचनबद्धता की पुष्टि की गयी
है । (सामाजिक क्षेत्र, नाभिकीय कार्यक्रम, विश्व मानव साधन,
हस्तशिल्प, निर्यातोन्मुख क्षेत्र) ।



Тема 1
पहला विषय

Экономическое положение Индии
भारत की अर्थव्यवस्था की स्थिति

(वार्षिक सर्वेक्षण 2007-2008 के कुछ अंश, जो भारत सरकार के वित्त मंत्रालय द्वारा 29 फरवरी 2008 को घोषित किया गया है।)

Урок 2
पाठ २
Тексты
टेक्स्ट

1. Экономический рост
आर्थिक वृद्धि

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा सकल घरेलू उत्पाद के अपने अग्रिम अनुमानों में वर्तमान बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद के वर्ष 2007-08 में 46,93,602 करोड़ रुपये होने का अनुमान लगाया गया है। इस प्रकार, वर्तमान राजकोषीय वर्ष में बाजार विनिमय दर पर भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार 1 ट्रिलियन अमरीकी डालर को पार कर जायेगा। सांकेतिक विनिमय दर (अप्रैल-दिसंबर 2007 का औसत) पर सकल घरेलू उत्पाद वर्ष 2007-2008 में 1.16 ट्रिलियन अमरीकी डालर होने का अनुमान लगाया गया है। सांकेतिक विनिमय दर पर प्रति व्यक्ति आय के 1,021 अमरीकी डालर होने का अनुमान है। विश्व बैंक प्रणाली के निम्न आय, मध्यम आय तथा उच्च आय देशों के रूप में देशों के वर्गीकरण के आधार पर भारत का स्थान अभी भी निम्न आय देशों में आता है।

बाजार विनिमय दरों पर (प्रति व्यक्ति) सकल घरेलू उत्पाद की अपेक्षा ऋय शक्ति समतुल्यता पर (प्रति व्यक्ति) सकल घरेलू उत्पाद संकल्पनात्मक रूप से अर्थव्यवस्था के सापेक्ष आकार का बेहतर संकेतक है। तथापि, ऋय शक्ति समतुल्यता पर सकल घरेलू उत्पाद का परिकलन करने में व्यावहारिक कठिनाइयाँ हैं तथा अब हमारे पास वर्ष 2005 के लिये ऋय शक्ति समतुल्यता के रूपांतरण कारक के दो भिन्न अनुमान हैं। ऋय शक्ति समतुल्यता पर भारत का सकल घरेलू उत्पाद 5.16 ट्रिलियन अमरीकी डालर या 3.19 ट्रिलियन अमरीकी डालर होने का अनुमान है जो इस पर निर्भर होगा कि पुराना रूपांतरण कारक प्रयुक्त किया गया है अथवा नये रूपांतरण कारक का प्रयोग किया गया है। पूर्ववर्ती मामले में, संयुक्त राज्य अमरीका तथा चीन के पश्चात भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है जबकि पश्चोक्त मामले में यह विश्व की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है (जापान और जर्मनी के पीछे)।

केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा वर्ष 2007-08 में सतत् 1999-2000 मूल्यों पर उत्पादन लागत पर सकल घरेलू उत्पाद के 8.7 प्रतिशत पर बढ़ने का अनुमान लगाया गया है। यह विगत दो वर्षों में क्रमशः 9.4 प्रतिशत और 9.6 प्रतिशत की अप्रत्याशित रूप से उच्च वृद्धि से गिरावट का द्योतक है। अर्थव्यवस्था में तीव्र आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण तथा वृद्धि होने से कुछ सीमा तक चक्रीय उतार-चढ़ाव होने की आशा की जा सकती है। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007-08 से 2011-12 तक) में 9 प्रतिशत का वृद्धि लक्ष्य निर्धारित करते समय (दृष्टिकोण पत्र तथा एन डी सी अनुमोदित योजना, दोनों में) इसे ध्यान में रखा गया। दसवीं पंचवर्षीय योजना के अंतिम दो वर्षों में 9 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि को देखते हुए यह तर्क दिया गया था कि ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना का लक्ष्य 10 से 11 प्रतिशत रखा जा सकता था क्योंकि 9 प्रतिशत के लक्ष्य को पहले ही प्राप्त किया जा चुका है। 9 प्रतिशत की वृद्धि दर

को बनाये रखना स्वयं में ही एक चुनौती है तथा इसे बढ़ाकर द्विअंकीय स्तर पर लाना उससे भी अपेक्षाकृत बड़ी चुनौती होगी।

2. Вклад в экономический рост различных секторов экономики

क्षेत्रक योगदान ।

वर्ष 2007-08 में वृद्धि में गिरावट बिजली, समुदाय सेवाओं तथा संयुक्त श्रेणी “व्यापार, होटल, परिवहन तथा संचार” को छोड़, सामान्यतया अधिकांश क्षेत्रों में फैली हुई है। कृषि क्षेत्र की वृद्धि में गिरावट का कारण रबी फसलों की वृद्धि में धीमापन बताया गया है। विनिर्माण तथा संरचना, जिसकी वृद्धि दर वर्ष 2006-07 में 12 प्रतिशत थी, में वर्ष 2007-08 में लगभग 2.5 प्रतिशत बिंदु की गिरावट आयी। उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं की अपेक्षाकृत धीमी वृद्धि (जैसा कि औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में प्रतिबिंबित है) विनिर्माण के धीमेपन में सर्वाधिक महत्वपूर्ण घटक थी। संरचना की मुख्य निविष्टियों अर्थात् सीमेंट और स्टील में अप्रैल-नवम्बर 2007-08 के दौरान क्रमशः 7.4 प्रतिशत तथा 6.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई जो विगत वर्ष में 10.8 प्रतिशत तथा 11.2 प्रतिशत से कम थी जिसके परिणामस्वरूप संरचना क्षेत्र की वृद्धि में धीमापन आया। अप्रैल-नवम्बर 2007-08 में रेलवे द्वारा राजस्व अर्जक मालभाडा यातायात, हवाई पत्तनों में प्रहस्तन किये गये यात्रियों एवं बैंक क्रेडिट की वृद्धि में भी कमी आयी जो पूर्ण वर्ष के निर्धारण का आधार थी।

वर्ष 2006-07 में वृद्धि, जिसका आरंभ में फरवरी 2007 में 9.2 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया था, 31 जनवरी 2007 को केन्द्रीय सांख्यिकी संगठन द्वारा जारी त्वरित अनुमानों में ऊर्ध्वमुखी संशोधन करके मई 2007 में 9.4 प्रतिशत तथा आगे और बढ़ाकर 9.6 प्रतिशत होने का अनुमान लगाया गया।

इससे पता चलता है कि वर्ष 2007-08 के अनुमानों में ऊर्ध्वमुखी समायोजन संभव है।

दसवीं पंचवर्षीय योजना (2002-07) में 7.8 प्रतिशत की अवलोकित वृद्धि, जो अभी तक किसी भी योजना अवधि के लिये उच्चतम है, 8 प्रतिशत के लक्ष्य से केवल मामूली सी कम है। योजना के प्रथम वर्ष के दौरान 3.8 प्रतिशत की अत्यधिक धीमी वृद्धि की प्रतिपूर्ति, बाद के चार वर्षों में वृद्धि में उछाल द्वारा हो गयी जो औसतन 8.8 प्रतिशत थी। पंचवर्षीय योजना के दौरान वृद्धि की एक उल्लेखनीय विशिष्टता विनिर्माण का पुनरुत्थान था। विनिर्माण की वृद्धि में तीव्र तेजी आयी जो नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 3.3 प्रतिशत से बढ़कर दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 8.6 प्रतिशत हो गयी। वर्ष 2007-08 को समाप्त पांच वर्षों के दौरान विनिर्माण की औसत वृद्धि लगभग 9.1 प्रतिशत होने की आशा है। समग्र वृद्धि में विनिर्माण का योगदान नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान लगभग 17.7 प्रतिशत हो गया है।

सेवा क्षेत्रक में वृद्धि व्यापकाधारित बनी रही। सेवाओं के उपक्षेत्रों में “परिवहन तथा संचार” क्षेत्र तीव्रतम वृद्धिकारी क्षेत्रक रहे जिनकी वृद्धि दर दसवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान औसत 15.3 प्रतिशत प्रति वर्ष रही जिसके पश्चात संरचना का स्थान आता है। दूर संचार क्षेत्र में प्रभावशाली प्रगति तथा रेल, सड़क तथा पत्तन यातायात में अपेक्षाकृत उच्च वृद्धि ने इस क्षेत्र की वृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, विनिर्माण के अतिरिक्त, दो अन्य क्षेत्रक संरचना तथा संचार हैं जिनका वृद्धि में योगदान विगत दो योजनाओं में बढ़ा है। संरचना क्षेत्रक का योगदान नौवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 7.5 प्रतिशत से बढ़कर दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान 10.8 प्रतिशत हो गया, जबकि दूरसंचार क्षेत्रक का योगदान दोनों योजनाओं में 6 प्रतिशत से बढ़कर 11.4 प्रतिशत हो गया। “वित्तीय सेवाओं” जिनमें बैंकिंग, बीमा तथा व्यवसाय सेवाएं शामिल हैं, में वृद्धि

दर 2003-04 में कम होकर 5.6 प्रतिशत होने के पश्चात वर्ष 2004-05 में पुनः बढ़कर 8.7 प्रतिशत, वर्ष 2005-06 में 11.4 प्रतिशत तथा वर्ष 2006-07 में 13.9 प्रतिशत हो गयी। दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान वृद्धि के त्वरण में योगदान देने वाले अग्रणी क्षेत्रक विनिर्माण, संरचना तथा संचार थे जैसा कि वृद्धि में उनके वर्द्धित योगदान से पता चलता है।

मानसून पर निर्भर होने के कारण कृषीय वृद्धि में उतार-चढ़ाव जारी रहा, यद्यपि वर्ष 2007-08 को समाप्त पंचवर्षीय अवधि में परिवर्ती सहगुणांक वर्ष 1956-57 को समाप्त पांच वर्षों के पश्चात दूसरा सबसे निम्नतम परिवर्ती सहगुणांक था। तथापि, दसवीं पंचवर्षीय योजना के लिये परिवर्ती सहगुणांक 60 वर्षीय औसत से उच्चतर था। दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान समग्र वृद्धि 2.5 प्रतिशत थी जो नौवीं पंचवर्षीय योजना के समान ही थी। मौसम अभिप्रेरित उतार-चढ़ावों ने कृषि की सकल घरेलू उत्पाद वृद्धि पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाला। वर्ष 2002-03 में, पूर्वोत्तर तथा दक्षिण पश्चिम मानसून की संचयी वर्षावृत्ति दीर्घावधिक औसत का क्रमशः 33 प्रतिशत तथा 19 प्रतिशत थी। इसी प्रकार, वर्ष 2004-05 में दक्षिण पश्चिम तथा पूर्वोत्तर मानसून के लिये दीर्घावधिक औसत से संचयी वर्षावृत्ति क्रमशः 13 प्रतिशत तथा 11 प्रतिशत थी। सकल घरेलू उत्पाद में कृषीय क्षेत्रक के अंश में निरपेक्ष गिरावट जारी रही जो वर्ष 2001-02 में 24 प्रतिशत से गिरकर वर्ष 2007-08 में 17.5 प्रतिशत रह गया।

3. Потребительская корзина

खपत समूह

राष्ट्रीय लेखों में आठ व्यापक श्रेणियों में पारिवारिक खपत व्यय के पृथक-पृथक आंकड़े उपलब्ध कराये गये हैं। बढ़ती प्रति व्यक्ति खपत से, साधारण एंजल वक्र विश्लेषण में खाद्य वस्तुओं की खपत के अंश में गिरावट तथा ऐशोआराम की

वस्तुओं में वृद्धि पूर्वानुमानित है जिसमें हमारे संदर्भ में मनोरंजन तथा टिकाऊ वस्तुएं शामिल हैं। दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान खाद्य पदार्थों तथा पेय पदार्थों की औसत वृद्धि 3.2 प्रतिशत पर निम्नतम थी तथा इसका अंश वर्ष 2001-02 में 48.1 प्रतिशत से गिरकर 2006-07 में 42.1 प्रतिशत रह गया। परिवहन तथा संचार, शिक्षा और मनोरंजन तथा विविध सेवाओं में 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि तथा फर्नीचर, उपकरणों एवं सेवाओं का बढ़ता अंश भी एंजल वक्र विश्लेषण के समनुरूप है।

कपड़ों तथा जूतों की खपत में परिवर्तन के अस्थिर पैटर्न का कारण संभवतः यह है कि मध्यम वर्ग के परिवार इसे एक अवशिष्ट व्यय श्रेणी मानते हैं। ग्रामों में विस्तारित एक विशाल तथा सांकेतिक रूप से निःशुल्क सरकारी स्वास्थ्य देखभाल प्रणाली के बावजूद स्वास्थ्य देखभाल पर व्यय का उच्च अंश चिंता का विषय रहा है क्योंकि यह पैटर्न अपेक्षाकृत कम समृद्ध लोगों में भी व्याप्त पाया गया है। अतः वर्ष 2002-03 में 5.2 के चरम स्तर पर पहुंचने के पश्चात वर्ष 2006-07 में इसका अंश गिरकर 4.4 प्रतिशत हो जाना उत्साहवर्धक है।

4. Платежный баланс

भुगतान संतुलन

वर्ल्ड इकनॉमिक आउटलुक (डब्ल्यूओ, आईएमएफ अक्टूबर 2007) में अवलोकन किया गया है कि 5 प्रतिशत की औसत वृद्धि के साथ वैश्विक अर्थव्यवस्था में हालिया विस्तारकारी चरण प्रारंभिक 1970 के दशक से अब तक सबसे दीर्घ रहा। तथापि, जनवरी 2008 के डब्ल्यूओ अपडेट में 2005 अंतरराष्ट्रीय तुलना कार्यक्रम की नयी पीपीपी विनिमय दरों के आधार पर इन अनुमानों को संशोधित किया गया है। आवासीय बाजार में गिरावट और संयुक्त राज्य अमरीका में उपमुख्य बंधक बाजार संकट से उत्पन्न वैश्विक संवृद्धि में अधोमुखी जोखिम को

परिमाणित करने में महत्वपूर्ण अनिश्चितता है। संयुक्त राज्य अमरीका तथा विकसित देशों द्वारा की गयी मौद्रिक नीतिगत कार्रवाइयों का तत्काल प्रभाव हुआ है, जबकि अगले छः महीनों में और आश्चर्यों को नकारा नहीं जा सकता।

भारतीय अर्थव्यवस्था में सुधारों के शुरू होने से प्रगामी रूप से वैश्वीकरण हो रहा है। व्यापार, जो वैश्विक समेकन का एक महत्वपूर्ण आयाम है, सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में स्थिरता से बढ़ा है। अंतर्वाही प्रत्यक्ष निवेश में तेजी आयी है और निवल प्रत्यक्ष विदेश निवेश के अच्छी तरह से बढ़ते हुए, बहिर्प्रवाही निवेश में एक बहुत निम्न आधार से उछाल आया है। 2007-08 में पूंजी प्रवाहों में उछाल तीसरा संकेतक है जो भारतीय अर्थव्यवस्था में वैश्विक घटनाचक्रों के बढ़ते हुए प्रभाव को प्रमाणित करता है। सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात के रूप में पूंजी प्रवाह इस दशक के दौरान एक सुस्पष्ट उर्ध्वमुखी रुझान पर रहे हैं। 2005-06 में 3.1 प्रतिशत की निम्न रुझान प्राप्ति के पश्चात ये 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद के 5.1 प्रतिशत के उच्च स्तर पर पहुंच गये। यह सुधरे हुए निवेश माहौल और उच्च संवृद्धि, सापेक्ष मूल्य स्थिरता, स्वस्थ वित्तीय क्षेत्र और निवेश पर उच्च प्राप्तियों जैसी मजबूत वृहद् आर्थिक मौलिकताओं की पहचान का प्राकृतिक निष्कर्ष है। बाह्य माहौल के अनुकूल रहने पर भी, बढ़ते हुए अंतःप्रवाहों और विनिमय दर वर्धन सहित एक अधिक खुले पूंजी खाते के प्रबंधन की समस्या उत्पन्न हुई है।

वर्धित पूंजी अंतर्वाहों की सबसे अधिक सुखद विशेषता 2006-07 में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश अंतर्वाहों में 150 प्रतिशत की वृद्धि है जो बढ़कर 23 बिलियन अमरीकी डालर हो गये। वर्तमान वित्तीय वर्ष में यह प्रवृत्ति जारी रही, और प्रथम छमाही में सकल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्रवाह 11.2 बिलियन अमरीकी डालर हो गया। विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्रवाह व्यापकाधारित थे और ये वित्तीय सेवाओं, विनिर्माण, बैंकिंग सेवाओं, सूचना

प्रौद्योगिकी सेवाओं और निर्माण जैसे आर्थिक क्रियाकलापों के दायरे में फैले हुए थे। विगत पांच वर्षों की तुलना में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के बहिर्वाह में भी स्थायी रूप से वृद्धि होने से कुल निवल प्रवाहों (भुगतान शेष में एफ डी आई का अधिशेष) की वृद्धि दर कम है।

भारतीय उद्यमों का वैश्वीकरण और भारतीय बहु राष्ट्रिकों के सृजन के बीज विगत कुछ वर्षों में बोये गये थे। भारत से विदेशी निवेश 2003-04 से 2004-05 की अवधि में 2 बिलियन अमरीकी डालर से कम से बढ़कर वर्ष 2006-07 में 14.4 बिलियन अमरीकी डालर हो गया। अप्रैल-सितंबर 2007 में 7.3 बिलियन अमरीकी डालर के विदेशी निवेश के साथ यह प्रवृत्ति वर्तमान वर्ष में जारी है। अतः निवल विदेशी प्रत्यक्ष निवेश प्रवाह इस अवधि के दौरान 3.9 बिलियन अमरीकी डालर पर संतुलित था। भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के तहत प्राप्तियों में भुगतान का समानुपात 2005-06 में और 2006-07 में क्रमशः 0.7 प्रतिशत से 0.4 प्रतिशत के दायरे में था। यह भारत में विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की स्थायी और स्थिर प्रकृति को दर्शाता है।

5. Внешняя торговля **वैदेशिक व्यापार**

विश्व अर्थव्यवस्था से भारत का बढ़ता तादात्म्य व्यापार उदारता संकेतक, व्यापार और सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात द्वारा परिलक्षित हुआ जो 2000-01 में सकल घरेलू उत्पाद के 22.5 प्रतिशत से बढ़कर 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद का 34.8 प्रतिशत हो गया। अगर इसमें सेवा व्यापार को मिला लिया जाये तो यह वृद्धि और भी अधिक है, 2000-01 में सकल घरेलू उत्पाद के 29.2 प्रतिशत की तुलना में 2006-07 में सकल घरेलू उत्पाद का 48 प्रतिशत है जो अधिक उदार अर्थव्यवस्था को प्रतिबिंबित करती है।

भारत के पण्य निर्यात और आयात में (अमरीकी डालर में, सीमा शुल्क आधार पर) 2006-07 में क्रमशः 22.6 प्रतिशत और 24.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। आयात निर्यात की वृद्धि दरों में 2002-03 के बाद यह सबसे कम अंतर था। पेट्रोलियम उत्पाद (59.3 प्रतिशत) और इंजीनियरिंग सामान (38.1 प्रतिशत) के निर्यात में बहुत तेजी से वृद्धि हुई। कुल निर्यात में पेट्रोलियम उत्पादों की भागीदारी में दर्शनीय वृद्धि से भारत की बेहतर शोधन क्षमता और पेट्रोलियम, तेल एवं ल्युब्रिकैट्स की बढ़ी कीमतें परिलक्षित हुई। इंजीनियरिंग सामान के हिस्से में वृद्धि प्रतिस्पर्धात्मकता में सुधार का सूचक है। पेट्रोलियम, तेल एवं ल्युब्रिकैट्स के आयात में 2006-07 में 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई, मात्रा में 13.8 प्रतिशत और कीमतों में 12.1 प्रतिशत। पीओएल-भिन्न आयात में 22.2 प्रतिशत की वृद्धि का कारण स्वर्ण और चांदी के आयात में 29.4 प्रतिशत की वृद्धि था और गैर-स्वर्ण-रजत आयात की 21.4 प्रतिशत वृद्धि औद्योगिक मांग को पूरा करने के लिये आवश्यक थी।

मौजूदा वर्ष के पहले नौ महीनों में, निर्यात बढ़कर 111 बिलियन अमरीकी डालर हो गया। यह वर्ष के निर्यात लक्ष्य का लगभग 70 प्रतिशत था। अप्रैल-सितंबर 2007 के दौरान, निर्यात वृद्धि में प्रमुख योगदान पेट्रोलियम उत्पादों, इंजीनियरिंग सामानों, रत्न और आभूषण का रहा। मशीनरी और उपस्कर, परिवहन उपकरण और धात्विक विनिर्माण ने इंजीनियरिंग निर्यात की वृद्धि दर को बनाये रखा। रत्न और आभूषण क्षेत्र में 2006-07 में निर्यात में आयी कमी के बाद अप्रैल-सितंबर 2007 में पुनरुत्थान हुआ और वृद्धि दर 20.4 प्रतिशत रही।

अप्रैल-दिसंबर 2007 में आयात में 25.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जिसका कारण पीओएल भिन्न आयात में 31.9 प्रतिशत की वृद्धि था। यह विनिर्माण क्षेत्र और निर्यात गतिविधियों के लिये उद्योग से अत्यधिक मांग दर्शाता है। अप्रैल-दिसंबर 2007 में पण्य व्यापार घाटा 57.8 बिलियन अमरीकी डालर था जो

2006-07 (संपूर्ण वर्ष) के लिये 59.4 बिलियन अमरीकी डालर के घाटे के बहुत करीब था। समग्र व्यापार में वृहत् घाटे के बावजूद अमरीका और संयुक्त अरब अमीरात के साथ निर्यात में वृहत् (लेकिन घटता हुआ) व्यापार अधिशेष और यूनाइटेड किंगडम और सिंगापुर के साथ लघू अधिशेष (2006-07 तक) मौजूद था। पहले तीन के साथ अधिशेष 2007-08 में जारी था। सर्वाधिक व्यापार घाटा सऊदी अरब, चीन और स्विट्जरलैंड के साथ व्यापार में रहा। चीन के साथ व्यापार घाटे में अप्रैल-सितम्बर 2007 में और भी बढ़ोतरी हुई।

संयुक्त राज्य अमरीका, यूरोपीय संघ और शेष विश्व के साथ मुख्य निर्यातों की वृद्धि की उपभोक्ता वस्तुवार तुलना से आर्थिक मंदी और रुपये के मूल्य में वृद्धि के प्रभावों के बारे में बेहतर समझ बनती है। 2006-07 में संयुक्त राज्य अमरीका को विनिर्मित निर्यात में मांग में कमी के कारण तेजी से कमी आयी जबकि 2007-08 में डालर के मूल्य में हास एक और कारक था। यूरोपीय संघ को निर्यात में कमी मामूली थी क्योंकि दोनों कारक अनुपस्थित थे। इसके विपरीत, शेष विश्व के साथ विनिर्मित निर्यात में 2007-08 के पूर्वार्ध में मामूली वृद्धि हुई। 2006-07 में भारत द्वारा वस्त्र, चमड़ा एवं विनिर्मित व हस्तशिल्प वस्तुओं के निर्यात में काफी कमी आई यद्यपि रुपये के मूल्य में मामूली गिरावट आयी थी। लेकिन, अन्य सभी उपश्रेणियों के निर्यात में, जिनमें इंजीनियरिंग सामान और रसायन भी शामिल हैं, 2007-08 के पूर्वार्ध में कमी आयी। जहां तक यूरोपीय संघ का संबंध है, 2006-07 में और 2007-08 के पूर्वार्ध में वस्त्रों में भारी गिरावट और हस्तशिल्प में आयी कमी काफी हद तक, अन्य विनिर्मित उत्पादों में समुचित वृद्धि से संतुलित हो गयी। चमड़ा और चमड़ा उत्पाद निर्यात समग्र रूप से और यूरोपीय संघ तथा अन्य देशों के साथ अच्छा रहा, लेकिन अमरीका के साथ निर्यात में कमी आयी। इस प्रकार एक ओर भागीदार देश में मांग और द्विपक्षीय विनिमय दर में

गहरा संबंध दिखायी देता है और दूसरी ओर, तब भारत का द्विपक्षीय निर्यात, विश्व को भारत के कुल निर्यात से भिन्न स्तर पर दिखाई देता है ।

12 प्रमुख व्यापार भागीदारों से व्यापार 2001-02 में 11.2 प्रतिशत से बढ़कर 2006-07 में 53.8 प्रतिशत हो गया । सबसे बड़े व्यापार भागीदार संयुक्त राज्य अमरीका की हिस्सेदारी 2006-07 में 2.5 प्रतिशतांक घटकर 9.8 प्रतिशत हो गयी जबकि चीन 2006-07 में दूसरा सबसे बड़ा भागीदार बनकर उभरा और उसकी हिस्सेदारी में विगत दशक की तुलना में 5.2 प्रतिशतांक की वृद्धि हुई । अप्रैल-अक्तूबर 2007 में चीन की व्यापारिक हिस्सेदारी अमरीका से केवल 600 करोड़ रुपये ही कम थी ।

2006-07 में भारत द्वारा सेवाओं के निर्यात में 32.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई और यह 76.2 बिलियन अमरीकी डालर हो गया । सॉफ्टवेयर सेवाएं, व्यवसाय सेवाएं, वित्त सेवाएं और संचार सेवाएं वृद्धि के मुख्य संचालक थे । 2006-07 में वाणिज्यिक सेवाओं का निर्यात पण्य निर्यात का लगभग 60 प्रतिशत था । लेकिन, अप्रैल-सितंबर 2007 में गैर-सॉफ्टवेयर सेवाओं विशेषकर व्यवसाय और संचार सेवाओं के मूल्य में आयी गिरावट के कारण सेवा निर्यात की वृद्धि दर निराशाजनक अर्थात् 8.6 प्रतिशत रही ।

भारत ने ऐसी बहुपक्षीय व्यापार व्यवस्थाओं का समर्थन जारी रखा है जो विकासशील अर्थव्यवस्थाओं के लिये पारदर्शी और निष्पक्ष दोनों हों । जुलाई 2006 के दौरान दृष्टिकोणों में अंतर के कारण बातचीत रोके जाने के बाद, सेवा बातचीत में वास्तविक लाभ अर्जन और औद्योगिक प्रशुल्क बातचीत में वृद्धि और विकास की चिंताओं का समाधान, कम आय और कम साधनों वाले गरीब कृषि उत्पादकों के हितों की रक्षा, इसके साथ वार्ताओं में महत्वपूर्ण मुद्दे हैं ।

6. *Глобальное потепление и изменение климата*

ग्लोबल वार्मिंग और जलवायु परिवर्तन

ग्लोबल वार्मिंग और इसके परिणामस्वरूप होने वाले जलवायुगत परिवर्तन जैसे मुद्दे अन्तर्राष्ट्रीय चर्चाओं का मुख्य विषय बन गये हैं। वैश्विक रूप से, कार्बन ट्रेडिंग हाल के वर्षों में तेजी से बढ़ा है। तथापि, विकासशील और सबसे कम विकसित देशों में गरीबी कम करने की आवश्यकता बनाम ग्लोबल वार्मिंग संबंधी मानवीय क्रियाकलापों के हानिकारक प्रभावों में संतुलन लाने की आवश्यकता है। वैश्विक सामाजिक न्याय के मुद्दे को वायुमंडल जैसे वैश्विक सार्वजनिक वस्तुओं के मुद्दे से अलग नहीं किया जा सकता है। भिन्न-भिन्न देशों में रह रहे लोगों के लिये लागत और लाभ तथा उनके संबंधित योगदानों को एक एकीकृत रूप में व्यवस्थित किया जाना चाहिये।

भारत यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कंवेशन आन क्लाइमेट चेंज और इसके क्योटो प्रोटोकोल में सहयोगी है। इस प्रोटोकोल में तीन प्रणालियों का प्रावधान है जो विकसित देशों को मात्राबद्ध उत्सर्जन सीमा और कटौती के प्रति वचनबद्धता से युक्त विकासशील देशों को अपेक्षाकृत कम लागतों पर उनकी स्वयं की सीमाओं से बाहर के कार्यकलापों पर ग्रीनहाउस गैस कटौती क्रेडिट प्राप्त करने में समर्थ बनाती हैं। ये हैं — संयुक्त कार्यान्वयन, स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) और उत्सर्जन संव्यवहार। भारत जैसे विकासशील देशों के लिये केवल सीडीएम लागू है। स्वच्छ विकास तंत्र के अंतर्गत, कोई विकसित देश किसी ऐसे विकासशील देश में जहां ग्रीन हाउस गैस कटौती परियोजना के क्रियाकलापों की लागतें सामान्यतया बहुत कम हैं, ग्रीन हाउस गैस में कटौती परियोजना संबंधी क्रियाकलाप आरंभ करेगा।

भारत की स्वच्छ विकास तंत्र क्षमता विश्व के सीडीएम बाजार का एक महत्वपूर्ण घटक है। 31 जनवरी, 2008 की स्थिति के अनुसार, सीडीएम कार्यकारी बोर्ड द्वारा पंजीकृत कुल

918 परियोजनाओं में से 309 भारत से हैं, जो अब तक विश्व के किसी भी देश की परियोजनाओं में सर्वाधिक है। भारतीय राष्ट्रीय सीडीएम प्राधिकरण ने 858 परियोजनाओं को मेजबान देश अनुमोदन (होस्ट कंट्री अप्रुवल) प्रदान किया है, जिससे 71,121 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश का मार्ग प्रशस्त हुआ है। ये परियोजनाएं ऊर्जा क्षमता, फ्यूल स्वचिंग, औद्योगिक प्रसंस्करण, म्यूनिसपल सोलिड वेस्ट और नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में हैं। यदि ये सभी परियोजनाएं सीडीएम कार्यकारी बोर्ड द्वारा पंजीकृत की जाती हैं तो उनमें वर्ष 2012 तक 448 मिलियन प्रमाणित उत्सर्जन कटौतियों (सीईआर) सृजित करने की संभावना है।

सतत वृद्धि और झटकों के आलोक में लचीलापन जैसे ऊर्जा और वस्तुओं की उच्च कीमतें तथा विश्व में अभिवृद्धि और आयात मांग में मंदी ने हाल के वर्षों में भारतीय अर्थव्यवस्था की विशेषता दर्शायी है। वास्तव में वृद्धि के अर्थ में 2003-08 की राजकोषीय अवधि में शायद स्वतंत्र भारत के इतिहास में सबसे अच्छा पांच वर्ष का वृद्धिकारी निष्पादन रहा है। अभी भी अनेक चुनौतियां हैं जिनके समाधान की जरूरत है यदि आगामी वर्षों में मौजूदा विकास गति को बनाये रखना है।

Словарь शब्द-संग्रह

अंतर्वाही (inward)		1) внутренний 2) направленный внутри
अग्रणी		1) развитый, передовой 2) веду- щий, главенствующий
अधिशेष	म.	1) излишек, избыток; превыше- ние; остаток 2) активное сальдо (торгового или платежного ба- ланса)

अधोमुखी (downside)	म.	1) находящийся внизу 2) нижняя сторона
अनिश्चितता	ज.	1) неопределенность 2) ненадежность
अपडेट (update)	म.	скорректированные данные
अभिप्रेरित		1) побуждаемый, стимулируемый 2) подстрекаемый
अर्जक		1) зарабатывающий 2) приносящий доход 3) собирающий 4) приобретающий
अवलोकित		наблюдаемый; получаемый в результате исследования (изучения)
अवशिष्ट		1) остаточный 2) избыточный
आयाम	म.	1) длина 2) ширина 3) объем 4) сфера, область
आलोक	म.	1) свет 2) вид, зрелище
आवासीय (housing)		жилищный
उत्सर्जन	म.	1) оставление, покидание 2) сброс, выброс 3) распространение; выделение
उत्साहवर्धक		1) воодушевляющий 2) обнадеживающий
उपादान	म.	производственный фактор, производственный ресурс
ऊर्ध्वमुखी		1) поднявший лицо кверху 2) направленный вверх
ऐशोआराम	म.	1) роскошь и комфорт 2) наслаждение, удовольствие
कार्बन	म.	хим. 1) углерод 2) хим. чистый уголь
कार्यान्वयन	म.	выполнение; осуществление; реализация, проведение в жизнь
क्रय	म.	покупка, закупка, купля
चक्रीय		1) круговой 2) циклический

जलवायुगत		климатический
झटका	म.	1) толчок; рывок; удар 2) импульс, толчок
(के) तहत	पोसल	1) внизу, под 2) из-за, вследствие
तादात्म्य	म.	интеграция, объединение
त्वरण	म.	1) скорость, быстрота 2) ускорение
त्वरित		быстрый, скорый
दायरा	म.	круг, сфера
द्योतक	म.	1) показатель 2) признак, симптом
द्विअंकीय (स्तर पर) (to two digits)		на два пункта: двузначный
नकारना	न.	1) отрицать 2) отказываться 3) исключать
नवीकरणयि		возобновляемый; обновляемый
निरपेक्ष (secular)		1) вековой (о циклах в экономике) 2) постоянно действующий (о тенденциях в экономике); долговременный 3) периодический, циклический
निराशाजनक		вызывающий разочарование; безнадежный
निवल		чистый; нетто; без вычетов
निविष्टि (inputs)	ज.	вводимый ресурс; вливание (ресурсов)
निष्पक्ष		1) объективный 2) нейтральный 3) справедливый, честный
नीतिगत		1) этический, моральный 2) политический
पंजीकृत		зарегистрированный; занесенный в книгу записей (в список, реестр)

पण्य		1. годный для покупки <i>или</i> продажи 2. м. 1) товар 2) торговля, коммерция
परिकलन	म.	калькуляция, вычисление
परिमाणित		вычисленный; определенный количественно, квантифицированный
पश्च		последний, позднейший
पश्चोक्त		позже упомянутый
पहचान	ज.	1) узнавание, признание 2) признак, отличительная черта
पूर्ववर्ती		первый, прежний, предшествующий
पूर्वानुमानित		1) предполагаемый 2) прогнозируемый
पैटर्न	म.	1) модель, образец 2) структура 3) характер
प्रतिपूर्ति	ज.	восполнение (затрат); возмещение; компенсирование
प्रसंस्करण	म.	1) исправление 2) совершенствование, улучшение 3) очищение
प्रहस्तन करना (handle)	न.	обслуживать
प्राधिकरण (Executive Board)	म.	1) руководящий совет 2) исполнительный комитет
प्राप्ति	ज.	1) получение; приобретение; достижение 2) денежные поступления
फ्यूल	म.	топливо, горючее
बंधक		1. 1) закладываемый 2) обмениваемый 2. м. 1) залог, заклад 2) ипотека
बहिर्प्रवाही (outward)		1) внешний, наружный 2) направленный наружу

बहुराष्ट्रिक		1. многонациональный 2. м. международная монополия; многонациональная компания
बिलियन	म.	миллиард
भागीदार	म.	1) участник 2) партнер, компаньон
भुगतान	म.	погашение, уплата, выплата
मालभाडा	म.	1) перевозка грузов 2) плата за перевозку грузов
मौद्रिक		денежный; финансовый; валютный
मौलिकता	ज.	основной принцип
लचीलापन	म.	1) гибкость, эластичность 2) мобильность, подвижность
लागत	ज.	расходы, издержки, затраты
लेखा	म.	счет
ल्यूब्रिकैट्स	म.	смазочные масла
वक्र		1. изогнутый, кривой 2. м. мат. кривая
वर्द्धित		увеличившийся, возросший
वर्षावृत्ति	ज.	1) атмосферные осадки 2) дождь
वस्तुवार		относящийся к виду товара
विनिर्मित		промышленный, промышленного изготовления
वेस्ट (waste)	म.	отходы (производства) <i>municipal waste</i> – городские отходы
शुल्क	म.	налог; пошлина
संकल्पनात्मक		1) понятийный 2) умозрительный
संचयी		накопленный; собранный; совокупный
संचालक		1. приводящий в движение, движущий 2. м. движущая сила

संतुलित		уравновешенный, сбалансированный
संतुलन	म.	1) баланс; сальдо 2) равновесие
संरचना	ज.	1) строительство 2) строение; сооружение 3) структура, строение
संव्यवहार (trading)	म.	1) обращение 2) использование, применение 3) торговля
समग्र		весь, целый; полный; общий, сводный
समतुल्यता	ज.	1) равенство курса; паритет 2) соответствие, эквивалент
(के) समानुरूप		1) соответствующий, подходящий 2) согласованный; совместный
समानुपात	म.	пропорция; количественное соотношение
समायोजन	म.	1) исправление; уточнение; корректировка 2) поправка; ऊर्ध्वमुखी ~ поправка в сторону повышения
समुचित		1) надлежащий, соответствующий 2) приемлемый, подходящий
सहगुणांक	म.	коэффициент; индекс; показатель
सापेक्ष		относительный, соотносительный
साफ्टवेयर	म.	программное обеспечение
सोलिड (solid)		твердый
स्विचिंग	म.	переход; переключение
हास	म.	1) сокращение, уменьшение 2) снижение стоимости, обесценивание

Комментарий टिप्पण्यां

१. बाजार विनिमय दर – рыночный обменный (валютный) курс.

२. सांकेतिक विनिमय दर – номинальный валютный курс.

३. विश्व बैंक प्रणाली – система Всемирного банка.

४. क्रय शक्ति समतुल्यता (Purchasing Power Parity, PPP) – паритет покупательной способности – соотношение двух или нескольких денежных единиц, валют разных стран, устанавливаемое по их покупательной способности применительно к определенному набору товаров и услуг.

५. रूपांतरण कारक (conversion factor) – коэффициент пересчета; переводной коэффициент.

६. उपादान लागत (factor cost) фактор стоимости; стоимость как фактор – общая стоимость всех факторов производства, потребления или используемых в производстве товаров или услуг.

७. चक्रीय उतार-चढ़ाव – циклическое колебание.

८. दृष्टिकोण पत्र (approach paper) – документы, излагающие подходы к решению проблемы.

९. एन डी सी (National Development Council NDC) – Национальный совет по развитию – высший политический орган, определяющий направление развития страны.

१०. समुदाय सेवाएं (community services) – общественные службы (услуги).

११. परिवर्ती सहगुणांक (coefficient of variation CV) – переменный коэффициент, коэффициент вариации (вариация – от латинского слова variatio, что означает различие, изменение).

१२. खपत समूह (consumption basket) – потребительская корзина.

१३. एंजल वक्र – кривая Э. Энгеля (иллюстрирует зависимость между объемом потребления благ и доходом потребителя при неизменных ценах и предпочтениях. Немецкий статистик и экономист Эрнст Энгель (XIX в.) исследовал взаимосвязь между объемом покупаемого данным потребителем блага и величиной его дохода.

१४. वर्ल्ड इकानोमिक आउटलुक – डब्ल्यूईओ, आईएमएफ (the World Economic Outlook, WEO, IMF) – «Обзор мировой экономики», МВФ.

१५. पीपीपी विनिमय दर – валютный курс по ППС.

१६. आवासीय बाजार (housing market) – рынок жилья.

१७. उपमुख्य बंधक बाजार (sub-prime mortgage market) – рынок вторичного ипотечного жилья.

१८. सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं – услуги ИТ (информационной технологии).

१९. सीमा शुल्क (customs) – таможенные пошлины.

२०. एफ डी आई – FDI (Foreign Direct Investment)

२१. इंजीनियरिंग सामान – инженерное оборудование.

२२. शोधन क्षमता – мощности нефтеочистительных предприятий.

२३. पीओएल – POL – petroleum, oil, lubricates (бензин, масло, смазочные материалы). पीओएल-भिन्न आयात – non-POL import.

२४. गैर-स्वर्ण-रजत आयात (non-bullion imports) – импорт металлов, кроме золота и серебра.

२५. धात्विक विनिर्माण (manufactures of metals) – металлургия, металлургическая промышленность.

२६. व्यापार अधिशेष (trade surplus) – превышение стоимости экспорта над стоимостью импорта, активное сальдо торгового баланса.

२७. लघु अधिशेष (small surplus) – небольшое превышение; незначительный излишек.

२८. विनिर्मित निर्यात (manufactured exports) – промышленный экспорт.

२९. द्विपक्षीय विनिमय दर (bilateral exchange rate) – двусторонний обменный курс.

३०. साफ्टवेयर सेवाएं (software services) – услуги программного обеспечения.

३१. व्यवसाय सेवाएं (business services) – 1. услуги деловым предприятиям 2. фирмы, специализирующиеся на оказании деловых услуг.

३२. वित्त सेवाएं (financial services) – финансовые услуги.

३३. संचार सेवाएं (communication services) – услуги (службы) связи.

३४. वाणिज्यिक सेवाएं (commercial services) – коммерческие услуги.

३५. ग्लोबल वार्मिंग – глобальное потепление.

३६. यूनाइटेड नेशंस फ्रेमवर्क कंवेशन आन क्लाइमेट चेंज (United Nations Framework Convention on Climate Change UN FCCC) – Рамочная конвенция ООН об изменении климата – РКИК.

३७. क्योटो प्रोटोकॉल (Kyoto Protocol) – Киотский протокол – международный документ, принятый в Киото (Япония) в декабре 1998 года в дополнение к Рамочной конвенции ООН об изменении климата (РКИК). Киотский протокол стал первым глобальным соглашением об охране окружающей среды, основанным на рыночных механизмах регулирования – механизме международной торговли квотами на выбросы парниковых газов.

३८. ग्रीनहाउस गैस कटौती क्रेडिट (greenhouse gas reduction credits) – торговля квотами на выбросы и кредиты на сокращение выбросов парниковых газов.

३९. स्वच्छ विकास तंत्र (सीडीएम) – Clean Development Mechanism (CDM) – Механизм чистого развития (МЧР) – проект Киотского протокола.

४०. उत्सर्जन संव्यवहार (Emission Trading) – торгвля квотами на выброс.

४१. सीडीएम कार्यकारी बोर्ड (CDM Executive Board) – Исполнительный комитет МЧР.

४२. फ्यूल स्विचिंग (fuel switching) – замена одного вида топлива другим.

४३. औद्योगिक प्रसंस्करण (industrial processes) – производственный процесс; промышленная переработка.

Упражнения पाठ के अभ्यास

Упражнение 1. Ответьте на вопросы к текстам.

अभ्यास १. पाठ विषयक प्रश्न ।

- १) वर्तमान दौर में आर्थिक वृद्धि की प्रवृत्ति क्या है ?
- २) पिछली अवधि में प्राप्त हुई आर्थिक सफलताओं में विभिन्न क्षेत्रों का योगदान क्या है ?
- ३) इस अवधि में खपत समूह में क्या परिवर्तन हुए ?
- ४) भारत की अर्थव्यवस्था पर वैश्वीकरण का क्या प्रभाव पडा ?
- ५) विश्व अर्थव्यवस्था में प्रवेश करने के लिये विदेश व्यापार का महत्व कितना बडा है ?
- ६) ग्लोबल वार्मिंग के मुद्दों के बारे में भारत का विचार क्या है ?

Упражнение 2. Переведите следующие слова и словосочетания.

अभ्यास २. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमुदायों का अनुवाद कीजिये ।

बाजार विनिमय दर, सांकेतिक विनिमय दर, क्रय शक्ति समतुल्यता, चक्रीय उतार-चढाव, दृष्टिकोण पत्र, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुएं, सांख्यिकी निदेशालय, ऊर्ध्वमुखी संशोधन,

मालभाडा यातायात, परिवर्ती सहगुणांक, खपत समूह, निःशुल्क स्वास्थ्य देखभाल, आवासीय बाजार, अधोमुखी जोखिम, सूचना प्रौद्योगिकी सेवाएं, आर्थिक क्रियाकलाप, विदेशी प्रत्यक्ष निवेश, तेल एवं ल्युब्रिकैंट्स, सर्वाधिक व्यापार घाटा, डालर के मूल्य में हास, विनिर्मित निर्यात, साफ्टवेयर, ग्रीनहाउस गैस, मात्राबद्ध उत्सर्जन सीमा के प्रति वचनबद्धता, स्वच्छ विकास तंत्र, उत्सर्जन संव्यवहार (emission trading), पंजीकृत परियोजनाएं, बाजार मूल्यों पर सकल घरेलू उत्पाद, सकल नियत पूंजी निर्माण (gross fixed capital formation).

Упражнение 3. Дайте хинди-эквиваленты следующих слов и выражений.

अभ्यास ३. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमूहों के हिंदी पर्याय दीजिये ।

текущий финансовый год, классификация стран по уровню дохода на душу населения, коренные преобразования, относительно медленный рост, приносящая доход отрасль производства, обслуживать пассажиров в аэропорту, сектор услуг, сектор телекоммуникаций, банковские и страховые услуги, потребительская корзина, предметы роскоши, платёжный баланс, постоянный и стабильный характер инвестиций, таможенная пошлина, добиваться конкурентоспособности своей продукции, двусторонний обменный курс валют, основные торговые партнёры, глобальное потепление, климатические изменения, выброс в атмосферу углекислого газа, рамочная конвенция, Киотский протокол, вредное влияние деятельности человека на окружающую среду, валовые вложения в основной капитал.

Упражнение 4. Переведите следующие экономические понятия.

अभ्यास ४. आर्थिक परिभाषा शब्दावली ।

एशियाई विकास बैंक – Asian Development Bank (ADB) –

एशिया और सुदूर पूर्व के लिये संयुक्त राष्ट्र संघ के आर्थिक आयोग की सिफारिशों के फलस्वरूप इस बैंक की स्थापना नवंबर, 1966 ई. में हुई। इसका उद्देश्य एशिया और सुदूर पूर्व क्षेत्र के राष्ट्रों को आर्थिक रूप से संवृद्ध करना, इनके बीच सहयोग को बढ़ाना और इस क्षेत्र के विकासशील देशों की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। इस क्षेत्र के सदस्य राष्ट्रों के बीच आर्थिक और वित्तीय सहयोग को बढ़ाना भी इसका उद्देश्य है।

Упражнение 5. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ५. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये।

१. आर्थिक सुधार सामाजिक जीवन पर असर डालते हैं और सामाजिक जीवन आर्थिक स्थिति को प्रभावित करता है। दोनों में निकट का संबंध है और दोनों एक दूसरे से जुड़े हुए हैं।

२. लोगों का सामाजिक जीवन, उसकी आर्थिक स्थिति को प्रदर्शित करती आर्थिक सुधार की नीतियां बनाते समय यह ध्यान रखना जरूरी है कि देश के प्राकृतिक संसाधनों का सही उपयोग हो और उसके आधार पर ऐसा विकास हो जो लोगों को अधिकाधिक रोजगार सुलभ करा सके।

३. आर्थिक सुधारों के लिए व्यक्ति की दक्षता का विकास भी जरूरी है और यह दक्षता केवल विद्यालय या कालेज से ही नहीं बल्कि दूरस्थ शिक्षा, अनौपचारिक एवं रचनात्मक ढंग से बढ़ाई जानी चाहिए।

४. आर्थिक सुधार और सामाजिक सुधार की चर्चा करते समय भारतीय संदर्भों को ध्यान में रखना चाहिए। प्रगति के इस दौर में भारत ने पारस्परिक मूल्यों, सांस्कृतिक विरासत, पारिवारिक संबंधों, नृत्य, कला, संगीत और साहित्य की जड़ों को सदैव रखा है और आगे भी रखना चाहिए।

५. आजादी के बाद शहरीकरण और शहरों के विकास को बढ़ावा मिला है और इससे लोगों के जीवन स्तर में भी आशातीत बढ़ोतरी हुई है लेकिन प्रगति के साथ-साथ उन क्षेत्रों को नजरअंदाज नहीं करना है जिनमें अभी भी अधिक ध्यान देने की आवश्यकता है ।

६. सामाजिक और आर्थिक सुधार के लिए समाज में व्याप्त कुरीतियों के उन्मूलन तथा मादक पदार्थों के सेवन जैसी सामाजिक बुराइयों पर अंकुश लगाने के साथ-साथ महिलाओं के जीवन स्तर में सुधार की काफी गुंजाइश है ।

७. व्यक्ति में कार्य के प्रति दक्षता का विकास केवल औद्योगिक एवं उत्पादन करने वाली इकाइयों तक ही सीमित न रहे, बल्कि वर्तमान संदर्भों में पशुपालन, डेयरी, कृषि, हस्तशिल्प आदि विषयों पर भी ध्यान देना होगा ।

८. आर्थिक सुधार की नीतियां तभी सफल हो सकती हैं जब लोगों को जीवंत माहौल मिले और समाज में आर्थिक विषमताएं कम हों ।

९. नीतियां बनाते समय गरीबी की रेखा से नीचे जीवन यापन करने वाले लोगों के हितों को भी ध्यान में रखना होगा, तभी इन सुधारों की महत्ता सिद्ध हो पायेगी ।

१०. आज उदारीकरण के दौर में आर्थिक सुधारों को गति प्रदान करने के लिए निजी क्षेत्र को भी बढ़ावा दिया जाए । स्वस्थ प्रतिस्पर्धा से न केवल उपभोक्ताओं को लाभ मिलता है बल्कि सुविधाओं का भी विस्तार होता है ।

Упражнение 6. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ६. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

1. Индийская экономика – одна из самых динамично развивающихся экономик на планете.

2. По размерам ВВП Индия находится на пятом месте в мире, опережая такие страны, как Франция и Великобритания.

3. За последние 10 лет Индия добилась 50-процентного роста объема промышленного производства и 65-процентного увеличения экспорта высокотехнологичной продукции.

4. В 2004 году рост ВВП составил 9,1 %, инфляция – 4,6%, валютный резерв вырос до 119,3 млрд долларов, объем иностранных инвестиций – до 3 млрд долларов.

5. В стратегии развития страны, которая была представлена индийскому обществу в виде программы «Индия: видение-2020» определены стратегические направления развития индийской экономики на средне- и долгосрочную перспективу.

6. Высшим приоритетом Индии объявлены: энергетика (включая атомную), информационные технологии как ядро формирующегося «нового технологического уклада» экономики, «стратегические отрасли» (оборонно-промышленный комплекс – सैनिक-औद्योगिक कम्प्लैक्स, аэрокосмический – वायु-आकाशीय сектор, авиастроение, электроника, атомная промышленность, телекоммуникации и т.д.).

7. В восьмидесятых годах прошлого века Индия вступила в эпоху реформ и либерализации экономики, которые позволили достичь устойчивых темпов развития, повысить роль частного сектора.

8. В 1991 году началась «Новая экономическая политика», которая включает в себя три ключевых направления: либерализацию торговли и инвестиций, финансовую стабилизацию (दृढीकरण) и реформу предприятий госсектора.

9. Реализуются программы по развитию образования, здравоохранения и других социальных услуг, адресованных, прежде всего, беднейшим слоям населения.

10. Государство проводит экономические реформы, расширяя налоговую базу и совершенствуя банковскую систему, ускоряя процесс приватизации промышленных предприятий.

Источник: материалы Международного экономического форума «Россия и Индия: стратегическое партнерство в XXI веке»

URL: <http://www.rus-ind.ru/economic/>

Упражнение 7. Изложите на хинди содержание статьи.
अभ्यास ७. इस लेख को हिन्दी में सुनाइये ।

**«Индия ясно видит своё место в глобальном мире
и уверенно идёт к намеченной цели»**

(2008 год был объявлен в Индии Годом России. В связи с этим посол Индии в России г-н Прабхат Шукла ответил на вопросы главного редактора журнала «Российская Федерация сегодня» г-на Юрия Хренова. Ниже приводятся ответы г-на П. Шуклы).

...Мы рассматриваем Россию как продолжение Советского Союза, и это означает, что мы с вами – наследники многолетних отношений дружбы и взаимовыгодного сотрудничества. Но мы, конечно, отдаём себе отчет в том, что за последние годы произошли большие изменения не только в бывшем Советском Союзе, но и в Индии, во всём мире... Индия и Россия встали на путь коренных реформ в одно время, в начале 90-х. Это очень символично. Мы всегда работали и продолжаем работать рука об руку. В наших отношениях сохраняются прежние взаимные доброжелательность и доверие, продолжается тесное сотрудничество в международных делах. Появились и новые моменты. Сейчас мы являемся свидетелями сближения частных структур двух стран. И это хорошо, что у нас есть старые сферы взаимодействия и новые...

Когда у нас начались реформы, в стране уже существовала давняя традиция частного предпринимательства. Даже когда правительство в 70-е годы прошлого века объявило о социалистическом пути развития, подразумевалось, что частный капитал будет сохранен. Во всех сферах. Сельское хозяйство, где у нас занято 70 процентов населения, было почти полностью частным, и в промышленности тоже работал мощный частный сектор.

После 1956 года, когда была принята первая Резолюция по промышленной политике, стали учреждаться госкорпорации в электроэнергетике, металлургии, горнодобыче и других сферах. Но все они никогда не охватывали более 30 процентов эконо-

мики. Таким образом, можно говорить, что у нас всегда была жива традиция частного капитала и предпринимательства.

После 1991 года стало возможным существование разных секторов. Наши предприниматели быстро к этому приспособились, и появились среди бизнесменов новые имена, которые мы прежде не слышали.

Существенным для успеха реформ было и то, что за предшествующие годы независимого развития (с 1947 по 1991) в стране была создана надёжная инфраструктура, в том числе то, что на Западе называют «мягкой инфраструктурой», то есть законодательная база, система финансовых институтов. Всё это работало эффективно и дало хорошие результаты...

«Мягкая инфраструктура» — это детище государства. В финансовой области у нас действует сильный и независимый банк — Резервный банк Индии. Он проводит свой самостоятельный курс, обращая первостепенное внимание на два обстоятельства: количество денег в обороте и уровень инфляции. Последняя проблема особенно актуальна для страны, где много бедных.

(Продолжение в следующем уроке).

(отдавать себе отчёт – समझना, символично – सांकेतिक, работать рука об руку साथ-साथ काम करना, доброжелательность – उपकार, свидетель – गवाह, госкорпорация – राज्य निगम, приспособливаться – आदी हो जाना, законодательная база – वैधानिक आधार, эффективно – प्रभावी रूप से, детище – सृष्टि, Резервный банк Индии – भारतीय रिजर्व बैंक, деньги в обороте – संचलनगत मुद्रा).

(Адаптировано по: Беседа 2-на П. Шуклы с Ю. Хреновым в редакции журнала «Российская Федерация сегодня»).
URL: http://www.russia-today.ru/2008/no_06/06_meetings.htm

**Упражнение 8. Переведите текст на русский язык с листа.
Перескажите на хинди.**

अभ्यास ८. मौखिक रूप से अनुवाद करके अपने शब्दों से इस लेखांश को सुनाइये ।

विकास

भारत के 0.58 मिलियन गांवों में रहने वाले एक साधारण भारतीय के लिये 'विकास' का क्या अर्थ है ? एक साधारण भारतीय के लिये विकास का अर्थ है विकल्पों की बढ़ती हुई स्वतंत्रता, अवसरों की उपलब्धता और स्वयं अपनी क्षमता और पहल के बल पर उन विकल्पों की पूर्ति करने की बढी हुई क्षमता । इससे उनके जीवन में बदलाव आता है ताकि वे भाग ले सकते हैं, बातचीत कर सकते हैं और उनके कल्याण को प्रभावित करने वाले संस्थानों को जवाबदेह बना सकते हैं । विकास को प्रेरित, निर्दिष्ट करने वाली, अथवा सरकारी नीतियों, कानूनों तथा विशेष कार्यक्रमों से सहायता प्रदान की जा सकती है किंतु उसे लोगों की तरफ से बाह्य एजेंसियों द्वारा विवाश अथवा कार्यान्वित नहीं किया जा सकता ।

एक व्यवहार्य विकासात्मक कार्यनीति का उद्देश्य लोगों की पहल का स्थान लेना नहीं बल्कि उसे प्रेरित करना है । गौरव के साथ विकास का अर्थ विकास की प्रक्रिया में लोगों की सहभागिता है ताकि व्यक्ति के जीवन स्तर में वांछित बदलाव और साथ ही जिस समाज में मनुष्य रहता है, उसमें सामाजिक साहचर्य (дружба) लाया जा सके । यह बाह्य एजेंसियों द्वारा लागू किया गया एकबारगी (разовый, единичный) बदलाव नहीं बल्कि साधारणीय विकास होना चाहिए ।

ऐसी अनेक बाह्य वित्तपोषी एजेंसियां हैं जोकि अनेक मुद्दों की ओर ध्यान देने के लिये विभिन्न विकासात्मक कार्यक्रम चला रही हैं, ये मुद्दे हैं: जनसंख्या स्थिरीकरण, लिंग, प्रौद्योगिकीय बाधाओं को समझना और प्राथमिकताओं, उपयुक्त प्रौद्योगिकियों

का प्रसार, वैज्ञानिक स्वभाव उत्पन्न करना और पेय जल की समस्या, सफाई, पर्यावरण परीक्षण आदि। ऐसे मुद्दों, विकासात्मक कार्यक्रमों को चलाने वाली एजेंसियों की सूची अनंत है। निर्धनता और सामाजिक गतिरोधों के दुष्क्र को भंग करने के लिये सरकारी संगठन (GO – Government organization), गैरसरकारी संगठन (NGO – Non-government organization) तथा स्वयंसेवी समूहों (SHG – Self-help group) सहित समुदाय आधारित संगठन (CBO – Community-based organization) कार्यरत हैं।

Упражнение 9. Запомните следующие термины.

अभ्यास ९. निम्नलिखित शब्द व शब्द-समूहों को याद कीजिये।

глобальная рецессия – global recession – सार्वभौमिक शिथिलता

экономическая депрессия – economic depression – आर्थिक मंदी

ипотека – mortgage – बंधक, रेहन

ипотечный кризис – mortgage crisis – बंधक संकट

банкротство – bankruptcy – दिवाला

принудительное банкротство – forced bankruptcy – अनैच्छिक दिवाला

маркетинг сельскохозяйственной продукции – farm products marketing – कृषि उत्पाद का विपणन

минимальная гарантированная цена – minimum guaranteed price – न्यूनतम गारंटीत कीमत

банковский кредит – bank credit – बैंक साख

налог на добавленную стоимость – value added tax – मूल्य संवर्द्धित कर

совместное предприятие – joint venture – संयुक्त उद्यम

прямые иностранные инвестиции – direct foreign investments – प्रत्यक्ष विदेशी निवेश

государственные активы – government assets – सरकारी परिसम्पत्तियां

авуары – assets – परिसम्पत्तियां

акционер – shareholder – शेयरधारी

двойное налогообложение – double taxation – दोहरा कराधान

бюджетные ассигнования – budget appropriations – बजट विनियोजन

рыночная экономика – market economy – बाजार की अर्थव्यवस्था

*Упражнение 10. Переведите на хинди.
अभ्यास १०. हिन्दी में अनुवाद कीजिये ।*

BRIC

BRIC – распространенный термин, которым обозначают четыре страны – Бразилию, Россию, Индию и Китай (**Brazil, Russia, India, China**) – с быстрорастущей экономикой. Термин BRIC ввел в употребление в 2003 году инвестиционный банк Goldman Sachs, который оценивал перспективы наиболее динамично развивающихся государств. По некоторым данным, термин BRIC впервые появился уже в ноябре 2001 года в аналитической записке банка Goldman Sachs. Само слово BRIC очень похоже на английское brick – “кирпич”, что можно понимать как кирпичики, из которых будет строиться экономический успех и на чем будет основываться рост фондовых рынков (शेयर बाजार).

Эти четыре страны характеризуются как более развивающиеся, чем другие. Выгодное положение этим странам обеспечивает наличие в них большого количества важных для мировой экономики ресурсов:

- Бразилия – богата сельскохозяйственной продукцией;

- Россия – один из крупнейших в мире экспортеров минеральных ресурсов;
- Индия – дешевые интеллектуальные (बौद्धिक) ресурсы;
- Китай – обладатель дешевых трудовых ресурсов.

Это главные ресурсы, на которые опираются экономики этих стран. Высокая численность населения стран обуславливает дешевизну труда в них и высокие темпы экономического роста.

В конечном итоге, прогнозируется, что значительные размеры экономик этих стран в будущем позволят им трансформировать экономический рост в политическое влияние, что приведет к формированию новой экономической элиты и снизит влияние “золотого миллиарда”.

(URL:<http://www.ru.wikipedia.org>)

Упражнение 11. Составьте резюме на хинди нижеследующей статьи.

अभ्यास ११. इस लेखांश का हिन्दी में सार लिखिये और कक्षा में सुनाइये ।

Выбор Индии

К Индии уже относятся с растущим уважением на всемирных экономических встречах. Когда перед ВТО встают проблемы “новой экономики”, в частности, такие как электронная коммерция, Индия, ЕС и США часто оказываются на одной стороне. По проблемам “старой экономики” идеологические (सैद्धांतिक) столкновения уступили место жестким (कठोर) переговорам, как произошло в раунде торговых переговоров в Дохе. Индия поддерживает «Раунд тысячелетия» торговых переговоров, но отвергает любую взаимосвязь между торговлей и нормативами (मानक) труда. Индийцы стремятся к более быстрой либерализации торговли текстильными и швейными изделиями; ЕС хочет более эффективного обеспечения защиты прав

на интеллектуальную собственность (बौद्धिक संपत्ति). На самом деле, Индия очень хочет делиться интеллектом (विचारों का आदान-प्रदान) с ЕС в борьбе с международным терроризмом.

Основная проблема в продвижении такого стратегического партнерства (रणनीतिक साझेदारी) лежит главным образом внутри ЕС, где существует раскол между сторонниками протекционизма (संरक्षणवाद) и защитниками свободной торговли.

Действительно, ЕС должен рассматривать экономический рост в Индии не как конкурентоспособную угрозу, а как блестящую возможность, которая принесет пользу всем. Мировая экономика – это не игра с нулевой суммой, и задача европейских политиков будет состоять в том, чтобы объяснить это членам ЕС, особенно таким странам, как Франция, которые сопротивляются глобализации и очень хотят построить “Крепость Европу”. Визит Ширака дает Индии прекрасный момент для того, чтобы прояснить, что стратегические партнерства и протекционизм... несовместимы (परस्पर विरोधी).

Второй пункт сближения между индийскими и западными интересами – тот, о котором, скорее всего, не будет упомянуто во время визита Ширака: Индия, возможно, может послужить противовесом (प्रतिबलन) Китаю. Мир начинает замечать, что в Индии почти такое же население, как в Китае, плюс более мягкая система правительства и никаких замыслов в отношении ее соседей.

Безусловно, Индия так же настороженно (खबरदारी के साथ) относится к Китаю, как и некоторые люди в Европе и Америке. В конце концов, Китай предоставил большую часть технологии ядерного оружия Пакистану и победил Индию в войне 1962 г.; их границы в некоторых местах все еще остаются спорными. И все же ни Индия, ни ЕС не хотят, чтобы их дружба была частью антикитайской оси (धुरी).

(Адаптировано по: Чарльз Таннок – представитель комитета иностранных дел Консервативной партии Великобритании в Европейском парламенте. Project Syndicate, 2006).

URL: <http://www.project-syndicate.org>

Упражнение 12. Выполните двусторонний перевод интервью.

अभ्यास १२. इंटरव्यू का द्विपक्षीय अनुवाद कीजिये ।

बीबीसी हिन्दी सेवा के विशेष कार्यक्रम “एक मुलाकात” में “हाट मेल” सबीर भाटिया से जिन्होंने बिजनेस की दुनिया में बड़ा जबरदस्त नाम कमाया है, बातचीत हुई थी ।

संजीव श्रीवास्तव, भारत संपादक
बीबीसी हिन्दी सेवा, 27 अक्टूबर 2007

— В то время, когда люди только говорили о буме в области информационных технологий (आईटी бум), Вы продали свою компанию и заработали сотни тысяч долларов. Мы хотим поговорить с Вами об этом, но прежде расскажите немного о своём детстве.

— मेरा बचपन तो काफी शानदार गुजरा । मैं पैदा तो चंडीगढ़ में हुआ था लेकिन उसके बाद पुणे और बंगलौर में बड़ा हुआ हूँ । दोनों जगहों का मौसम बहुत अच्छा है और एजुकेशन भी काफी अच्छी थी । मैं शुरूआत से ही इंजीनियर बनना चाहता था क्योंकि मैथ और फिजिक्स काफी अच्छा था ।

— Значит, Вы были сообразительным (होशियर) ребенком и с самого начала обладали острым умом?

— नहीं, वो मैथ्स और फिजिक्स में दिमाग काफी काम करता था लेकिन दूसरे विषयों इतिहास और भूगोल में दिमाग वैसा नहीं चलता था । इसलिये मुझे बचपन में ही पता चल गया था कि बड़ा होकर इंजीनियर और वैज्ञानिक ही बनना चाहता हूँ ।

— Однако Вы стали предпринимателем (उद्यमी), думали ли Вы когда-нибудь, что впоследствии откроете свою собственную компанию?

— सोचा तो नहीं था लेकिन परिस्थितियां ऐसी बन गयीं । मुझे कैलटेक यानी कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट आफ टेक्नोलाजी का एंट्रेस देने का मौका मिला और वहां मुझे 100 प्रतिशत स्कालरशिप मिल गयी । कैलटेक एक ऐसा इंस्टीट्यूट है जिसने सबसे अधिक वैज्ञानिक तैयार किये हैं । दुनिया में सबसे अधिक नोबल पुरस्कर विजेता यहीं से हैं ।

जब ग्रैजुएशन पूरा करने के बाद मैं कैलटेक से ही मास्टर्स और पीएचडी करना चाहता था तो मुझे मेरे प्रोफेसर ने कहा कि आप अब दूसरे इंस्टीट्यूट में जाएं क्योंकि आपको यहां से जो मिलना था वो मिल चुका है । अगर वहां आपको पसंद न आए तो फिर वापस आ जाना । इसके बाद मैंने उनकी सलाह मानते हुए स्टैनफोर्ड में जाकर मास्टर्स और पीएचडी की पढाई शुरू की ।

स्टैनफोर्ड में मास्टर्स करने के दौरान मैंने बिजनेस फोर इलेक्ट्रिकल इंजीनियर्स कोर्स शुरू कर दिया । इसी कोर्स के द्वारा मेरी मुलाकात कई उद्यमियों से हुई जैसे एप्पल कंप्यूटर शुरू करने वाले स्टीव जाब्स, सन को शुरू करने वाले विनोद खोसला । मैं जब इन लोगों से मिला तो मुझे लगा कि ये सब भी आपकी और मेरी तरह ही आदमी हैं ।

(शेष अगले पाठ में)

Упражнение 13. Напишите на хинди сочинение на тему:
“**Экономическое будущее Индии**” (объем – 2 страницы).

अभ्यास १३. “भारत का आर्थिक भविष्य” विषय पर छोटा सा निबंध लिखिये ।

Тесты

टेस्ट

Тест 1. Выберите правильный вариант ответа.

टेस्ट १. सही जवाब चुनिये ।

१. क्या भारत में तीव्र जनसंख्या वृद्धि सीमित आर्थिक विकास का कारण और परिणाम है, यह सही बात है ?

(१. जी नहीं, क्योंकि जनसंख्या वृद्धि की समस्या सुलभाने का काम अच्छे शासन-प्रबंधन पर निर्भर होता है । २. जी हां, क्योंकि अधिक जनसंख्या वाले देश में गरीबी हटाना अत्यंत मुश्किल कार्य है । ३. जी नहीं, क्योंकि अधिक आबादी से अधिक श्रमशक्ति उत्पन्न होती है)।

२. गरीबी के उन्मूलन के लिये क्या सबसे अधिक आवश्यक है ?

(१. खाद्य सामग्री की प्रचुरता । २. कृषि का तेज व संतुलित विकास । ३. सारी अर्थव्यवस्था का कुशल प्रबंधन तथा अच्छा काम करने के लिये सार्वजनिक पहल) ।

३. भारत पिछले दशकों में किस क्षेत्र में आगे बढ़ता जा रहा है ?

(१. इलेक्ट्रॉनिक्स तथा सूचना प्रौद्योगिकी में । २. फिल्मों के उत्पादन में । ३. सार्वजनिक शिक्षा में) ।

Тест 2. Выберите правильный термин из трех вариантов.

टेस्ट २. ठीक शब्द चुनिये ।

१. अर्थव्यवस्था में तीव्र आधुनिकीकरण, वैश्वीकरण आदि से कुछ सीमा तक ... उतार-चढ़ाव की आशा की जा सकती है ।

1. चक्रीय
2. स्थायी
3. अनियमित

२. जीवन-निर्वाह के लिये प्रथम आवश्यक चीजें ... उपलब्ध होना चाहिए ।

1. ऐशोआराम की वस्तुएं

2. आवास तथा खाद्य पदार्थ
3. पर्यटन

३. अमरीका में वित्तीय संकट डालर के मूल्य में ... से शुरू हुआ, बाद में बंधक (ипотека) संकट तथा बैंकों की बारी आयी है ।

1. उत्थान
2. स्थिरता
3. ह्रास

Тест 3. Заполните пропуски словами из списка, данного в скобках.

टेस्ट ३. रिक्त स्थान उचित शब्द से भरिये ।

१. दूसरे विश्वयुद्ध के बाद बहुत से राष्ट्रों ने मिलकर व्यापार के प्रसार के लिये ... की स्थापना की थी । (विश्व मुद्राकोष, संयुक्त राष्ट्र संघ, दक्षेस, विश्व व्यापार संगठन, साभा बाजार)

२. सार्वभौमिकीकरण के परिणामस्वरूप बहुराष्ट्रीय और भारतीय ... के बीच असमान प्रतिस्पर्धा पैदा हुई । (उद्यम, कुतीर उद्योग, ग्रामीण सहकारिता, सुपरमार्केट, स्वास्थ्य केन्द्र) ।

३. किसी अर्थव्यवस्था के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार की स्थिति की सही जानकारी के अलावा ... की स्थिति पर विचार करना आवश्यक है । (भुगतान-शेष, राजनीतिक परिस्थिति, पर्यावरण, सामाजिक सुरक्षा, यातायात जाल)



Тема 2
दूसरा विषय

Общая программа-минимум
Объединенного прогрессивного альянса
भारत सरकार का राष्ट्रीय न्यूनतम साक्षा कार्यक्रम
मई, 2004

Урок 3
पाठ ३
Тексты
टेक्स्ट

प्रस्तावना

भारत की जनता ने 14 वीं लोकसभा के चुनाव में ऐसे धर्मनिरपेक्ष एवं प्रगतिशील शक्तियों को अपना निर्णायक मत दिया है जिनमें किसानों, कृषि श्रमिकों, बुनकरों, कामगारों तथा समाज के कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए समर्पित दल तथा देश भर के आदमी के रोजमर्रा के हितों के प्रति अटूट प्रतिबद्धता रखने वाले दल शामिल हैं।

इस जनादेश को ध्यान में रखते हुए कांग्रेस, इसके चुनाव पूर्व के सहयोगी दलों जिनमें आर.जे.डी., डी.एम.के., एन.सी.पी., पी.एम.के., टी.आर.एस., जे.एम.एम., एल.जे.पी., एम.डी.एम.के., ए.आई.एम.आई.एम., पी.डी.पी., आई.यू.एम.एल., आर.पी.आई. (ए), आर.पी.आई. (जी), तथा के.सी. (जे) शामिल हैं, ने मिलकर एक संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन बनाया है।

वाम दलों का समर्थन प्राप्त संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के शासन के लिए निम्नलिखित छह मूल सिद्धांत होंगे :

- सामाजिक सद्भाव कायम करना, सुरक्षित रखना तथा उसे बढ़ावा देना, सामाजिक सौहार्द तथा शांति को भंग

करने वाले रुढ़िवादी तथा कट्टरपंथी तत्वों से निपटने के लिए बिना भय अथवा पक्षपात के कानून लागू करना ।

- यह सुनिश्चित करना कि एक दशक से भी अधिक समय तक सतत आधार पर कम से कम 7-8% प्रतिवर्ष की आर्थिक वृद्धि दर बनी रहे तथा इससे रोजगार के अवसर पैदा हों ताकि प्रत्येक परिवार को सुरक्षित तथा व्यवहार्य जीवन-यापन के साधनों की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके ।

- किसानों, कृषि श्रमिकों तथा कामगारों, विशेषकर असंगठित क्षेत्र में काम करने वाले लोगों के कल्याण तथा हित साधनों में बढ़ोतरी करना तथा हर तरह से उनके परिवारों के सुरक्षित भविष्य आश्वस्त करना ।

- महिलाओं का राजनैतिक, शैक्षिक, आर्थिक तथा कानूनी रूप से पूर्णतः सशक्तिकरण ।

- अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, अन्य पिछड़े वर्गों तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों को विशेषकर शिक्षा तथा रोजगार के मामले में अवसरों की पूर्ण समानता उपलब्ध कराना।

- हमारे उद्यमियों, व्यापारियों, वैज्ञानिकों, इंजीनियरों तथा अन्य सभी व्यवसायियों तथा समाज की सृजनात्मक शक्तियों की रचनात्मक ऊर्जा को इस्तेमाल में लाना ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन देश की जनता को भ्रष्टाचार से मुक्त, पारदर्शी तथा हर कदम पर जिम्मेवार सरकार देने तथा एक ऐसा प्रशासन देने का वायदा करती है जो हर कदम पर जिम्मेदार और जवाबदेह हो ।

रोजगार

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार शीघ्र ही एक राष्ट्रीय रोजगार गारंटी अधिनियम बनाएगी । यह अधिनियम कम से कम 100 दिनों के रोजगार की वैधानिक गारंटी देगा तथा शुरू में प्रतिवर्ष ऐसे परिसम्पत्ति-सृजक सार्वजनिक निर्माण कार्यक्रमों का

प्रावधान किया जायेगा जिसमें प्रत्येक ग्रामीण, शहरी गरीब तथा निम्न-मध्यम वर्ग के परिवार में कम से कम एक समर्थ व्यक्ति को न्यूनतम मजदूरी मिल सके। इसी दौरान, एक व्यापक काम के बादले अनाज कार्यक्रम शुरू किया जाएगा।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार, असंगठित तथा अनौपचारिक क्षेत्र के उद्यमों के समक्ष आ रही समस्याओं की जांच करने के लिये एक राष्ट्रीय आयोग की स्थापना करेगी। इस आयोग को इन उद्यमियों को तकनीकी, विपणन तथा ऋण सहायता उपलब्ध कराने के लिये समुचित सिफारिशें करने की जिम्मेवारी सौंपी जायेगी। इस प्रयोजन हेतु एक राष्ट्रीय कोष बनाया जाएगा।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन प्रशासन खादी तथा ग्रामोद्योग आयोग की कार्य-प्रणाली में सुधार लाएगा तथा जुट, हथकरघा, बिजलीकरघा, वस्त्र परिधान, रबड, काजू, हस्तकला, खाद्य प्रसंस्करण, रेशम उत्पादन, ऊन विकास, चमड़ा, कुम्हार उद्योग तथा अन्य कुटिर उद्योगों के आधुनिकीकरण के लिए नया कार्यक्रम चलाएगा।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार लघु उद्योग तथा स्वरोजगार के लिए ऋण सुविधाओं का व्यापक विस्तार करने के साथ-साथ यह भी सुनिश्चित करेगी कि सेवा उद्योग को हर तरह की सहायता उपलब्ध कराई जाए ताकि यह विकास और रोजगार के पूरे अवसर उपलब्ध करा सके। इनमें साफ्टवेयर तथा सूचना-प्रौद्योगिकी पर आधारित समस्त सेवाएं, व्यापार, परिवहन, दूरसंचार, वित्त और पर्यटन शामिल हैं।

कृषि

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि कृषि अनुसंधान एवं विस्तार, ग्रामीण बुनियादी सुविधाओं तथा सिंचाई में सार्वजनिक निवेश को शीघ्रताशीघ्र पर्याप्त रूप से बढ़ाया जाए। सिंचाई को निवेश में उच्चतम प्राथमिकता प्रदान

की जायेगी तथा सभी चालू परियोजनाओं को निर्धारित समय-सीमा में पूरा किया जायेगा ।

ग्रामीण सहकारी ऋण प्रणाली को पुनः प्रभावी बनाया जायेगा । संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि ग्रामीणों को दी जाने वाली ऋण राशि अगले तीन वर्षों में दुगुना कर दिया जाये तथा छोटे और सीमांत किसानों को पर्याप्त मात्रा में संस्थागत ऋण प्रदान किया जाये । ग्रामीण ऋण की वितरण प्रणाली की समीक्षा की जायेगी । कर्ज के बोझ तथा कृषि ऋणों पर उच्च ब्याज दरों को कम करने के लिये तत्काल कदम उठाये जायेंगे । फसल तथा पशुधन बीमा योजनाओं को अधिक प्रभावी बनाया जायेगा ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार सहकारी समितियों का लोकतांत्रिक, स्वायत्तशासी तथा व्यवसायी कार्य-संचालन सुनिश्चित करने के लिये संविधान में संशोधन का प्रस्ताव लाएगी ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि खरीद तथा विपणन के लिये जिम्मेदार सरकारी एजेंसियां गरीब तथा पिछड़े राज्यों एवं जिलों में किसानों की ओर विशेष ध्यान दें । देश भर में किसानों को वाजिब तथा लाभकारी मूल्य प्राप्त होंगे ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करने के लिये कदम उठायेगी कि गन्ना किसानों सहित सभी किसानों की बकाया राशि का शीघ्रता से भुगतान कर दिया जाये।

शिक्षा, स्वास्थ्य

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार शिक्षा पर सरकारी व्यय को बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का 6 प्रतिशत तक करने का वायदा करती है जिसमें से कम से कम आधी धनराशि प्राथमिक तथा माध्यमिक शिक्षा पर खर्च की जायेगी । यह कार्य चरणबद्ध ढंग से किया जायेगा ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार गुणवत्तापूर्ण बुनियादी शिक्षा तक सभी की पहुंच होने संबंधी अपने वादे को पूरा करने के लिये धन की व्यवस्था करने हेतु सभी केन्द्रीय करों पर उपकर (cess) लगायेगी। संसाधनों के आबंटन तथा कार्यक्रमों की निगरानी के लिये राष्ट्रीय शिक्षा आयोग का गठन किया जायेगा।

पिछले पांच वर्षों में शिक्षा का जो सांप्रदायिकी हुआ है, उसे रोकने के लिए संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार तत्काल उपाय करेगी। सरकार यह भी सुनिश्चित करेगी कि उच्च शिक्षा तथा व्यवसायिक शिक्षा की सभी संस्थाएं अपनी स्वायत्तता बनाये रखें। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि किसी को भी केवल इसलिये व्यावसायिक शिक्षा से महरूम न रहना पड़े क्योंकि वह गरीब है।

प्राथमिक तथा माध्यमिक स्कूलों में मुख्यतः केंद्र सरकार द्वारा वित्तपोषित एक "राष्ट्रीय मध्याह्न पौष्टिक पका-भोजन स्कीम" शुरू की जायेगी। गुणवत्ता की जांच के लिये एक उपयुक्त तंत्र का गठन किया जायेगा। सरकार एकीकृत बाल विकास सेवा योजना का भी सार्वभौमिकीकरण करेगी और सभी बच्चों को इसमें शामिल करने के लिये हरेक बसावट में एक कार्यशील आंगनवाड़ी की व्यवस्था करेगी। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार प्राथमिक शिक्षा के क्षेत्र में सभी गैर-सरकारी संगठनों के प्रयासों का पूरी तरह समर्थन करेगी और उन्हें सहयोग देगी।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार स्वास्थ्य सेवाओं पर सरकारी व्यय को अगले पांच वर्षों में बढ़ाकर सकल घरेलू उत्पाद का कम से कम 2 से 3 प्रतिशत करेगी जिसमें प्राथमिक स्वास्थ्य पर खास जोर दिया जायेगा। गरीब परिवारों के लिए स्वास्थ्य बीमा की एक राष्ट्रीय योजना शुरू की जायेगी। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार सभी संक्रामक बीमारियों को

रोकने वाले कार्यक्रमों में सरकारी निवेश को बढ़ायेगी तथा राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण के प्रयासों को नेतृत्व प्रदान करेगी ।

महिलाएं और बच्चे

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार महिलाओं के लिये विधान सभाओं और लोक सभा में एक-तिहाई आरक्षण हेतु कानून लाने में पहल करेगी । घरेलू हिंसा तथा स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव के विरुद्ध कानून बनाया जायेगा ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पंचायतों को प्राप्त होने वाली सभी निधियों का कम से कम एक तिहाई भाग महिलाओं तथा बच्चों के विकास के कार्यक्रमों के लिये रखा जायेगा । पेयजल, स्वच्छता, प्राथमिक शिक्षा, स्वास्थ्य और पोषाहार से संबंधित सभी विकास स्कीमों की जिम्मेदारी लेने के लिये ग्रामीण महिलाओं तथा उनके संघों को प्रोत्साहित किया जायेगा ।

महिलाओं के लिये सभी क्षेत्रों में संपूर्ण कानूनी समानता को एक व्यावहारिक सच्चाई बनाया जायेगा, विशेषकर भेदभावपूर्ण कानूनों को समाप्त करके तथा ऐसे नये कानून बनाकर जोकि महिलाओं को, उदाहरण के लिये मकान तथा भूमि जैसी परिसम्पत्तियों पर स्वामित्व के समान अधिकार प्रदान कर सकें ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार बच्चों के अधिकारों की रक्षा करेगी, बाल श्रम का उन्मूलन करने का प्रयास करेगी, स्कूली शिक्षा हेतु सुविधाएं सुनिश्चित करेगी तथा बालिकाओं पर विशेष ध्यान देगी ।

भोजन तथा पोषाहार सुरक्षा

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन अगले तीन महीनों में भोजन तथा पौष्टिक आहार सुरक्षा के लिये एक व्यापक मध्यावधि नीति बनायेगा । इसका उद्देश्य आने वाले समय में सभी के लिये खाद्य सुरक्षा, यदि व्यवहार्य हुआ, सुनिश्चित करना होगा ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार विशेषकर देश के निर्धनतम तथा पिछड़े विकास खंडों में सार्वजनिक वितरण प्रणाली को मजबूत करेगी तथा इसके प्रबंधन में महिलाओं और भूतपूर्व सैनिकों की सहकारी सोसायटियों का भी सहयोग लेगी । निर्धनतम तथा अशक्त व्यक्तियों तक अनाज पहुंचाने के लिये विशेष स्कीमें शुरू की जायेंगी । जिन क्षेत्रों में प्रायः खाद्यान्न की कमी रहती है, वहां खाद्यान्न बैंक स्थापित किये जायेंगे । जो परिवार भूखमरी के कगार पर हैं, उन सभी के लिये अन्त्योदय कार्ड शुरू किये जायेंगे ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार भारतीय खाद्य निगम की कार्य-प्रणाली में व्यापक सुधार लायेगी ताकि उन खामियों पर नियंत्रण पाया जा सके जिनके कारण खाद्य सब्सिडी का बोझ बढ़ता है ।

पोषाहार कार्यक्रमों को, विशेषकर बालिकाओं के लिये, बड़े पमाने पर चलाया जाएगा ।

पंचायती राज

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि पंचायतों के माध्यम से गरीबी उपशमन तथा ग्रामीण विकास योजनाओं के कार्यान्वयन के लिये राज्यों को दी गयी सभी निधियों में न तो कोई देरी हो और न ही उनका किसी अन्य कार्य के लिये इस्तेमाल हो । इसकी कड़ी निगरानी की जायेगी । इसके अलावा, संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार राज्यों के साथ परामर्श करने के बाद निर्वाचित पंचायतों को ये निधियां सीधे उपलब्ध कराने पर विचार करेगी ।

निधियों की सुपुर्दगी के समान ही कार्यों तथा कर्मचारियों को भी पंचायतों के सुपुर्द किया जायेगा । पंचायत निकायों के नियमित चुनाव सुनिश्चित किये जायेंगे तथा पांचवीं और छठी अनुसूची वाले क्षेत्रों के बारे में संशोधित अधिनियम को लागू किया जायेगा ।

अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार राज्यों से कानून बनाने का आग्रह करेगी ताकि जंगलों में काम करने वाले कमजोर वर्गों के सभी लोगों को तेंदुपत्ता सहित, लघु वन उपज संबंधी मालिकाना हक प्रदान किये जा सकें ।

पदोन्नति सहित सारे आरक्षण कोटे समयबद्ध तरीके से भरे जायेंगे । सभी आरक्षणों को कोडीकृत करने के लिये एक आरक्षण अधिनियम बनाया जायेगा ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार दलितों तथा आदिवासियों के स्वामित्व वाली समस्त भूमि पर लघु सिंचाई के लिये एक व्यापक राष्ट्रीय कार्यक्रम शुरू करेगी । भूमिहीन परिवारों को भूमि की अधिकतम सीमा तथा भूमि पुनर्वितरण संबंधी कानून लागू करके जमीन प्रदान की जायेगी । भूमि की अधिकतम सीमा संबंधी कानून को उलटने की अनुमति नहीं दी जायेगी।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार निजी क्षेत्रों में, आरक्षण सहित सकारात्मक पहल संबंधी मुद्दे के बारे में बहुत संवेदनशील है । सरकार सभी राजनीतिक दलों, उद्योग जगत तथा अन्य संगठनों के साथ यह पता लगाने के लिये राष्ट्रीय स्तर पर तत्काल विचार-विमर्श की प्रक्रिया शुरू करेगी कि निजी क्षेत्र किस स्तर तक अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा कर सकता है ।

आदिवासी समुदायों तथा अन्य वनवासी समुदायों का वन्य क्षेत्रों से निष्कासन बंद किया जायेगा । वनों की सुरक्षा तथा सामाजिक वनीकरण शुरू करने के लिये इन समुदायों का सहयोग लिया जायेगा । खनिज संसाधनों तथा जल संसाधनों आदि पर इन आदिवासी समुदायों के कानून द्वारा निर्धारित अधिकारों की पूरी तरह सुरक्षा की जायेगी ।

सामाजिक सौहार्द, अल्पसंख्यकों का कल्याण

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1992 के कार्यान्वयन के लिये प्रतिबद्ध है। अयोध्या मामले पर यह न्यायालय के निर्णय की प्रतीक्षा करेगा, साथ ही साथ इस विवाद के सौहार्द समाधान के लिये सभी पक्षों के बीच बातचीत को भी बढ़ावा दिया जायेगा जिसे बाद में कानूनी स्वीकृति मिल जायेगी।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार साम्प्रदायिक हिंसा से निपटने के लिये एक आदर्श व्यापक कानून बनायेगी तथा हर राज्य को उस कानून को अपनाने के लिये प्रोत्साहित करेगी ताकि अल्पसंख्यक समुदायों में आस्था और विश्वास पैदा किया जा सके।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सभी अल्पसंख्यक समुदायों में आधुनिक एवं तकनीकी शिक्षा को बढ़ावा देगा। अल्पसंख्यकों की शिक्षा और उनके रोजगार पर अधिक व्यवस्थित ढंग से ध्यान देकर उनका सामाजिक एवं आर्थिक सशक्तिकरण करना संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन का प्राथमिक सरोकार होगा।

बुनियादी ढांचा

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सड़कों, राजमार्गों, बंदरगाहों, बिजली, रेलों, जलापूर्ति, जल-मल व्ययन और स्वच्छता जैसे भौतिक आधारभूत ढांचे के विकास और विस्तार को सर्वोच्च प्राथमिकता देता है। बुनियादी ढांचे में निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ाने के साथ-साथ सरकारी निवेश को बढ़ाया जायेगा। सब्सिडी को सुस्पष्ट किया जायेगा और उन्हें बजट के माध्यम से प्रदान किया जायेगा।

कई राज्यों द्वारा जतायी गयी चिंता को ध्यान में रखते हुए विद्युत अधिनियम 2003 की समीक्षा की जायेगी। राज्य बिजली बोर्डों को पृथक करने एवं बदले जाने के लिये निर्धारित 10

जून, 2004 की अनिवार्य तारीख को आगे बढ़ाया जायेगा । संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार बिजली उत्पादन और उससे भी अधिक महत्वपूर्ण, बिजली वितरण में निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ाने के लिये अपनी प्रतिबद्धता को दोहराती है ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार ग्रामीण बुनियादी ढांचे में वृद्धि एवं उसके आधुनिकीकरण पर विशेष ध्यान देगी जिसमें सडकों, सिंचाई, विद्युतीकरण, शीत-भंडारण और विपणन स्थलों को शामिल किया जायेगा । मौजूदा सभी सिंचाई परियोजनाओं को तीन से चार वर्षों में पूरा कर लिया जायेगा । घरेलू सिद्युतीकरण को पांच वर्षों में पूरा कर लिया जायेगा

जल-संसाधन

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार देश में नदियों को जोड़ने की संभावना का एक विस्तृत आकलन करेगी जिसकी शुरुआत दक्षिण की ओर बहने वाली नदियों से की जायेगी । यह आकलन पूरी तरह से विचार-विमर्श करके किया जायेगा । यह बिहार जैसे राज्यों में नदियों की उप-घाटियों को जोड़ने की संभावनाओं की भी तलाश करेगी । संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करने के लिये सभी कदम उठायेगी कि नदियों एवं जल बंटवारे से संबंधित लंबे समय से चले आ रहे अन्तर्राज्यीय विवादों, जैसे कावेरी जल विवाद को जल्दी से सौहार्दपूर्ण ढंग से सुलझा लिया जाये जिसमें विवाद से संबंधित सभी पक्षों के हितों को ध्यान में रखा जायेगा ।

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों के सभी वर्गों को पेयजल उपलब्ध कराना और पेयजल स्रोतों की उपलब्धता को बढ़ाना सर्वाधिक प्राथमिकता का मुद्दा है । वर्षा-जल का संचय, मौजूदा तालाबों की सफाई और अन्य नयी-नयी प्रणालियों को अपनाया जायेगा ।

**Словарь
शब्द-संग्रह**

आंगनवाडी	ж.	анганвади – детская площадка; детский сад
अटूट		1) нерушимый 2) непрерывный (неиз- менный) 3) неистощимый
अनुसूचित		1) зарегистрированный 2) указанный 3) обозначенный
अन्त्योदय कार्ड	м.	талоны на питание, продволь- ственные карточки
आग्रह	м.	настойчивость, упорство; ~ करना настаивать, обязывать
आदिवासी	м.	«изначальные жители», абори- генные племена
आबंटन (allocations)	м.	ассигнования
आरक्षण (reservations)	м.	заказывание, резервирование
आश्वस्त		1) обнадёженный 2) уверенный, заверенный (в чем-л.)
आहार	м.	продукты питания; пища
उद्यमी	м.	предприниматель; промышленник
उन्मूलन	м.	1) искоренение, полное уничто- жение 2) отмена, упразднение
उपकार (cess)	м.	акциз; зд. часть средств от нало- гов
उप-घाटी (sub-basin)	ж.	подземный бассейн (реки)
उपशमन (allevia- tion)	м.	уменьшение; смягчение
कगार	м.	обрыв, крутой откос
कट्टरपंथी		1. 1) фанатический 2) догматиче- ский 3) фундаменталистский 2. м. 1) фанатик 2) догматик
कामगार	м.	рабочий
कुटीर		кустарный

कुम्हार	म.	гончар
कोडीकृत (codified)		кодифицированный; систематизированный
खादी	ज.	домотканая грубая материя
खामी	ज.	недостаток, изъян
चरणबद्ध		позападный
जनादेश	म.	наказ (избирателей)
जल-मल	म.	вода и нечистоты; сточные воды
जिम्मेवार (जिम्मेदार)		ответственный
तेंदुपत्ता (tendu patta)	म.	табачный лист
दलित		угнетенный, эксплуатируемый (обобщенный термин для неприкасаемых)
निकाय	म.	1) организация; союз; корпорация 2) орган (напр., власти)
निगरानी	ज.	надзор, наблюдение
निधि	ज.	1) богатство, сокровище 2) резерв, фонд
निपटना	न.	1) заканчиваться, завершаться 2) улаживаться (напр., о конфликте); решаться (напр., о споре)
निष्कासन	म.	1) изгнание 2) выселение
पदोन्नति	ज.	продвижение по службе
परिधान	म.	1) надевание 2) платье, одежда
परियोजना	ज.	проект, план
परिसम्पत्ति (asset)	ज.	1) всякое имущество, собственность 2) актив
परिसम्पत्तिसृजक		создающий собственность; производительный
पर्यटन	म.	туризм
पशुधन	म.	домашний скот; живой инвентарь
पारदर्शी		1) прозорливый, дальновидный 2) прозрачный

पेयजल	म.	питьевая вода
पोषाहार	म.	питание, пища
पौष्टिक		питательный, высококалорийный
प्रतिबद्ध (committed)		приверженный (чему-л.)
प्रतिबद्धता (commitment)	ज.	приверженность; убеждение
प्रभावी		1) влиятельный 2) авторитетный
प्रस्तावना	ज.	предисловие, введение
प्रावधान (provision)	म.	1) положение, условие договора; ~ करना 1) предусматривать 2) обеспечивать
बसावट	ज.	поселение
बालिका	ज.	девочка; девушка
बिजलीकरघा (power-looms)	म.	электрический ткацкий станок
बुनकर	म.	ткач
भंडारण	म.	хранение на складах, в хранилищах
भुखमरी	ज.	голод, голодная смерть
भौतिक		вещественный, материальный
भ्राष्टाचार	म.	коррупция
महरूम		лишенный
मध्यह्न	म.	полдень
मालिकाना	म.	право собственности
राशि (धनराशि)	ज.	1) сумма 2) фин. средства; фонд
रोजगार	म.	1) занятие, профессия 2) занятость
रोजमर्दा		изо дня в день, ежедневно
वनीकरण	म.	посадка лесонасаждений
वजिब		1) подходящий 2) правильный, надлежащий
वम		1) левый 2) полит. левый

वित्तपोषित (funded)		профинансированный
वितरण	म.	раздача, распределение
विद्युत	म.	1) молния 2) электричество
विपणन	म.	1) рыночная торговля 2) маркетинг
व्यवसायी	म.	1) промышленник, предприниматель 2) профессионал
व्यवहार्य		осуществляемый, применяемый на практике
संक्रामक		заразный, инфекционный
संवेदनशील		восприимчивый, чувствительный
संस्थागत		организационный
सद्भाव	म.	1) доброта 2) дружелюбие 3) гармония 4) добрая воля
सब्सिडी	ज.	субсидия
(के) समक्ष	पोस	перед (кем-л.)
समयबद्ध (time-bound)		привязанный по времени, связанный временем
समर्थ (able-bodied)		способный; работоспособный
समर्पित (wedded)		посвященный (кому-л., чему-л.); कल्याण के लिये ~ заботящийся о благосостоянии
सरोकार	म.	дело, касательство, отношение
सशक्तिकरण	म.	укрепление
सांप्रदायिकीकरण (communalization)	म.	коммунализация; сектантство
सार्वभौमिकरण	म.	универсализация; общедоступность
सिफारिश	ज.	рекомендация
सीमांत		1. м. граница 2. маргинальный
सुनिश्चित		точно определенный, установленный; ~ करना – обеспечивать

सुपुर्दगी (devolution)	ज.	вручение, передача
सौहार्द	म.	1) дружба 2) сердечность
स्वच्छता	ज.	1) чистота 2) санитария, санитарные условия
स्वरोजगार	म.	частное производство, занятость в неорганизованном секторе экономики
हक	म.	право
हथकरघा	म.	ручной ткацкий станок

Комментарий टिप्पणियां

१. राष्ट्रीय न्यूनतम साभा कार्यक्रम – Общая программа-минимум правительства ОПА.

२. समाज के कमजोर वर्ग – незащищенные слои населения (общества).

३. Названия партий – союзников ИНК на выборах в Лок Сабха в 2004 г., объединившихся в ОПА:

- आर.जे.डी. (Rashtriya Janata Dal – RJD) – РДД.
- डी.एम.के. (Dravida Munnetra Kazhagam – DMK) – ДМК (в Тамилнаду).
- एन.सी.पी. (National Congress Party – NCP) – ПНК.
- पी.एम.के. (Pattali Makkal Katchi – PMK) – ПМК.
- टी.आर.एस. (Telangana Rashtra Samiti – TRS) – ТРС.
- जे.एम.एम. (Jharkhand Mukti Morcha – JMM) – ДММ.
- एल.जे.पी. (Lok Janshakti Party – LJP) – ЛДП.
- एम.डी.एम.के. ((Marumalarchi Dravida Munnetra Kazhagam – MDMK) – МДМК (в Тамилнаду).

- ए.आई.एम.आई.एम. (All India Majlis-e-Ittehadul Muslimeen – AIMIM) – АИМИМ
- पी.डी.पी. (Peoples Democratic Party – PDP) – ПДП (в Керале).
- आई.यू.एम.एल. (the Indian Union Muslim League – IUML) – ИУМЛ.
- आर.पी.आई.(ए). Republican Party of India (Athwale) – RPI (A) – РПИ (А).
- आर.पी.आई.(जी). Republican Party of India (Gavai) – RPI (G) – РПИ (Г).
- के.सी.(जे). (the Kerala Congress – Joseph – KC (J) – КК (Д).

४. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन – Объединенный прогрессивный альянс (ОПА).

५. अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति – зарегистрированные (списочные) касты и племена.

६. परिसम्पत्ति-सृजक सार्वजनिक निर्माण कार्यक्रम – программа производительных государственных (общественных) работ.

७. निम्न मध्यम वर्ग – слои населения с уровнем дохода ниже среднего.

८. ऋण सुविधाएं – льготы на кредитование.

९. ग्रामीण बुनियादी सुविधाएं – сельская инфраструктура.

१०. ग्रामीण सहकारी ऋण प्रणाली – система кооперативного кредитования в сельской местности.

११. छोटे और सीमांत किसान – мелкие и маргинальные крестьяне (малые и неучтенные фермерские хозяйства).

१२. लोकतांत्रिक, स्वायत्तशासी तथा व्यवसायी कार्यसंचालन – демократичное, автономное и профессиональное функционирование.

१३. राष्ट्रीय शिक्षा आयोग – Государственная комиссия по образованию.

१४. शिक्षा का सांप्रदायिकीकरण – религиозно-общинный характер образования; ~ रोकना – проводить секуляризацию образования.

१५. राष्ट्रीय मध्यह्न पौष्टिक पका-भोजन स्कीम – Государственная программа обеспечения школьников полноценными обедами.

१६. एकीकृत बाल विकास सेवा योजना – единая программа детского развития.

१७. प्राथमिक स्वास्थ्य पर जोर – первая медицинская помощь.

१८. राष्ट्रीय एड्स नियंत्रण – государственный контроль над распространением СПИДа.

१९. स्त्री-पुरुष के बीच भेदभाव – дискриминация по половому признаку.

२०. खाद्यान्न बैंक – зерновые хранилища.

२१. अन्त्योदय कार्ड – продовольственная карточка.

२२. खाद्य निगम – Продовольственная корпорация.

२३. पंचायती राज – (букв. «правление панчаятов») – система самоуправления в сельской местности.

२४. लघु वन उपज – второстепенная лесная продукция.

२५. आरक्षण अधिनियम – закон о протекционистских квотах на трудоустройство.

२६. लघु सिंचाई – малая ирригация (поверхностное орошение земель).

२७. भूमि की अधिकतम सीमा तथा भूमि पुनर्वितरण संबंधी कानून – законодательство о максимально возможной площади земельных владений и перераспределении земель.

२८. कानून को उलटना – пересматривать закон.

२९. सामाजिक वनीकरण (social afforestation) – посадка лесов на общественных началах.

३०. पूजा स्थल (विशेष प्रावधान) अधिनियम 1992 – специальное постановление 1992 г. «О местах поклонения».

३१. जल-मल व्ययन और स्वच्छता – система сточных вод и канализации.

३२. शीत-भंडारण और विपणन स्थल (cold-chain and marketing outlets) – холодильные установки и рыночные торговые точки.

Упражнения पाठ के अभ्यास

Упражнение 1. Ответьте на вопросы к текстам.

अभ्यास १. पाठ विषयक प्रश्न ।

- १) कृषि क्षेत्र में वर्तमान सरकार ने क्या उद्देश्य रखे हैं ?
- २) शिक्षा और स्वास्थ्य पर इतना बड़ा ध्यान क्यों दिया गया है ?
- ३) महिलाओं व बच्चों के अधिकार सुनिश्चित करने के लिये क्या-क्या कदम उठाने की योजना बनायी गयी है ?
- ४) अनुसूचित जातियों व जनजातियों के प्रतिनिधियों के लिये आरक्षण के कानून का क्या महत्व है ?
- ५) अर्थव्यवस्था का आधार बुनियादी ढांचा है, यह सच है?

Упражнение 2. Переведите следующие слова и словосочетания.

अभ्यास २. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमुदायों का अनुवाद कीजिये ।

निर्णायक मत देना, समाज के कमजोर वर्ग, किसी के कल्याण के लिये समर्पित होना, आदमी के रोजमर्रा हित, सामाजिक सौहार्द को भंग करने वाले रूढिवादी तत्व, रोजगार के अवसर पैदा करना, समाज की सृजनात्मक शक्तियों की रचनात्मक ऊर्जा का इस्तेमाल करना, भ्रष्टाचार से मुक्त, पारदर्शी प्रशासन बनाने का कार्य, अल्पसंख्यकों के समर्थन का

राष्ट्रीय कोष, साफ्टवेयर तथा सूचना प्रौद्योगिकी पर आधारित सेवाएं प्रदान करना, पारिस्थितिकीय महत्व, छोटे व सीमांत किसान, पशुधन बीमा योजना, राज्यों के बीच संसाधनों का न्य(य)पूर्ण आबंटन, शिक्षा के सांप्रदायिकीकरण को दूर करना, अन्त्योदय कार्ड, संक्रामक बीमारियां, स्कूली पाठ्यक्रमों का सार्वभौमिकीकरण, भूमि जैसी परिसम्पत्तियों पर स्वामित्व के समान अधिकार.

Упражнение 3. Дайте хинди-эквиваленты следующих слов и выражений.

अभ्यास ३. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमूहों के हिंदी पर्याय दीजिये ।

секуляристские силы, быть приверженным идее всеобщего благоденствия, правительство Объединённого прогрессивного альянса, сохранять темпы экономического роста на прежнем уровне, обеспечивать народ средствами существования, работать в неорганизованном секторе экономики, укреплять политическое, экономическое и правовое положение женщин, отвечать за каждый свой шаг, осуществлять программу резервирования мест в университетах для представителей списочных племен и каст, массовая застройка, программа предоставления продовольствия в обмен на работу, модернизация старых производств, гончарное производство, кустарная промышленность, экологически чистое производство, система распределения сельских кредитов, качественное базовое образование, добиваться автономии учреждений профессионального образования, отмена дискриминационных законов.



Упражнение 4. Переведите следующие экономические понятия.

अभ्यास ४. आर्थिक शब्दावली ।

संतुलित संवृद्धि (balanced growth)

देश की अर्थव्यवस्था के सभी क्षेत्रों का ऐसा समन्वित विकास कि किसी क्षेत्र में अवरोध अथवा गतिरोध की स्थिति पैदा न होने पाए । अधिकतर विकासशील देश अपनी अर्थव्यवस्थाओं की संतुलित संवृद्धि के लिये निवेश तथा उत्पादन का एक ऐसा कार्यक्रम तैयार करते हैं जिससे परस्पर सम्बद्ध क्षेत्रों का साथ-साथ विकास हो । उदाहरण के लिये वस्त्र उद्योग के विकास का कार्यक्रम तैयार करने के साथ ही यह भी सुनिश्चित कर लिया जाता है कि कपास का उत्पादन बढ़े, रंजक द्रव्यों (красящие вещества) का उद्योग विकसित हो, परिवहन सुविधाओं में वृद्धि हो और कपडे की खपत बढ़े ।

Упражнение 5. Переведите письменно следующие предложения

अभ्यास ५. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

१. भारत सरकार कृषि, बागवानी, मत्स्य (рыба) पालन, पुष्प उत्पादन, बनीकरण, डेयरी तथा कृषि प्रसंस्करण के निरंतर विकास के लिये निवेश, ऋण तथा प्रौद्योगिकी को उच्चतम प्राथमिकता प्रदान करती है जिससे रोजगार के पर्याप्त अवसर उत्पन्न होंगे ।

२. कपडा उद्योग को जनवरी, 2005 में अन्तर्राष्ट्रीय बहुरेशा (multifibre) करार के अंतर्गत कोटा समाप्त किये जाने से उत्पन्न होने वाली नई चुनौतियों का सामना करने के लिये सक्षम बनाया जाना चाहिए ।

३. जूट उद्योग के विश्व भर में तथा देश में विशेष परिस्थितिकीय महत्व (особое значение для окружающей среды)

को देखते हुए इस उद्योग को हर तरह से नई गति प्रदान करने का उद्देश्य रखा गया है ।

४. शुष्क एवं अर्द्ध-शुष्क क्षेत्रों में शुष्क भूमि पर खेती के लिये विशेष कार्यक्रम शुरू किये गये हैं ।

५. सिंचाई तथा पेय जल, दोनों प्रयोजनों के लिये हर तरह से जल प्रबंधन पर तत्काल ध्यान दिया जाने की आवश्यकता है ।

६. सरकार कृषि श्रमिकों के लिये न्यूनतम मजदूरी कानूनों का कार्यान्वयन सुनिश्चित करेगी ।

७. किसानों की आय पर विपरीत प्रभाव डालने वाले नियंत्रणों को क्रमबद्ध ढंग से हटाया जायेगा । किसानों को सलाह एवं जानकारी देने वाले संगठनों में उनको अधिक भागीदारी प्रदान की जायेगी ।

८. आवश्यक है कि सभी किसानों को आयातों से, विशेषकर अन्तर्राष्ट्रीय मूल्यों में भारी कमी के दौरान, पर्याप्त सुरक्षा प्रदान की जाए ।

९. पिछले पांच वर्षों के दौरान स्कूली पाठ्यक्रमों का जो सांप्रदायिकीकरण (религиозно-общинное влияние) हुआ है, उसको समाप्त करने के लिये नये कदम उठाये गये हैं ।

Упражнение 6. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ६. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

1. С конца девяностых годов начался второй этап реформ, которые, по замыслу, должны сделать Индию промышленно развитой страной.

2. На этом этапе планируется сократить дефицит бюджета, завершить либерализацию торговли, провести реструктуризацию (пунर्गठन) государственного сектора экономики.

3. Ожидается, что в результате реформ в ближайшие 8–10 лет возможно достижение главной цели экономического разви-

тия – удвоение дохода на душу населения и сокращения уровня бедности до 15-20 %.

4. В стране постоянно корректируется и обновляется правительственная инвестиционная и экспортно-импортная политика. Совершенствуются валютное и налоговое законодательство, защитные меры для приоритетных направлений экономики.

5. Особое внимание уделяется энергетическому комплексу: к 2012 году планируется удвоить производство электроэнергии.

6. Динамично развивается нефтегазовый сектор. Индийские и зарубежные компании ведут разведку новых месторождений и добычу сырья, в том числе и на шельфе (शैल्फ) Индии.

7. Первостепенное внимание Индия уделяет развитию внешних экономических связей. Правительство разработало систему мер поддержки экспортёров (традиционный экспорт включает хлопковую пряжу (रूई), текстильные изделия и одежду, кожевенные товары, сырьё) и стремится диверсифицировать (विविध कर देना) структуру экспорта страны за счёт товаров высоких технологий.

8. Правительство М. Сингха сформулировало (प्रतिपादित करना) пять основных вызовов, стоящих перед экономикой. Это: а) дальнейшее стимулирование экономического роста; б) сведение уровня годовой инфляции к однозначному числу; в) стимулирование сельскохозяйственного роста путем диверсификации (विविधीकरण) и развития сельского производства; г) быстрое расширение промышленной сферы по крайней мере на 10 % ежегодно, с тем чтобы появились новые рабочие места;



д) консолидация (दृढीकरण) фискальной (राजकोषीय) системы и сокращение дефицита бюджета путём увеличения прибыли и совершенствования управления расходами.

Источник: материалы Международного экономического форума «Россия и Индия: стратегическое партнерство в XXI веке».
URL: <http://www.rus-ind.ru/economic/>

Упражнение 7. Изложите на хинди содержание статьи.
अभ्यास ७. इस लेख को हिन्दी में सुनाइये ।

**«Индия ясно видит своё место в глобальном мире
и уверенно идёт к намеченной цели»**

(2008 год был объявлен в Индии Годом России. В связи с этим посол Индии в России г-н Прабхат Шукла ответил на вопросы главного редактора журнала «Российская Федерация сегодня» г-на Юрия Хренова. Ниже приводятся ответы г-на П. Шуклы).

...Бедными считаются семьи, доход которых меньше 1 доллара в день на человека. Это черта, установленная официально Всемирным банком... Что же касается инфляции, в нынешнем году ожидается 4 процента. В прошлом году она была чуть выше – 5 процентов. Границы её планируются, и за их соблюдением следит министерство финансов...

Всё в меньшей степени на финансовую политику страны влияет Международный валютный фонд. Сейчас мы стали одним из его доноров, тогда как раньше брали здесь займы, теперь у нас свой солидный резервный фонд. Не такой большой, как у России, но 300 млрд долларов не так мало... Источники формирования резервного фонда у нас – это зарубежные инвестиции, вклады нерезидентов, коммерческие займы и внешняя помощь. Средства фонда хранятся в ценных бумагах, в центральных и коммерческих банках нескольких стран, в Банке международных расчетов и в Международном валютном фонде...

Большую роль в быстром развитии страны играют специальные экономические зоны. Первая из таковых была создана в Бомбее сорок лет назад. Это была «Зона экспортного производства Санта-Крус» (*Санта-Крус – район в Мумбаи.–Авт.*). Там в основном занимались изготовлением ювелирных изделий. Кому-то пришло в голову, что Индия имеет в этой области преимущество: есть месторождения драгоценных камней, есть традиции обработки камней и благородных металлов. Вот этим в зоне и занялись...

Здесь проводится особая налоговая политика. Владелец предприятия в такой зоне на первые пять или десять лет освобождается от уплаты налогов. Об этом он подписывает с властями отдельное соглашение, в котором определяется размер предоставляемых ему льгот. Их объём в каждом случае устанавливается особо, но в рамках общего законодательства. Аналогичным образом соглашением определяется объём инвестиций, численность работников, и это тоже влияет на льготы.

После первой зоны появились другие, сейчас их уже зарегистрировано около 200. Но здесь возникли проблемы: где взять большие участки земли, обеспеченные необходимой инфраструктурой, прежде всего электроэнергией, как решить там вопрос применения трудового законодательства? Ведь предприниматели хотели бы иметь больше свободы в трудовых отношениях, а государство выступает за то, чтобы всюду для работников сохранялись определенные социальные гарантии.

(Продолжение в следующем уроке)

*(Адаптировано по: Беседа 2-на П. Шуклы с Ю. Хреновым в редакции журнала «Российская Федерация сегодня».
URL: http://www.russia-today.ru/2008/no_06/06_meetings.htm)*

(донор – दाता, брать займы – उधार लेना, нерезидент – अनिवासी, коммерческий – वाणिज्यिक, Банк международных

расчётов – अंतर्राष्ट्रीय भुगतान बैंक, ценные бумаги – प्रतिभूतियां, преимущество – प्रधानता, обработка камней и драгоценных металлов – बहुमूल्य पत्थरों व धातुओं की प्रोसेसिंग, льгота – छूट, трудовое законодательство – श्रम विधान)

Упражнение 8. Переведите статью на русский с листа. Перескажите на хинди.

अभ्यास ८. मौखिक रूप से अनुवाद करके अपने शब्दों से इस लेखांश को सुनाइये ।

जितना किया उससे ज्यादा कर सकते थे मनमोहन

अपनी क्षमता को प्रमाणित करने के लिये चार साल सरकार में रहना एक खासी लंबी अवधि है । कुछ दिन पूर्व प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह की सरकार की चतुर्थ जयंती दिल्ली में आयोजित हुई थी । कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी ने इस सिलसिले में एक भोज का आयोजन किया था । जन सहयोग का अभाव था । संभवतः इससे चार वर्ष पुराने मनमोहन सिंह शासक की छवि (पोर्ट्रेट; इमिज) का सारतत्व ही अभिव्यक्त होता है ।

मनमोहन सिंह और जनता के बीच जो दूरी है, वह भी उजागर (освещённый) ही है। क्या ऐसा होने की वजह यह है कि वह राजनीति से परे ही हैं? वह अभी भी संसद के उच्च सदन राज्यसभा के ही सदस्य हैं । उनके सभी पूर्ववर्तियों ने लोकसभा का चुनाव लड़ा और निर्वाचित हुए थे । लोकसभा जन-सदन है । ऐसा करने में उनके संकोच (смушение) से राजनीति की गहमागहमी (блеск) से उनकी वितृष्णा (отвращение) ही पुनः एक बार रेखांकित हो जाती है ।

वह सक्षम, स्वच्छ और सुदक्ष (умелый, искусный) हैं । संभवतः ये गुण चाहे कितने भी सराहनीय हों, किंतु मात्र इन्हीं के आधार पर कोई व्यक्ति एक श्रेष्ठ शासक होने की छवि

नहीं बना सकता । जो भी हो कोई भी यह तो सोच ही सकता है कि उन्होंने जितना कुछ किया है, वह उससे भी अधिक बहुत कुछ कर सकते थे ।

पद पर रहने का एक वर्ष पूर्ण हो जाने के बाद उन्होंने स्वयं को दस में से छह अंक दिए थे । मेरी सोच है कि यदि गत चार वर्षों का औसत लिया जाए तो वह चार और पांच के बीच ही कहीं माने जायेंगे । यह साल उनके लिये सबसे खराब रहा है । उनके समक्ष सभी अवसर उपलब्ध थे, किंतु शायद उनकी राजनीतिक कुशाग्रता (мудрость) समय के साथ प्रशासन संचालन की मांगों के साथ गति बनाये रखने में असफल रही ।

(क्रमशः)

(Адаптировано по: Кудин Наяр, статья от 11 июня 2008 года. url:attp:// www.prabhasakshi.com)

Упражнение 9. Запомните следующие термины.

अभ्यास ९. निम्नलिखित शब्द व शब्द-समूहों को याद कीजिये ।

отсталая экономика — backward economy — पिछड़ी हुई अर्थव्यवस्था

централизованная экономика — centrally planned economy — केन्द्र नियोजित अर्थव्यवस्था

деловая активность — business activity — व्यावसायिक सक्रियता

торговый баланс — trade balance — व्यापार शेष

текущий дефицит — current deficit — चालू घाटा

розничная торговля — retail trade — खुदरा (फुटकर) व्यापार

оптовая торговля — wholesale trade — थोक व्यापार

первичный сектор экономики (добывающая промышленность и сельское хозяйство) — primary sector — प्राथमिक क्षेत्र

вторичный сектор экономики (обрабатывающая промышленность) – secondary sector – द्वितीयक क्षेत्र
третичный сектор (сектор услуг) – tertiary sector – तृतीयक क्षेत्र
товары длительного пользования – durable goods – टिकाऊ वस्तुएं
дефицит товаров – goods deficit – माल की कमी
отрасль промышленности – branch – धंधा, क्षेत्रक
взаимовыгодная торговля – mutually advantageous trade – आपसी लाभदायक व्यापार
совокупный общественный продукт – aggregative product – समाहित राष्ट्रीय उत्पाद
экономическая конъюнктура – economic situation – आर्थिक स्थिति
уровень безработицы – unemployment level – बेरोजगारी का स्तर

Упражнение 10. Переведите на хинди.
अभ्यास १०. हिन्दी में अनुवाद कीजिये ।

Бразилия

Благоприятный макроэкономический климат, сложившийся в Бразилии, располагает к устойчивому экономическому росту в долгосрочной перспективе. Динамичный внутренний рынок, активизированный снижением учетной ставки (бैंк दर), стабильностью цен и ростом занятости населения, – ключевой “драйвер” роста экономики. На внешних рынках ситуация также благоприятна: спрос на сырьевые и производственные товары остается высоким, что увеличивает доходы экспортёров. Огромные инвестиционные потоки создают благоприятный фон для поддержания темпов экономического роста.

На удивление сильными результатами порадовал аграрный сектор, который в последнее время окрестили “зеленым якорем” (लंगर, स्थिरक) бразильской экономики. По прогнозам

бразильской ассоциации производителей продовольствия, объёмы производства 20 важнейших наименований сельхозпродукции в 2008 году увеличатся приблизительно на 17% по сравнению с предшествующим годом. Сектора промышленного производства, услуг и финансов также продемонстрируют устойчиво высокие темпы роста.

В 2007 году темпы роста экономики Бразилии составили 5,4%. По прогнозам экспертов, в 2008–2009 годах экономика продолжит заданный курс, и рост ВВП, вероятно, стабилизируется в диапазоне 5–6%.

Дальнейшее развитие Бразилии будет подпитываться главным образом от внутренних источников. Иностраные инвестиции послужат хорошим дополнением к внутренним капиталовложениям. Ключевым риском снижения темпов экономического роста является чрезмерное укрепление реала, которое начинает подрывать деятельность экспортного сектора.

*(Илья Илюхин. Городская банковская газета. № 8 (30)
сентябрь 2008. URL: [http://www. BANKER..RU](http://www.BANKER..RU))*

Упражнение 11. Составьте резюме на хинди нижеследующей статьи.

अभ्यास ११. इस लेखांश का हिन्दी में सार लिखिये और कक्षा में सुनाइये ।

Может ли слон танцевать с драконом?

ТРИВАНДРУМ, ИНДИЯ. Сейчас модно на одном дыхании говорить об Индии и Китае, особенно часто это делают на Западе. В качестве ответа Востока на десятилетия экономического успеха Запада, Индию и Китай представляют как две больших страны, играющие постоянно возрастающую роль в мире, а также как новых соперников за всемирное главенство после нескольких столетий доминирования Запада...

Можете считать меня скептиком, но дело не только в том, что Китай и Индия имеют мало общего, за исключением того, что они занимают довольно обширную территорию, называемую «Азия». Кроме того, они находятся на совершенно разных

стадиях развития. Китай начал свою либерализацию на полтора десятка лет раньше Индии, поражая всех ростом с двузначным числом, в то время как Индия все еще колебалась на уровне 5%...

Кроме того, системы этих двух стран совершенно непохожи. Если Китай захочет построить новую скоростную шестиполосную автомагистраль, то он может сравнять с землей любую деревню, находящуюся на выбранном пути. В Индии, если Вы хотите расширить дорогу с двумя полосами, Вы можете провести в суде с десятков лет, разбираясь с компенсационными выплатами.

Когда Китай строил свою дамбу «Три ущелья», то было создано водохранилище длиной в 660 километров, ради которого в течение 15 лет без шума было перемещено два миллиона человек в интересах производства электроэнергии. Когда Индия взялась за проект дамбы Нармада, стремясь принести ирригацию, питьевую воду и электроэнергию миллионам жителей, ей понадобилось 34 года (и дело еще не закончено) на борьбу с экологическими группами, активистами за права человека и защитниками перемещенного населения в Верховном суде, вдобавок все это сопровождалось протестами на улицах.

Так и должно быть: Индия – это капризная демократия, Китай – нет. Но как индеец я не желаю притворяться, что мы можем конкурировать с Китаем в глобальных долях роста.

Но, если мы не можем конкурировать, может быть, мы можем сотрудничать? В древние времена две эти цивилизации контактировали на протяжении столетий. Главным образом благодаря распространению буддизма из Индии в Китай, китайцы стали обучаться в индийских университетах, посетили индийские суды и написали незабываемые рассказы о своих путешествиях. В свое время Наланда приняла сотни китайских студентов, а некоторые индийцы, наоборот, поехали учиться в Китай; буддистский монах из Индии в пятом столетии построил известный храм Линьинь Си в Гуанчжоу.

(дракон – ड्रैगन, на одном дыхании – बड़े उत्साह के साथ, соперник – प्रतिद्वंद्वी, скептик – अविश्वासी, двузначное число –

दो अंकीय संख्या, छेतिपोलसना – ६ पंक्तियों वाला, स्कोरस-
ना – अतिवेगवान, अवागस्त्राल – राजमार्ग, कॉपेनसैऑनने
वुपलातु – मौद्रिक मुआवजा, उषेल्डे – दर्रा; घाटी, ँकोलुगलक
सकी – इकोलाजी, काप्रलनूय – ३० अशांत, प्रलतुवुर्यासु –
पाखंड करना)।

(ओकनसाने व सुलदुओुषे उरुके)

(आडलतुरलवानु नु: शाशु तुखरुुर – लवसुतनूय ललसलतुलरु ल ओबु-
रुवेलतुल, डुवुषलल डलसुतलतुलरु गेनरललनुओ सुकुरतलरुओओ.
Project Syndicate, 2008. URL: <http://www.project-syndicate.org>

**उप्रलसुनने 12. वुपुलननने दुवसुतुरनुनल लरुवुड लनतुर-
वुडु.**

अडुडलस १२. इंटरवुडु का दुवलडकुषुड अनुवलद कुडलडुडे ।

डुडुडुडुसु ललनुदुी सुवला कुे वलशुेष कलरुडुकुरम “ँक मुललकलत” डुें
“हलट डेल” सडुीर डलटलडुल सुे ललनुहुुने डुलडुनेस कुी दुनलडुल डुें
डुडल डुडरदसुत नलड कडुलडुल है, डलतकुीत हुडुई थुी ।
संऑलव शुुरलवलसुतव, डलरत संडुलदक
डुडुडुडुसु ललनुदुी सुवला, 27 अकुतुडुबर 2007
(अगला डुललग)

— डुने रलसकलडुवल, कुुओ, कुुओल डुल डुेखलल व अडुे-
रलकु, उ डुल व कलरडुने डुुल वसुगे 250 दुुललरुव, ँओ डुरलडुल?

— डुलकुुल सही डलत है कुुडुुओल उस सडुडु वलदुेशुी डुदुरल
अधलनलडुडु कुे तहत आडु दुेश सुे अधलकतडु 250 डुललर लुकर
ही ऑल सलकुते थुे और डुडुडे कुैलटुक सुे डुुरी सुकललरशलषलडु डुललुी
थुी, तुे इतने ही डुैसे लुकर गलडुल थल ।

— डुुसुल ओकनसाने डुलडुने-कुुरसुव दुुल लनऑेनरुव-
ँलकुतुरलकु (ँलकुतुरनुनलकु) डुरल सुतनुडुडुडुसु लनवर्सलतु-
तुे डुल सुलडुल रलशुलल ओसुवलतु सुडुवसुतनुनुु डुलरुडुु लल डुे
डुल डुुसुतुडुल नल रलडुतुु ?

— मैंने स्टैनफोर्ड से मास्टर्स करने के बाद तय कर लिया कि पीएचडी नहीं करूंगा और एप्पल कंप्यूटर में डिजायनर की नौकरी करने लगा। लैपटॉप (note-book) के 'ब्रेन' यानी चिप्स को डिजायन किया और यहां दो साल नौकरी की। इसके बाद एक छोटी सी कंपनी फायर पावर सिस्टम्स में नौकरी शुरू की। यहां भी दो साल नौकरी की, उसके बाद जब यह कंपनी बंद होने लगी तो सोचने लगा कि मैं अपने लिये क्या कर सकता हूँ ?

— **Когда это было?**

— यह सन् 1995 की बात है। तब मैं सोचने लगा कि क्या कर सकता हूँ। इंटरनेट उन दिनों में शुरू ही हो रहा था और काफी कम लोग इस्तेमाल कर रहे थे, तकरीबन डेढ़-दो करोड़ लोग। मुझे आभास (ощущение) हो गया कि एक दिन यह बहुत बड़ा रूप लेगा और सब लोग इसका इस्तेमाल करेंगे।

— **У Вас было такое ощущение или Вы увидели своё будущее во сне?**

— नहीं, वास्तव में मैं भविष्य तो नहीं देख सकता था लेकिन कुछ ऐसी चीजें थीं जिनका आभास हुआ। सूचना को अलग-अलग कंप्यूटर से इकट्ठा करना काफी कठिन था लेकिन वेब के जरिये यह काफी आसान था। इससे मुझे लगा कि भविष्य में हर कोई इसका उपयोग करेगा और सोचने लगा कि इस क्षेत्र में क्या कर सकता हूँ जो अब तक नहीं हुआ है। इसी सोच में "हाटमेल" का जन्म हुआ।

— **Хорошо, тогда скажите, как Вы прошли путь до осуществления идеи "hot mail"?**

— मैंने एक कंपनी जावा साफ्ट शुरू कर दी थी जो व्यक्तिगत जानकारी इंटरनेट पर स्टोर करके किसी भी कंप्यूटर

द्वारा पायी जा सकती थी । इसके बाद मैंने इसका बिजनेस प्लान बनाया और अपने पार्टनर जैक स्मिथ को दिखाया । जब हम इसका बिजनेस माड्यूल विकसित कर रहे थे तो जिनकी कंपनी में काम कर रहे थे तो वो भी फायर पावर में काम कर चुके थे । उन्होंने कंपनी के इंटरनल नेटवर्क में फायर वाल लगा दिया जिससे हम आफिस में रहते हुए पर्सनल ई-मेल नहीं चेक कर सके । इसके बाद हमें विचार आया कि क्यों न ई-मेल को भी वेब पर डाल दें ताकि इसे किसी भी कंप्यूटर पर और कहीं भी देखा जा सके । इसी विचार से हाटमेल का जन्म हुआ । हाटमेल को आज करीब 30 करोड़ लोग इस्तेमाल कर रहे हैं जो इंटरनेट के उपयोगकर्ताओं की एक-तिहाई है ।

— Почему Вы назвали этот сервис “hot mail”?

— जो तकनीक हम इस्तेमाल कर रहे थे उसका नाम था एचटीएमएल (HTML – Hypertext Markup Language – “язык разметки гипертекста”), इसी के आधार पर हमने हाटमेल नाम रखा ।

(शेष भाग अगले पाठ में)

Упражнение 13. Напишите на хинди сочинение на тему: “Манмохан Синх – инициатор экономических реформ в Индии” (объем – 2 страницы).

अभ्यास १३. “मनमोहन सिंह आर्थिक सुधारों के प्रवर्तक हैं” विषय पर छोटा सा निबंध लिखिये ।



Тесты टेस्ट

Тест 1. Выберите правильный вариант ответа.

टेस्ट १. सही जवाब चुनिये ।

१. वर्तमान समय में सत्ता में आयी कांग्रेस और इसके सहयोगी दलों ने एक सहबंध (अल्यांस) बनाया है, इसका नाम क्या है ? (१. लोक जनवादी संघ, २. जनता कल्याण सहबंध, ३. संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन)।

२. भारत के प्रधान मंत्री का नाम क्या है ? (१. सोनिया गांधी, २. अब्दूल कलम, ३. मनमोहन सिंह) ।

३. आज की सरकार किस साल में चुनाव जीतकर सत्तारूढ हो गयी है ? (१. सन् 1991 में । २. सन् 2000 में । 3. सन् २००४ में) ।

Тест 2. Выберите правильный термин из трех вариантов.

टेस्ट २. ठीक शब्द चुनिये ।

१. औद्योगिक प्रतिष्ठानों के उत्पादन में अच्छे परिणाम प्राप्त करने के लिये कुशल ... होने की जरूरत है ।

1. श्रमशक्ति
2. हडताली
3. सलाहकार

२. आर्थिक उदारीकरण के परिणाम में देश में बड़े पैमाने पर ... शुरू हुआ है ।

1. केन्द्रीकरण
2. विविधीकरण
3. निजीकरण

३. पिछले वर्षों में अनाज की फसलों की अपर्याप्त पैदावार के कारण लगभग सभी देशों में ... की समस्या तीव्र हो गयी है ।

1. पोषाहार सुरक्षा
2. गरीबी-रेखा
3. विलासिता की वस्तुएं

Тест 3. Заполните пропуски словами из списка, данного в скобках.

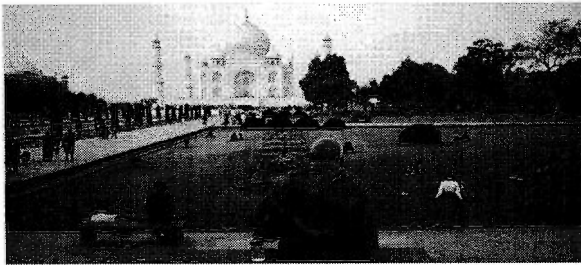
टेस्ट ३. रिक्त स्थान उचित शब्द से भरिये ।

१. समस्त छात्रों के शारीरिक तथा सांस्कृतिक विकास के लिये स्कूलों में समुचित ... तैयार किया जायेगा । (खेलकूद की चीजों का भंडार, आधारभूत ढांचा, पका-भोजन स्कीम, प्राथमिक स्यास्थ्य केन्द्र, प्रयोगशाला) ।

२. इस निगम की कार्य-प्रणाली चलाने के लिये पर्याप्त ... प्रदान की गयी है ।

(जलापूर्ति, बिजली, कम्प्यूटर, निधियां, अन्त्योदय कार्ड) ।

३. जनवादी राज्य में सरकार का काम ... होना चाहिये ।
(गुप्त, विसंगतिपूर्ण, गैरजिम्मेदार, पारदर्शी, अकुशल) ।



Тема 2
दूसरा विषय

Общая программа-минимум
Объединенного прогрессивного альянса
भारत सरकार का राष्ट्रीय न्यूनतम साक्षात्कार कार्यक्रम
मई, 2004

Урок 4
पाठ ४
(तीसरे पाठ का अंत)

Тексты
टेक्स्ट

क्षेत्रीय विकास, केन्द्र-राज्य संबंध

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार वित्तीय, प्रशासनिक, निवेश और अन्य माध्यमों से राज्यों के बीच और राज्यों के अंदर बढ़ रहे क्षेत्रीय असंतुलन को दूर करने के लिये प्रतिबद्ध है। यह चिंता की बात है कि क्षेत्रीय असंतुलन न केवल ऐतिहासिक उपेक्षा बल्कि योजना आबंटनों और केन्द्र सरकार की सहायता में विसंगतियों के कारण भी बढ़ा है। यहां तक कि दसवीं पंचवर्षीय योजना में बिहार, असम और उत्तर प्रदेश जैसे राज्यों को जो प्रति व्यक्ति आबंटन मिला है, वह राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार पिछड़े राज्यों के लिये एक अनुदान कोष बनाने पर विचार करेगी जिसका इस्तेमाल इन राज्यों में उत्पादक परिसम्पत्तियों के सृजन के लिये किया जायेगा। केन्द्र सरकार पूर्वी और पूर्वोत्तर क्षेत्र के औद्योगिकीकरण में तेजी लाने के लिये अग्रणी उपाय करेगी।

राज्यों पर ऋण के बोझ को कम करने के लिये शीघ्र ही एक सुस्पष्ट एवं पारदर्शी दृष्टिकोण अपनाया जायेगा ताकि वे सामाजिक क्षेत्र में निवेश को बढ़ाने में सक्षम हो सकें। राज्यों

को दिये जाने वाले ऋणों पर ब्याज दरों को कम किया जायेगा और करों के एकल तथा विभाज्य पूल में राज्यों के हिस्से को बढ़ाया जायेगा ।

केन्द्र सरकार से सभी असांविधिक संसाधनों का अंतरण करते समय निर्धन और पिछड़े राज्यों को महत्व दिया जायेगा, परंतु साथ ही निष्पादन के मानदंड भी ध्यान में रखे जायेंगे । देश के निर्धनतम और अत्यन्त पिछड़े जिलों में सामाजिक और भौतिक आधारभूत ढांचे के विकास के लिये प्राथमिकता के आधार पर एक विशेष कार्यक्रम शुरू किया जायेगा ।

कुछ राज्यों में राष्ट्रीय महत्व की योजनाओं, जो काफी समय से लंबित पड़ी हैं, को तेजी से पूरा किया जायेगा । इनमें सेतु समुथुडरम परियोजना, उत्तरी बिहार में बाढ़ नियंत्रण और जल निकासी (जिसके लिये नेपाल से भी सहयोग आवश्यक है) तथा पश्चिम बंगाल में भगीरिथी में बाढ़ नियंत्रण तथा पद्मा-गंगा के कटाव की रोकथाम शामिल हैं । बाढ़ संभावित क्षेत्र विकास कार्यक्रम आरंभ किया जायेगा और केंद्र सरकार अन्तरराज्यीय और अंतर्राष्ट्रीय नदियों में बाढ़ नियंत्रण कार्यों के लिये पूरा सहयोग प्रदान करेगी । सूखा प्रभावित क्षेत्र विकास की सभी मौजूदा योजनाओं की समीक्षा की जायेगी और एक ही व्यापक राष्ट्रीय कार्यक्रम आरंभ किया जायेगा ।

जम्मू-कश्मीर, पूर्वोत्तर

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार संविधान के अनुच्छेद 370, जिसमें जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा दिया हुआ है, का अक्षरशः पालन करने के लिये वचनबद्ध है । राज्य की लोकतांत्रिक तरीके से चुनी गयी राज्य सरकार के परामर्श से जम्मू-कश्मीर में सभी समूहों और विभिन्न विचारधाराओं के लोगों के साथ सतत आधार पर वार्ता जारी रखी जायेगी । राज्य सरकार द्वारा चलायी जा रही 'हीलिंग टच' नीति को पूरा समर्थन दिया जायेगा और उसके लिये आर्थिक और मानवीय

पहलू पर बल दिया जायेगा । राज्य को अपनी आधारभूत सुविधाएं तेजी से पुनर्निर्मित करने के लिये हर प्रकार की सहायता दी जायेगी । बिजली, पर्यटन, हथकरघा व रेशम उत्पादन जैसे क्षेत्रों में निवेश लाने के लिये नये प्रयास किये जायेंगे ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार पूर्वोत्तर क्षेत्र में आतंकवाद, उग्रवाद और विद्रोह से, तात्कालिक राष्ट्रीय प्राथमिकता के मुद्दे के रूप में, निपटने के लिये प्रतिबद्ध है । सभी पूर्वोत्तर राज्यों को आधारभूत सुविधाओं को उन्नत व विस्तृत बनाने के लिये विशेष सहायता दी जायेगी । पूर्वोत्तर परिषद को सुदृढ़ किया जायेगा और उन्हें पर्याप्त व्यवसायिक सहायता दी जायेगी। मौजूदा राज्यों की क्षेत्रीय अखंडता को बरकरार रखा जायेगा ।

प्रशासनिक सुधार

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन लोक प्रशासन प्रणाली में सुधार लाने हेतु एक विस्तृत रूपरेखा (ब्लू-प्रिंट) तैयार करने के लिये प्रशासनिक सुधार आयोग का गठन करेगा । ई-गवर्नेंस को बड़े पैमाने पर बढ़ावा दिया जायेगा । सूचना का अधिकार अधिनियम को अधिक प्रगतिशील, भागीदारीपूर्ण और सार्थक बनाया जायेगा । लोकपाल बिल पारित कर कानून बनाया जायेगा ।

उद्योग

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन औद्योगिक विकास को बढ़ावा देने के लिये सभी जरूरी कदम उठायेगा और जहां आवश्यक होगा, वहां नियंत्रण मुक्त करते हुए अनकब नीतियों के माध्यम से इसे मजबूती प्रदान करेगा । निजी निवेश को बढ़ावा देने के लिये प्रोत्साहन शुरू किये जायेंगे । विदेशी प्रत्यक्ष निवेश को प्रोत्साहन दिया जाता रहेगा और विशेष रूप से इसे बुनियादी ढांचे, उच्च प्रौद्योगिकी और निर्यात एवं ऐसे क्षेत्रों के लिये बढ़ावा दिया जायेगा जहां स्थानीय परिसम्पत्तियों एवं रोजगार का

सृजन बड़े पैमाने पर पिया जाता है । देश को विदेशी प्रत्यक्ष निवेश की जरूरत है और यहां विदेशी प्रत्यक्ष निवेश के मौजूदा स्तर का दो से तीन गुना अधिक निवेश आसानी से खप सकता है । भारतीय उद्योग को उत्पादक और प्रतिस्पर्धी बनाने के लिये हर तरह की सहायता दी जायेगी । सभी नियामक संस्थाओं को सुदृढ़ किया जायेगा जिससे यह सुनिश्चित हो सके कि प्रतिस्पर्धा स्वतंत्र और निष्पक्ष हो । इन संस्थाओं को व्यावसायिक तौर पर चलाया जायेगा ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार नीतिगत विचार-विमर्श हेतु सतत मंच उपलब्ध कराने के लिये राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मक परिषद का गठन करेगी ताकि खाद्य प्रसंस्करण, कपडा और वस्त्र, इंजीनियरी, उपभोक्ता सामान, फार्मास्यूटिकल, पूंजीगत सामान, चमडा और आई.टी. हार्डवेयर जैसे विनिर्माण उद्योग के विकास को गति प्रदान की जा सके और उसे बनाये रखा जा सके ।

वित्तीय क्षेत्र में प्रतिस्पर्धा का विस्तार किया जायेगा । सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों को पूर्ण प्रबंधकीय स्वायत्तता दी जायेगी ब्याज की दरें ऐसे तय की जायेंगी जिससे निवेशकों और बचतकर्ताओं, दोनों को ही और विशेषकर पेंशनरों एवं वरिष्ठ नागरिकों को लाभ पहुंचे । संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार कर्मचारी भविष्य निधि (ई.पी.एफ.) के बारे में ईपीएफ बोर्ड से परामर्श एवं अनुमोदन प्राप्त किये बिना निर्णय नहीं लेगी । मुख्यतः शहरी सहकारी बैंकों और सामान्यतः बैंकों के विनियमों को अधिक प्रभावी बनाया जायेगा । एल.आई.सी. और जी.आई.सी. सार्वजनिक क्षेत्र में ही बने रहेंगे और अपनी सामाजिक भूमिका निभाते रहेंगे । इसके अलावा, नियामक निकायों द्वारा प्रायवेट बैंकों और प्राइवेट बीमा कंपनियों पर लगाये गये सामाजिक दायित्वों को मानीटर किया जायेगा तथा सख्ती से लागू किया जायेगा ।

श्रम

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार सभी कामगारों, विशेष रूप से असंगठित क्षेत्र के श्रमिकों, जो हमारे कुल कार्यबल का 93% है, के कल्याण और भलाई के लिये वचनबद्ध है। बुनकरों, हथकरघा कामगारों, मछुआरों, ताड़ी निकालने वाले लोगों (Toddy Tappers), चमड़े का काम करने वाले लोगों, वनरोपण मजदूरों, बीड़ी कामगारों आदि जैसे कामगारों के लिये सामाजिक सुरक्षा, स्वास्थ्य बीमा और अन्य स्कीमों का विस्तार किया जायेगा।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन "आटोमेटिक हायर एण्ड फायर" के विचार को अस्वीकार करता है। इसका मानना है कि श्रम कानूनों में कुछ परिवर्तन करने की जरूरत पड़ सकती है लेकिन ऐसे परिवर्तनों से कामगारों और उनके परिवारों के हितों की पूर्ण सुरक्षा होनी चाहिये। ये परिवर्तन ट्रेड यूनियनों के साथ पूरा विचार-विमर्श के बाद ही किये जाने चाहिये।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का यह दृढ़ विश्वास है कि हमारे देश में श्रमिक-प्रबंधक सौबेध परामर्श, सहयोग और आम सहमति पर आधारित होने चाहिये न कि टकराव पर। ट्रेड यूनियनों और उद्योग जगत के साथ उनसे संबंधित सभी प्रस्तावों पर त्रिपक्षीय परामर्श का सक्रियता से पालन किया जायेगा। श्रमिकों को मिलने वाले अधिकार और सुविधाएं, जिनमें कानून के अनुसार हड़ताल करने का अधिकार भी शामिल है, छीनी नहीं जायेंगी अथवा उनमें कटौती नहीं की जायेगी।

सार्वजनिक क्षेत्र

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार एक ऐसे सुदृढ़ और प्रभावी सार्वजनिक क्षेत्र के प्रति प्रतिबद्ध है जिसके सामाजिक उद्देश्यों की पूर्ति इसके वाणिज्यिक कार्यों से की जाती है। लेकिन इसके लिये उपयुक्त चयन एवं कार्यनीति पर अधिक बल

देने की जरूरत है । संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन प्रतिस्पर्धात्मक वातावरण में काम करने वाली सफल तथा लाभ कमाने वाली कंपनियों को पूर्ण प्रबंधकीय और वाणिज्यिक स्वायत्तता प्रदान करने के लिये वचनबद्ध है। सामान्यतः, लाभ कमाने वाली कंपनियों का निजीकरण नहीं किया जायेगा ।

निजीकरण पर प्रत्येक मामले के आधार पर पारदर्शी एवं परामर्शी ढंग से विचार किया जायेगा । संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन मौजूदा "नवरत्न" कंपनियों को सार्वजनिक क्षेत्र में रखेगा जबकि ये कंपनियां पूंजी बाजार से संसाधन जुटाती रहेंगी। यद्यपि, सार्वजनिक क्षेत्र की बीमार कंपनियों का आधुनिकीकरण तथा पुनर्गठन करने और रुग्ण उद्योगों को पुनर्जीवित करने के लिये हर संभव प्रयास किया जायेगा, किंतु लंबे समय से घाटे में चल रही कंपनियों को या तो बेच दिया जायेगा या बंद कर दिया जायेगा । लेकिन सभी कामगारों को उनकी विधि-सम्मत देय राशि और मुआवजा दिया जायेगा । उन कंपनियों को लाभप्रद बनाने के लिये निजी उद्योग को प्रेरित किया जायेगा जिनमें पुनर्जीवित होने की क्षमता है ।

राजकोषीय नीति

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार वर्ष 2009 तक केन्द्र के राजस्व घाटे को दूर करने के लिये प्रतिबद्ध है ताकि सामाजिक और भौतिक ढांचे में निवेश के लिये अधिक-से-अधिक संसाधन रिलीज किये जा सकें । सभी राज-सहायता (सब्सिडी) गरीबों और वास्तव में जरूरतमंदों जैसे लघु एवं सीमांत कृषकों, कृषि मजदूरों तथा शहरी गरीबों के लिये ही होगी । इस कार्य को पूरा करने के लिये एक विस्तृत योजना 90 दिनों के अंदर संसद में प्रस्तुत की जायेगी । सरकार निवेश और विकास परिव्ययों में कमी या कटौती करके घाटे को कम करने का प्रयास नहीं करेगी ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार सभी आवश्यक तकनीकी और प्रशासनिक तैयारियों, जिनमें विशेषकर सेवा क्षेत्र कराधान का एकीकरण करने तथा राज्यों को मुआवजा देने जैसे मुद्दे शामिल हैं, को पूरा करने के बाद मूल्यवर्द्धित कर प्रणाली (वट) को लागू करने के लिये वचनबद्ध है। यह सरकार कर तथा सकल घरेलू उत्पाद के अनुपात में वृद्धि करने के लिये उपाय करेगी। इसके लिये ऐसे व्यापक कर सुधार किये जायेंगे जिनसे करदाताओं की संख्या में बढ़ोतरी हो, कर अनुपालन में वृद्धि हो और कर प्रशासन में और अधिक क्षमता आये। कर की दरें स्थिर रहेंगी तथा विकास, अनुपालन और निवेश के अनुकूल होंगी। काले धन और परिसम्पत्तियों को उजागर करने के लिये विशेष योजनाएं शुरू की जायेंगी।

सरकार आवश्यक वस्तुओं की मूल्य वृद्धि को नियंत्रित करने के लिये प्रभावी और ठोस उपाय करेगी। आवश्यक वस्तु अधिनियम के तहत सट्टेबाजों, जमाखोरों तथा काला-बाजारियों से निपटने के लिये जो प्रावधान बनाये गये हैं, उन्हें किसी भी तरह निष्क्रिय नहीं होने दिया जायेगा।

पूंजी बाजार

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार कर और अन्य नीतियों के जरिये व्यवस्थित विकास तथा पूंजी बाजार के संचालन, जिनसे अर्थव्यवस्था की सही तस्वीर प्रस्तुत होती है, के लिये पूर्णतया प्रतिबद्ध है। वित्तीय बाजार को और मजबूत किया जायेगा। एफ.आई.आई. को प्रोत्साहित किया जाता रहेगा जबकि वित्तीय प्रणाली में सट्टा पूंजी के बहाव को कम किया जायेगा।

दोहरे कराधान समझौतों के दुरुपयोग को रोका जायेगा। छोटे निवेशकों के हितों की सुरक्षा की जायेगी तथा उन्हें अपनी बचत के सुरक्षित निवेश के लिये नये अवसर प्रदान किये जायेंगे। सेबी को और सुदृढ बनाया जायेगा। बाजार को

प्रभावित करने वाले तथा बाजार में जानबूझकर घबराहट फैलाने वाले लोगों के विरुद्ध कड़ी से कड़ी कार्रवाई की जायेगी ।

आर्थिक सुधार

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन मानवीय आधार पर आर्थिक सुधारों को आगे बढ़ाने के पति अपनी स्थायी प्रतिबद्धता दोहराता है ताकि विकास, निवेश तथा रोजगार को बढ़ावा मिले । कृषि, उद्योग तथा सेवा क्षेत्रों में सुधारों की और जरूरत है और इन्हें इन क्षेत्रों में आगे बढ़ाया जायेगा । सरकार के आर्थिक सुधार कार्यक्रम मुख्य रूप से ग्रामीण क्षेत्रों में खुशहाली लाने, सार्वजनिक प्रणालियों की गुणवत्ता तथा सार्वजनिक सेवाओं की उपलब्धता में पर्याप्त रूप से सुधार करने और देश के आम नागरिकों के जीवन-स्तर में स्पष्ट और वास्तविक सुधार लाने पर लक्षित होंगे ।

रक्षा, आंतरिक सुरक्षा

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि सशस्त्र बलों के आधुनिकीकरण में जो भी विलंब हो, उन्हें दूर किया जाये और आधुनिकीकरण के लिये निर्धारित समस्त धनराशि का शीघ्र ही पूर्ण रूप से उपयोग हो जाये ।

संप्रग रक्षा मंत्रालय में एक नये भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग की स्थापना करेगा । एक-रैंक, एक-पेंशन के काफी समय से लंबित पड़े मुद्दे की फिर से जांच की जायेगी ।

सरकार एक विश्वसनीय परमाणु अस्त्र कार्यक्रम बनाये रखने के लिये प्रतिबद्ध है । इसके साथ ही साथ, यह अपने परमाणु अस्त्र-सम्पन्न पड़ोसी देशों के साथ आपसी विश्वास बढ़ाने के स्पष्ट तथा प्रामाणिक उपाय भी करेगी । यह सरकार विश्व में परमाणु निरस्त्रीकरण को बढ़ावा देने तथा विश्व को परमाणु हथियारों से मुक्त करने के लिये कार्य करने में अग्रणी भूमिका निभायेगी ।

विज्ञान और प्रौद्योगिकी

संप्रग सरकार भारत के व्यापक विज्ञान और प्रौद्योगिकी ढांचे को सुदृढ करने वाली नीतियों का अनुकरण करेगी तथा साथ ही साथ, इसके लिये कार्यक्रम भी शुरू करेगी । प्रमुख क्षेत्रों में विज्ञान तथा प्रौद्योगिकी विकास एवं अनुप्रयोग मिशन शुरू किये जायेंगे जिनमें वैश्विक नेतृत्व तथा स्थानीय बदलाव दोनों को शामिल किया जायेगा ।

ऊर्जा सुरक्षा

संप्रग सरकार देश की ऊर्जा सुरक्षा को बढ़ाने, विशेषकर तेल क्षेत्र, के लिये तत्काल नीतियां बनायेगी । हाइड्रोकार्बन उद्योग में विदेशी निवेश को सक्रिय रूप से प्रोत्साहित किया जायेगा । सतत विकास से जुडी समेकित ऊर्जा नीति तैयार की जायेगी ।

विदेश नीति, अंतरराष्ट्रीय संगठन

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार अपनी पिछली परंपराओं को ध्यान में रखकर एक स्वतंत्र विदेश नीति का अनुसरण करेगी । इस नीति में विश्व संबंधों में बहुधुवता को बढ़ावा दिया जायेगा तथा एकपक्षीयवाद के सभी प्रयासों का विरोध किया जायेगा ।

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार दक्षिण एशिया में अपने पडोसियों के साथ राजनीतिक, आर्थिक व अन्य संबंधों को और बेहतर बनाने तथा सार्क को मजबूत करने को सर्वोच्च प्राथमिकता देगी । जल संसाधन, विद्युत और पारिस्थितिकी संरक्षण के क्षेत्र में क्षेत्रीय परियोजनाओं पर विशेष ध्यान दिया जायेगा । पाकिस्तान के साथ सभी मुद्दों पर बातचीत को व्यवस्थित ढंग से और सतत् आधार पर आगे बढ़ाया जायेगा । संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन श्रीलंका में ऐसी शांति वार्ताओं का समर्थन करेगा जो श्रीलंका की क्षेत्रीय अखंडता और एकता को बरकरार

रखते हुए तमिलों तथा धार्मिक अल्पसंख्यकों की न्यायसंगत आकांक्षाओं को पूरा कर सकें। बंगला देश के साथ बकाया मुद्दों को हल किया जायेगा। नेपाल के साथ आपसी हितों के आधार पर जल संसाधनों के विकास के लिये गहन बातचीत शुरू की जायेगी।

चीन के साथ व्यापार तथा निवेश का और विस्तार किया जायेगा एवं सीमा संबंधी मुद्दे पर वार्ता को गंभीरतापूर्वक आगे बढ़ाया जायेगा। पूर्वी एशियाई देशों के साथ संबंधों को सुदृढ़ किया जायेगा। पश्चिम एशिया के साथ पारंपरिक संबंधों को नया आयाम प्रदान किया जायेगा। संप्रग सरकार भारत की दशकों पुरानी इस वचनबद्धता को दोहराती है कि फिलीस्तीनियों का उनका अपना होमलैंड हो। इराक से भारतीय मर्सिनरियों को वापस बुलाने के लिये कदम उठाये जायेंगे तथा उस प्रयोजन के लिये आगे की भर्ती पर रोक लगायी जायेगी।

संप्रग सरकार अमेरिका के साथ घनिष्ठ संपर्क एवं संबंधों को आगे बढ़ाते हुए सभी क्षेत्रीय और वैश्विक मामलों में भारत की विदेश नीति पर अपनी स्थिति को स्वतंत्र बनाये रखेगी। संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन रूस और यूरोप के साथ संबंधों को और मजबूत बनाने के लिये प्रतिबद्ध है।

संप्रग सरकार विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यू.टी.ओ.) की सभी चर्चाओं में राष्ट्रीय हितों की, विशेषकर किसानों के हितों की पूरी तरह रक्षा करेगी। पूर्व की वचनबद्धता का पालन किया जायेगा और यह सुनिश्चित करने के प्रयास भी किये जायेंगे कि सभी करारों में हमारे हित पूर्णतः परिलक्षित हों, विशेषकर बौद्धिक संपदा तथा कृषि के क्षेत्र में। संप्रग सरकार विश्व व्यापार संगठन के मौजूदा करारों में दी गयी छूट का इस्तेमाल करेगी ताकि भारतीय कृषि और उद्योग क्षेत्र को पूर्ण सुरक्षा प्रदान की जा सके। सरकार विश्व व्यापार संगठन में जी-20 के रूप में विकासशील देशों की उभरती हुई एकता को मजबूती प्रदान करने में सक्रिय भूमिका निभाएगी।

यह संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का न्यूनतम साभा कार्यक्रम है । सरकार इस कार्यक्रम को कार्यान्वित करने के लिये प्रतिबद्ध है । यह न्यूनतम साभा कार्यक्रम एक अन्य सामूहिक अधिकतम निष्पादन के लिये एक आधार है ।

Словарь शब्द-संग्रह

अंतरण	म.	1) перевод (денежных сумм) 2) фин. трансферт
अक्षरशः		1) буквально 2) полностью, целиком 3) зд. формально и по сути
अनुदान	म.	1) ассигнования 2) экономическая помощь 3) субсидия
आकांक्षा	ज.	1) желание; стремление; намерение 2) надежда, чаяние; ожидание
आयाम	म.	1) объем 2) протяженность зद. толчок
उजागर		1) белый 2) чистый 3) сверкающий 4) освещенный, ~ करना зд. извлекать на поверхность; раскрывать
एकपक्षीयवाद (unilateralism)	म.	односторонность; однополярность
कटाव	म.	эрозия
करदाता	म.	налогоплательщик
कराधान	म.	налогообложение
करार	म.	1) обещание 2) согласие 3) соглашение
कार्यबल	म.	рабочая сила
कालाबाजारी		1. ж. спекуляция 2. м. деятель черного рынка

कोटा	म.	квота
खपना	नि.	поглощаться; быть поглощен- ным
गठबंधन	म.	блок, союз, коалиция
चयन	म.	1) отбор, подбор 2) выбор
छूट (flexibility)	ज.	1) скидка (на что-л.) 2) освобождение, избавление, зд. гибкость
जमाखोर	म.	спекулянт, зд. припрятавающий продукты питания
जरूरतमंद		нуждающийся, испытывающий нужду
जवाबदेह		ответственный (перед кем-л.)
ताडी	ज.	пальмовое вино; пальмовый сок
दक्षता	ज.	1) умение, искусность 2) опыт- ность
दर्जा	ज.	1) степень, мера 2) уровень, сту- пень 3) статус
देय		причитающийся, подлежащий уплате
निकासी	ज.	1) выход, появление 2) исток, верховье
निजीकरण	म.	приватизация
नियामक		1) управляющий 2) регулирую- щий 3) определяющий, решаю- щий
निरस्त्रीकरण	म.	разоружение
निष्क्रिय		1) бездействующий 2) бездеятельный, пассивный
निष्पादन	म.	1) исполнение, осуществление 2) завершение, окончание 3) до- стижение
न्यायसंगत		1) справедливый 2) законный
न्यूनतम		минимальный
पक्षपात	म.	пристрастность

परिस्थितिकी	ज्.	окружающая среда
पूल (pool)	म.	пул; фонд
प्रबंधक (management)	म.	управляющий
प्रौद्योगिकीविद	म.	специалист-технолог
फार्मास्यूटिकल	म.	фармацевтика
बचतकर्ता	म.	вкладчик
बरकरार		1) благополучный 2) установленный, закрепленный
बहुध्रुवता	ज्.	многополярность
बीडी	ज्.	1) небольшая порция бетеля 2) табак 3) сигарка
भर्ती	ज्.	1) воен. мобилизация 2) набор, вербовка
भागीदारीपूर्ण (participatory)		участвующий
मर्सिनरी (mercenary)	म.	наемник
मानीटर	म.	монитор
मानदंड	म.	1) измерительная линейка 2) мерило 3) степень
मुआवजा	म.	компенсация, возмещение
मूल्यवर्द्धित		возросший в цене
राजकोषीय		фискальный; финансовый; относящийся к государственным финансам
रिलीज (release)		~ करना освободить, высвободить
रुग्ण		заболевший, больной
रूढिवादी		1. косный, консервативный 2. м. консерватор
रैंक	म.	звание, чин
रोकथाम	ज्.	1) сдерживание; приостановление 2) препятствование; предотвращение

लंबित		1) продленный, пролонгированный 2) долгосрочный
वनरोपण	म.	лесонасаждение, лесопосадка
विधि-सम्मत (legitmate)		положенный по закону
विभाज्य		делимый
विशेषज्ञता (expertise)	ज.	экспертиза; опыт (эксперта)
विसंगति	ज.	1) нелогичность 2) бессвязность 2) искажение
व्ययन	म.	
सट्टा	म.	игра на бирже; спекуляция на бирже
सट्टेबाज	म.	биржевик, биржевой делец; спекулянт
समीक्षा	ज.	1) рассматривание 2) обозрение, обзор
समेकित		интегрированный
साभा	म.	товарищество; компания
सार्थक		значимый; имеющий смысл, значение
सुपुर्द		1) порученный 2) врученный, переданный
हडताल	ज.	забастовка, стачка
हाइड्रोकार्बन	म.	углеводород

Комментарий टिप्पणियां

१. प्रति-व्यक्ति आबंटन – ассигнования на душу населения.
२. अनुदान कोष – фонд помощи.
३. सुस्पष्ट एवं पारदर्शी दृष्टिकोण – структурированный и прозрачный подход.
४. असांविधिक संसाधनों का अंतरण – не установленные законом переводы денежных средств.

५. 'हीलिंग टच' नीति – политика урегулирования проблем (healing touch – лечащее прикосновение).

६. पूर्वोत्तर परिषद – Совет по северо-восточным территориям.

७. विस्तृत रूपरेखा (ब्लू-प्रिंट) – детальный план.

८. ई-गवर्नेंस (E-Governance) – электронное руководство. Одна из основных задач электронного руководства состоит в том, чтобы способствовать развитию и использованию Интернета для совершенствования процессов руководства государством и выработки политики.

९. लोकपाल बिल (the Lok Pal Bill) – the Indian Lokpal is synonymous to the institution of Ombudsman existing in Scandinavian countries. *Ombudsman* is a Swedish word that stands for “an officer appointed by the legislature to handle complaints against administrative and judicial action.” Ombudsman though appointed by the legislature, is an independent functionary – independent of all the three organs of the state, but reports to the legislature. Ombudsman can look into allegations of corruption as well as mal-administration.

१०. नियामक संस्थाएं – регулирующие институты.

११. राष्ट्रीय विनिर्माण प्रतिस्पर्धात्मक परिषद – Государственный совет по конкурентоспособности промышленности.

१२. आई.टी.हार्डवेयर (IT hardware) – аппаратное обеспечение.

१३. प्रबंधकीय स्वायत्तता – управленческая автономия.

१४. कर्मचारी भविष्य निधि (ई.पी.एफ.) (Employers Provident Fund -EPF) – Фонд занятости населения.

१५. ईपीएफ बोर्ड – Совет директоров фонда.

१६. एल.आई.सी. (Life Insurance Company – LIC) – Компания страхования жизни.

१७. जी.आई.सी. (General Insurance Company – GIC) – Компания общего страхования.

१८. ताडी निकालने वाले लोग (Toddy Tappers) – сборщики пальмового сока.

१९. वनरोपण मजदूर – рабочие плантаций лесопосадок.

२०. बीडी कामगार – сборщики табачных листьев.

२१. “आटोमेटिक हायर एण्ड फायर” का विचार – политика механического найма и увольнения рабочих.

२२. “नवरत्न” कंपनियां – слово “नवरत्न” переводится как “9 драгоценных камней”, это – алмаз, рубин, изумруд, красный коралл, натуральный жемчуг, сапфир, гранат, топаз и кошачий глаз. Компании, входящие в список “नवरत्न”, являются предприятиями государственного сектора (public sector enterprises PSEs), опорой экономики (pillars of the economy). В этот список входят: 1) Indian Oil Corporation Ltd. (IOCL) и еще 2 нефтяные компании; занимает 257-е место среди 500 мировых нефтяных компаний, согласно журналу “Fortune’s Global”; 2) Bharat Petroleum Corporation Ltd. (BPCL); 3) Hindustan Petroleum Corporation Ltd. (HPCL); 4) Oil and Natural Gas Corporation Ltd. (ONGC) является премьер-компанией по разведке нефти и производству нефти-сырца. 5) Steel Authority of India Ltd. (SAIL) – крупнейшее сталелитейное предприятие; 6) Indian Petrochemicals Corporation Ltd. (IPCL) – крупнейшая нефтехимическая корпорация; 7) Bharat Heavy Electricals Ltd. (BHEL) – крупнейший производитель энергетического оборудования; 8) National Thermal Power Corporation (NTPC) производит 1/4 часть электроэнергии Индии; 9) Videsh Sanchar Nigam Ltd. (VSNL) – единственный провайдер международной телефонной связи.

२३. विधि-सम्मत देय राशि और मुआवजा (legitimate dues and compensation) – положенные по закону выплаты и компенсации.

२४. सेवा क्षेत्र कराधान का एकीकरण करना – интеграция службы региональных налогов.

२५. मूल्यवर्द्धित कर प्रणाली (वैट) (VAT) – налог на добавленную стоимость – НДС.

२६. काला धन और परिसम्पत्तियां (black money and assets) – “черная” бухгалтерия.

२) क्यों खास बल जम्मू-कश्मीर तथा पूर्वोत्तर राज्यों के विकास पर दिया गया है ?

३) भारत की अर्थव्यवस्था के लिये औद्योगिक विकास का महत्व क्या है ?

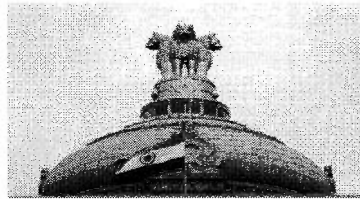
४) सार्वजनिक क्षेत्र का अभी भी महत्व कम नहीं हुआ, क्यों ?

५) विदेश नीति तथा अंतर्राष्ट्रीय संगठनों में भागीदारी भारत की प्राथमिकताओं में से है। इसके बारे में बताइये ।

Упражнение 2. Переведите следующие слова и словосочетания.

अभ्यास २. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमुदायों का अनुवाद कीजिये ।

अनुसूचित जनजातियों के युवाओं की आकांक्षाओं को पूरा करना, अल्पसंख्यक व्यावसायिक संस्थाओं के केन्द्रीय विश्वविद्यालयों से सीधे सम्पर्क, जल-मल व्ययन और स्वच्छता, रेल की पटरियों के नवीकरण तथा सुरक्षा के लिये सार्वजनिक निवेश, मलिन बस्तियों को जबर्दस्ती खाली करवाना, जल-बंटवारे से संबंधित अन्तर्राष्ट्रीय विवाद, ई-गवर्नेंस का बड़े पैमाने पर चालू होना, स्वतंत्र और निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा, सूचना प्रौद्योगिकी का हार्डवेयर, सार्वजनिक क्षेत्र की बीमार कंपनियां, जीर्ण प्रतिष्ठानों का आधुनिकीकरण, राष्ट्रीयकृत बैंकों को पूंजी बाजार में प्रवेश करने के लिये प्रोत्साहित करना, संसाधन जुटाना, राजस्व घाटे को दूर करना, मूल्यवर्द्धित कर प्रणाली, दोहरा कराधान, बौद्धिक सम्पदा.



Упражнение 3. Дайте хинди-эквиваленты следующих слов и выражений.

अभ्यास ३. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमूहों के हिंदी पर्याय दीजिये ।

выселение (निष्कासन) аборигенных племен из лесных районов – мест их проживания, железные дороги и транспорт как важная часть инфраструктуры, ликвидировать региональный дисбаланс, долговое бремя, закон о праве на информацию, прямые иностранные инвестиции, социальное обеспечение, давать полную управленческую свободу прибыльным компаниям, обеспечивать полную прозрачность приватизации, ставить цель избавления человечества от ядерного оружия, энергетическая безопасность, выступать за многополярный мир, в области защиты окружающей среды.

Упражнение 4. Переведите следующие экономические понятия.

अभ्यास ४. आर्थिक शब्दावली ।

प्रतिपूरक राजकोषीय नीति – compensatory fiscal policy

राष्ट्रीय आय एवं रोजगार में उतार-चढ़ाव को कम करने के लिये सरकारी वित्त का प्रबंधन । इस नीति में घाटे तथा बेशी (прибыль, доход) दोनों ही प्रकार के वित्तीयन को सम्मिलित करके राष्ट्रीय आय के स्तर को ऊंचा उठाकर रोजगार के स्तर को उठाने का प्रयास किया जाता है । वांछित संतुलन को लाने के लिये कराधान और सरकारी व्यय दोनों का ही सहारा लिया जाता है । अवस्फीति (деफ्ल्याция) की स्थिति में जब गैर सरकारी व्यय अथवा निवेश गिर जाता है तब सरकार इसकी पूर्ति के लिये या तो सरकारी व्यय को बढ़ाती है या कराधान को कम करती है या दोनों ही उपाय करती है ताकि उपभोक्ताओं की आय बढे और व्यापार को प्रोत्साहन मिले । स्फीति (рост, возрастание) के दौरान सरकार राजकीय व्यय को

कम करती है और जहां तक संभव हो सके करों को बढ़ाती है या दोनों उपाय करती है ।

Упражнение 5. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ५. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

१. स्वास्थ्य-सुरक्षा के क्षेत्र में समाज के निर्धनतम वर्गों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है, जीवन-रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने के सभी उपाय किये जा रहे हैं ।

२. अधिक खपत वाली महत्वपूर्ण दवाओं के उत्पादन के लिये गठित सरकारी क्षेत्र की यूनिटों को पुनर्जीवित करने की संभाव्यता की फिर से जांच की जाएगी ताकि दवाओं की कीमतों में कमी की जा सके और उन पर नियंत्रण रखा जा सके ।

३. सरकार द्वारा विशेषकर देश के पिछड़े और पारिस्थितिकीय रूप से कमजोर क्षेत्रों में स्व-सहायता समूहों पर आधारित लघु वित्त योजनाओं का बड़े पैमाने पर विस्तार करने का लक्ष्य रखा गया है ।

४. भारत सरकार इस बात के लिये प्रतिबद्ध है कि परिवार नियोजन के क्षेत्र में कुछ दक्षिणी और अन्य राज्यों द्वारा प्राप्त सफलता को पूरे देश में दोहराया जाए । उच्च जन्म दर वाले लगभग 150 जिलों में एक सघन लक्षित (sharply targeted-жесткий) जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम चलाया जायेगा ।

५. प्रशासन आर्थिक प्रगति तथा पर्यावरण संरक्षण के लक्ष्यों में सामंजस्य बैठाने के सभी प्रयास करेगा, विशेषकर उन मामलों में जहां पर आदिवासी समुदाय वनों पर निर्भर हैं ।

६. देश विभिन्न राज्यों में बढ़ रही चरमपंथी हिंसा तथा अन्य प्रकार की आतंकवादी गतिविधियों से चिंतित है । यह केवल कानून और व्यवस्था की समस्या नहीं है बल्कि यह बहुत गहरा सामाजिक-आर्थिक मुद्दा है ।

७. आदिवासी क्षेत्रों के विकास हेतु समग्र रणनीति तथा कार्यक्रमों का पुनरीक्षण किया जायेगा ताकि इनमें खामियों को दूर किया जा सके और जीविकोपार्जन संबंधी अधिक व्यवहार्य रणनीतियां बनाई जा सकें ।

८. विकास परियोजनाओं के कारण विस्थापित आदिवासियों तथा अन्य समूहों के लिये राहत (помощь при чрезвычайных ситуациях) और पुनर्वास की अधिक कारगर व्यवस्था की जायेगी । जिन आदिवासियों को जमीन छोड़नी पड़ी है, उनका पुनर्वास किया जायेगा ।

९. शहरी विकास और कस्बों एवं शहरों में सामाजिक आवासों के व्यापक विस्तार के लिये एक विस्तृत कार्यक्रम तैयार किया गया है जिसमें भुग्गी (хижина, лачуга) बस्तियों में रहने वालों की जरूरतों पर विशेष ध्यान दिया जायेगा ।

१०. शहरों में विशेषकर दक्षिण राज्यों में पेयजल की अत्यधिक कमी को दूर करने के लिये चेन्नाई से लेकर पूरे कोरोमंडल तट के साथ-साथ विलवणीकरण (опреснение) संयंत्र स्थापित किये जायेंगे ।

Упражнение 6. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ६. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

1. По мнению правительства, несмотря на то что разрыв между спросом и предложением в таких областях, как телекоммуникации, дорожное и портовое хозяйство, в последнее время сокращается, сохраняющаяся неадекватная (अपर्याप्त) доступность (उपलब्धता) всех этих средств обслуживания продолжает препятствовать экономическому росту.

2. Инвестиции в инфраструктуру совершенно не соответствуют реальным запросам, а частный сектор в отсутствие соответствующих условий не способен компенсировать (पूर्ति करना) уменьшение государственных расходов на инфраструктуру.

3. В Национальной общей программе-минимум правительство придаёт первостепенную важность прогрессу в социальной области.

4. Среди основных проектов, выполнение которых было начато в 2004 году, – Национальная программа «Продовольствие в обмен на работу» в 150 наиболее отсталых районах.

5. Были приняты Национальная программа гарантированного трудоустройства на селе, такие плановые программы, как схема элементарного (मौलिक) здравоохранения, программа льгот для ускоренной ирригации, строительство водопроводов и дорог, новая всеобщая схема страхования (बीमा) здоровья для бедняков.

6. Для достижения целей программы-минимум необходимо сосредоточить свои усилия на увеличении инвестиций в сельское хозяйство и смежные с ним отрасли.

7. Первостепенное значение имеет увеличение инвестиций в инфраструктуру, мобилизация ресурсов (संसाधनों का जुटाव) и участие частного сектора в развитии инфраструктуры.

8. Инициативы, предпринятые в ряде таких отраслей, как телекоммуникации, строительство дорог и портов, гражданская авиация (नागरिक उड्डयन), также должны дать свои результаты и благоприятно повлиять на экономический рост.

Источник: материалы Международного экономического форума «Россия и Индия: стратегическое партнерство в XXI веке» URL: <http://www.rus-ind.ru/economic/>

Упражнение 7. Изложите на хинди содержание статьи.
अभ्यास ७. इस लेख को हिन्दी में सुनाइये ।

**«Индия ясно видит своё место в глобальном мире
и уверенно идёт к намеченной цели»**

(2008 год был объявлен в Индии Годом России. В связи с этим посол Индии в России г-н Прабхат Шукла ответил на

вопросы главного редактора журнала «Российская Федерация сегодня» г-на Юрия Хренова. Ниже приводятся ответы г-на П. Шуклы).

...У нас есть Акт о трудовых спорах, который предусматривает определенный порядок увольнения работника. Но некоторые считают, что действие этого документа сдерживает вложение предпринимателями своих капиталов в таких зонах...

Правительство в этом вопросе старается быть активным, потому что иначе это оборачивается для него неприятностями. В качестве иллюстрации такой пример. Наша экономика в начале 2000-х годов находилась на подъёме, но в 2004 году на выборах правящая партия проиграла, хотя в тот год прирост ВВП составил 8 процентов. Почему же власть поменялась? Аналитики считают: это произошло потому, что правительство не обеспечило должным образом социальные права граждан. Власть должна была и бедных включить в процесс экономического роста. А этого не случилось. И сегодня, по мере возрастания веса частных компаний, встаёт вопрос, какую роль они должны играть в решении социальных проблем...

Необходимо партнёрство государства и бизнеса. Формула такого партнёрства в окончательном виде пока еще не найдена. Но сегодня действуют так: государство резервирует на предприятиях частного сектора рабочие места. На нынешнем этапе 22,5 процента мест предложено выделять для выходцев из бедных каст. Такой порядок зафиксирован в законах и является обязательным для госпредприятий. В парламенте сейчас обсуждается вопрос, почему бы не сделать это обязательным и для частных компаний...

Каким видится будущее Индии? На протяжении жизни одного поколения мы должны превратить нашу страну в передовую научно-техническую державу. В начале этого века ставилась задача удвоения дохода на душу населения к 2010 году. Она уже успешно решена. Сегодня наш министр финансов выдвигает задачу очередного удвоения подушевого дохода к 2020 году. Сейчас ежегодный прирост ВВП в нашей стране 9 процентов. Мы намерены сохранить темпы роста и в дальнейшем.

Ещё одна цель: сделать Индию супердержавой знаний, развивать наукоёмкие технологии. Я думаю, что мир уже может признать нас такой страной. Ведь в Индии более 300 вузов и 15 тысяч колледжей. Каждый год технические вузы у нас заканчивают полмиллиона человек. Общеизвестны достижения Индии в области информационных технологий. Американские, немецкие, итальянские компании делают аутсорсинг в нашей стране. Это им выгодно и нам выгодно. Если компания тратит 1 доллар на аутсорсинг, она получает 2 доллара. Российским компаниям, я думаю, это тоже было бы выгодно, потому что не приведёт к уменьшению у них рабочих мест, ведь это не обрабатывающая промышленность, а услуги. Мы были бы рады, если бы ваши бизнесмены обратили внимание на этот наш рынок.

(Продолжение в следующем уроке)

(трудовые споры – श्रम विवाद, увольнение – बर्खास्तगी, вес – प्रभाव, зафиксировать – अंकित करना, рабочие места – काम के स्थान, рोजгार, видение – विजन, общепризнанный – सर्वस्वीकृत, бизнесмен – व्यवसायी).

*(Адаптировано по: Беседа 2-на П. Шуклы с Ю. Хреновым в редакции журнала «Российская Федерация сегодня».
URL: http://www.russia-today.ru/2008/no_06/06_meetings.htm)*

Упражнение 8. Переведите статью на русский с листа. Перескажите на хинди.

अभ्यास ८. मौखिक रूप से अनुवाद करके अपने शब्दों से इस लेखांश को सुनाइये ।

जितना किया उससे ज्यादा कर सकते थे मनमोहन

...निःसंदेह भारत का माध्यम वर्ग बढ़कर पैंतीस करोड हो गया है किंतु दो करोड लोग दयनीयता (тяжёлое положение) की पराकाष्ठा पर हैं । सरकार की अपनी प्रकाशित रिपोर्ट में, जो इस वर्ष के प्रारंभ में प्रकाशित हुई थी, कहा गया है कि

सत्तर प्रतिशत से अधिक लोग एक डालर दैनिक से भी कम पर निर्वाह करते हैं। उनके लिये इस विकास अथवा प्रगति का क्या अर्थ जब अनुमानतः सत्तर प्रतिशत लोग बुनियादी जरूरतों की पूर्ति से भी वंचित हों ? उन्हें यदि अपने अंधेरे घरों के लिये एक अदद (единица) बिजली का बल्ब नहीं उपलब्ध कराया जा सका तो नहीं सही कम से कम स्वच्छ पेय जल तो उपलब्ध करा दिया जाता !

मनमोहन सिंह के वित्त मंत्री पी. चिदम्बरम ने एक प्रेस इंटरव्यू में कहा है कि उनके सत्ता में आने से पहले भी निर्धनता कम चिंताजनक नहीं थी। यह सच है परंतु तब मनमोहन सिंह ने जीडीपी का तीन प्रतिशत स्वास्थ्य पर व्यय किये जाने का वादा किया था। यह एक प्रतिशत के आसपास ही है, जो पाकिस्तान से भी कम है। शिक्षा के क्षेत्र में भी कार्य निष्पादन लक्ष्य के अनुरूप नहीं रहा है, हालांकि पहले की अपेक्षा गत वर्ष सरकार ने बेहतर कार्य किया है।

जब मनमोहन सिंह वित्त सचिव और तदुपरांत योजना आयोग के उपाध्यक्ष थे तो उन्होंने भारत की विदेशी मुद्रा जरूरतों के लिये धन जुटाने को हर द्वार खटखटाया था। हाल ही में दिल्ली में रिजर्व बैंक के पूर्व गवर्नर विमल जालान ने एक संगोष्ठी में यह टिप्पणी की थी कि इतिहास में पहली बार निर्धनता और वंचना की युगों पुरानी समस्याओं को हल करने के लिये पर्याप्त पूंजी, जनशक्ति और टेक्नालोजिकल विशेषज्ञता हैं।

इसके बावजूद, अभी भी देश में ऐसे हैं जो निर्धनता रेखा से भी कम पर रह रहे हैं और उससे उबर नहीं पाए हैं व पुरानी जकडन में ही फंसे हैं। आखिर ऐसा क्यों ?

साफ-साफ निष्कर्ष यह है कि नीतियों का निर्धारण प्रधानमंत्री के कार्यालय और योजना भवन के शीत-ताप नियंत्रित (с кондиционированным воздухом) कक्षों में किया जाता है। वे जमीनी जन आकांक्षाओं के अनुरूप नहीं होतीं। मनमोहन

Упражнение 10. Переведите на хинди.
अभ्यास १०. हिन्दी में अनुवाद कीजिये ।

Россия

После финансового кризиса 1998 года экономика России растет со средней скоростью 6,5% в год, при этом прирост ВВП за 2007 год оценен Федеральной службой государственной статистики в 8,1% в год. Хотя значительная часть экономических успехов связана с высокими ценами на нефть и девальвацией (अवमूल्यन) рубля, тем не менее начиная с 2000 года всё возрастающую роль в росте экономики играют инвестиции и увеличение потребительского спроса. За последние пять лет инвестиции растут со средней скоростью 10% в год, а реальное благосостояние увеличивается на 12% в год.

Движущей силой развития российской экономики являются добыча и экспорт полезных ископаемых, в основном нефти, газа и металлов. В 2007 году на минеральные продукты, металлы, драгоценные камни и изделия из них пришлось 80,8% от общей структуры российского экспорта, рост которого по сравнению с предыдущим годом составил 17%.

Высокая зависимость экономики страны от сырьевого сектора предопределяет уязвимость (संवेदनशीलता) страны от падения мировых цен на сырьевые ресурсы.

По сравнению с кризисом 1998 года существенно уменьшился внешний долг страны (с 90% ВВП до 8% ВВП), а по принятому трехлетнему бюджету к концу 2010 года государственный долг должен сократиться до 2,5% от ВВП. Значительный по объёму экспорт нефти позволил поднять резервы ЦБ с 12 млрд долларов в 1998 году до 597,5 млрд в августе 2008 года. Эти достижения в сочетании с мерами правительства по реализации структурных реформ укрепили уверенность бизнеса и инвесторов в перспективах российской экономики.

*(Илья Илюхин. Городская банковская газета. № 8 (30).
Сентябрь 2008. URL: [http:// www. BANKER..RU](http://www.BANKER..RU))*

Упражнение 11. Составьте резюме на хинди нижеследующей статьи.

अभ्यास ११. इस लेखांश का हिन्दी में सार लिखिये और कक्षा में सुनाइये ।

Может ли слон танцевать с драконом?

Береговая линия Кералы на юго-западе Индии усыпана рыболовными сетями китайского типа, а любимым котелком для варки пищи у домохозяйек малаяли является вок, на местном наречии называемый чин-четти (китайское судно).

Но прошло уже немало времени с тех пор, как у индийцев и китайцев сложилось много общего. Пьянящие дни Hindi-Chini bhai-bhai («индийцы и китайцы – братья») – лозунг, придуманный Индией во времена Неру, чтобы приветствовать в 1955 году Джоу Энь Лая – уступили место унижениям приграничной войны 1962 года, после которой отношения между странами в течение многих десятилетий можно было охарактеризовать как «индийцы и китайцы bye-bye».

Пограничный спор остается нерешенным, и появились новые раздражители вроде антикитайских протестов тибетских эмигрантов, получивших убежище в Индии. Говорить о двустороннем «дефиците доверия» было бы, по крайней мере, преуменьшением.

Тем не менее есть и хорошие новости. Каждый из последних трех лет торговля удваивалась, составив приблизительно 40 миллиардов долларов в этом году; Китай сегодня догнал США в качестве крупнейшего торгового партнера Индии. Процветает туризм, особенно со стороны индийских паломников, в главные индусские святыни в Тибете – гору Кайлаш и озеро Мансаровар.

Индийские фирмы, занимающиеся информационными технологиями, открыли свои офисы в Шанхае и Ханчжоу, а Infosys в этом году взял на работу девять китайцев в свою штаб-квартиру в Бангалоре. В индийских компьютерных фирмах и инженерных компаниях работает (и обучается) множество китайских инженеров, в то время как индийские инженеры

по программному обеспечению оказывают поддержку китайскому изготовителю телекоммуникационного оборудования – компании Huawei.

В общем и целом Индия сильна в тех областях, где Китаю необходимы усовершенствования, особенно в программном обеспечении, в то время как Китай превосходит Индию в аппаратных средствах и производстве, которых ей так недостает. Так, индийская компания Mahindra and Mahindra изготавливает в Наньчане тракторы для экспорта в США... Philips нанимает почти 3 000 индийцев в свой «городок инноваций» в Бангалоре, чтобы создавать в нем более 20% глобального программного обеспечения компании, которое 50 000 китайцев, работающих на Philips, затем превратят в фирменные товары.

Другими словами, слон уже танцует с драконом. Единственный вопрос – не получится ли так, что напряженные политические отношения начнут играть такую музыку, что танец придется остановить. Нет сомнения, что, каковы бы ни были различия между политическим режимом Индии и коммунистическим режимом Китая, во взаимном сотрудничестве заинтересованы оба народа. В конце концов, один и один – это не только два; если скомпоновать эти цифры правильным образом, то можно получить и 11.

(котелок – बर्तन, судно – पोत, унижение – अपमान, раздражитель – नाराजगी पैदा करने वाला, эмигрант – प्रवासी, уменьшение – कम करके देखना, туризм – पर्यटन, паломник – तीर्थयात्री, штаб-квартира – प्रधान कार्यालय, программное обеспечение – सॉफ्ट वेयर, оборудование – उपकरण, компоновать – जोड़ना).

(Адаптировано по: Шаши Тхарур – известный писатель и обозреватель, бывший заместитель Генерального секретаря ООН Project Syndicate, 2008). URL: <http://www.project-syndicate.org>



Упражнение 12. Выполните двусторонний перевод интервью.

अभ्यास १२. इंटरव्यू का द्विपक्षीय अनुवाद कीजिये ।

बीबीसी हिन्दी सेवा के विशेष कार्यक्रम “एक मुलाकात” में “हाट मेल” सबीर भाटिया से जिन्होंने बिजनेस की दुनिया में बड़ा जबरदस्त नाम कमाया है, बातचीत हुई थी ।

संजीव श्रीवास्तव, भारत संपादक
बीबीसी हिंदी सेवा, 27 अक्टूबर 2007
(अगला भाग)

— Вернемся вновь к теме “hot mail”. У Вас появилась новая идея открыть свою компанию, и Вы её открыли. Как долго Вы ею руководили?

— कंपनी शुरू हुई 14 फरवरी, 1996 को और दिसंबर, 1997 को बेच दी । दो साल से भी कम चलाई कंपनी ।

— В какой момент из этих двух лет начались переговоры о продаже компании?

— अक्टूबर, 1997 में बातचीत शुरू हो गयी थी । जब सौदा हुआ तो मेरी उम्र केवल 28 साल थी । मुझे विश्वास ही नहीं हुआ कि इतने कम समय में एक कंपनी इतनी बड़ी हो गयी ।

— Встречались ли Вы во время переговоров с Биллом Гейтсом?

— 13 अक्टूबर, 1997 को पहली बार गेट्स से मिला था।

— Когда Вы встретились с Биллом Гейтсом, каким он Вам показался?

— पहले तो मैं काफी डर गया कि बिल गेट्स से मिलना है जो दुनिया के सब से अमीर आदमी हैं और सोफ्ट वेयर की

दुनिया के बादशाह हैं । पहले तो मैं बहुत नर्वस था लेकिन 15 मिनट बाद सब कुछ सामान्य हो गया, जैसा कि मैंने पहले भी कहा, बड़े और सफल लोग भी हमारी और आपकी तरह ही होते हैं । उसके बाद हमारी काफी बातें हुईं और बाद में दोस्ती भी हो गयी ।

— **Было ли в Билле Гейтсе что-нибудь такое, что говорило бы о том, что он самый богатый человек на земле?**

— नहीं, देखने से ऐसा कुछ भी नहीं लगता है । यह है कि दिमाग उनका काफी तेज था और उन्होंने हाटमेल के बारे में कई रोचक सवाल पूछे ।

— **Хорошо, скажите тогда вот о чем. Тот факт, что Вы индеец по происхождению, помог ли Вам показать себя хорошим торговцем во время переговоров или же, наоборот, помешал?**

— यह ऐसी चीज है जिसका भारतीय और गैरभारतीय या फिर संस्कृति से कोई संबंध नहीं है । इसका सिर्फ इससे मतलब होता है कि आप इसे कितना तौलते हैं और सामने वाले के लिये इसका क्या महत्व है । मुझे यह पता था कि माइक्रोसाफ्ट के एमएसएन (MSN) में एक विश्वस्त वेब मेल नहीं था और वे ऐसी कंपनी ढूढ रहे थे जिसके पास यह हो । हम वेब मेल के क्षेत्र में सबसे आगे थे और हमें यही पता लगाना था कि हमारी सबसे आगे वाली इस स्थिति का उनके लिये क्या महत्व था । फिर एक सीमा होती है जिसके आगे वे देने के लिये तैयार नहीं होते ।

उन्होंने जब शुरूआत तो 160 मिलियन डालर से की तो मुझे लगा कि यह काफी कम है । इसके बाद मैं काउंटर ऑफर (counter offer – встречное предложение) 750 मिलियन डालर का किया । हालांकि मुझे भी पता था कि यह बहुत ज्यादा था । फिर एक समयसीमा भी थी कि उस साल के बाद

यह सौदा नहीं हो सकता था । इसलिये आखिर में हम भी कुछ नीचे आये और वह कुछ आगे बढे । मेरा मानना है कि 400 मिलियन डालर से ज्यादा तक इस सौदे को कोई भी नहीं ले जा सकता था ।

(शेष अगले पाठ में)

Упражнение 13. Напишите на хинди сочинение на тему:
“Школьное и высшее образование для представителей зарегистрированных каст и племен ” (объем – 2 страницы)
अभ्यास १३. “जातियों व जनजातियों के प्रतिनिधियों के लिये स्कूली और उच्च शिक्षा प्राप्त करने की संभावना” विषय पर छोटा सा निबंध लिखिये ।

Тесты टेस्ट

Тест 1. Выберите правильный вариант ответа.

टेस्ट १. सही जवाब चुनिये ।

१. सामाजिक सद्भाव कायम करने के लिये धर्मनिर्पेक्षता का महत्व बढता रहता है, यह सही है ?

(१. जी नहीं, धर्मनिर्पेक्षता लोगों के मन को चोट पहुंचाती है । २. जी हां, धर्मनिर्पेक्षता से रूढिवादी तथा कट्टरपंथी तत्वों का सामना करने में मदद मिलती है । ३. धर्मनिर्पेक्षता धर्मनिष्ठा के साथ-साथ अस्तित्वमान होना चाहिये) ।

२. भारत सरकार ने क्यों सांप्रदायिकीकरण को रोकने का आह्वान किया है ?

(१. क्योंकि पिछले समय में स्कूली पाठ्यक्रमों का जो सांप्रदायिकीकरण हुआ है इससे सामाजिक सौहार्द तथा शांति भंग होती है । २. क्योंकि सांप्रदायिकीकरण से सामाजिक सद्भाव पैदा

होता है । ३. क्योंकि सांप्रदायिकीकरण से नौजवान लोगों का दृष्टिकोण विस्तृत हो जाता है) ।

३. भारत में अनेक लोग सार्वभौमिकीकरण को स्वीकार नहीं करते हैं, क्यों ?

(१. वे सोचते हैं कि दूसरे विकसित राज्य भारत का आर्थिक दोहन करते रहेंगे । २. क्योंकि वैश्विक तथा भारतीय कंपनियों के बीच असमान प्रतियोगिता का महौल पैदा होगा । ३. क्योंकि विश्व बाजार में भारतीय कृषि उत्पाद आने में बाधाएं डाली जाती हैं) ।

Тест 2. Выберите правильный термин из трех вариантов.

टेस्ट २. ठीक शब्द चुनिये ।

१. किसान को लाभ मिलने के लिये उसकी कृषि पैदावार का अच्छा ... उपलब्ध होना चाहिये ।

1. विपणन
2. सिंचाई-व्यवस्था
3. ग्रामीण सहकारिता

२. कृषि उत्पाद जल्दी खराब न होने देने के लिये ... का विकास अत्यंत महत्वपूर्ण है ।

1. कृषि प्रसंस्करण
2. निर्यात
3. भंडारण

३. मानव अधिकारों का पालन करने का एक महत्वपूर्ण भाग बाल-श्रम का ... है।

1. प्रयोग
2. उन्मूलन
3. बिक्री

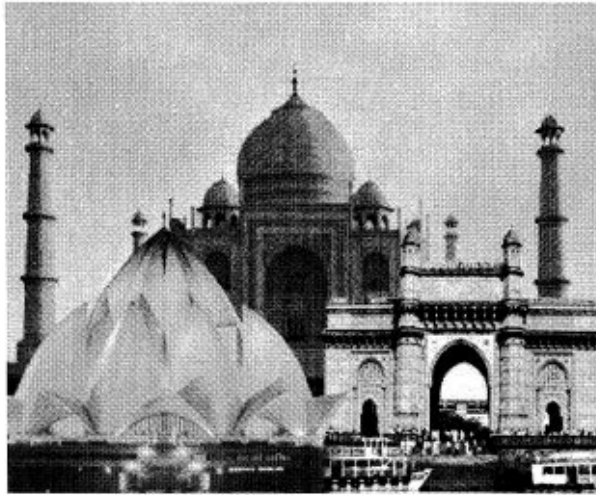
Тест 3. Заполните пропуски словами из списка, данного в скобках.

टेस्ट ३. रिक्त स्थान उचित शब्द से भरिये ।

१. भूमि सुधार जैसे प्रगतिवादी कानूनों को बनाने के लिये ... की जरूरत है । (राजनैतिक निर्णय, ईमानदारी, नियंत्रण, जिम्मेदारी, निजी स्वामित्व) ।

२. सार्वजनिक वितरण प्रणाली ... के बंटवारे के लिये स्थापित की गयी । (खाद्यान्न, मशीनें व उपकरण, खनिज भंडार, आभूषण, रिहायशी मकान) ।

३. विवेकपूर्ण नीति ऐसी नीति है अगर ... को मानव विकास की दृष्टि से प्राथमिकता दी जाये । (सामाजिक सेवाएं, सांस्कृतिक कार्यक्रम, सड़क परिवहन, आयात, एकबारगी आर्थिक सहायता) ।



Тема 3
तीसरा विषय

Реализация правительством ОПА
Общей программы-минимум
भारत सरकार द्वारा
राष्ट्रीय न्यूनतम साक्षा कार्यक्रम का कार्यान्वयन

Урок 5
पाठ ५
(कृषि)
Тексты
टेक्स्ट

सरकार को इस बात का गर्व है कि राष्ट्रीय न्यूनतम साक्षा कार्यक्रम में किये गये आधे से अधिक विशिष्ट वायदों को पूरा कर लिया गया है (मई, 2004 से फरवरी, 2005 तक की अवधि) और कई अन्य वायदों को पूरा करने के लिये कार्रवाई जारी है ।

राष्ट्रीय न्यूनतम साक्षा कार्यक्रम की सात प्राथमिकताएं

राष्ट्रीय न्यूनतम साक्षा कार्यक्रम से प्राथमिकता वाले सात क्षेत्रों की पहचान हुई है जिन पर विशेष ध्यान दिया जाना है । ये क्षेत्र हैं – कृषि, जल, शिक्षा, स्वास्थ्य की देखभाल, रोजगार, शहरों को नया स्वरूप प्रदान करना और बुनियादी ढांचे का विकास । ये सात क्षेत्र उस विकास रूपी सेतु के स्तंभ हैं जिससे आर्थिक विकास की ऊंची दर और समानता पर आधारित सामाजिक तथा आर्थिक विकास सुनिश्चित किया जा सकता है ।

स्वतंत्रता दिवस, 15 अगस्त 2004 पर प्रधान मंत्री के भाषण में नीतिगत कार्रवाई हेतु प्राथमिकता वाले सात क्षेत्र निर्धारित हैं:

- कृषि – "ग्रामीण भारत के लिये एक नयी पहल"
- बुनियादी ढांचा – "विश्वस्तरीय विकास"

- रोजगार – "रोजगार बढ़ाओ"
- शिक्षा – "सभी के लिये शिक्षा और उत्कृष्ट शिक्षा"
- स्वास्थ्य देखभाल – "क्षमताओं का सृजन"
- जल – "बेहतर पहुंच और बेहतर उपयोग"
- शहरों का नया रूप – "मानवीय और आधुनिक" ।

कृषि और खाद्य प्रबंधन

कृषि की भारतीय अर्थव्यवस्था में बराबर महत्वपूर्ण भूमिका रही है, भले ही राष्ट्र के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में इसका योगदान घटता रहा है । इस क्षेत्र की रोजगार तथा आजीविका सृजन में काफी अधिक भागीदारी है । सकल घरेलू उत्पाद में कृषि की भागीदारी निरन्तर घटती रही है जो 1982-83 में 36.4 प्रतिशत से घटकर 2006-07 में 18.5 प्रतिशत रह गयी । इसके बावजूद, कृषि ने आधे अरब से अधिक आबादी को निरन्तर सहायता प्रदान की है और कार्यबल के 52 प्रतिशत को रोजगार मुहैया कराया है । यह कच्ची सामग्री का भी महत्वपूर्ण स्रोत है और विशेषतः उर्वरक, कीटनाशकों तथा कृषि उपस्करों के कई उद्योगों का मांग स्रोत रहा है । कृषि का विकास गैर-कृषि क्षेत्रों में विकास की अपेक्षा बराबर कम रहा है। कृषि तथा गैर-कृषि क्षेत्र के बीच विकास का अन्तर वर्ष 1981-82 से व्यापक होना प्रारम्भ हुआ और यह विशेष रूप से 1996-97 से और अधिक व्यापक हुआ जबकि कृषि विकास में मंदी के साथ उद्योग तथा सेवा क्षेत्रों के विकास में मंदी देखी गयी ।

कृषि उत्पादन और खाद्य उपलब्धता

कृषि क्षेत्र में विकास यद्यपि गैर-कृषि क्षेत्र की तुलना में कम रहा, इसके बावजूद जनसंख्या विकास की तुलना में यह अधिक था । खाद्यान्नों का उत्पादन 1950-51 और 2006-07 के बीच जनसंख्या की बढ़ोतरी की तुलना में 2.5 प्रतिशत की औसत वार्षिक दर से बढ़ा । परिणामस्वरूप भारत खाद्यान्न

मामले में लगभग आत्मनिर्भर हो गया और वर्ष 1976-77 से 2005-06 के दौरान विशेष परिस्थितियों को छोड़कर, खाद्यान्न का शायद ही कोई आयात किया गया। तथापि, खाद्यान्नों के उत्पादन की बढ़ोतरी दर वर्ष 1990-2007 के दौरान 1.2 प्रतिशत गिर गयी जो जनसंख्या के औसतन 1.9 प्रतिशत की वार्षिक बढ़ोतरी दर की तुलना में कम है। इसलिये अनाज तथा दालों की प्रति व्यक्ति उपलब्धता में इस अवधि के दौरान गिरावट देखी गयी। अनाजों की खपत 1990-91 में प्रतिदिन 468 ग्राम प्रति व्यक्ति के शीर्ष से गिरकर वर्ष 2005-06 में प्रतिदिन 412 ग्राम प्रति व्यक्ति हो गयी जो इस अवधि के दौरान 13 प्रतिशत की गिरावट दर्शाता है। इसी अवधि के दौरान दालों की खपत प्रतिदिन 42 ग्राम प्रति व्यक्ति (वर्ष 1956-57 में 72 ग्राम) से घटकर प्रतिदिन 33 ग्राम प्रति व्यक्ति हो गयी।

वर्ष 2006-07 तथा 2007-08 में कृषि उत्पादन

वर्ष 2006-07 में खाद्यान्न का समग्र उत्पादन 217.3 मिलियन टन अनुमानित था जो 2005-06 की तुलना में 4.2 प्रतिशत की बढ़ोतरी प्रदर्शित करता है। यह 2006-07 में निर्धारित लक्ष्य की तुलना में 2.7 मिलियन टन तक कम था (1.2 प्रतिशत)। वर्ष 2006-07 में उत्पादन में वृद्धि मुख्यतः गेहूं के उत्पादन में 6.5 मिलियन टन (9.3 प्रतिशत) और दालों में 0.8 मिलियन टन (6 प्रतिशत) के उच्च उत्पादन के कारण हुई। तिलहनों के उत्पादन में वर्ष 2005-06 के उत्पादन की तुलना में गिरावट हुई (3.7 मिलियन टन अथवा 13 प्रतिशत)।

तथापि, खाद्य भिन्न फसलों, विशेष रूप से गन्ना, कपास और जूट (मेस्ता सहित), का उत्पादन पिछले वर्ष में प्राप्त लक्ष्यों और स्तरों दोनों ही दृष्टि से बढ़ा है। चालू वर्ष में फसल उत्पादन के दूसरे अग्रिम अनुमानों के अनुसार रबी फसलों में गिरावट की आशा है। 2007-08 में खाद्यान्नों का समग्र उत्पादन लक्ष्य से घटकर 2.2 मिलियन टन रहने की आशा है,

यद्यपि वर्ष 2006-07 में पहले अनुमान की तुलना में इसके 10.1 टन अधिक होने की आशा है। गन्ने का उत्पादन लक्ष्य से अधिक बढ़ने की आशा है। यद्यपि यह पिछले वर्ष की अपेक्षा कम है। लक्ष्य की तुलना में तिलहनों के उत्पादन में 2.8 मिलियन टन की गिरावट (10 प्रतिशत) का अनुमान है, यद्यपि इसके उत्पादन में अभी भी वर्ष 2006-07 के अंतिम अनुमानों की तुलना में 2.9 प्रतिशत अधिक होने का अनुमान है।

पिछली मध्यवधि में, वर्ष 2000-01 से 2006-07 के दौरान खाद्यान्न, दालों तथा तिलहनों के लक्ष्य की उपलब्धि में सामान्यतः गिरावट देखी गयी। औसत रूप में खाद्यान्न का वास्तविक उत्पादन लक्ष्य का 93 प्रतिशत था, तथापि, वास्तविक उत्पादन दालों के संबंध में लक्ष्य का 87.7 प्रतिशत और तिलहनों के संबंध में 85.3 प्रतिशत था। यद्यपि गन्ना तथा कपास का उत्पादन वर्ष 2005-06 और 2006-07 में अपने निर्धारित लक्ष्य से अधिक हुआ।

राष्ट्रीय कृषक नीति, 2007

भारत सरकार ने राष्ट्रीय कृषक आयोग की सिफारिशों को मानते हुए और राज्य सरकारों से परामर्श करने के बाद राष्ट्रीय कृषक नीति को मंजूरी दे दी है। राष्ट्रीय कृषक नीति ने अन्य बातों के साथ-साथ फार्म क्षेत्र के विकास के लिये सम्पूर्ण पहुंच प्रदान कर दी है। इसकी कवरेज में व्यापक क्षेत्र शामिल है :

(i) उत्पादन और उत्पादकता पर ही किसानों की आर्थिक स्थिति में सुधार करने पर ध्यान केन्द्रित रहेगा।

(ii) परिसम्पत्ति में सुधार: यह सुनिश्चित करना है कि गांवों में कृषक परिवार के पास उत्पादक परिसम्पत्ति अथवा विपणन योग्य कौशल धारक है अथवा प्राप्त करनी है।

(iii) कुशलतापूर्वक जल का उपयोग: जल की प्रति यूनिट से अधिकतम पैदावार और आय की अवधारणा को सभी फसल उत्पादक कार्यक्रमों में अपनाया जायेगा, और जल के

उपयोग से संबंधित जागरूकता और कार्यकुशलता पर बल दिया जायेगा ।

(iv) नयी प्रौद्योगिकियां: जैव प्रौद्योगिकी सहित आसूचना और संचार प्रौद्योगिकी, नवीकरणीय ऊर्जा प्रौद्योगिकी, अंतरिक्ष अनुप्रयोग और नैनो-प्रौद्योगिकी इत्यादि भूमि और जल की प्रति यूनिट उत्पादकता बढ़ाने में सहायक हो सकती हैं ।

(v) राष्ट्रीय कृषि जैव-सुरक्षा प्रणाली को समन्वित कृषि जैव-सुरक्षा कार्यक्रम को आयोजित करने के लिये स्थापित किया जायेगा ।

(vi) बीज और मृदा स्थिति: लघु कृषि उत्पादन को बढ़ाने में अच्छी गुणवत्ता के बीज, बीमारी मुक्त रोपण सामग्री व मृदा किस्म में सुधार की महत्वपूर्ण भूमिका है । प्रत्येक किसान को मृदा स्थिति पास बुक जारी की जानी है जिसमें फार्म की मिट्टी की समेकित जानकारी और अनुवर्ती परामर्श दिये होने चाहिये ।

(vii) महिलाओं के लिये सहायता सेवाएं : जब महिलाएं पूरे दिन खेतों और जंगलों में काम करती हैं तो उन्हें उचित सहायता सेवाएं जैसे शिशुसदन बाल सेवा केन्द्र तथा पर्याप्त पोषण की आवश्यकता होती है ।

(viii) ऋण व बीमा: किसानों को उचित ब्याज दरों पर वित्तीय सेवाएं समय पर, पर्याप्त मात्रा में और आसानी से मुहैया कारायी जायेंगी ।

(ix) विस्तार सेवाओं को सुदृढ करने के लिये राज्य सरकारों के माध्यम से आईसीटी की सहायता के साथ ग्राम स्तर पर ज्ञान चौपाल और उत्कृष्ट कृषकों के क्षेत्र में कृषक ज्ञान को बढ़ावा देने के लिये फार्म स्कूल स्थापित किये जायेंगे ।

(x) कृषकों के लिये सामाजिक सुरक्षा योजना को समुचित महत्व प्रदान करने हेतु आवश्यक उपाय किये जायेंगे ।

(xi) पूरे देश में न्यूनतम समर्थन मूल्य कार्य प्रणाली प्रभावी रूप से क्रियान्वित होगी ताकि कृषि उत्पादों के लाभकारी मूल्य प्रदान किये जा सकें ।

(xii) शुष्क भूमि कृषि क्षेत्र में मुख्यतः उगने वाले बाजरा, ज्वार, रागी, मिलेट जैसी पोषक फसलों को शामिल कर भोजन सुरक्षा का विस्तार किया जायेगा ।

नीति के कार्यान्वयन को सुचारू रूप से जारी रखने के लिये एक अन्तर-मंत्रालययी समिति का गठन किया गया है ।

ग्रामीण भारत के लिये नई पहल

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार किसानों तथा ग्रामीण क्षेत्रों में रहने वाले लोगों के कल्याण के प्रति वचनबद्ध है । सरकार का वायदा है कि वह "ग्रामीण भारत के लिये नयी पहल" करेगी । इस नयी पहल में निम्नलिखित कार्य शामिल होंगे :

- कृषि में निवेश की गिरावट के रुझानों की दिशा बदलना ।
- किसानों को दिये जाने वाले ऋणों में वृद्धि करना ।
- सिंचाई और बंजर भूमि के विकास में सार्वजनिक निवेश बढ़ाना ।
- कृषि अनुसंधान एवं विस्तार के लिये निधियों में वृद्धि करना ।
- कृषि उपज के लिये एक 'सकल बाजार' का सृजन करना ।
- ग्रामीण स्वास्थ्य देखभाल एवं शिक्षा क्षेत्र में निवेश करना ।
- ग्रामीण विद्युतीकरण में निवेश करना ।
- ग्रामीण सड़कों में निवेश करना
- जिन्सों के वायदा बाजारों की स्थापना करना ।
- कृषि एवं ग्रामीण व्यवसायों में होने वाले जोखिमों से बचाव के लिये बीमा करना ।

भारत निर्माण

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार का ग्रामीण भारत के पुनर्निर्माण के लिये एक बड़ी योजना शुरू करने का विचार है। इसका नाम है “भारत निर्माण”। यह समयबद्ध कार्य योजना होगी और इसके अंतर्गत ग्रामीण अंचल में सिंचाई, सड़क, आवास, जल आपूर्ति, बिजली और दूरसंचार सम्पर्क के क्षेत्र में बुनियादी सुविधाओं का निर्माण किया जायेगा।

भारत निर्माण कार्यक्रम की ठोस उपलब्धियां होंगी :

सिंचाई: सन् 2009 तक एक करोड़ हेक्टेयर जमीन के लिये अतिरिक्त सिंचाई क्षमता का निर्माण।

सड़क: सन् 2009 तक एक हजार से अधिक आबादी वाले गांवों /आदिवासी तथा पर्वतीय इलाकों में 500 से अधिक आबादी वाले गांवों/ को जोड़ दिया जायेगा।

आवास: 50 लाख अतिरिक्त आवासों का निर्माण किया जायेगा।

जल आपूर्ति: सभी 72 हजार बाकी आवासीय इलाकों में जल आपूर्ति व्यवस्था हो जायेगी।

बिजली: सभी 1,12,000 बाकी गांवों में बिजली पहुंच जायेगी। 2.3 करोड़ से अधिक घरों को भी बिजली मिलेगी।

ग्रामीण दूरसंचार: सभी 80 हजार बाकी गांवों में टेलीफोन सुविधा हो जायेगी।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन

कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय ने राष्ट्रीय विकास परिषद के संकल्प की अनुपालना में राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन पर केन्द्रीय प्रयोजित स्कीम शुरू की है ताकि देश में खाद्य सुरक्षा मिशन की शुरूआत की जा सके। इस स्कीम के तहत ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के अंत तक चावल, गेहूं और दालों के उत्पादन को क्रमशः 10,8 और 2 मिलियन टन तक बढ़ाया जा सके। मिशन का उद्देश्य लक्षित जीलों में किसानों का पुनः विश्वास प्राप्त करने के लिये क्षेत्र का विस्तार और

उत्पादकता में वृद्धि, मिट्टी के उपजाऊपन और उत्पादकता में पुनरुद्धार, रोजगार के अवसरों का सृजन और खेत स्तर की अर्थव्यवस्था में वृद्धि करके उपरोक्त फसलों के खाद्यान्न उत्पादन में वृद्धि करना है ।

राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन के विभिन्न कार्यकलापों में उन्नत उत्पादन प्रौद्योगिकी का प्रदर्शन करना, एचवाईवी तथा संकर किस्म के गुणवत्ता बीजों का वितरण करना, नयी जारी किस्मों के बीजों को लोकप्रिय बनाने, सूक्ष्म पोषक तत्वों के लिये समर्थन करना, श्रेष्ठ कार्यकुशलता प्राप्त जिलों के लिये पुरस्कारों सहित प्रशिक्षण और जन प्रचार अभियान चलाना शामिल है । ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के दौरान 2 करोड़ रुपये राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन की दो अथवा अधिक फसलों के कार्यक्रम वाले जिलों के लिये तथा 1 करोड़ रुपये का भी एक फसल वाले कार्यक्रम को अपनाने वाले जिले के लिये प्रदान किये जायेंगे । राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन देश के 16 राज्यों के 305 जिलों में लागू किया जा रहा है । वर्ष 2007-08 में विभिन्न मध्यस्थताओं की योजना तैयार करने और उन्हें लागू करने के लिये विभिन्न राज्यों को 149.4 करोड़ रुपये की राशि जारी कर दी गयी है। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना (2007) के दौरान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का कुल परिव्यय 4,882.5 करोड़ रुपये का है ।

रोजगार

लोगों के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को ध्यान में रखते हुए सरकार ने अपनी मुख्य प्रतिबद्धताओं में से एक को पूरा कर लिया है जो अर्थव्यवस्था में रोजगार के अवसर बढ़ाने से संबंधित है । प्रधानमंत्री डा. मनमोहन सिंह ने “रोजगार बढ़ाओ” का आह्वान किया है तथा विभिन्न संस्थानों को नये निवेश विकसित करने और रोजगार के अवसर सृजित करने हेतु कदम उठाने के लिये प्रोत्साहित किया है । संप्रग सरकार द्वारा संसद में राष्ट्रीय रोजगार गारंटी विधेयक लाया गया है ।

विधेयक के मसौदे को राष्ट्रीय सलाहकार परिषद की सिफारिशों के आधार पर तैयार किया गया है। परिषद की प्रमुख संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन की अध्यक्ष श्रीमती सोनिया गांधी हैं। यह विधेयक देश के कम से कम 150 सर्वाधिक पिछड़े जिलों के प्रत्येक निर्धन परिवार में कम से कम एक व्यक्ति को न्यूनतम 100 दिनों के रोजगार की कानूनी गारंटी देता है। इसे धीरे-धीरे बढ़ाकर सारे देश में लागू किया जायेगा। नवंबर, 2004 में प. जवाहर लाल नेहरू की जयंती के अवसर पर देश में काम के बादले अनाज का एक राष्ट्रीय कार्यक्रम चलाया गया था जिसमें 150 पिछड़े जिलों को शामिल किया गया था। सरकार ने 50 लाख अतिरिक्त परिवारों को अन्त्योदय कार्ड भी जारी किये हैं। इस तरह से अब तक कुल 2 करोड़ परिवारों को इसके अंतर्गत शामिल किया जा चुका है। इन पहलों से देश के सर्वाधिक निर्धन परिवारों को सामाजिक सुरक्षा उपलब्ध कराने में मदद मिलेगी।

मुद्रास्फीति का नियंत्रण

सरकार ने विश्व में ऊर्जा की कीमतों में अनियंत्रित वृद्धि से उपजे मुद्रास्फीति के खतरे पर अंकुश लगाने के लिये ठोस कदम उठाये हैं। तेल की ऊंची कीमतों के कारण मुद्रास्फीति की दर पर प्रारंभिक नियंत्रण के बाद, मुद्रास्फीति की दर में धीरे-धीरे कमी आयी है तथा इसमें और कमी आने की संभावना है। सरकार विश्व ऊर्जा बाजार में आयी उद्वाल के बावजूद, मूल्यों पर नियंत्रण रखने हेतु सभी जरूरी कदम उठाने के लिये प्रतिबद्ध है। मूल्यों को नियंत्रित रखना सरकार की एक महत्वपूर्ण पहल तथा प्राथमिकता है। यह पहल गरीबों के हित के लिये उठाया गया एक कदम है क्योंकि मुद्रास्फीति से गरीब लोग ही सबसे ज्यादा प्रभावित होते हैं।

मुद्रास्फीति के नियंत्रण से अर्थव्यवस्था में निवेश और व्यावसायिक गतिविधियों में सुनिश्चित रूप से नयी तेजी आती है। बृहत्-अर्थव्यवस्था के सभी सूचकांक बेहतर हो रहे हैं। वर्ष

2003-04 में सर्वाधिक वृद्धि के बाद, खराब मानसून और तेल की ऊंची कीमतों के बावजूद वर्ष 2004-05 में अर्थव्यवस्था में वृद्धि एक बार फिर 7.0 प्रतिशत बनी हुई है। निवेश में नयी तेजी, पूंजी-निर्माण की दर में वृद्धि होने के परिणामस्वरूप वर्ष 2004-05 में विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन में 8.9 प्रतिशत की और सेवा-क्षेत्रों से होने वाली आय से 8.9 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई है। खराब मानसून के कारण कृषि-उत्पादन में 1.1 प्रतिशत की मामूली वृद्धि-दर के बावजूद खाद्य-मूल्य नियंत्रण में रहे हैं। निर्यात में 25 प्रतिशत से अधिक और आयात में लगभग 35 प्रतिशत वृद्धि के साथ विदेशी व्यापार में तेजी से वृद्धि हो रही है।

ग्रामीण ऋण

केन्द्र सरकार ने साष्ट्रीय किसान आयोग का पुनर्गठन किया है जिसके अध्यक्ष प्रख्यात कृषि वैज्ञानिक डा. स्वामीनाथन हैं। वर्ष 2004-05 के केन्द्रीय बजट में कृषि अनुसंधान तथा विस्तार के लिये निधि में भी 40 प्रतिशत की वृद्धि की गयी है। राष्ट्रीय न्यूनतम साक्षा कार्यक्रम में किये गये वायदे को पूरा करते हुए वर्ष 2003-04 की तुलना में वर्ष 2004-05 में किसानों को दी जाने वाली ऋण सुविधा में तेजी से वृद्धि करते हुए इसे 30 प्रतिशत बढ़ा दिया गया है। ग्रामीण सहकारी ऋण प्रणाली को पुर्जीवित किया जा रहा है और डा. वैद्यनाथन की अध्यक्षता में एक कार्य-दल गठित किया गया है जो इस क्षेत्र में किये जाने वाले उपायों और ग्रामीण ऋण वितरण प्रणाली को बेहतर बनाने के लिये विशिष्ट उपायों के संबंध में सिफारिशें करेगा। सरकार की प्रतिबद्धता है कि अगले तीन वर्षों में ग्रामीण ऋण में तीन गुना बढ़ोतरी हो और संस्थाओं द्वारा किये जाने वाले ऋण अधिक से अधिक संख्या में छोटे और सीमांत किसानों को दिये जायें। खाद्य-प्रसंस्करण क्षेत्र को ऋण देने की दृष्टि से प्राथमिकता वाले क्षेत्र का दर्जा दिया गया है।

देश में सभी किसानों को उचित और लाभकारी मूल्य दिलाने के अपने वायदे को पूरा करने के लिये संप्रग सरकार ने तिलहनों, दलहनों और कपास के लिये अनुकूल समर्थन मूल्य घोषित किये हैं और रबी की फसल के समर्थन मूल्यों की शीघ्र घोषणा की है ।

सिंचाई

सरकार सार्वजनिक वित्त पोषण के जरिये सिंचाई सम्भाव्यता (potential) का सृजन और किसानों को उसके स्वयं की जोतों में सम्भाव्यता का सृजन करने के लिये सहायता दे रही है । वृहद्, मध्यम तथा लघु सिंचाई योजनाओं के माध्यम से पर्याप्त सिंचाई सम्भाव्यता का सृजन किया गया है । देश में कुल सिंचाई सम्भाव्यता 1991-92 में 81.1 मिलियन हेक्टेयर से बढ़कर 2006-07 में 102.8 मिलियन हेक्टेयर हो गयी । अब तक सृजित सम्भाव्यता अन्तिम सिंचाई सम्भाव्यता का 73.5 प्रतिशत होने का अनुमान है । तथापि, कुल सृजित सम्भाव्यता में से केवल 87.2 मिलियन हेक्टेयर (84.9 प्रतिशत) का ही वास्तव में उपयोग हुआ है ।

“भारत निर्माण” के तहत सिंचाई ग्रामीण अवसंरचना के विकास के लिये छः संघटकों में से एक है । आगामी चार वर्षों में 2008-09 तक 10 मिलियन हेक्टेयर सिंचाई की क्षमता का सृजन करने का लक्ष्य है । भारत निर्माण के तहत जारी बड़ी और मंभोली सिंचाई परियोजनाओं/स्कीमों को पूरा करके लक्ष्य को अधिकांशतः पूरा करने का प्रस्ताव है। वर्ष 2005-06 और 2006-07 के दौरान क्रमशः 1.68 मिलियन हेक्टेयर और 1.94 मिलियन हेक्टेयर की सिंचाई क्षमता सृजित की गयी ।

पूर्वोत्तर राज्यों, जम्मू-कश्मीर, उत्तर प्रदेश में और अन्य राज्यों में सिंचाई परियोजनाओं के लिये आबंटनों में वृद्धि करना सिंचाई को उच्च प्राथमिकता देने की प्रतिबद्धता का द्योतक है । केन्द्रीय बजट में अनुसूचित जातियों/जनजातियों के किसानों को वर्षा जल संचयन स्कीमों के लिये सहायता देने की दिशा

में कदम उठाये गये हैं । सिंचाई और पेयजल जैसे जलप्रबंधन के सभी पहलुओं पर तत्काल ध्यान दिया जायेगा ।

सरकार देश के शुष्क और अर्ध शुष्क क्षेत्रों में ऊसर/वर्षा-सिंचित खेतों के लिये बने कार्यक्रमों को जल संरक्षण मिशन के अंतर्गत लाने का कार्य कर रहा है ।

देश में सभी किसानों को उचित और लाभकारी मूल्य दिलाने के अपने वायदे को पूरा करने के लिये संप्रग सरकार ने तिलहनों, दलहनों और कपास के लिये अनुकूल समर्थन मूल्य घोषित किये हैं और रबी की फसल के समर्थन मूल्यों की शीघ्र घोषणा की है ।

ग्रामीण आधारभूत संरचना परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिये प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में एक राष्ट्रीय ग्रामीण आधारभूत संरचना समिति गठित की गयी है । सरकार ने कटाई के उपरांत ग्रामीण गोदामों और विपणन की बुनियादी सुविधाओं संबंधी नई स्कीमों को स्वीकृति दे दी है ।

ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास निधि (आर. आई. डी. एफ) में वर्ष 2004-05 में 8,000 करोड़ रुपये की राशि का एक योगदान करके उसे पुनर्जीवित किया गया है । कृषि अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने एवं किसानों की आजीविका में सुधार लाने हेतु किये गये इन प्रयासों के अतिरिक्त कुछ अन्य प्रयास भी किये गये है जैसे बुनियादी ढांचा विकास, स्वास्थ्य एवं शिक्षा तथा वित्तीय नीति जो कि कृषि अर्थव्यवस्था को लाभान्वित करेंगे। संप्रग सरकार की नीतियों से ग्रामीण भारत को एक नयी दिशा मिलेगी जिससे लाखों-लाख भारतीय विकास एवं सशक्तिकरण की प्रक्रिया में शामिल होंगे ।

सरकार ने भाषायी एवं धार्मिक अल्पसंख्यकों में सामाजिक एवं आर्थिक रूप से पिछड़े वर्गों के कल्याण के लिये एक राष्ट्रीय आयोग बनाया है जो उनसे संबंधित मुद्दों के समाधान हेतु उपायों की जांच करेगा । पूर्वोत्तर राज्यों में विकास की

समस्याओं को सुलभाने के लिये पूर्वोत्तर परिषद को पुनर्जीवित किया जा रहा है ।

एक स्वस्थ राष्ट्र के निर्माण की ओर कदम

संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार के लिये शिक्षा के बाद दूसरा महत्वपूर्ण प्राथमिकता वाला क्षेत्र स्वास्थ्य का है । संप्रग सरकार सस्ती दरों पर स्वास्थ्य सुरक्षा एवं सस्ती दवाओं तक सबकी पहुंच बनाने के लिये कदम उठा रही है ।

राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन जल्दी ही शुरू किया जा रहा है जिसमें ग्रामीण समाज के कमजोर वर्गों के लिये स्वास्थ्य सुरक्षा सुलभ हो सकेगी । यह मिशन व्यापक स्वास्थ्य सुरक्षा पर जोर देगा और जिला स्तर पर ऐसी स्वास्थ्य सुरक्षा नीतियों को समन्वित करेगा जो पेयजल, स्वच्छता एवं पोषाहार जैसी स्वास्थ्य स्थितियों को प्रभावित करती हों । स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं का एक कैडर बनाया जायेगा जिससे एक लाख और उससे अधिक की आबादी के लिये अस्पतालों को प्रभावी रूप से सक्रिय किया जा सकेगा ।

सरकार अपने स्वास्थ्य एवं जनसंख्या कार्यक्रमों को समन्वित करेगी जिससे लोगों विशेषतः महिलाओं एवं बालिकाओं की स्वास्थ्य स्थिति में सुधार होने से छोटे परिवार की अवधारणा को प्रोत्साहन मिलेगा ।

राष्ट्रीय मध्याह्न भोजन योजना बच्चों के शैक्षिक एवं स्वास्थ्य स्तर में सुधार लाने में अपना योगदान देगी । “काम के बदले अनाज का राष्ट्रीय ग्रामीण कार्यक्रम” और राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम का भी कमजोर वर्ग के स्वास्थ्य स्तर पर लाभकारी प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इससे गरीबों की पोषण स्थिति में सुधार आयेगा ।

Словарь शब्द-संग्रह

अंचल	म.	район, зона
------	----	-------------

अधिकांशतः		главным образом, преимущественно, большей частью
अनियंत्रित		1) бесконтрольный 2) свободный, беспрепятственный
अनुपालना	ज.с.	выполнение, исполнение
अनुप्रयोग	м.	применение, использование
आजीविका	ज.с.	средства к существованию
आसूचना	ज.с.	сообщение, информация
उछाल	ज.с.	прыганье; прыжок; скачок
एपजना	ни.	1) родиться 2) расти, произрастать 3) производиться
एपजाऊपन	м.	1) плодородие 2) производительность, продуктивность
ऊर्जा	ज.с.	1) сила, мощь 2) энергия
ऊसर		неплодородный (о почве)
कवरेज (coverage)	м/ж.с.	1) охват 2) зона действия 3) зона наблюдения
कीटनाशक		1. инсектицидный; 2. м. инсектицид
कैडर (cadre)	м.	1) кадры, личный состав 2) кадровый состав 3) собир. руководящие кадры
क्रमशः		1) постепенно, понемногу 2) соответственно
खाद्यान्न	м.	1) зерновые культуры 2) продовольствие
गोदाम	м.	склад, хранилище
चौपाल	м.	1) навес на столбах (для собранных крестьян или занятий)
जागरूकता	ज.с.	бдительность; осторожность; внимательность
जिस	м/ж.с.	1) товары; вещи 2) зерно, хлеб
जैव		живой, органический

जेत	ज.स.	участок пахотной земли
ज्वार	म.	джуар, индийское просо
दलहन	म.	бобовые культуры
धारक		1.1) держащий 2) берущий в долг 2. म. держатель (напр., векселя и т.п.)
पुनरुद्धार	म.	восстановление, воссоздание; возрождение
पोषक		1) поддерживающий, помогающий 2) увеличивающий
प्रयोजित		выработанный; запланированный, спроектированный
बंजर		1. бесплодный, неплодородный 2. म. 1) бесплодная земля 2) целина
बढोतरी	ज.स.	увеличение, рост; прирост
बाजरा	म.	баджра (сорт проса)
मझोला		средний (по размеру)
मध्यस्थता	ज.स.	1) посредничество, арбитраж 2) нейтральность
मसौदा	म.	1) черновик, набросок 2) проект 3) оригинал, подлинник
मिलेट (millets)	म.	просо
मिशन	म.	1) миссия; делегация 2) миссия; задача
मुहैया		1) готовый, приготовленный 2) имеющийся
मृदा (soil)	ज.स.	1) земля, почва 2) глина
मेस्ता (mesta)	म.	кенаф (прядильная культура рода гибискус семейства мальвовых)
यूनिट	म.	тех. установка; агрегат; узел
रागी (ragi)	म.	раги
वाटरशेड (watershed)	म.	водораздел

विद्युतीकरण	म.	электрификация
शिशुसदन	म.	детское учреждение; ясли
शुष्क		1) сухой 2) засушливый 3) черствый (о человеке)
संकर	म.	1) скрещивание 2) гибрид
संकल्प	म.	1) намерение 2) решение 3) резолюция
संघटक		1. составной 2. м. компонент
संचयन	म.	собираание; накопление
समन्वित		1) соединенный 2) общий, совместный 3) комплексный
सुचारु		отличный, превосходный
सुलभ		1) легко достижимый, доступ- ный 2) легко осуществимый
सूक्ष्म		1) мелкий, очень маленький 2) тщательный; детальный
सेतु	म.	1) плотина, дамба 2) мост
स्कीम	म.	1) план, проект 2) схема, диа- грамма
(के) हेतु	पोसल.	для, ради

Комментарий टिप्पणियां

१. खाद्य भिन्न फसल (non-food crops) – непродовольственные сельскохозяйственные культуры.

२. राष्ट्रीय कृषक आयोग (National Commission on Farmers) – Государственная комиссия по делам фермеров.

३. जैव प्रौद्योगिकी – биотехнология.

४. आसूचना और संचार प्रौद्योगिकी (Information and Communication Technology – ICT) – информационные и коммуникационные технологии.

५. नैनो-प्रौद्योगिकी – нанотехнологии.

६. राष्ट्रीय कृषि जैव-सुरक्षा प्रणाली – (National Agricultural Bio-security System).

७. रोपण सामग्री (planting material) – посадочный материал.

८. मृदा स्थिति पास बुक – soil health passbook.

९. आईसीटी (ICT) – см. комментарий 4.

१०. ज्ञान चौपाल – открытое место под навесом для проведения различного рода собраний или занятий.

११. न्यूनतम समर्थन मूल्य (minimum support price – MSP) – минимальные гарантированные цены.

१२. अन्तर-मंत्रालयी समिति – межведомственный комитет.

१३. वायदा बाजार – рынок фьючерсных сделок.

१४. कृषि और सहकारिता विभाग, कृषि मंत्रालय – Департамент сельского хозяйства и кооперации Министерства сельского хозяйства.

१५. राष्ट्रीय विकास परिषद (National Development Council-NDC) – Совет национального развития.

१६. राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन (National Food Security Mission – NFSM) – Национальная программа продовольственной безопасности.

१७. एचवाईवी (high yielding varieties of seeds – HYVs) – высокоурожайные сорта семян.

१८. सूक्ष्म पोषक तत्व (micronutrients) – микроэлементы.

१९. राष्ट्रीय रोजगार गारंटी विधेयक – законопроект о государственной гарантии занятости.

२०. राष्ट्रीय सलाहकार परिषद – Государственный консультативный совет.

२१. राष्ट्रीय किसान आयोग – Государственная комиссия по делам крестьян.

२२. ग्रामीण सहकारी ऋण प्रणाली – система сельских кредитных кооперативов.

२३. कार्य दल – рабочая группа.

२४. ग्रामीण ऋण वितरण प्रणाली – система распределения сельских кредитов.

२५. अनुकूल समर्थन मूल्य – компенсационные цены (политика поддержания цен сельскохозяйственного производителя).

२६. राष्ट्रीय ग्रामीण आधारभूत संरचना समिति – Государственный комитет по развитию сельской инфраструктуры.

२७. ग्रामीण बुनियादी ढांचा विकास निधि – आर आई डी एफ (Rural Infrastructure Development Fund – RIDF) – Фонд развития сельской инфраструктуры.

२८. राष्ट्रीय ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन – Государственная программа здоровья сельских жителей.

Упражнения पाठ के अभ्यास

Упражнение 1. Ответьте на вопросы к текстам.

अभ्यास १. पाठ विषयक प्रश्न ।

१) राष्ट्रीय न्यूनतम साभा कार्यक्रम के सात प्राथमिकता वाले क्षेत्र क्या हैं ?

२) भारतीय अर्थव्ययस्था में कृषि के भारी महत्व के बारे में आपका विचार क्या है?

३) भारत खाद्य-पदार्थों की आपूर्ति सुनिश्चित करने के मामले में किन-किन कारकों पर निर्भर करता है ?

४) राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा मिशन का काम क्या है ?

५) ग्रामीण भारत के लिये “नयी पहल” का अर्थ क्या है?

६) “भारत निर्माण” योजना किस उद्देश्य से शुरू की गयी है ?



Упражнение 2. Переведите следующие слова и словосочетания.

अभ्यास २. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमुदायों का अनुवाद कीजिये ।

बराबरी पर आधारित न्यायपूर्ण वितरण, शहरों का मानवीय और आधुनिक रूप, कृषि विकास में मंदी, खाद्य उपलब्धता सुनिश्चित करना, खाद्यान्न का समग्र उत्पादन बढ़ाना, कृषि की स्कीमों के आयोजन और कार्यान्वयन की प्रक्रिया में राज्यों को लचीलापन और स्वायत्ता प्रदान करना, न्यूनतम समर्थन मूल्य कार्यप्रणाली, अन्तर-मंत्रालयी समिति, जल के उपयोग से संबंधित जागरूकता और कार्यकुशलता, दूरसंचार के विकास के कार्यक्रमों पर खास ध्यान देना, पूर्वोत्तर परिषद में पूर्णकालिक सदस्यों को शामिल करना, ग्रामीण क्षेत्रों के निवासियों के कल्याण के प्रति वचनबद्ध होना, भारत निर्माण कार्यक्रम की ठोस उपलब्धियां, मुद्रास्फीति संबंधी अपेक्षाएं अपेक्षाकृत संतुलित हैं, हर क्षेत्र में महिलाओं को कानूनी तौर पर पूरी बराबरी प्राप्त होना, भेदभाव कानून हटाना, राजस्व प्रशासन का पूर्णतः आधुनिकीकरण, समुदाय-आधारित तालाब प्रबंधन परियोजना.

Упражнение 3. Дайте хинди-эквиваленты следующих слов и выражений.

अभ्यास ३. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमूहों के हिंदी पर्याय दीजिये ।

бюджетная сессия парламента, приоритетные отрасли экономики, средний годовой прирост численности населения, увеличение импорта масличных культур, Национальная миссия продовольственной безопасности, нано(नैनो)технологии, инвестировать проекты электрофикации сельской местности, строительство дополнительных ирригационных мощностей, объединять политику равенства и социальной справедливости с ценностями экономического прогресса, неконтролируемый рост цен на электроэнергию, обуздать инфляцию, от инфляции

больше всего страдают беднейшие слои населения, скачок мировых цен на нефть, обнадеживающие показатели макроэкономики, проект закона о резервировании мест для женщин в законодательных собраниях штатов, план привлечения новых инвестиций в гражданскую авиацию, туристический бизнес.

Упражнение 4. Переведите устно следующий текст.

अभ्यास ४. निम्नलिखित पाठ का मौखिक अनुवाद कीजिये ।

Нобелевский банкир

Впервые за всю историю Нобелевской премии удостоился банкир. Нобелевский комитет присудил премию мира – 2006 гражданину Бангладеш Мухаммеду Юнусу и его банку Grameen, что в переводе означает «деревенский». Этот банк специализируется на выдаче населению микрокредитов. Своё решение комитет объяснил тем, что «мира нельзя достичь до тех пор, пока широкие слои населения не найдут способ выбраться из бедности». А микрокредит – это как раз один из таких способов. Борьбу с бедностью доктор экономических наук начал ещё в 1974 году. Первый микрокредит, выданный им, составил всего 27 долларов. Спустя два года он основал свой банк кредитования населения; возврат денег обеспечивался системой круговой поруки (परस्पर उत्तरदायित्व). В 1983 году благодаря поддержке государства банк стал независимым. Сегодня Grameen уже открыл 2266 отделений, в которых обслуживаются 6,6 млн заёмщиков. Активы банка составляют 678 млн долларов. Такие успехи побудили Всемирный банк рекомендовать программы по микрокредитованию как способ борьбы с бедностью. В мире уже имеются 7 тысяч подобных микрофинансовых организаций.



Упражнение 5. Переведите следующие экономические понятия.

अभ्यास ५. आर्थिक शब्दावली ।

उपभोग प्रभाव – consumption effect

जब कोई व्यक्ति अपनी चेतन आवश्यकताओं की संतुष्टि करता है तो इस प्रक्रिया में उसकी कुछ अचेतन आवश्यकताएं चेतन स्तर पर आ जाती हैं। इसके चेतन स्तर पर आने के कारण इनकी संतुष्टि का प्रयास किया जाता है। इनकी संतुष्टि होते ही नयी अचेतन आवश्यकताएं चेतन स्तर पर आती हैं। यह क्रम बराबर चलता रहता है। जो आवश्यकता एक बार चेतन स्तर पर आकर संतुष्ट हो जाती है वह हमेशा के लिये एक चेतन आवश्यकता बन जाती है। अब उसकी संतुष्टि करना बार-बार जरूरी होता है। प्रारंभिक उपभोग के कारण नई आवश्यकताओं का (अचेतन स्तर से चेतन स्तर पर संक्रमण होने के कारण) सृजन ही उपभोग-प्रभाव कहलाता है। इसको लक्षित करने का श्रेय प्रो. जे.के. मेहता को है, अतएव, इसे मेहता प्रभाव भी कहते हैं।

Упражнение 6. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ६. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

१. हाल के वर्षों में अर्थव्यवस्था में तेजी से विकास होने से आधारभूत ढांचे के नियंत्रणों को हटाने का महत्व और आवश्यकता बढ़ गयी है।

२. परम्परागत रूप से, विद्युत, रेलवे, सड़कें, पत्तन, हवाई पत्तन और दूर संचार क्षेत्र पूर्णतया सरकार के अधिकार-क्षेत्र में थे।

३. आधारभूत ढांचे की मांग एवं आपूर्ति के बीच बढ़ते हुए अन्तर के दबाव और परिसम्पत्तियों की गुणवत्ता के स्तर में

निरन्तर गिरावट आने के कारण विगत दो दशकों में उत्तरोत्तर परिवर्तन हुआ है ।

४. सरकार ने विधायी ढांचे में बदलाव लाकर इस क्षेत्र में निजी उद्यम के प्रवेश को सहज कनाने का प्रयास किया है ।

५. आधारभूत ढांचे में विस्तार करने के लिये प्रौद्योगिकीय परिवर्तन करके निजी क्षेत्र की भागीदारी की भूमिका को भी सहज कनाया गया है ताकि सरकारी और निजी क्षेत्र अपनी अपनी क्षमताओं के अनुरूप घटकों को चुन सकें ।

६. सरकार उन क्षेत्रों में जहां निजी भागीदारी बहुत कम है अथवा निकट भविष्य में उसके होने की आशा भी नहीं है, काफी बड़ी रकम का निवेश करती रहती है ।

७. कई आधारभूत ढांचे 'सरकारी घटक' और 'निजी घटक' के मिश्रित स्वरूप वाले हैं और इस मिश्रित स्वरूप में से सामान्यतया ग्रामीण और दूर-दराज वाले इलाकों में पहले घटक का महत्व ज्यादा है और शहरी और महानगरीय क्षेत्रों में दूसरे घटक का महत्व ज्यादा है ।

Упражнение 7. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ७. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

1. В целом экономическое положение Индии позволяет делать достаточно оптимистические прогнозы (आशावादी पूर्वानुमान) относительно темпов развития страны.

2. Несмотря на высказываемые некоторыми западными аналитиками предположения насчет цикличности (चक्रीयता) кризисных явлений в индийской экономике, существуют реальные предпосылки (पूर्वाधार) для преодоления страной неблагоприятной конъюнктуры (स्थिति) на мировом рынке.

3. Фундаментальные основы экономики Индии являются достаточно устойчивыми, что признают как МВФ, так и Всемирный банк.

4. По данным опроса (प्रश्नोत्तरी) менеджеров инвестиционных компаний, проведенного изданием “Economist”, Индия является одним из наиболее популярных объектов для инвестиций в Азии.

5. В качестве основных факторов, обуславливающих инвестиционную привлекательность Индии, считают растущий в этой стране внутренний спрос, а также идущие в этой стране экономические реформы.

6. Важным результатом проведения либеральных экономических реформ в Индии стало изменение характера привлечения иностранных инвестиций.

7. Если в начале 90-х годов основную часть (до 95 %) иностранных инвестиций составляли спекулятивные (सट्टेबाजी) краткосрочные кредиты, то в настоящее время их доля не превышает 12 %.

8. Основные вложения осуществляются путём покупки акций (शेयर) в рамках реализации среднесрочных и долгосрочных программ развития базовых секторов экономики (таких как электроснабжение, строительство инфраструктуры и т.д.).

9. Немаловажным моментом в адаптации (अनुकूलन) индийской экономики к глобальным реалиям современности становится её политика в отношении ВТО.

10. Приняв в 2001 году ряд поправок к пятилетнему плану по экспортно-импортной политике, индийское правительство разрешило многолетнюю проблему в своих отношениях с ВТО, связанную с противоречащим правилам этой организации односторонним введением количественных ограничений на импорт товаров (прежде всего продуктов сельского хозяйства).

Источник: материалы Международного экономического форума «Россия и Индия: стратегическое партнерство в XXIв.»

URL: <http://www.rus-ind.ru/economic/>

Упражнение 8. Изложите на хинди содержание статьи.
अभ्यास ८. इस लेख को हिन्दी में सुनाइये ।

**«Индия ясно видит своё место в глобальном мире
и уверенно идёт к намеченной цели»**

(2008 год был объявлен в Индии Годом России. В связи с этим посол Индии в России г-н Прабхат Шукла ответил на вопросы главного редактора журнала «Российская Федерация сегодня» г-на Юрия Хренова. Ниже приводятся ответы г-на П. Шуклы).

...Относительно положения с грамотностью в стране. В настоящее время решается задача ликвидации неграмотности. Сейчас среди мужчин она составляет порядка 8 процентов, среди женщин – 15-20 процентов. Уже в ближайшие годы всё население должно быть охвачено в обязательном порядке начальным и средним образованием...

Согласно действующему законодательству, представители всех каст имеют свободный доступ в образовательные структуры, вплоть до университетов. Но на практике прохождение по ступеням образования зависит от ситуации в штатах: в одних этот процесс протекает легко, в других — с трудностями. Я хорошо знаком с одним нашим известным академиком, выходцем из бедных слоёв. Он прошёл школу, колледж, университет имени Джавахарлала Неру достаточно быстро и совершенно бесплатно. На его примере можно говорить о высоком качестве подготовки в нашем государственном секторе образования.

Важным элементом обеспечения равных прав всех граждан в нашей стране стал принятый три года назад закон о праве на информацию. Он подразумевает, что когда органы власти принимают какое-то решение, гражданин имеет право потребовать предоставления материалов, объясняющих, по каким причинам принято данное решение. Если гражданин считает, что государство отнеслось к нему несправедливо, он может отстаивать свои права в суде. Каждый гражданин также может узнать, что ему лично полагается в соответствии с тем или иным решением властей...

К 2020 году наша страна планирует создать 200 млн рабочих мест. И мы уже сегодня создаём по 10 млн рабочих мест ежегодно. Это удаётся главным образом благодаря высоким темпам развития промышленности. Сейчас безработные у нас составляют 5 процентов городского населения, но нас в большей степени беспокоит неполная занятость в сельских районах...

К 2020 году мы собираемся обеспечить своё более чем миллиардное население продовольствием сами. В основном мы делаем это уже сейчас. Но если чего-то не хватает, то, конечно, импортируем. Так, мы экспортируем рис, но импортируем пшеницу. И мы хотели бы установить долговременные связи с Россией, чтобы покупать её у вас. Внешняя торговля Индии демонстрирует постоянный рост, торговый оборот со всеми странами в сумме достигает 400 миллиардов долларов в год. 150 миллиардов долларов составляет экспорт и 250 миллиардов – импорт. То есть пока у нас большой дефицит внешнеторгового баланса. Но мы намерены в ближайшие годы это исправить.

(Окончание в следующем уроке)

(неграмотность – निरक्षरता, отстаивать – रक्षा करना, полагаться – पाना, नियмबद्ध होना, неполная занятость – अपूर्ण रोजगार, торговый оборот – व्यापारावर्त, дефицит внешнеторгового баланса – विदेश व्यापार शेष में घाटा).

(Адаптировано по: Беседа г-на П. Шуклы с Ю. Хреновым в редакции журнала «Российская Федерация сегодня»).
URL: http://www.russia-today.ru/2008/no_06/06_meetings.htm



Упражнение 9. Переведите статью на русский с листа. Перескажите на хинди.

अभ्यास ९. मौखिक रूप से अनुवाद करके अपने शब्दों से इस लेखांश को सुनाइये ।

टाटा पांचवी सबसे बड़ी इस्पात कंपनी

टाटा समूह ने एंग्लो-डच इस्पात कंपनी कोरस को नौ अरब डालर में खरीद लिया है । इस सौदे के बाद टाटा दुनिया की पांचवी सबसे बड़ी इस्पात कंपनी बन गयी है, कोरस का नाम नहीं बदला जाएगा लेकिन अब उसका स्वामित्व बदल गया है ।

यह भारत के कार्पोरेट इतिहास में एक मील का पत्थर है, किसी भी भारतीय कंपनी ने अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर इतना बड़ा सौदा पहले नहीं किया था ।

टाटा समूह के चेयरमैन रतन टाटा ने इसे एक 'रोमांचक (радостный) क्षण' बता दिया है ।

टाटा स्टील के प्रबंध निदेशक बी. मुथुरमन ने कहा कि इस सौदे के बाद कोरस से कर्मचारियों की छंटनी (увольнение) नहीं होगी ।

रतन टाटा ने कहा, "कोरस को खरीदना हमारी विस्तार योजना के अनुरूप है जिसके तहत हम अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर आगे बढ़ रहे हैं" ।

रतन टाटा ने कहा, "टाटा स्टील और कोरस दोनों ही बहुत लंबे और गौरवपूर्ण इतिहास वाली कंपनियां हैं, साथ मिलकर हम तेजी से बदलते इस्पात उद्योग में अपनी मजबूत पकड़ बनाए रखने में कामयाब होंगे" ।

कोरस के चेयरमैन जिम लेंग भी इस सौदे से काफी खुश हैं, उन्होंने कहा, "यह हमारे लिये सही समय पर सही कंपनी के साथ, सही कीमत पर हुआ सौदा है जिसकी शर्तें भी ठीक हैं" ।

अभी ज्यादा समय नहीं बीता जब लक्ष्मीनिवास मितल ने आर्सेलर को खरीदकर दुनिया की सबसे बड़ी इस्पात कंपनी खड़ी कर दी थी ।

इस तरह दुनिया की सबसे बड़ी और पांचवीं सबसे बड़ी इस्पात कंपनी भारतीय उद्यमियों के हाथों में आ गयी है ।

टाटा समूह ने पिछले कुछ वर्षों में बड़े पैमाने पर अंतर्राष्ट्रीय सौदे किये हैं जिनमें टेटली का अधिग्रहण शामिल है।

कोरस 1999 में बनी थी जब ब्रिटिश स्टील और नीदरलैंड की हूगोवेन्स समूह के बीच साझादारी हुई थी ।

लगभग साढ़े 47 हजार लोग कोरस के लिये दुनिया भर में काम कर रहे हैं जिनमें से 24 हजार सिर्फ ब्रिटेन में हैं ।

वर्ष 2005 में टाटा स्टील उत्पादन के लिहाज से दुनिया में 56 वें नंबर की कंपनी थी लेकिन कोरस को खरीदने के बाद यह पांचवीं सबसे बड़ी कंपनी बन गयी है ।

विश्लेषकों ने मोटे तौर पर सौदे का स्वागत किया है लेकिन उन्होंने कुछ जोखिम भी गिनाये हैं ।

सबसे बड़ा खतरा यह जताया जा रहा है कि आने वाले समय में आर्थिक विकास की गति अगर धीमी रही तो टाटा उस कर्ज को कैसे चुका पाएगी जो कोरस को खरीदने के लिये लिया है ।

Упражнение 10. Запомните следующие термины.

अभ्यास १०. निम्नलिखित शब्द व शब्द-समूहों को याद कीजिये ।

рационализация – rationalization – युक्तिकरण

Счётная палата – Accounts Chamber – खाते सदन (मंडल)

право интеллектуальной собственности – intellectual property right – बौद्धिक सम्पत्ति का अधिकार

смешанное предприятие – mixed enterprise – मिश्रित

उद्यम

многосторонняя торговля – multilateral trade – बहुपक्षीय व्यापार

мораторий – moratorium – ऋण स्थगन, अभिस्थगन

интенсификация – intensification – तीव्रीकरण

текущий счёт – current account – चालू खाता

зона свободной торговли – free trade zone – मुक्त व्यापार क्षेत्र

кооперативное кредитное общество – cooperative credit society – सहकारी उधार समिति

вложения – input – निविष्ट, आगत

ликвидность – liquidity – तरलता, नकदी

плавающий курс – floating (exchange) rate – तिरती (विनिमय) दर

устойчивая валюта – hard currency – दृढ मुद्रा

конвертируемая валюта – convertible currency – विनिमेय मुद्रा

слабая валюта – soft (inconvertible) currency – ढीली (अविनिमेय) मुद्रा

валютные запасы – currency reserve – मुद्रा की सुरक्षित निधि

валютные операции – currency transaction – विनिमय संबंधी लेन-देन

кредитоспособность – solvency – ऋणशोधन क्षमता

Упражнение 11. Переведите на хинди.

अभ्यास ११. हिन्दी में अनुवाद कीजिये ।

Индия

В 2007 году темпы экономического роста Индии составили 9,1%, это второй показатель в мире среди стран с большим количеством населения после Китая.

Несмотря на столь впечатляющие показатели, наблюдалось определённое замедление темпов экономического роста. Это вовсе не сюрприз (आश्चर्य), а, скорее, плановое охлаждение (अपस्फीति) бурной экономики. Вспышки инфляционных давлений, избыточная ликвидность (तरलता, नकदी, द्रवता) на фондовом рынке и опасения перегрева экономики подтолкнули Центробанк Индии к ужесточению монетарной политики (मुद्रा नीति). Желаемый эффект от трехлетнего повышения ключевых процентных ставок (ब्याज दर) достиг своей цели — плавное замедление наблюдалось в большинстве секторов экономики, и инфляционные давления стали отступать.

Радует благоприятный рост сельскохозяйственного сектора, доля которого в ВВП в 2007 году составила 16,6%, и сектора услуг (+7,5% в 2007 году), так как здесь занята значительная часть миллиардного населения, основным источником дохода которого являются именно эти отрасли.

Несмотря на небольшое ослабление общего импульса роста, экономика продолжает развиваться внушительными темпами. С 1991 года индийская экономика увеличилась в размерах более чем в четыре раза, а за прошлые восемь лет доход на душу населения удвоился, но огромное количество политических, демографических (जनसांख्यिकीय) и социальных проблем остаётся нерешённым.

Для Индии жизненно важно ускорить программу либерализации, поддержать строгую финансовую дисциплину и открыть более широкий диапазон отраслей для иностранных инвестиций, чтобы обеспечивать стабильную экономическую обстановку и стимулировать рост. Ожидается, что в ближайшие годы темпы роста экономики останутся высокими (приблизительно 8%) благодаря огромному внутреннему потенциалу и незначительной зависимости от глобального экономического цикла (चक्र).

*(Илья Илюхин. Городская банковская газета. № 8 (30)
Сентябрь 2008. URL: [http://www. BANKER..RU](http://www.BANKER..RU))*

Упражнение 12. Составьте резюме на хинди нижеследующей статьи.

अभ्यास १२. इस लेखांश का हिन्दी में सार लिखिये और कक्षा में सुनाइये ।

Сможет ли Индия выжить в эпоху глобализации ?

На протяжении многих лет после завоевания независимости в 1947 году Индия оставалась большой и бедной страной. Одно за другим правительства проводили политику, делая упор на рост и развитие внутри страны, значительно ограничивая взаимодействие с остальным миром.

Сегодня Индия имеет большое население и по-прежнему остается бедной, но не такой бедной, как могла бы быть. Более десяти лет назад страна пошла новым курсом, который привел к быстрому экономическому росту и сокращению бедности. Была либерализована внешняя торговля и сняты многие правительственные ограничения на внутренние инвестиции. Возможно, более важную роль сыграл переворот в сознании интеллигенции и политиков в сторону рыночной экономики, включая более тесную интеграцию в мировое хозяйство.

Это послужило важным толчком для развития Индии.

Однако, каким образом такая большая и многообразная страна как Индия, может достичь мобильности, которая необходима для интеграции в мировую экономику? Бывший президент Индии Абдул Калам подчеркивал необходимость развивать глобальную конкурентоспособность внутри каждого из федеральных штатов страны. Обращая внимание на федеральный характер государства, президент напрямую обратился к проблеме, которая вызвала споры по поводу экономической реформы в эпоху глобализации.

Существует опасение, что в то время как одни регионы будут быстро развиваться, другие погрязнут в нищете. Это опасение актуально не только для Индии, но и для Китая, Южной Африки, Мексики и Бразилии. В то время как такие города Индии, как Бангалор и Бомбей, могут стать анклавами, чьи достижения сопоставимы с наиболее богатыми и развитыми страна-

ми мира, способными направить свои штаты Карнатака и Махараштра по пути процветания, другие регионы, такие как Бихар и Уттар-Прадеш могут по-прежнему отставать в развитии, испытывая все большие лишения.

Исследования, проведенные в 90-е годы, казалось, подтверждали данное предположение: разрыв в производительности на душу населения между штатами Индии увеличивался по мере того, как различия в развитии регионов все более углублялись. Если данный тренд продолжит существование, стабильность Индии как федерального демократического государства, безусловно, будет поставлена под сомнение, потому что отстающие регионы имеют большее по численности население и, следовательно, контролируют больше избирательных округов.

Несмотря на то что такое развитие событий дает повод для беспокойства, его можно избежать. Экономические реформы 90-х действительно дали правительствам штатов больше свободы определять собственную политику, и их выбор отличался друг от друга весьма значительно. Более того, одним из последствий открытия экономики и глобализации на национальном уровне стало появление жесткой конкуренции между штатами за прямые иностранные инвестиции, которые были сосредоточены в отдельных регионах.

(Окончание в следующем уроке)

(Адаптировано по: Нирвикар Синх - профессор экономики Калифорнийского университета, Санта Круз. Т.Н.Сринивасан-профессор экономики Йельского университета и научный сотрудник Центра исследований экономического развития и политических реформ Университета Стэнфорд). (Project Syndicate. Июль 2003. URL: <http://www.project-syndicate.org>)

(интеграция в мировое хозяйство – आर्थिक एकीकरण, конкурентоспособность – प्रतियोगित्व, глобализация – भूमंडलीकरण, опасения – आशंका, анклав – उद. विदेशी अंतःक्षेत्र जैसा, лишения – गरीबी, подтвердить – पुष्ट करना, тренд – प्रवृत्ति).

Упражнение 13. Выполните двусторонний перевод интервью.

अभ्यास १३. इंटरव्यू का द्विपक्षीय अनुवाद कीजिये ।

बीबीसी हिन्दी सेवा के विशेष कार्यक्रम “एक मुलाकात” में “हाट मेल” सबीर भाटिया से जिन्होंने बिजनेस की दुनिया में बड़ा जबरदस्त नाम कमाया है, बातचीत हुई थी।

संजीव श्रीवास्तव, भारत संपादक
बीबीसी हिंदी सेवा, 27 अक्टूबर 2007
(अगला भाग)

— **Когда Вы получили на счет свою долю от вырученных от продажи компании денег, то какие планы Вы начали строить?**

— थोड़े दिनों तक उत्साहित था। दो-तीन महीने तक मैं सोचता रहा कि जो चाहूँ वह मेरी पहुंच में है। मैं तीन दिनों तीन गाड़ियां बीएमडब्ल्यू, फरारी और पोर्श खरीदी लेकिन यह सब ज्यादा दिनों तक नहीं रहा क्योंकि मुझे महसूस हो गया कि पैसा हर चीज नहीं होता। अब वैसे भी मेरी प्राथमिकताएं बदल गयी हैं और भौतिक (मатериальный) चीजें खुशी नहीं देती।

— **Да, это верно, но, как сказал один умный человек, прежде чем говорить такое, нужно иметь много материальных вещей. Прежде чем говорить о том, что деньги – это не всё, нужно иметь их достаточное количество в кошельке (парсе). Как ещё Вы поступили с деньгами, купили несколько домов?**

— अपने माता-पिता के लिये बंगलौर में एक बढिया घर खरीदा। अपने लिये सैनफ्रांसिस्को में एक शानदार पेंटहाउस फ्लेट खरीदा जहां से आप पूरा शहर देख सकें गोल्डन गेट से बे ब्रिज तक।

— После продажи “hot mail” о Вас стали много говорить, Вы стали знаменитостью (सेलीब्रिटी). Вам это нравится?

— जब मैं भारत आता हूँ तो मुझे सेलीब्रिटी का दर्जा मिलता है । कभी-कभी इससे दिक्कत भी होती है लेकिन मैं एक-दो हफ्ते बाद ही अमरीका चला जाता हूँ । अमरीका में मुझे भारतीय समुदाय के लोगों को छोड़ कोई नहीं जानता । इसलिये वहां दिक्कत नहीं होती । दोनों को अगर जोड़कर देखा जाये तो ठीक ही रहता है । अमरीका में मैं बिना परेशानी के घूम सकता हूँ और भारत आकर सेलीब्रिटी का दर्जा भी हासिल कर लेता हूँ ।

— Как Вы считаете, Ваш успех – это судьба (नियति) или же результат упорного труда?

— मैं मानता हूँ कि इस जीवन में जो प्रतिभा और क्षमता मिली है उनके हिसाब से लोगों को काम करना चाहिए । मैंने अमरीका में देखा है कि लोग अपनी क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करते हैं । हमारे देश में ऐसा नहीं होता ।

(अंत अगले पाठ में)

Упражнение 14. Напишите на хинди сочинение на тему: “Ведущие промышленные корпорации (дома) Индии ” (объем – 2 страницы).

अभ्यास १४. “भारत के प्रमुख औद्योगिक निगम ” विषय पर छोटा सा निबंध लिखिये ।

Тесты टेस्ट

Тест 1. Выберите правильный вариант ответа.

टेस्ट १. सही जवाब चुनिये ।

१. “रोजगार बढ़ाओ” के अंतर्गत क्या कार्यक्रम चलाये गये हैं ?

(१. “चुनाव जीतो” । २. काम के बदले अनाज का कार्यक्रम । ३. धार्मिक त्यौहारों को धूमधाम से मनाने का कार्यक्रम) ।

२. आदिवासियों की सुरक्षा के लिये क्या करना आवश्यक है ?

(१. सम्पत्ति अधिकार जल्दी तय करना । २. बसे वन इलाकों से हटाना । ३. ऋण सुविधा में तेजी लाना) ।

३. शुष्क और अर्धशुष्क क्षेत्रों में खेती के लिये क्या काम करने की जरूरत है ?

(१. सिंचाई को उच्च प्राथमिकता देना । २. विशेष औद्योगिक जोन बनाना । ३. नैनो प्रौद्योगिकी के उत्पादन के लिये क्षेत्र का इस्तेमाल करना) ।

Тест 2. Выберите правильный термин из трех вариантов.

टेस्ट २. ठीक शब्द चुनिये ।

१. नया सरकारी कार्यक्रम ... से भरा है ।

1. वायदा
2. आदेश
3. मानव अधिकार

२. मिट्टी के उपजाऊपन में ... किया गया है ।

1. पुनरुद्धार
2. कमी
3. खाद्यान्न उत्पादन

३. संसद के शीत सत्र में ... 2007-2008 पेश किया गया।

1. पुस्तक विमोचन

2. केन्द्रीय बजट
3. मीठे वायदे

Тест 3. Заполните пропуски словами из списка, данного в скобках.

टेस्ट ३. रिक्त स्थान उचित शब्द से भरिये ।

१. सरकार ने अपने वायदे के कार्यान्वयन में तेजी लाने के लिये ... का सुझाव रखा । (विकास उपाय, लंबा समय निश्चित करना, समझौता करना, बहस जारी रखना, नयी नीति अपनाना) ।

२. मुद्रास्फीति में कमी करने के लिये सरकार को ... करना अतिआवश्यक है ।

(सख्ती करना, अतिरिक्त नोट छापना, बैंक बंद करना, उपभोक्ता मूल्यों पर नियंत्रण करना, खपत बढ़ाना) ।

३. अन्तर्राज्यीय संबंध सुधारने के लिये सरकार और ज्यादा ... बनाने के प्रति प्रतिबद्ध है । (राजमार्ग, ग्रामीण सड़क, पगडंडियां, रेलवे स्टेशन, हवाई मार्ग) ।



Тема 3
तीसरा विषय

Реализация правительством ОПА
Общей программы-минимум
भारत सरकार द्वारा
राष्ट्रीय न्यूनतम साभा कार्यक्रम का कार्यान्वयन

Урок 6
पाठ ६
(उद्योग)
टेक्स्ट

सिंहावलोकन

वर्तमान राजकोषीय वर्ष के पहले आठ महीनों में नवंबर 2007 तक, औद्योगिक क्षेत्र की वृद्धि में मामूली गिरावट देखी गयी। यह गिरावट मुख्यतया विनिर्माण क्षेत्र के कारण रही है। खनन और उत्खनन क्षेत्र में अधिक तेजी से वृद्धि हुई, जबकि विद्युत क्षेत्र की अप्रैल-नवम्बर 2006 से अपरिवर्तित रही। तो भी औद्योगिक क्षेत्र में अप्रैल-नवम्बर 2007 के दौरान हासिल 9.2 प्रतिशत की वृद्धि को जब हम पूर्ववर्ती चार वर्षों के दौरान हासिल प्रभावशाली वृद्धि की पृष्ठभूमि में देखते हैं तो पता चलता है कि इस क्षेत्र की तेजी निरन्तर बनी हुई है, हालांकि इसमें थोड़ा मंदी आई है।

अप्रैल-नवम्बर 2007 के दौरान उपयोग आधारित औद्योगिक श्रेणियों की वृद्धि में 2006 में उसी अवधि की तुलना में दो महत्वपूर्ण परिवर्तन हुए हैं। पहला, पूर्ववर्ती वर्षों में हासिल उच्च आधार पर पूंजीगत वस्तुओं में त्वरित गति से वृद्धि हुई है जो वांछित औद्योगिक क्षमता वर्धन के लिये शुभ लक्षण है, उपभोक्ता टिकाऊ वस्तु समूह, जो औद्योगिक उत्पादन सूचकांक का हिस्सा है, में इस अवधि में ऋणात्मक वृद्धि दिखाई दी,

जिससे गैर-टिकाऊ वस्तुओं में अच्छी वृद्धि के बावजूद कुल उपभोक्ता वस्तु समूह की वृद्धि में सुस्पष्ट गिरावट देखने को मिली ।

17 औद्योगिक समूहों में से केवल एक – धातु उत्पाद और पुर्जों में अप्रैल-नवंबर, 2007 के दौरान ऋणात्मक वृद्धि दर्ज हुई। शेष 16 उद्योग समूहों में से चार ने 5 प्रतिशत से कम की वृद्धि दर्ज की है, पांच ने 5 प्रतिशत और 10 प्रतिशत के बीच वृद्धि दरें दर्ज की हैं, और चार ने 10 प्रतिशत और 15 प्रतिशत के बीच वृद्धि दरें दर्ज की हैं। शेष तीन औद्योगिक समूहों, अर्थात् “अन्य विनिर्माण उद्योग”, “मूल धातु और मिश्रधातु उद्योग” तथा “काष्ठ व काष्ठ उत्पाद”, “फर्नीचर और फिक्सचर”, जिनका औद्योगिक उत्पादन सूचकांक में 12.8 प्रतिशत हिस्सा है, में 15 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दरें दर्ज की गयीं ।

17 उद्योग समूहों में से छह अर्थात् खाद्य उत्पाद, जूट वस्त्र, काष्ठ उत्पाद, चर्म उत्पाद, रसायन और रासायनिक उत्पाद और अन्य विनिर्माण वस्तुओं में अप्रैल-नवम्बर 2006 में हुई वृद्धि की अपेक्षा अप्रैल-नवम्बर 2007 के दौरान अधिक वृद्धि हुई है ।

खाद्य उत्पाद

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, खाद्य उत्पादों में अप्रैल-नवंबर 2006 के दौरान 2.5 प्रतिशत की तुलना में अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान 6.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई । यह मुख्यतया चीनी, जिसका “खाद्य उत्पाद” समूह में सर्वाधिक भारांश है, के उत्पादन में 57.9 प्रतिशत की अपूर्व वृद्धि के कारण है । अन्य उच्च-भारांशित मदों में से, दुग्ध पाउडर के उत्पादन में लगभग 10 प्रतिशत की गिरावट हुई, जबकि गेहूं के आटे/मैदा में 1.3 प्रतिशत की साधारण वृद्धि प्रदर्शित हुई । वनस्पति तेलों में आम तौर पर अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान उत्पादन में स्पष्ट गिरावट दिखाई दी । वनस्पति तेलों में 2007

के दौरान अधिकांशतः कीमतों में उच्च वृद्धि देखी गयी । चाय और बिस्कुट के उत्पादन में जहां गिरावट थी, वहीं चाकलेट और शुगर कनफेक्शनरी में इस अवधि के दौरान 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

पेय पदार्थ, तम्बाकू और संबंधित उत्पाद

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आंकड़ों के अनुसार, पेय पदार्थ और तम्बाकू समूह ने 2004-05 से 2006-07 तक पिछले तीन वर्षों के दौरान 10 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि दर्ज की और अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान 9.5 प्रतिशत की उनकी वृद्धि इस मजबूत आधार पर ही हुई है । पेय पदार्थों में, मादक श्रेणियां जिनमें बीयर, भारत निर्मित विदेशी शराब और देशी शराब शामिल हैं, में अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान 8 से 11 प्रतिशत की वृद्धि हुई । परिशोधित स्पिरिट में 21.1 प्रतिशत और साफ्ट ड्रिंक्स और सोडा में 4 प्रतिशत की वृद्धि हुई । सिगरेट के उत्पादन में इस अवधि के दौरान 4.7 प्रतिशत की वृद्धि हुई ।

वस्त्रोद्योग

औद्योगिक उत्पादन सूचकांक के आंकड़े दर्शाते हैं कि अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान 2006 में इसी अवधि की तुलना में सूती वस्त्रोद्योग में 5.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई (सूती धागा 5.7 प्रतिशत और सूती कपडा 4.2 प्रतिशत), ऊन, रेशम और मानव निर्मित फाइबर टेक्सटाइल में 4.5 प्रतिशत, जूट वस्त्र में 13.3 प्रतिशत और वस्त्र उत्पाद में 4.9 प्रतिशत तक की वृद्धि हुई ।

कुल मिलाकर, टेक्सटाइल फेब्रिक उत्पादन में 2006-07 के दौरान 7.7 प्रतिशत तक की वृद्धि और तत्पश्चात् वर्ष-दर-वर्ष आधार पर दिसम्बर 2007 तक 3.4 प्रतिशत तक की धीमी वृद्धि दर्ज हुई ।

वर्ष 2006-07 के दौरान, वस्त्र निर्यात में 2005-06 की तुलना में 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई। अप्रैल-अक्तूबर 2007 के दौरान वस्त्र निर्यात में वर्ष-दर-वर्ष आधार पर 1.49 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। यद्यपि दिसम्बर 2004 में कोटा प्रणाली की समाप्ति के परिणामस्वरूप वस्त्रोद्योग क्षेत्र ने तेजी पकड़ ली जान पड़ती है, परंतु भारतीय वस्त्रोद्योग का निर्यात निष्पादन निर्यात की वृद्धि दर और विश्व वस्त्र निर्यात में हिस्से की दृष्टि से कोटा-पश्च समय में चीन से बहुत अधिक पीछे बना हुआ है। उत्पादन में निरन्तर वृद्धि के बावजूद वस्त्रोद्योग उच्च लेनदेन और विद्युत लागत, प्रौद्योगिकीय पिछड़ेपन और श्रमसंबंधी मुद्दों जैसे कारकों के मकड़ जाल में फंसा हुआ है।

चमड़ा और चमड़ा उत्पाद

चमड़ा उत्पाद, जो रोजगार सृजन और निर्यात अर्जन में महत्वपूर्ण योगदान करते हैं, में अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान 12.2 प्रतिशत की प्रभावशाली वृद्धि दर्ज हुई। आई आई पी आंकड़ों के अनुसार अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान पश्चिमी ढंग के चमड़े के जूते-चप्पल में 21.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई जबकि भारतीय प्रकार के चमड़े के जूते-चप्पल में और तैयार चमड़े में साफ तौर पर अपेक्षतया कम वृद्धि हुई। इस अवधि के दौरान चमड़ा परिधानों के उत्पादन के मूल्य (मुद्रास्फीति में कमी किये बिना) में लगभग 30 प्रतिशत की वृद्धि हुई, जबकि जूते के ऊपरी भागों के उत्पादन में लगभग 12.4 प्रतिशत की वृद्धि हुई।

रासायनिक उद्योग

रासायनिक उद्योग, जिसमें मूल रसायन और उनके उत्पाद, पेट्रोकेमिकल्स, उर्वरक, पेंट और वार्निश, गैसों, साबुन, परफ्यूम और प्रसाधन सामग्री तथा फार्मास्युटिकल शामिल हैं, सभी

औद्योगिक क्षेत्रों में सर्वाधिक विविधीकृत समुह हैं, जिसमें 70,000 से अधिक वाणिज्यिक उत्पाद शामिल हैं ।

उर्वरक उद्योग में अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान मंदी देखी गयी है । नाइट्रोजनयुक्त उर्वरकों और फास्फेट युक्त उर्वरकों के उत्पादन का सूचकांक इस अवधि के दौरान अप्रैल-नवंबर 2006 के दौरान उनके स्तरों से क्रमशः 4.4 प्रतिशत और 11.5 प्रतिशत तक घटा। ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दस्तावेज में उल्लेख किया गया है कि दसवीं पंचवर्षीय योजना के दौरान नये निवेश के अभाव के कारण उर्वरक उद्योग की उत्पादक क्षमता अवरूद्ध रही और उर्वरकों की बढ़ती खपत के साथ-साथ इसमें मांग-पूर्ति के असंतुलन को बढ़ाने का काम किया है । उद्योग के समक्ष आ रही चुनौतियों में शामिल हैं - राक फास्फेट जैसे कच्चे माल की देश में अपर्याप्त उपलब्धता, उर्वरकों के आयात और बड़े पैमाने पर आवाजाही का प्रबंध करने हेतु अपर्याप्त पत्तन और परिवहन का बुनियादी ढांचा तथा प्राकृतिक गैस से इतर माध्यम पर आधारित इकाइयों को प्राकृतिक गैस की इकाइयों में परिवर्तित करने में कठिनाइयां । सर्वाधिक महत्वपूर्ण कारक उर्वरक की प्रणाली में अन्तर्निहित विकृत प्रोत्साहन ढांचा और संबंधित सब्सिडियां हैं, जिनका विश्लेषण पिछले दशकों के दौरान कई आयोगों द्वारा किया गया है ।

रबर, प्लास्टिक और पेट्रोलियम उत्पाद

आई आई पी के उत्पादन आंकड़ों के अनुसार, रबर टायरों की विभिन्न श्रेणियों में अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान अधिक वृद्धि नहीं हुई । इसका कारण शायद आटोमोबाइल उत्पादन का समान स्तर पर बने रहना हो, जो उस अवधि के आई आई पी आंकड़ों में भी दिखाई दिया । जबकि रबर के चप्पल-जूतों के उत्पादन में 4.7 प्रतिशत, शीट्स (पी वी सी/रबर) के उत्पादन में 18.8 प्रतिशत की वृद्धि हुई, इस उत्पाद समूह में सर्वाधिक

बड़े हिस्से वाले पी वी सी पाइप और ट्यूब के उत्पादन में अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान 27 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई।

तेल एवं गैस

अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान कच्चे तेल का उत्पादन पिछले वर्ष की इसी अवधि के 22.56 मिलियन टन की तुलना में 22.69 मिलियन टन (एम टी) था अर्थात इसमें 0.60 प्रतिशत की मामूली वृद्धि हुई। इसी प्रकार, अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान 21.35 बिलियन क्यूबिक मीटर (बी सी एम) प्राकृतिक गैस का उत्पादन हुआ जो 2 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। 1 अप्रैल, 2007 की थिति के अनुसार घरेलू शोधन क्षमता 148.97 मिलियन टन प्रतिवर्ष थी। अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान रिफाइनरी में 103.06 एम टी उत्पादन हुआ जो अप्रैल-नवंबर 2006 की तुलना में 8.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है।

1999 में नई अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति (एन ई एल पी) के चालू होने के बाद से निजी/संयुक्त उद्यम कंपनियों ने 13 ब्लॉकों में 46 तेल और गैस संबंधी खोजें की हैं, जिससे तेल के समतुल्य हाइड्रोकार्बन भंडारों में 600 मिलियन टन की वृद्धि हुई। अप्रैल, 2007 की स्थिति के अनुसार, भारतीय और विदेशी कंपनियों द्वारा 3,887 मिलियन अमरीकी डालर का निवेश किया गया जिसमें से 30 प्रतिशत निवेश राष्ट्रीय तेल कंपनियों द्वारा, 61.1 प्रतिशत भारतीय निजी कंपनियों द्वारा और शेष 8.9 प्रतिशत विदेशी कंपनियों द्वारा किया गया। एन ई एल पी के छह दौरों की समाप्ति के बाद 162 उत्पादन सहभागिता करारों पर हस्ताक्षर किये गये और अन्वेषणाधीन क्षेत्र में चार गुने की बढ़ोतरी हुई। यह भारत के अवसादी बेसिनों का 44 प्रतिशत है।

हाल के महीनों में कच्चे तेल और पेट्रोलियम उत्पादों की अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत के आयात समूह में कच्चे तेल की कीमतें 26 नवंबर 2007 को 92.13

अमरीकी डालर प्रति बैरल के सार्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गयी । इससे तेल विपणन कंपनियों और भारतीय अर्थव्यवस्था पर गंभीर प्रभाव पडा है, क्योंकि भारत कच्चे तेल की अपनी जरूरतों का लगभग 72 प्रतिशत आयात करता है । सरकार ने पहले की भांति तेल की कीमतों में वृद्धि के बोझ को समान रूप से विभिन्न हिस्सेदारों नामतः बडी (अपस्ट्रीम) कंपनियों, तेल विपणन कंपनियों, सरकार और उपभोक्ताओं में बांटने का प्रयास किया है । सरकार ने अनुमानित कम वसूलियों के लगभग 42.7 प्रतिशत तेल बांड जारी करने और बडी (अपस्ट्रीम) कंपनियों पर कम वसूलियों का लगभग एक तिहाई भार डालने का फैसला किया ।

कोयला

अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान कायले का उत्पादन 309.51 मिलियन टन था जो पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान 259.19 मिलियन टन था । इस प्रकार इस क्षेत्र में 4.85 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई । 454.90 मिलियन टन के वार्षिक कार्ययोजना लक्ष्य प्राप्त होने की संभावना है । अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान कोकिंग कोयले का उत्पादन 20.69 मिलियन टन था । पिछले वर्ष इसी अवधि के दौरान यह उत्पादन 20.48 मिलियन टन था।

मशीनरी और उपस्कर

अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान 12.2 प्रतिशत की तीव्र दर से वृद्धि करने वाला मशीनरी क्षेत्र (यातायत उपस्करों के अतिरिक्त) अपने उत्पाद समूह में एक मिली-जुली तस्वीर पेश करता है । उत्साहवर्धक रूप से औद्योगिक मशीनरी का उत्पादन सूचकांक इस अवधि के दौरान 27.9 प्रतिशत की दर से बढ़ा । वृद्धि के अन्य कारकों में बायलार, टर्बाइन और कम्प्यूटर सिस्टम व इससे जुडी अन्य मशीनरी रहे, जिनके उत्पादन सूचकांकों में अप्रैल-नवंबर 2007 के दौरान पिछले वर्ष की तदनुरूप अवधि

की तुलना में क्रमशः 36.6 प्रतिशत, 57.4 प्रतिशत, 36.5 प्रतिशत की वृद्धि हुई। सभी प्रकार के विद्युत्तरोधी केबल/तारों के उत्पादन में 2.5 गुना की वृद्धि हुई, लेकिन दूरसंचार केबल, टेलीफोन उपकरणों, टी.वी. रिसेवर्स और विद्युत् एवं वितरण ट्रांसफार्मर्स के उत्पादन में इस अवधि के दौरान गिरावट आयी।

इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी

2006-07 में सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं-बिजनेस प्रोसेस औटसोर्सिंग उद्योग (आई टी ई एस-बी पी ओ) का कार्य-निष्पादन दो अंकों की सतत राजस्व वृद्धि, नई सेवा लाइनों में निरंतर विस्तार और नए भौगोलिक क्षेत्रों में विस्तार तथा बहुराष्ट्रीय कंपनियों द्वारा निवेश में अभूतपूर्व वृद्धि के चलते काफी अच्छा रहा। आई टी ई एस उद्योग का कुल निर्यात राजस्व 2005-06 के 23.6 बिलियन अमरीकी डालर के मुकाबले 2006-07 में 31.3 बिलियन अमरीकी डालर हो गया और इसमें 32.6 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गयी।

दिसंबर 2006 तक 90 भारतीय आई टी कंपनियां एस ई आई सी एम एम लेवल 5 पर प्रमाणित की गयी थीं। अधिकांश फार्च्यून 500 और ग्लोबल 2000 कारपोरेशन आई टी-आई टी ई एस भारत से औटसोर्स कर रहे हैं। पिछले दो-तीन वर्षों में इलेक्ट्रॉनिक्स/आई टी/टेलीकाम हार्डवेयर विनिर्माण की कई बड़ी कंपनियां जैसे नोकिया, मोटरोला, फाक्सकाम, फ्लेक्सट्रॉनिक्स, एस्पोकाम्प, सैमसंग, एल जी, एल्कोटेक, एरिक्सन, एल्काटेल, टेसाल्व और डी ई एल एल ने अपनी इकाइयां या तो देश में स्थापित कर दी हैं या उनके द्वारा देश में निवेश की प्रक्रिया चल रही है। भारत तेजी से अनुसंधान और विकास के केन्द्र में बदल रहा है। विश्व की सभी दस सबसे बड़ी फैबलेस डिजाइन कंपनियां भारत में प्रचालन में हैं और विश्व की चोटी की 25 सेमीकंडक्टर कंपनियों में से 17 की भारत में जोरदार मौजूदगी है।

रत्न और आभूषण

भारत कारीगरी में अपनी परंपरागत खूबी और वैश्विक व्यापार में पर्याप्त हिस्से के बलबूते रत्न और आभूषण के क्षेत्र में अति महत्वपूर्ण भागीदार के रूप में उभरा है। रत्न और आभूषण भारत के अग्रणी व्यापारिक क्षेत्रों में से एक है, जिसने 2006-07 में भारत के पण्य निर्यात में 12 प्रतिशत का योगदान दिया है। इसके अतिरिक्त, यह अर्ध-कुशल रोजगार के सृजन में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। यह क्षेत्र तीन खंडों को मिलाकर बना है नामतः हीरे, स्वर्ण आभूषण और रंगीन बहुमूल्य पत्थर तथा अन्य मर्दे। रत्न और आभूषण के निर्यात के लिये प्रमुख बाजार संयुक्त राज्य अमरीका, हांगकांग, यू ए ई (UAE), बेल्जियम, इजराइल, जापान, थाईलैंड और यूनाइटेड किंगडम हैं। संयुक्त राज्य अमरीका सबसे बड़ा बाजार है, जिसका इस क्षेत्र से निर्यात में लगभग 30 प्रतिशत हिस्सा है।

केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम

31 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार, विभिन्न मंत्रालयों/विभागों के प्रशासनिक नियंत्रणाधीन 244 केंद्रीय सरकारी क्षेत्र के उद्यम (सी पी एस ई) थे जिनका संचयी निवेश 4,21,089 करोड़ रुपये था। सबसे बड़ा निवेश औद्योगिक क्षेत्र में है, जिसमें बिजली, विनिर्माण, खनन और निर्माण क्षेत्र शामिल हैं, जो कुल वित्तीय निवेश का लगभग 62.58 प्रतिशत है। 244 केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यमों में 16.14 लाख व्यक्तियों (अनियत कामगारों और ठेके के मजदूरों को छोड़कर) को रोजगार प्राप्त था, रोजगार प्राप्त व्यक्तियों में से लगभग एक चौथाई प्रबंधकीय और पर्यवेक्षक संवर्गों के थे।

विनिर्माण क्षेत्र में सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रमों के टर्नओवर में वृद्धि 64.62 प्रतिशत हुई, इसके बाद सेवा (18.91), खनन (11.75), बिजली (4.69) और कृषि (0.03) क्षेत्रों का स्थान है। वर्ष 2006-07 के दौरान अर्जित 81,550 करोड़ रुपये के निवल

लाभ में से लाभ अर्जक सी पी एस ई (156) का लाभ 89,773 करोड़ रुपये था, घाटे में चलने वाले उद्यमों (59) को कुल 8,223 करोड़ रुपये की हानि हुई ।

सरकार ने नव रत्न, मिनी रत्न और अन्य लाभ अर्जक सरकारी क्षेत्र के उद्यमों की वित्तीय और कार्यात्मक शक्ति में बढ़ोतरी की है । सी पी एस ई के निदेशक मंडल का व्यावसायीकरण करने के साथ-साथ सरकार ने कारपोरेट अभिशासन के लिये दिशानिर्देश जारी किये हैं । सरकारी क्षेत्र के उद्यम पुनर्संगठन कोर्ड (बी आर पी एस ई) का गठन रुग्ण तथा घाटे पर चल रहे उद्यमों के पुनरुद्धार संबंधी सलाह देने के लिये किया गया है। बी आर पी एस ई ने 47 मामलों के संबंध में अपनी अनुशंसा की है जिसमें दो को 31 अक्टूबर 2007 तक समाप्त करना शामिल है । 26 सी पी एस ई के पुनरुद्धार और दो को समाप्त करने के प्रस्ताव का अनुमोदन कर दिया गया है । इस संबंध में सरकार द्वारा स्वीकृत कुल सहायता 8.285 करोड़ रुपये है जिसमें 1,955 करोड़ नकदी सहायता और 6,330 करोड़ रुपये गैर-नकदी सहायता शामिल है।

माइक्रो और लघु उद्यम

माइक्रो और लघु उद्यम (एम एस ई) देश के ग्रामीण और शहरी क्षेत्रों में अनुमानित 31.2 मिलियन लोगों को रोजगार मुहैया कराते हैं । वर्ष 2003-07 के दौरान एम एस ई क्षेत्र ने उद्यमों की संख्या, उत्पादन, रोजगार और निर्यात में लगातार वृद्धि दर्ज की है । यह अनुमान है कि 31 मार्च, 2007 की स्थिति के अनुसार देश में लगभग 128.44 लाख लघु उद्यम हैं, जिनका योगदान विनिर्माण क्षेत्र में उत्पादन के सकल मूल्य का लगभग 39 प्रतिशत है ।

माइक्रो, लघु और मझोले उद्यम विकास (एम एस एम ई डी) अधिनियम, 2006 के तहत एम एस ई क्षेत्र की परिभाषा और क्षेत्राधिकार में उल्लेखनीय रूप से विस्तार किया गया ।

इसके अतिरिक्त अधिनियम में पहली बार मझोले उद्यम को भी परिभाषित किया गया है ।

पर्यावरणीय मुद्दे

बढ़ती हुई जनसंख्या के साथ, बड़े और छोटे पैमाने के उद्योगों के संयोजन के आधार पर एक विस्तृत औद्योगिक संरचना के विकास के परिणामस्वरूप वायु, जल एवं भूमि का स्तर दिनोंदिन घटा है । औद्योगिक साव जल प्रदूषण का मुख्य स्रोत है । जहां तक ठोस अवशिष्टों का संबंध है, फ्लाई-एश फास्फो-जिप्सम और लोहा तथा इस्पात-मल सृजित ठोस अवशिष्टों के प्रमुख प्रकार हैं । प्रदूषण करने वाले उद्योगों की 17 श्रेणियों के अंतर्गत पहचाने गये 2,744 उद्योगों में से, 1,991 इकाइयों ने मानकों के अनुपालन हेतु प्रदूषण-नियंत्रण उपकरणों की स्थापना की है, 339 इकाइयों को बंद किया गया है तथा जून 2007 तक 414 चूककर्ता इकाइयों के विरुद्ध कार्रवाई की गयी है ।

नीतिगत पहलें

स्वामीनाथ समिति की सिफारिशों का अनुसरण करते हुए तथा समुद्रतटीय विनियम क्षेत्र (सीआरजेड) अधिसूचना की पुनरीक्षा करने पर, ताकि समुद्रतटीय संसाधनों का पर्यावरणीय दृष्टि से दीर्घकालीन उपयोग संभव हो सके, सीआरजेड के लिये संवेदनशीलता सीमा (vulnerability line) निर्धारित करने पर आरंभिक अध्ययन शुरू किया गया और चल रहा है ।

जलवायु परिवर्तन के मूल्यांकन, अनुकूलन और न्यूनीकरण हेतु राष्ट्रीय कार्रवाई के लिये जून 2007 में जलवायु परिवर्तन संबंधी प्रधान मंत्री परिषद् का गठन किया गया । मानव विकासजनित जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का अध्ययन करने और उसके अन्तर्गत अपेक्षित उपायों की पहचान हेतु जलवायु परिवर्तन के प्रभावों पर एक विशेषज्ञ समिति की स्थापना भी की गयी है ।

क्योटो प्रोटोकॉल के तहत स्थापित सफाई विकास तंत्र (सी डी एम) के अंतर्गत अक्टूबर 2007 तक सीडीएम बोर्ड द्वारा पंजीकृत कुल 812 परियोजनाओं में से भारत ने 283 परियोजनाएं (किसी भी देश द्वारा पंजीकृत अब तक सबसे अधिक) पंजीकृत की हैं ।

Словарь शब्द-संग्रह

अनियत		1) неопределенный 2) нерегулярный, случайный
अनुकूलन	म.	адаптация, приспособление
अनुशासा	ज.	рекомендация
अन्वेषण	म.	исследование, изучение
अन्वेषणाधीन		исследуемый, изучаемый
अपरिवर्तित		неизменный
अवरुद्ध		задержанный; остановленный
अवशिष्ट		1. оставшийся, остающийся 2. м. 1) остаток 2) пережиток
अवसादी		геол. осадочный
आटा	म.	1) мука 2) порошок
आवाजाही	ज.	транспортировка, перевозка
इतर		другой, иной
उत्खनन	म.	1) копание, выкапывание 2) открытая выработка 3) добыча из карьеров, каменоломен
कोकिंग		коксующийся
खनन	म.	добыча полезных ископаемых; разработка недр
चप्पल	ज.	сандалия; открытая туфля
चूककर्ता	म.	1) банкрот 2) растратчик
टर्नओवर	म.	оборот, оборачиваемость

टर्बाइन	म.	турбина
ठेका	म.	1) контракт, договор 2) наем, аренда
दर्ज		записанный, занесенный; зарегистрированный
दुग्ध		1. надоенный 2. м. молоко
धागा	म.	нитка, нить
नाइट्रोजनयुक्त		азотный, азотистый
न्यूनीकरण	म.	сокращение, уменьшение
पंजीकृत		зарегистрированный
पण्य	म.	товар(ы)
परिधान	म.	платье, одежда
पुर्जा	म.	часть, деталь (машины)
प्रसाधन	म.	туалетные принадлежности
फास्फेटयुक्त		фосфатный
फास्फो-जिप्सम	म.	phospho-gypsum
फिक्सचर	म.	1) арматура 2) фурнитура
फैबलेस (fabless – fabricationless)		не имеющий производства
फ्ल्वाई-एश	म.	летучая зола
बलबूता	म.	сила, мощь, могущество; के बलबूते = के बल <i>посл. на;</i> при поддержке
बेसिन	ज.	1) бассейн, водоем 2) геол. залежь
बोयलर	म.	бойлер, паровой котел
भारांश	म.	1) доля 2) индекс, числовой показатель
मकडजाल	म.	паутина (<i>तज. перен.</i>)
मद	ज.	1) статья (<i>экспорта, импорта</i>) 2) вид товара, товар 3) изделие

मल	म.	грязь; отходы
मादक		1) опьяняющий 2) наркотический
मिश्रधातु (alloy)	ज.	сплав
मूल्यांकन	म.	оценка
मैदा	म/ज.	мука мелкого помола
रिफाइनरी	ज.	нефтеперерабатывающий завод
रुग्ण		заболевший, больной
लेनदेन	म.	1) торговля 2) сделка, (торговая) операция 3) ростовщичество
वसूली	ज.	1) взимание, взыскивание, сбор 2) сумма, которую можно взыскать (с кого-л.)
वार्निश	म.	1) лак 2) олифа
विकृत		1) измененный, искаженный 2) ненормальный, неестественный
विद्युत्रोधी		изоляционный
विविधीकृत		1) разнообразный 2) диверсифицированный
व्यावसायीकरण	म.	профессионализация
शीट्स	म.	листы
संचयी (cumulative)		накопленный; совокупный
संयोजन	म.	комбинация, соединение; сочетание
सहभागिता	ज.	1) совместное участие 2) партнерство
साबुन	म.	мыло
सिंहावलोकन	म.	1) обзор, обозрение 2) краткий вывод, резюме
सेमीकंडक्टर	म.	полупроводник

१९. अन्वेषण लाइसेंसिंग नीति-एन ई एल पी (New Exploration Licensing Policy – NELP) – политика лицензирования новых исследований.

२०. निजी / संयुक्त उद्यम कंपनियां – частные / совместные предприятия.

२१. तेल के समतुल्य हाइड्रोकार्बन भंडार (oil equivalent hydrocarbon reserves) – углеводородные (нефтяные) запасы.

२२. कम वसूलियां (under recoveries) – *зд. имеются в виду убыточные предприятия, не платящие налоги в полном объеме.*

२३. तेल बॉण्ड (oil bonds) – нефтяные облигации.

२४. सूचना प्रौद्योगिकी समर्थित सेवाएं – बिजनेस प्रोसेस औटसोर्सिंग उद्योग (आई टी ई एस-बी पी ओ) (Information Technology Enabled Services – Business Process Outsourcing [ITES–BPO] industries) – аутсорсинг бизнес-процессов на основе информационных технологий.

२५. एस ई आई सी एम एम लेवल ५ (SEI CMM Level 5 – Software Engineering Institute [US Department of Defence] the Capability Maturing Model Level 5) — it is a *process* capability maturity model which aids in the definition and understanding of an organization's *processes*.

२६. इलेक्ट्रॉनिक्स /आई टी/ टेलीकाम हार्डवेयर विनिर्माण – Electronics /IT/ Telecom hardware manufacturing.

२७. नोकिया, मोटरोला, फाक्सकाम, फ्लेक्सट्रॉनिक्स, एस्पोकॉम्प, सैमसंग, एल जी, एलकोटेक, एरिक्सन, एल्काटेल, टेसाल्व, डी ई एल एल — Nokia, Motorola, Foxcom, Flextronics, Aspocomp, Samsung, LG, Elcoteq, Ericsson, Alkatel, Tessolve, DELL.

२८. फैबलेस डिजाइन कंपनी – в современной полупроводниковой промышленности сложились две основные модели организации бизнеса: так называемая модель *fabless* (*fabrication* – производство, *-less* – суффикс, указывающий на отсутствие), характеризующаяся отсутствием у фирм – компьютерных разработчиков микросхем, чипов – собственных производствен-

ных мощностей, и IDM (Integrated Device Manufacturer), характеризующаяся, напротив, объединением разработки и производства в пределах одной компании.

२९. सी पी एस ई (Central Public Sector Enterprises – CPSE) – предприятия государственного сектора.

३०. अनियत कामगार – временный, или поденный рабочий.

३१. ठेके के मजदूर – наемный рабочий (рабочий по контракту).

३२. घाटे में चलने वाले उद्यम – убыточные предприятия.

३३. निदेशक मंडल (Board of Directors) – Совет директоров.

३४. सरकारी क्षेत्र के उद्यम पुनरसंगठन बोर्ड (बी आर पी एस ई) – The Board for Reconstruction of Public Sector Enterprises (BRPSE).

३५. माइक्रो और लघु उद्यम-एम एस ई (MSE) – мелкие и малые предприятия.

३६. माइक्रो, लघु और मझोले उद्यम विकास (एम एस एम ई डी) अधिनियम (MSMED Act) – закон о развитии мелких, малых и средних предприятий.

३७. चूककर्ता इकाई – предприятие-банкрот.

३८. समुद्रतटीय विनियम क्षेत्र – सी आर जेड (Coastal Regulation Zone CRZ) – зона прибрежного (берегового) контроля.

३९. सफाई विकास तंत्र – सीडीएम – (Clean Development Mechanism CDM) – механизм чистого развития.



Упражнения पाठ के अभ्यास

Упражнение 1. Ответьте на вопросы к текстам.

अभ्यास १. पाठ विषयक प्रश्न ।

- १) भारत के प्रमुख औद्योगिक क्षेत्र क्या हैं ?
- २) परंपरागत कपडा उद्योग की वर्तमान स्थिति क्या है ?
- ३) कृषि के लिये रासायनिक उद्योग का महत्व क्या है ?
- ४) इलेक्ट्रॉनिक्स और कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी में भारत की उपलब्धियां क्या हैं ?
- ५) क्या केन्द्रीय सार्वजनिक क्षेत्र के उद्यम अभी भी मौजूद हैं ?
- ६) भारत का पर्यावरणीय मुद्दों के प्रति दृष्टिकोण क्या है?

Упражнение 2. Переведите следующие слова и словосочетания.

अभ्यास २. निम्नलिखित शब्दों व शब्दसमुदायों का अनुवाद कीजिये ।

विद्युत क्षेत्र की वृद्धि अपरिवर्तित रहना, विनिर्माण क्षेत्र में आम गिरावट होना, विद्युत रोधी केबिल, उत्पादन की उच्च-भारांशित मर्दे, कोटा प्रणाली, निर्यात निष्पादन, पेय पदार्थ, दुग्ध पौडर, सूती वस्त्रोद्योग, मकडजाल में फंसना, कुशल श्रमशक्ति की आवश्यकता की अनिवार्यता को देखना, संयुक्त उद्यम कंपनी, तेल के हाइड्रोकार्बन भंडार, अपस्ट्रीम कंपनी, नई प्रौद्योगिकियों के विकास में निजी निवेश को प्रोत्साहन देना, घरेलू बाजार में मांग व आपूर्ति के अंतर के कारण, दुपहिया और तिपहिया वाहन, अर्ध-कुशल रोजगार का सृजन, शुल्क-रहित संव्यवहार को समाप्त करना, भारतीय बहुमूल्य धातुओं और आभूषणों पर आयात शुल्क लगाना, हवाई और समुद्री परिवहन में अवसंरचनात्मक बाधाएं, उदारीकृत प्रत्यक्ष निवेश अंतर्वाह,

निधिक भी हो सकते हैं और अनिधिक भी । अनिधिक ऋण का भुगतान करने के लिये भुगतान के समय ही आय से पूर्ण भुगतान व्यवस्था करनी पडती है । निधिक ऋण के मामले में प्रति अवधि (सामान्यतः एक वर्ष) एक निधि-कोष में आय का इतना भाग जमा करते जाते हैं कि ऋण भुगतान की तिथि तक पूर्ण भुगतान हेतु राशि संचित हो जाती और मिल जाती है । इससे भुगतान तिथि पर आय का अधिक भाग अदायगी में नहीं निकल जाता ।

Упражнение 5. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ५. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

१. आधारभूत ढांचे के सरकारी और निजी घटकों का स्वरूप विभिन्न कारकों जैसे कि निवेश के आकार, भौगोलिक स्थिति, मांग एवं पूर्ति की स्थिति, विकास के चरण और अन्ततः प्रौद्योगिकीय कारकों के आधार पर भिन्न-भिन्न हो सकता है ।

२. एक मतैक्य है कि अच्छी तरह से तैयार की गयी आधारभूत ढांचा संबंधी परियोजनाओं का सही कार्यान्वयन सकारात्मक बाह्य कारक (положительный внешний эффект – positive externality) प्रदान कर सकता है और अन्य क्षेत्रों के लिये आधार तैयार कर सकता है ।

३. वर्ष 2007-08 के दौरान, विद्युत निकायों द्वारा बिजली के उत्पादन में 7.2 प्रतिशत की वृद्धि करके 710 बिलियन किलोवाट घण्टे करने का लक्ष्य रखा गया था ।

४. हालांकि, तीनों खंडों अर्थात् तापीय, पन बिजली और नाभिकीय बिजली के उत्पादन में गिरावट आयी लेकिन विशेष रूप से, नाभिकीय बिजली के उत्पादन में तेजी से गिरावट हुई।

५. भारत ने पिछले पांच सालों के दौरान अवसंरचना में प्राइवेट निवेश में तेजी से हुई वृद्धि को अनुभव किया ।

६. वर्ष 2006 में प्राइवेट भागीदारी के साथ भारतीय अवसंरचना परियोजनाओं के प्रति वचनबद्धता ब्राजील और चीन की तुलना में लगभग दुगुनी थी जिसने भारत को मध्य और निम्न आय वाले देशों के मध्य अग्रणी कनाया है ।

७. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना के दस्तावेज में उल्लेख है कि सकल घरेलू उत्पाद के विकास की औसत दर 9 प्रतिशत प्रतिवर्ष कायम रहे ।

८. ग्यारहवीं पंचवर्षीय योजना अवधि के लिये पूर्वानुमानित अर्थव्यवस्था को सम्पूर्ण विकास का पैटर्न केवल तभी प्राप्त किया जा सकेगा यदि अवसंरचना घाटे पर काबू पाया जाये ।

Упражнение 6. Переведите письменно следующие предложения.

अभ्यास ६. लिखित रूप से अनुवाद कीजिये ।

1. Несмотря на заявления о снятии количественных ограничений, вопрос о протекционизме (संरक्षणवाद) остаётся практически открытым, поскольку индийцы, очевидно, будут стремиться компенсировать отсутствие количественных ограничений на импорт введением более высоких тарифов на ввозимые товары.

2. Вместе с тем готовность индийской стороны к продолжению диалога с ВТО с целью адаптации своей экономики к её требованиям не вызывает сомнений.

3. Либеральные сдвиги в экономике Индии привели к значительному увеличению размеров финансовых поступлений в страну, что не могло не сказаться на её статистических показателях, фиксирующих низкий дефицит платёжного баланса и ежегодный экономический рост на уровне 6–7 %.

4. Однако в этой связи необходимо отметить, что либерализация экономики до настоящего времени не стала источником какого-либо существенного сдвига в традиционных производящих отраслях.

5. По оценкам индийских аналитиков, в настоящее время существенная доля затратной части бюджета расходуется нера-

ционально (अनुचित ढंग से): из этого источника зачастую компенсируется неэффективное (अलाभकर) производство предприятий государственного сектора.

6. Сдерживающим фактором остаётся отсутствие свободной обратимости (विनिमय) индийской рупии.

7. Индия проводит активную внешнюю политику, сохраняя приверженность (प्रतिबद्धता) принципам Движения неприсоединения (गुटनिरपेक्षता आंदोलन), неучастия в военных союзах, стремится поддерживать со всеми странами нормальные, конструктивные (रचनात्मक) отношения.

8. Индия традиционно выступает против доминирования в международной политике отдельных держав и является сторонницей многополярного мироустройства.

Источник: материалы Международного экономического форума «Россия и Индия: стратегическое партнерство в XXI в.».

URL: <http://www.rus-ind.ru/economic/>

Упражнение 7. Изложите на хинди содержание статьи.
अभ्यास ७. इस लेख को हिन्दी में सुनाइये ।

**«Индия ясно видит своё место в глобальном мире
и уверенно идёт к намеченной цели»**

(2008 год был объявлен в Индии Годом России. В связи с этим посол Индии в России г-н Прабхат Шукла ответил на вопросы главного редактора журнала «Российская Федерация сегодня» г-на Юрия Хренова. Ниже приводятся ответы г-на П. Шуклы)

К сожалению, в нашем торговом обороте на долю России приходится не так много – 5,3 миллиарда долларов. И для меня вопрос номер один, как увеличить торговлю, развить наши торгово-экономические связи. В сравнении с нашими политиче-

скими или культурными связями они выглядят несравнимо слабее...

В рамках российского проекта создания транспортного коридора между Европой и Тихим океаном есть вариант повернуть железную дорогу из Сибири на юг через Иран или Афганистан, а потом на Пакистан и Индию. Нам этот проект известен, и мы готовы в нём участвовать. Посмотрим, что из него получится. Но, на мой взгляд, транспортные проблемы не главное на пути развития наших торгово-экономических отношений. В советское время основным портом в наших связях была Одесса, теперь эту роль успешно может играть Новороссийск. Чего в большей степени не хватает, так это контактов между бизнесменами Индии и России. В результате мы плохо знаем друг друга. Если бы индийские бизнесмены лучше понимали ситуацию в России, а российские – в Индии, то решения всех вопросов находились бы быстрее. Но начало положено – в 2006 году мы создали двусторонний Форум по торговле и инвестициям. На мой взгляд, вопрос инвестиций даже важнее торговли. Россия привлекает сегодня до 100 миллиардов долларов в год, а Индия – до 70 миллиардов долларов. В то же время индийские инвестиции за рубежом составляют 25 миллиардов долларов. Уже четыре года подряд в Англии мы стабильно занимаем 1–2 места среди зарубежных инвесторов (наряду с США). Почему бы индийским капиталам не пойти в российскую экономику, и наоборот? .

Мы считаем Год России у нас очень важным мероприятием. Решение о его проведении было принято во время визита в нашу страну Владимира Путина. Лично я ставлю перед собой задачу привлекать к этому мероприятию прежде всего молодёжь, чтобы она понимала важность развития наших отношений. Молодые люди пока воспринимают их не как люди моего поколения. Молодёжь в эпоху глобализации чаще обращает свои взоры на Запад. В этом нет ничего плохого, но мир многополюсен и надо смотреть не только на Запад, но шире. Мы уверены, что открытие Года России будет событием очень зрелищным и красивым. В программу включены выступления музыкальных, танцевальных и других коллективов, экономиче-

रहा है और अनेक क्षेत्रों में अनुसंधान कार्य की गति तेज की जा रही है ।

विजन २०२०

इसी विषय पर हमारी वर्तमान सरकार ने एक बहुत बड़ा दस्तावेज तैयार किया है, "विजन २०२०", जिसको २०२० तक विज्ञान व टेक्नोलाजी की नीति या दृष्टिकोण कहा जा सकता है। अब सरकार के सारे काम इसी दृष्टिकोण पर आधारित हैं । यह १० रिपोर्टों का पुलिंदा है जिसे आम आदमी, बुद्धिजीवी या विशेषज्ञ तक नहीं पढ़ सकते । सन् २०२० तक तो अभी समय है, इसका अर्थ है कि अभी प्रतीक्षा कीजिये तब जाकर कुछ हाथ लगेगा ।

इस टेक्नोलाजी विजन ने वैज्ञानिक समुदाय से मिलकर एक राष्ट्रीय एजेंडा बनाया है, जिससे देश विकासशील से विकसित देशों की श्रेणी में आ जाए । इस नीति रिपोर्ट को बनाने के लिये ५०० विशेषज्ञों ने भाग लिया, जिनमें उद्योगों, वैज्ञानिक संगठनों, सरकारी विभागों तथा विश्वविद्यालयों के प्रतिनिधि थे । इसमें बताया गया है कि भारत जैसा विशाल देश विज्ञान तथा टेक्नोलाजी से क्या लाभ उठा सकता है । इसमें जो विषय लिये गये हैं, उनमें कृषि खाद्य संसाधन, कृषि, स्वास्थ्य, विद्युत, नागरिक उड्डयन, जल मार्ग, इंजीनियरी उद्योग (машиностроительная промышленность), जीवन विज्ञान (биология) तथा जैव तकनीकी (биотехнология), सामरिक उद्योग तथा सामग्री व प्रोसेसिंग आदि शामिल हैं। वास्तव में यदि उक्त रिपोर्टों की सभी बातें लागू हो गयीं और वे सफल सिद्ध हुईं तो २०२० में भारत का नक्शा ही बदल जायेगा । इसमें बताया गया है कि देश की शक्ति कितनी है, किसमें कितनी क्षमता है और हम तकनीकी उपलब्धियों के लिये क्या कुछ कर सकते हैं । सारा सवाल यह है कि कम समय में कैसे सफलता मिले और कैसे विज्ञान के लाभ समाज तक पहुंचें । अब इस रिपोर्ट को बने तथा विमोचन हुए आठ मास हो गये, इस बीच इसके बारे में

कुछ सुनने में नहीं आया। क्या ही अच्छा हो, इसकी प्रगति के बारे में समय-समय पर सूचना मिलती रहे।

ज्ञात हुआ कि इस तकनीकी योजना को नौवीं योजना के साथ जोड़ा जायेगा। यह काम सरल नहीं है। यदि दोनों योजनाओं में समन्वय हो गया और दोनों के उद्देश्य पूरे हुए तो सफलता निश्चित है। लेकिन बात तो यह है कि २०२० तक का समय लम्बा है। विज्ञान व टेक्नोलॉजी की द्रुत प्रगति को देखते हुए इतनी लंबी प्रतीक्षा कौन करेगा। पहले ही निर्धारित समय में कौनसे काम पूरे हुए हैं। सरकार ने उद्योगों को आकर्षित करने के लिये ३० करोड़ रुपये की लागत से प्रौद्योगिकी विकास कोष बनाया है, जिसमें उद्योग अनुसंधान एवं विकास के मार्ग पर आ जाए। लेकिन पहले भी उद्योगों को कितनी बार मौके दिये गये, फिर भी वे स्वदेशी तकनीक के प्रति आकृष्ट नहीं हुए और निरंतर विदेशी तकनीक ही लेते रहे।

(हरीश अग्रवाल)

Упражнение 9. Запомните следующие термины.

अभ्यास ९. निम्नलिखित शब्द व शब्द-समूहों को याद कीजिये।

стагнация – stagnation – गतिहीनता

специализация – specialization – विशिष्टीकरण

фаза экономического развития – stage of economic development – आर्थिक विकास चरण

государственное вмешательство в частный бизнес – state interference in private business – निजी व्यवसाय में राजकीय हस्तक्षेप

аудит – audit – लेखापरीक्षा

скрытое финансирование – backdoor financing – प्रच्छन्न राजवित्तीयन

буферные запасы (фонды) – buffer stock – सुरक्षित भंडार, स्टॉक

бюджетная сессия – budget session – बजट सत्र
коммерциализация – commercialization – वाणिज्यीकरण
потребительский рынок – consumer market – खपत
बाजार

таможенная пошлина – customs duty – सीमाशुल्क
экономическая самодостаточность – economic self-sufficiency – आर्थिक आत्म-निर्भरता

биржа труда – labour exchange – रोजगार विनिमय
कार्यालय

освобождение от налогообложения – exemption from taxation – कर से छूट

контроль над расходами – control on expenditures – व्ययों
पर नियंत्रण

гибкий тариф – flexible tariff – नम्य प्रशुल्क दर
экономическая статистика – economic statistics – आर्थिक
सांख्यिकी

**Упражнение 10. Переведите на хинди.
अभ्यास १०. हिन्दी में अनुवाद कीजिये ।**

Китай

Экономика Китая – мирового лидера по темпам экономического роста, по официальным данным, за 2007 год выросла на 11,4%, а по итогам 2008 года руководство страны ожидало ещё более ошеломительных показателей.

Головокружительные (बेजोड) темпы развития экономики и её размер выдвигают Китай на одну из первых ролей в глобальной экономической системе. Теперь это третья по размерам экономика в мире и центр азиатского региона, один из основных “драйверов” глобального экономического роста.

Четыре “слона” несут на себе китайскую экономику: экспорт, дающий до 80% валютных доходов государства, демонстрирующее самые впечатляющие в мире темпы роста про-

мышленное производство, инвестиции в недвижимость (अचल संपत्ति) и розничная торговля.

Главной задачей китайского правительства и Центробанка на ближайшее будущее является переориентация экономики на внутреннее потребление, что позволит снизить зависимость от экспорта, инвестиций и глобального экономического цикла в целом.

Основная задача китайской экономики — сохранить темпы устойчивого роста после Олимпиады в Пекине, ставшей важнейшим стимулом экономического развития страны. На 2008 год прогнозировался рост ВВП в диапазоне 10–10,5%, а ревальвация (पुनर्मूल्यन) юаня могла составить 6–8%.

*(Илья Илюхин. Городская банковская газета. №8 (30).
Сентябрь 2008). URL: <http://www.BANKER.RU>*

Упражнение 11. Составьте резюме на хинди нижеследующей статьи.

अभ्यास ११. इस लेखांश का हिन्दी में सार लिखिये और कक्षा में सुनाइये ।

Сможет ли Индия выжить в эпоху глобализации ?

Хотя данные о производительности не имеют окончательного значения для демонстрации долгосрочных различий развития, тем не менее приток капитала как иностранного, так и внутреннего имеет влияние на рост.

Мобильность внутреннего рынка труда является в некоторой степени компенсирующим фактором, который не отражается в данных по производительности, но его можно проследить в данных по доходам в штатах, если бы они имелись в наличии.

Штаты Индии по-разному реагировали на реформы, в основном из-за различий в экономической и социальной инфраструктуре, особенно в уровне образования и здравоохранения, в начале реформ. Однако правильная политика поможет со временем стереть эти различия. Бедные штаты, которые разумно расходовали бюджетные средства, смогли быстро улучшить

жизнь людей, например, Мадья Прадеш и Раджастан являются примером мудрого управления.

Другие показатели развития, такие как индекс развития человеческих ресурсов Индии (который включает грамотность, детскую смертность, доступность к водным ресурсам и постоянным жилищным ресурсам, а также формальное образование, уровень бедности и расходы на душу населения), не показывают увеличивающееся неравенство.

Существующие данные, несмотря на ограниченность, дают возможность предположить, что дальнейшая децентрализация – передача новых полномочий правительствам штатов – может послужить для улучшения общей экономической ситуации.

Центральное правительство Индии продолжает играть важную роль в решении проблем беднейшего населения. Государственные трансферты местным властям обеспечивают всех граждан страны набором основных общественных благ.

Однако чтобы исполнить свои обещания, правительство Индии должно пойти еще дальше по пути либерализации. Оно должно приватизировать те компании в государственной собственности, которые съедают бюджетные средства, подчистить и приватизировать финансовый сектор, который настолько плотно контролируется правительством, что делает практически невозможным фискальную дисциплину на уровне местных властей, и упростить систему межправительственных трансфертов – так, чтобы средства и цели стали более понятными.

Это далеко не исчерпывающий список реформ, но они дают возможность совместными усилиями центрального правительства и местных властей успешно противостоять серьезной потенциальной угрозе, которую представляет глобализация для Индии. Совершенно оправданной является политика, ориентированная на развитие конкурентоспособности регионов, чтобы они могли конкурировать как на национальном, так и на глобальном уровне. Сейчас Индия должна действовать.

(мобильность – गतिशीलता, компенсирующий – प्रतिकारी, мудрый – विवेकपूर्ण, доступность – उपलब्धता, формальное

образование – सरकारी शिक्षा, децентрализация – विकेंद्रीकरण, трансферत – अंतरण).

(Адаптировано по: Нирвикар Синх – профессор экономики Калифорнийского университета, Санта Круз. Т.Н. Сринивасан – профессор экономики Йельского университета и научный сотрудник Центра исследований экономического развития и политических реформ Университета Стэнфорд. Project Syndicate. Июль 2003). URL: <http://www.project-syndicate.org>

Упражнение 12. Выполните двусторонний перевод интервью.

अभ्यास १२. इंटरव्यू का द्विपक्षीय अनुवाद कीजिये ।

बीबीसी हिन्दी सेवा के विशेष कार्यक्रम “एक मुलाकात” में “हाट मेल” सबीर भाटिया से जिन्होंने बिजनेस की दुनिया में बड़ा जबरदस्त नाम कमाया है, बातचीत हुई थी।
संजीव श्रीवास्तव, भारत संपादक
बीबीसी हिंदी सेवा, 27 अक्टूबर 2007
(शेष भाग)

— Произошли ли перемены в сегодняшней Индии по сравнению с Индией времен “hot mail”?

— भारत बहुत बदला है । पहला, भारत में जो प्रतिभा मौजूद है उनका इस्तेमाल करते हुए मैं दुनिया के लिये कुछ नया उत्पाद बनाना चाहता हूँ । दूसरा, भारत का बाजार अभी शैशवावस्था (मладенческий возраст) में है और अगले 10-20 सालों में बहुत बड़ा हो जायेगा । मैं समझता हूँ कि उस दिशा में मैं भारत केंद्रित निवेश भी कर रहा हूँ । मेरा मानना है कि जो उत्पाद और चीजें अमरीका और यूरोप में सफल रही हैं वे एक दिन भारत में भी होंगी । जैसे कि न्यूज सर्विस में बातें करें तो मैंने ‘अपना सर्किल’ में निवेश किया है जो भारत की

एक सोशल नेटवर्किंग साइट है जैसे फेसबुक अमरीका की है मैं सोचता हूँ कि बाद में यह काफी बड़ी हो जायेगी ।

— **Каков результат Ваших инвестиций тех средств, которые Вы получили от продажи “hot mail”?**

— देखिये, मैं जिस दुनिया में रहता हूँ वहां 10 में से 9 निवेश डूब जाता है लेकिन एक जो चल जाता है वह नौ खराब (बिल्लियन) निवेश से कहीं ज्यादा फायदा दे जाता है । मैंने काफी जोखिम भरे निवेश किये, उनमें कई नहीं चले । जैसे कि भारत के बारे में कहता हूँ यहां टैवल सेक्टर काफी तेजी से बढ़ रहा है और इसे देखते हुए मैंने आरजू डाट कोम शुरू की थी जिस पर आप अपनी यात्रा के लिये टिकट और होटल में रूम आदि बुक करा सकते हैं । इसके अलावा मैंने आयरन पोट में निवेश किया था जिसे सिस्को पिछले साल खरीद लिया । इसके अलावा मेरी एक कंपनी पोस्टैनी में निवेश किया था जिसे गूगल ने अधिग्रहित किया है । और भी कई निवेश हैं जो अगले तीन-चार साल में विश्व-स्तर की कंपनी बन जाएंगी ।

— **Как Вам удастся увидеть потребности будущего? Это искусство, результат труда или же это Ваши ощущения?**

— भविष्य कोई भी देख नहीं कर सकता है । अगर आइडिया अच्छा हो तो उस पर जरूर काम करना चाहिए । भारतीय दर्शन भी कहता है कि परिणाम उतना महत्वपूर्ण नहीं होता है, कोशिश जरूर करनी चाहिए । मैं जब बाजार में बड़े निवेश पर विचार करता हूँ तो सोचता हूँ कि क्या मैं इस उत्पाद का उपयोग करूंगा और अगर करूंगा तो यह दूसरों की समस्या को कैसे सुलझा सकता है ।

मैंने आरजू कैसे शुरू की इसके बारे में एक छोटी सी कहानी सुनाता हूँ । मैं बंगलौर में था तो मुझे एक बार रात

में अचानक पता चला है कि मीटिंग के लिये सुबह मुंबई पहुंचना था लेकिन रात में मैं फ्लाइट के टिकट नहीं बुक करा सकता था, फ्लाइट के समय और सीट की जानकारी भी नहीं मिल सकती थी। मैंने सोचा कि अमरीका में तो मैं रात को टिकट बुक करवाकर सुबह-सुबह यात्रा कर सकता हूँ। मुझे लगा कि इसके लिये एक साइट शुरू करनी चाहिए। फिर मैंने पता किया कि ऐसा अब तक क्यों नहीं हुआ तो पता चला कि जीडीएस सिस्टम के रिजल्ट्स इंटरनेट पर नहीं आते। फिर मैंने इसके लिये साफ्ट वेयर लिखकर और 10-12 प्रोग्रामों की मदद से साइट शुरू कर दी।

— Вы уже ответили на мой следующий вопрос. С каким посланием Вы бы обратились к тем, кто считает Вас примером для себя?

— मैं कहना चाहूंगा कि सपना देखना न छोड़ें। जो कुछ भी करते हैं उसके बारे में सपना देखें। कोई विचार आये तो उसके लिये जोखिम जरूर उठाएँ। अगर असफल हो गये तो भी कुछ सीखेंगे। आपको पता है कि जिन्होंने हर्शी चाकलेट बनायी उन्होंने पहले 14 धंधों में हाथ आजमाया (испытывать, пробовать) लेकिन असफल हो गये, बाद में उनकी चाकलेट बहुत मशहूर हुई और उन्होंने 15 कंपनियां खडी कीं। हमेशा कोशिश करते रहें और जोखिम लेते रहें। जिंदगी में जोखिम न लेना ही सबसे बड़ा जोखिम है।

Упражнение 13. Напишите на хинди сочинение на тему: "Участие и роль Индии в СААРК" (объем – 2 страницы).

अभ्यास १३. "SAARC में भारत की भागीदारी और भूमिका" विषय पर छोटा सा निबंध लिखिये।



Тесты टेस्ट

Тест 1. Выберите правильный вариант ответа.

टेस्ट १. सही जवाब चुनिये ।

१. उपभोक्ता टिकाऊ वस्तुओं में आयी गिरावट के कारण लोगों की क्या प्रतिक्रिया हुई थी ?

- (१. आम तौर पर ऐसी समस्याओं से अधिकांश लोग परेशान नहीं होते । २. बहुत से गरीब लोग खुश रहे ।
३. विभिन्न तबकों से चिंताजनक टीका-टिप्पणियाँ हुई हैं) ।

२. भारत के सामने खड़ी वास्तविक चुनौतियों में से सबसे बड़ी चुनौती क्या है ?

- (१. ग्रामीण और शहरी दोनों के सड़क संपर्क । २. हवाई और समुद्री परिवहन । ३. विद्युत ऊर्जा में अवसंरचनात्मक बाधाओं को दूर करना) ।

३. भारतीय रत्नों व आभूषणों के लिये प्रमुख बाजार क्या-क्या देश हैं ?

- (१. संयुक्त राज्य अमरीका । २. रूसी परिसंघ ।
३. थाईलैंड) ।

Тест 2. Выберите правильный термин из трех вариантов.

टेस्ट २. ठीक शब्द चुनिये ।

१. 1991 के बाद की अवधि में औद्योगिक क्षेत्र के निष्पादन को प्रभावित करने वाली नयी ... स्वीकार की गयी है।

1. उदारीकृत नीति
2. हुकमशाही अर्थव्यवस्था
3. आयात पर निर्भरता

२. क्षेत्रीय असमानता को दूर करने के लिये राज्य की ओर से नयी युक्ति (стратегия) अपनायी गयी है जिसमें सबसे महत्वपूर्ण ... है ।

1. न्यायपूर्ण संसाधनों का वितरण
2. कड़ी प्रतिस्पर्धा
3. कर नीति में छूट

३. कई सूती वस्त्र मिलों को ... के कारण बंद करना पडा ।

1. मिल क्षेत्र में मंदी
2. पुरानी मशीनरी का प्रयोग
3. श्रमिकों का असंतोष

Тест 3. Заполните пропуски словами из списка, данного в скобках.

टेस्ट ३. रिक्त स्थान उचित शब्द से भरिये ।

१. लघु व कुटीर उद्योगों के विकास बाधक कारकों में से ... उल्लेखनीय हैं ।

(बाजार स्थिति, प्रोत्साहन का अभाव, परस्पर सहयोग, राजकोषीय सहायता, बिजली की प्रचुरता) ।

२. मोटे तौर पर सार्वजनिक क्षेत्र में ... रखे गये ।

(कुटीर उद्योग, बुनियादी उद्योग, लघु औजार, सामरिक उद्योग, कृषि) ।

३. सम्पूर्ण कृषि ... में रखी गयी थी । (निजी क्षेत्र, सरकारी क्षेत्र, विदेशियों के हाथ में, वित्त निगम, अनिवासियों के हाथों में) ।

कुंजियां (ключи к тестам)

पाठ १

- टेस्ट १: (१) — २; (२) — ३; (३) — ३
टेस्ट २: (१) — १; (२) — १; (३) — १
टेस्ट ३: (१) — औद्योगिक ढांचा; (२) — प्रति व्यक्ति आय; (३) — सामाजिक क्षेत्र

पाठ २

- टेस्ट १: (१) — १; (२) — ३; (३) — १
टेस्ट २: (१) — १; (२) — २; (३) — ३
टेस्ट ३: (१) — विश्व व्यापार संगठन; (२) — उद्यम;
(३) — भुगतान शेष

पाठ ३

- टेस्ट १: (१) — ३; (२) — ३; (३) — ३
टेस्ट २: (१) — १; (२) — ३; (३) — १
टेस्ट ३: (१) — आधारभूत ढांचा; (२) — निधियां;
(३) — पारदर्शी

पाठ ४

- टेस्ट १: (१) — २; (२) — १; (३) — १
टेस्ट २: (१) — १; (२) — १; (३) — २
टेस्ट ३: (१) — राजनैतिक निर्णय; (२) — खाद्यान्न;
(३) — सामाजिक सेवाएं

पाठ ५

- टेस्ट १: (१) — २; (२) — १; (३) — १
टेस्ट २: (१) — १; (२) — १; (३) — २

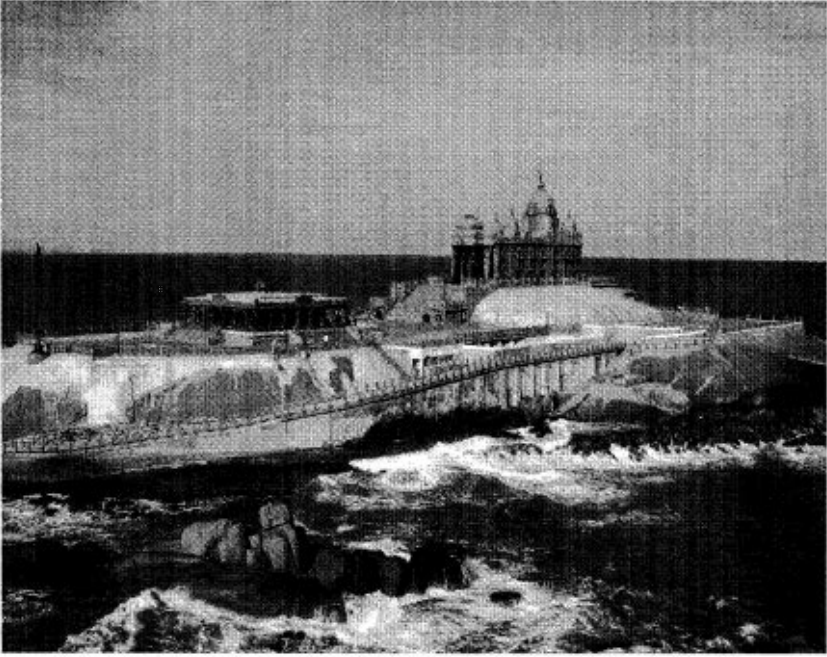
टेस्ट ३: (१) — नयी नीति अपनाना; (२) — सख्ती करना; (३) — राजमार्ग

पाठ ६

टेस्ट १: (१) — १; (२) — ३; (३) — १

टेस्ट २: (१) — १; (२) — १; (३) — १

टेस्ट ३: (१) — प्रोत्साहन का अभाव; (२) — सामरिक उद्योग; (३) — सरकारी क्षेत्र



Список рекомендуемой литературы.

На русском языке:

1. Индия сегодня: справочно-аналитическое издание / РАН, Институт востоковедения, Центр индийских исследований. – М., 2005.
2. Научные труды международного союза экономистов и вольного экономического общества России, т.13. – 2004.
3. Мировая экономика: учебник для студентов высших учебных заведений, обучающихся по экономическим специальностям и направлениям под редакцией д.э.н. А.С. Булатова М., 1999.
4. В.К. Ломакин. Мировая экономика: учебник для высших учебных заведений. – М., 1998.
5. Политические и экономические статьи из печатных и электронных СМИ. 2004–2008 гг.
6. О.Г. Ульциферов. Индия: лингвострановедческий словарь. – М., 2003.
7. О.Г. Ульциферов. Современный русско-хинди словарь. М., 2004.
8. Хинди-русский словарь. В 2 т. – М., 2001.
9. Хинди-русский и русско-хинди общеэкономический и внешнеэкономический словарь. – М., 1974.
10. Англо-русские и русско-английские общеэкономические, внешнеэкономические и внешнеэкономические словари.

На языке хинди:

1. С.К. Мишра, В.К. Пури. Индийская экономика: учебник для студентов уровня «бакалавриат». – Нью-Дели, 2004.
2. Ишвар Дхингра. Экономическое развитие Индии и планирование. – Нью-Дели, 1996.
3. Р.Э. Сахгал. Индийская экономическая наука. – Дели, 1979.
4. М.Л. Джхинган. Экономика (наука) развития и планирование. – Дели, 2003.

5. Амартья Сен и Джнян Дридж. Направления развития Индии. – Дели, 2001.

6. Толковый экономический словарь. Издание индийского правительства. – Дели, 1989.

7. С.Л. Чатурведи и Л.Н. Агрвал. Принципы и практика коммерции. – Дели, 1978.

8. Англо–хинди словарь экономических терминов. Издание Центрального директората хинди. Правительство Индии. 1970.

На английском языке:

1. A glossary of Pan-Indian terms in Economics & Commerce. Commission for scientific and technical terminology, Government of India. 1986.

2. Humanities glossary IX. Economics, English-Hindi. Central Hindi Directorate. 1973.

3. Commerce glossary I, English-Hindi, Standing Commission for scientific & technical terminology, Government of India. 1970.

4. Commerce glossary II, English-Hindi, Standing Commission for scientific & technical terminology, Government of India. 1973.

5. India's finest companies. The Financial Express. January 2006.

Интернет-ресурсы:

1. URL: <http://www.Indianembassy.ru>
2. URL: <http://www.project-syndicate.org>
3. URL: <http://www.rian.ru>
4. URL: <http://www.India.gov.ru>
5. URL: <http://www.indiaimage.nic>
6. URL: <http://www.in.yahoo.com>
7. URL: <http://www.webdunia.com>
8. URL: <http://www.samachar.com>
9. URL: <http://www.rbi.org.in>
10. URL: <http://www.navbharattimes.com>

11. [URL:http://www.amarujala.com](http://www.amarujala.com)
12. [URL:http://www.indiabudget.nic.in](http://www.indiabudget.nic.in)
13. [URL:http://www.kremlin.ru](http://www.kremlin.ru)
14. [URL:http://www.planningcommission.nic.in](http://www.planningcommission.nic.in)
15. [URL:http://www.prabhasakshi.com](http://www.prabhasakshi.com)
16. [URL:http://www. Jansamachar.net](http://www.Jansamachar.net)
17. [URL:http://www.newsvote.bbc.co.uk](http://www.newsvote.bbc.co.uk)
18. [URL:http://www.rashtriyasahara.com](http://www.rashtriyasahara.com)



СОДЕРЖАНИЕ

Предисловие3

Тема I. Экономическое положение Индии

Урок 1

Тексты на хинди:

Состояние экономики.....5

Доход и потребление на душу населения6

Сбережения и инвестирование7

Сельскохозяйственное производство.....9

Промышленность и инфраструктура10

Общественный сектор12

Словарь14

Комментарий.....21

Упражнения24

Тесты47

Урок 2

Тексты на хинди:

Экономический рост.....50

Вклад секторов экономики в экономический рост52

Потребительская корзина.....54

Платежный баланс.....55

Внешняя торговля.....57

Глобальное потепление61

Словарь62

Комментарий.....68

Упражнения71

Тесты84

Тема 2. Общая программа-минимум ОПА

Урок 3

Тексты на хинди:

Введение.....87

Занятость88

Сельское хозяйство	89
Образование, здравоохранение.....	90
Женщины и дети.....	92
Продовольственная безопасность	92
Панчаяты	93
Списочные племена.....	94
Общественное согласие, процветание меньшинств.....	95
Инфраструктура.....	95
Водные ресурсы.....	96
Словарь	97
Комментарий	101
Упражнения	104
Тесты	119

Урок 4.

Тексты на хинди:

Региональное развитие, отношения центр – штаты.....	121
Джамму и Кашмир, северо-восточные территории	122
Административные реформы	123
Промышленность.....	123
Работа	123
Общественный сектор.....	125
Финансовая политика.....	126
Рынок капитала.....	127
Экономические реформы	128
Безопасность, внутренняя безопасность	128
Наука и технология	129
Энергетическая безопасность	129
Внешняя политика; международные организации.....	129
Словарь	131
Комментарий	134
Упражнения	137
Тесты	152

Тема 3. Реализация правительством ОПА Общей программы-минимум

Урок 5.

Тексты на хинди:

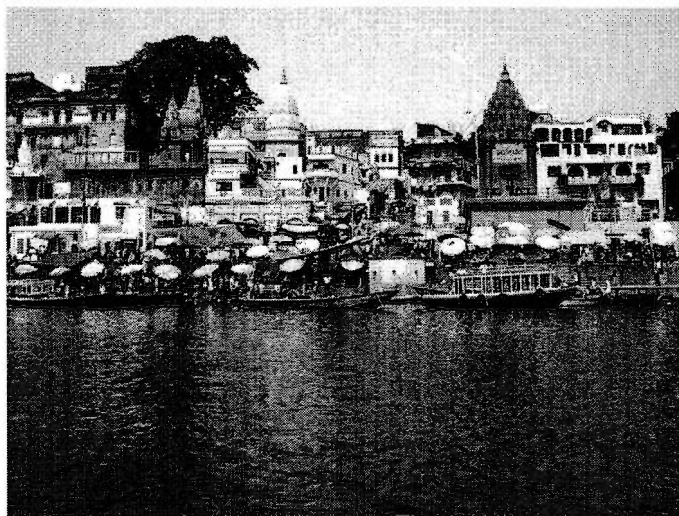
Семь приоритетов Общей программы-минимум	155
Сельское хозяйство и продовольственное обеспечение.....	156
Сельскохозяйственное производство и продовольственное обеспечение	156
Сельскохозяйственное производство в 2006-20007 и 2007-2008 гг.	157
Национальная сельскохозяйственная политика 2007г.	158
Новые инициативы для сельской Индии	160
Программа “Строительство Индии”	161
Национальная миссия (программа) продовольственной безопасности.. ..	161
Занятость	162
Контролирование инфляции	163
Сельское кредитование	164
Орошение	165
Шаги в направлении здоровья нации	167
Словарь	167
Комментарий	170
Упражнения	172
Тесты	187

Урок 6.

Тексты на хинди:

Краткий обзор	190
Производство продовольственных товаров.....	191
Производство напитков, табачных изделий	192
Текстильная промышленность	192
Производство кожи и кожанных изделий	193
Химическая промышленность	193
Производство пластика, каучука и нефтепродуктов.....	194
Нефть и газ	195
Уголь	196
Машины и приборостроение	196

Электроника и компьютерные технологии.....	197
Драгоценные камни и ювелирные украшения	198
Предприятия общественного сектора	198
Мелкие (micro) и малые предприятия.....	199
Экология.....	200
Политические (नीतिगत) инициативы.....	200
Словарь	201
Комментарий	204
Упражнения	207
Тесты	222
Ключи к тестам	224
Список рекомендуемой литературы	226



Учебное издание

ДРЮКОВА Клара Усагалиевна

**ЯЗЫК ХИНДИ
ОБЩЕСТВЕННО-ПОЛИТИЧЕСКИЙ
И ЭКОНОМИЧЕСКИЙ ПЕРЕВОД**

Учебное пособие

Подписано в печать 24.06.2011. Формат 60×84^{1/16}.
Усл. печ. л. 13,37. Тираж 60 экз. Заказ № 480.

Издательство «МГИМО-Университет»
119454, Москва, пр. Вернадского, 76

Отпечатано в отделе оперативной полиграфии
и множительной техники МГИМО(У) МИД России
119218, Москва, ул. Новочеремушкинская, 26